क्तिपुरीनर्ध्यायसेसकलजगतजेराय ॥ ८ ॥ सत्य
वंतीसीतासति ॥ शीलतणेअवदात ॥ स्वर्गेपहों-
तीजारमें ॥ वसुधामांयेविख्यात ॥ ९ ॥

ढाल पहेली अडडीनी.

(सुणसुणउंतारेसीजसुहामणी- एदेशी-)

जंबूद्वीपें खेत्र भरत लहुं ॥ लंकानगरीथानक नि-
रमलुं ॥ निर्मलुंथानकपुरीलंका ॥ द्वीपतोराक्षस
भूओ ॥ अजितजिनवरतणेवारें ॥ भूपघनवा-
हनहुओ ॥ महाराक्षससुत पाटथापी ॥ अजितसा-
मीहाथजें ॥ चरणपामी मोक्षपहोतो ॥ घणा
मुनिवरसाथए ॥ १ ॥ राक्षसराजनराजडे घणुं
॥ अवसरजाणीतपसंयमतणुं ॥ अवसरजाणी
पुन्यप्राणी ॥ देवराक्षससुतभणी ॥ राज आपी
ग्रहीसंयम ॥ लहीमोक्षसुहामणी ॥ असंख्या-
ताहुआभूपति ॥ समयदसमांजिनतणे ॥ कि-
तिधवलनिरिंदनिजे ॥ रायआडंबरघणे ॥ २ ॥
एणेअवसरें ऊपाध्यलघिपे ॥ मेघाजियापुरन-
गरअछेजाणे ॥ अजेभगअतींद्रराजा ॥ नारी
तेहनीश्रीमति ॥ श्रीकंठपुत्रपवित्रपुत्री ॥ नामें
देवीगुणवंति ॥ पुष्पोत्तरनृपरत्नपुरीपति ॥ नंद
पद्मोत्तरसही ॥ तसअर्थेदेवीकन्यकाजे ॥ रा-
यमांगीउंमही ॥ ३ ॥ जेचरसुतने परणावीन-

हीं ॥ लंछपतिने विवाहें गहगहा ॥ गहगहा विवाह
अतिघणा हें ॥ किरति धवलनरेंद्रने ॥ देवी वदेवी स-
दासुंभहा ॥ सखी लेभसुरेंद्रनें ॥ अतिईर्षा थी रत्न-
पुरीपतिवहें अमरषआकरो ॥ नारीहेतें कलेस अ-
धिको, ऊपजे सुणियें जसो ॥ ४ ॥ पुष्पोत्तरनी पद्मा
कुमरी ॥ जगन्नी ऊठें रागें अपहरी ॥ अपहरी निसु-
णी लक्ष्मपद्मा ॥ पुष्पोत्तरनृप शालियो ॥ दलजल
विरालजपुठें हुओ ॥ तामजें चरलालियो ॥ लंछप-
तिनुं सरण लीधो ॥ लंछपतिवतककरी ॥ समलवी
शल्यव्याहकीधो ॥ पक्षतो लतेजरी ॥ ५ ॥ लाषें लं-
छनुं पतिसाहरो ॥ वासलुभारो ईहां हिंकरो ॥ ईहां
हिंतुमवासठाणो ॥ तिहांतुम देजो सहु ॥ कोई वे-
लापिसुनवासें ॥ सालतोलघटेजहु ॥ दीपवालर
त्रिसतल्लेयण, ठामअधिकसोहामणो ॥ वासकीने
सुजरहीने ॥ प्रेमसाच्यो आपणो ॥ ६ ॥ लब्धिप-
तिनो लापितमालियो ॥ पुरियकिंकिंधावासवजान
णियो ॥ वजाणियो चरवासवाइ महोत्सम होयामं-
डइ ॥ सुंदराकरणितंगपोसह प सालहिसेसुदइ ॥
उत्तमाचार अपारसहु अती ॥ धर्मकर्मसमाचरे
॥ देव अरिहंत सुगुरुसेवा ॥ लखमनेंसइलोकरे ॥ ७
॥ वानरद्वीपें वानरहेजियें ॥ राक्षरीलयो प्रेमविशे-
षियें ॥ विशेषियें तवप्रेमजहूलो ॥ महारिवालो
नविसहे ॥ अनपाणी दिल्जयेनृप ॥ वयनसहु

ऐसईहे ॥ चित्रविलेपिसुछत्रिजेचर ॥ रूपवानरनुं
धरे ॥ तेहथीअथद्वीपनामे ॥ जमवानरविस्तरे ॥८॥
श्रीकंठहींथीउपन्युंनंदन ॥ वज्रसुकंठनामेंआनंदन ॥
आनंदकरीरायएकदिन ॥ सभामेंजेठोतिसे ॥ द्वीप
अष्टभिजतहेतें ॥ जतदेख्यासुरतिसें ॥ रायचालिओ
मानुषोतर ॥ गिरिथानजिलाग्यो ॥ साधुसंगेंलेईसं-
यम ॥ रायमोक्षासिधाइयो ॥ ९॥ वज्रसुकंठादिकअ-
नेकज ॥ राजहुआछेसुविवेकज ॥ सुविवेकीरायहूआ
॥ वीसमांजिननेसमे ॥ घनोदधीवररायहुओ ॥ अन-
मते आवीनमें ॥ लंकनगरीतडीतकेसज ॥ रायरूडो
राजतो ॥ राक्षसावानरामांहें ॥ प्रेमनोगुणगाजतो
॥१०॥ नंदनवनमेंलंकनोधणी ॥ रमवाव्यासोसाथें
त्रीयाघणी ॥ त्रीयासाथेंरायजेले ॥ वानरोएकएतन
ले ॥ रायत्रीयानाकुंचविलुव्या ॥ कोपीयोनृपतेतले ॥
बाणहणियोलुइंपडियो ॥ साधुदिएनवकारए ॥
सद्दहुं साधुंसोइवानर ॥ हुओउदधीकुमारए ॥
११ ॥ ज्ञानप्रयुंजीदेवज ॥ आवीरिषीनीसारे
सेवज ॥ सेवसारेतामनृपना ॥ लोकवानरमारए ॥
देखीकोप्योदेववानर ॥ सैन्यअतिविस्तारए ॥ कोन
पियाकपितरुसिलासुं ॥ हणेराक्षसलाजऐं ॥ शां-
तिनेजलेंसुरमनाव्युं ॥ जगसीजजइमलाजए ॥
१२॥ साधुसमीपेदोइआविआ ॥ मुनीदेसनासु-
णासातापातपआ ॥ प॥ नआसातारा पूछे ॥ कह-

येंऋषिकइशाऊरी ॥वानरानीतेमाहरीम्बे ॥सुणावो
पूरवच्यरी॥ पुरिसावधियेंमंत्री ॥पुत्रतुंतोनृपेहतो ॥
ऊासियें सुच्धकलवऊपिनो ॥पापेल्पविथोछतो ॥
१३॥ मुनिवरपासेंतेंदिक्षावरी ॥ वाणारसियेंआव्यो
संच्यरी ॥ संचरीआव्योतामसुच्धक ॥ मारियोतेमु-
निवर॥ माहें-दकल्पेंदेवहोई ॥ तुंकुवोरेनरेसरु ॥न-
रकुनांकुंजदेनी सुच्धक ॥ ऊपन्योवानरपणे ॥ वेर
ऊरणलववधारण ॥ ग्यानजलेंमुनिवरलणे ॥१४॥
पुत्रसुकोसलनेपदआपिओ ॥ संयमसाथेंनृपमनथा-
पिओ ॥ थापिओसंयमसाथेंमन ॥ मोक्षमारगसा
धिओ ॥ घनोदधिवरग्रहिसंयम ॥ मोक्षपदआराधि-
ओ॥ किकिंधाराजकिकिंधायें॥सुकोसलनंऊवली॥
केसराजऋषिऊरपहेली ॥ ढालएलाधीरली ॥१५

॥ लंकवाराणें दोहा ॥

गिरिवैताढ्यविशेषथी ॥ रथनूपुरपुरदेष ॥ असनिन
वेगराजलसो ॥ पालेराजविशेष ॥ १ ॥ विजय-
सिंहविजयीमहा ॥ विद्युतवेगविशेष ॥ दोरड दोनं-
दला ॥ पावेसोहविशेष ॥ तेणेंपरवतेंआदितपुरे ॥
मंदिरमालिराय ॥ तेहघरेपुत्रीऊपनी ॥ श्रीमाला
सुभदाय ॥३॥ संवरमंडपतेहने ॥ जोलाव्याबहु
भूप ॥ मंडपनीरचनालली ॥ आछिभांतेअनूपे
॥४॥ रायसहुनेअतिक्रमि ॥ वरिओकिकिंधा

रथ ॥ विजयसिंहकोप्योघणो ॥ अमरषसह्योन
जय ॥ ५ ॥ आगेंहिजित्तारिया ॥ परवतथी तुम
माहिं ॥ अरेछेकलाछलवटो ॥ अजहुंतजेनकांहिं
॥ ६ ॥ केआपोवरमालिका ॥ केसूरासंग्राम ॥ रथ-
सुणीकोप्योघणुं ॥ वानरराक्षसस्वाम ॥ ७ ॥
विजयसिंहने मारियो ॥ किष्किंधानृपनोजात ॥
अंधकहणीजहलोलियो ॥ विजयसिंहनेतात ॥ ८
॥ किष्किंधालंकावणी ॥ कूदीकद्ध्याहोय ॥ इहांपेण
लेजोकोनाहिं ॥ जाणियोकरेसोहोय ॥ ९ ॥

॥ ढालबीजी ॥

॥ मलुतंनेआंगिसुहावतिहे - एदेशी ॥

जाणियासुंज्युंलागताहे ॥ ईरीपाछेहिलागताहे ॥
किष्किंधालंकानानायक ॥ पायालाथितिगवताहे ॥
लंकपयाल प्रसिद्धपुहवी ॥ वासकियासुजपावता
हे ॥ ज० ॥ १ ॥ असनिवेगेंनृपनिर्घातज ॥ लंकथाने
थापताहे ॥ देसनगरपुरपाटणसहुज्ये ॥ यथायोग्यने
आपताहे ॥ ज० ॥ २ ॥ सहस्रारसुतनेइंद्रपदवी ॥
आपणसंयमधारताहे ॥ सुमतिगुप्तिव्रतनोप्रतिपा-
लक ॥ निजपरकार्यसारताहे ॥ ज० ॥ ३ ॥ रायसुकेस
घरेंइन्द्राणी ॥ नारीसीरोमणिनायकाहे ॥ मालि
सुमालिमाल्यवानजे ॥ पुत्रनिनर्कासायकाहे ॥ ज०
॥ ४ ॥ किष्किंधपतिनीवरविनिता ॥ नामेंतोश्रीमा-

लाहे ॥ इक्षरन्नआदित्यरत्नहो ॥ सुतनियमासुवि-
लासाहे ॥ ज० ॥ ५ ॥ रायकिष्किंधिमधुपवनपरें ॥
सुजसाताअतिमानताहे ॥ नामकिष्किंधानगरनि-
वसावि ॥ वासविशेषैंठाणताहे ॥ ज० ॥ ६ ॥ रायसु-
केशीतणासुतजेप्या ॥ नृपलिघातिनिजस्योहे ॥ मा-
लिलंकपुरीकिष्किंधा ॥ सूररजनृपवासिओहे ॥ ज०
॥ ७ ॥ नृपसहस्रारतणेघरनारि ॥ चित्तसुंदरीराजे
हे ॥ नंदनइन्द्रअनोपमजयो ॥ उपमइन्द्रहिसाजेहे
॥ ज० ॥ ८ ॥ मालिराजइन्द्रेंनिपात्यो ॥ पुनरपिलं-
कलीधीहे ॥ नृपवैश्रमणभणिसादीधी ॥ जूणस-
नीजूणसीकीधीहे ॥ ज० ॥ ९ ॥ लंकपयालसुमालि
वसंता ॥ रत्नश्रवासुततंडिओहे ॥ कुसुमोद्यानेतेविन
द्याने ॥ साधनमहोटोमंडिओहे ॥ ज० ॥ १० ॥ जेयन-
रनीकुमरीमनहरणी ॥ पासेंआवीऊभीहे ॥ तनम-
नेरथीरहीछेसाथी ॥ मनुजनेगुणेलोभीहे ॥ ज०
॥ ११ ॥ निश्चलमनरायंतानरवरें ॥ सुधोसाधनसा-
धिओहे ॥ मानवसुंदरीविद्यासाधी ॥ वानघणेरो
वाधिओहे ॥ ज० ॥ १२ ॥ दृष्टीपसारीजोतांदेजे ॥
पासेपद्मनीराढीहे ॥ आपणकुणअछोकहेसुंदरी
॥ वचनेकथनेगाढीहे ॥ ज० ॥ १३ ॥ कौतुकमंगलपुर-
वरमहोटो ॥ व्योमबिंदुतिहांराजहे ॥ कौशिककेक-
सीयसहोदरी ॥ रूपकलागुणताजहे ॥ ज० ॥ १४ ॥
कौशिकतोविश्ववसाघरें ॥ वैश्रवणसुतवंकाहे ॥ इं-

त्तणेअधिकारीअधिको ॥ लंकशाननिसंकहे ॥ज०
॥१५॥ निमित्तिमुनमुभयरलाण्यो ॥मनसाअधि-
कणीमाहीहे ॥ तेकिकुटुंबआडंबरेंराम ॥ साकन्या
तयव्याहीहे ॥ ज०॥१६॥पुरकुसुमांतरनयरेवरा-
वी ॥ वासवानासुखभानेहे ॥ धर्मसुकर्मकरतांज्कु-
सो ॥ जन्मकृतारथगणेहे ॥ ज०॥१७॥ एकदिवश
ऊकसीयेंनिसायें ॥ सिंहसुपणोदेखीयोहे ॥ गजकुं-
भस्थलभेदकरंतो ॥ नृपनेहर्षविशेषीयोहे ॥ ज०॥१८
॥गर्भवतिसाराणीधारणी ॥ अतिअसुहाणीभावेंहे
॥ मोडेअंगकलेसकरंती ॥ मानघणोमनराखेहे ॥
ज०॥१९॥ दरपणछांडीनजरेमुखदेखे ॥ ईन्द्रहि
आणमनावेहे ॥ अशिशिरपावदियुंईत्यादिक ॥ग-
र्भमिलावलणावेहे ॥ ज०॥२०॥ मतिपजियां
घरेत्रासपडंतां ॥ शुभवेलासुतजन्योहे ॥ सहसन्येन-
तुर्दशवर्षप्रमाणे ॥ अविचलहोईआयोहे ॥ ज०
॥२१॥ भीमेंन्द्रपुरार्पितपरगट ॥ माणिकनव
निपायोहे ॥ हारउदाईउंयोलीधो ॥ पहरिगलेसोन
लायोहे ॥ ज०॥२२॥ दशिकेकसीअहतमासो ॥ अन
यशिक्षअधिकउपायोहे ॥ रत्नश्रवानेअहअपूरव ॥
राणियेंव्यालदिखायोहे ॥ ज०॥२३॥ राक्षसईन्द्र
घनवाहनने ॥ आपिओथोअेमसुणियेंहे ॥ पूरवे
नेतयपूजओअरचिओ ॥ देवनणीपरेथुणियोहे ॥
॥ज०॥२४॥ नागहजारेंसेवितकिणाहि ॥ उपाडयो

नवीदीठोहे ॥ जालिकथाशोलिलार्थे ॥ सोकंठेपहेरी
जेठोहे ॥ ज० ॥२५॥ नवमाणिकमांनवमुखदीसे
॥ दसमोसहेजेदेखायोहे ॥ दशमुखनामपितानव
थापे ॥ वीरकुवंशधिकोथायोहे ॥ ज० ॥२६॥ सुमा-
लिमंदिरगिरिगीयोथो ॥ ज्ञानवंतऋषीपूछीओहे
॥ नवमाणिकनोहारवहेसो ॥ त्रिखंडाधिपसूजओहे
॥ ज० ॥२७॥ भानुसुपनदेखीसुतथयो ॥ भानुक-
र्णकहायोहे ॥ कुंभकरणतोअपरनामथी ॥ सूर्यतेज
सवायोहे ॥ ज० ॥२८॥ त्रीजवारेसूर्पनखाजो ॥ पु-
त्रीतोअतिप्यारीहे ॥ चोथीवारेचंन्द्रसुपनसुं ॥ बिभि-
षणसुखकारीहे ॥ ज० ॥२९॥ षोडससाग्रधनुष्यस-
मुन्नत ॥ सहोदरसमलायाहे ॥ जीनदासेंअेमवि-
शेषी ॥ कुशलगुणगायाहे ॥ ज० ॥३०॥

अडीशगें दोहा

अेकदिवसरावणभलु ॥ बेठोलेवेन्म ॥ जेसीवि-
मानेआवतो ॥ वैश्रवणगुणधाम ॥१॥ देखीपूछे
मायने ॥ अेकुणराजाहोय ॥ मासीसुततोताहरो ॥
मुक्लगनीसुतजोय ॥२॥ वैश्रवणनामेंतलो ॥ एहनुं-
स्तणेघरेअेह ॥ मानीनेमतिआगलो ॥ सकलेंसा-
थेसनेह ॥३॥ तुम्हपितामहमारिने ॥ लंकाग्रहीह-
रीराय ॥ आपीछेतेअेहने ॥ अेहुःजसह्योनज-
य ॥४॥ लंकाद्वीपनामयी ॥ विद्याराक्षसिनाम ॥ रा-

ससलीभडुपाडरी ॥ आपीथीआनिशम ॥५॥ घ-
नवाहनराजथकी ॥ अेथितियालीजत ॥ अजतो
कंईहीनथी ॥ दीनवदनृपमात ॥६॥ घरनीछुटेवेह-
नी ॥ भानमाहातमजथ ॥ सधनथकीनिर्धनहुवे ॥
जवतमुयागिणाय ॥७॥ अणरजवासेजेत्रने ॥ जे
जणेसोजाय ॥ रजवालाजेठांथकी ॥ कोईनेजावापा-
य ॥८॥ सोदिननयणेनिरखसुं ॥ नंदनथरीजय
॥ पितामहनेआसणे ॥ तुमेजसीसउगाय ॥९॥
नंदनालूंटाडने ॥ जंहिजानामांहे ॥ देणीसतव ज-
णीससही ॥ पुत्रवतिहुंप्राहे ॥१०॥ अेहमनोरथमा-
हरा ॥ गगनकुसुमसमदेज ॥ माडूंहंसमरालिका ॥
दिनादिनजिणविशेष ॥११॥ अेहवचनश्रवणेसु-
णी ॥ जिलीपणजोसंत ॥ थाधीरिदढसिपजी ॥ मा-
तामतजोसंत ॥१२॥

ढालत्रीजी, पहनीदेसीमां.

पढतोतेजप्रतापें ॥ दशकंधरराज ॥ तिनभुवनजे
कंटकडलियें ॥ आणनकोईछीथापे ॥ दशा०॥१॥ कुण-
छेईद्रवनदव्यारो ॥ कुणछेजेयस्मान ॥ ग्रहगणराति
नरात्रिपतिरहे ॥ वजणीगेअेकतान ॥ दश०॥२॥ रा-
वणघरजेकोसुजपावे ॥ कुंनकरणकोजेर ॥ आषप-
दणीठथी केसरी ॥ नाळेजयेंनोर ॥ दश०॥३॥ कुंभ-
करणलीजलगोजाो ॥ गाकरीआर्थिकीटेक ॥ भयंग-

लमातांकेसरीआगे ॥ पोवलरेनहींअेक ॥ दश० ॥ ४ ॥
रावणलाषेमायसुणोजी ॥ दिओअमनेआदेश ॥
विद्यासाधनसाधिआवुं ॥ वाधेवानविशेश ॥ दश०
॥ ५ ॥ सुध्धाशयननेजलेंसाधि ॥ विद्याअेकहजार
॥ सिंहतणातनुपाजरजयठी ॥ हुओगंगनजपार
॥ दश० ॥ ६ ॥ कुंभकरणतोपांचनपामी ॥ च्यारजिति
षणसाधि ॥ जेमकुसलसुंतिनेजांधव ॥ आव्यां वि-
द्यासाधी ॥ दश० ॥ ७ ॥ विद्यासाधनविधिअधिकी ॥
पद्मपुराणेवखाणी ॥ मेंसनजंघसंक्षेपेंकीधो ॥ ग्रं-
थवधंतोजाणी ॥ दश० ॥ ८ ॥ षटउपवासेपांडेसाध्यो
॥ चंद्रहास वरदाई ॥ चंद्रनेमकलानितचढति ॥ वा-
धेआधिकवडाई ॥ दश० ॥ ९ ॥ गिरिवैताढ्यदक्षिणश्रे-
णी ॥ पुरवरसुरसंगीत ॥ मयनृपकेतुमतीनीजाई ॥ मं-
दोदरीयपवित्त ॥ दश० ॥ १० ॥ परणावीशलरावणने ॥
सनमुखआणिकुमारी ॥ जेमसचीइन्द्र घरेराणी ॥
रायघरेंअेनारी ॥ दश० ॥ ११ ॥ गिरिमेंगरथजेंचरपु-
त्रीरुमतिदीठीराय ॥ छअेहजरखरीअेंकसाथें ॥ पूरव
पुण्यपसाय ॥ दश० ॥ १२ ॥ पैमावेपुत्रीनोतातल ॥
सुरसुंदरवडराज ॥ अवरलनकसहुमानसाथें ॥ आ-
यालस्करताज ॥ दश० ॥ १३ ॥ वहुसहुमिलीजोलेस्वा-
मी ॥ वेगेंविमानचलावो ॥ आयाकटकविकटलट
लासि ॥ दलवेरीअेमदलावो ॥ दश० ॥ १४ ॥ रावण
लाषे भामिनियांसुं ॥ आरतिकोईमआणो ॥ भून

रीझ्यंगंगरुडनजीहे ॥ एओजाणोजणो ॥ दश०
॥१५॥ श्रीसंग्रामसहुनेजिती ॥ नागलपासाजीन
घे ॥ नारीवचनछोडीजंघनथी ॥ नेहघणेरोसाघे ॥
दश०॥१६॥ महोदरनृपकुंभपुराधीप ॥ सुरूपनय-
नाराणी ॥ तडीतमालापुत्रीपरणी ॥ कुंभकरणघन
रजाणी ॥ दश०॥१७॥ ज्योतिपुरपतिवीरनरेस
र ॥ नंदवतिनीजाई ॥ पंकजश्रीपंकजवरनयणी ॥
जिलिषणसुजदाई ॥ दश०॥१८॥ मंदोदरियेंनं-
दनजयो ॥ इन्द्रसरिषोतेजें ॥ इन्द्रजीतनामें-
प्रमाणी॥ जोलाव्युंघणेहेजें ॥ दश०॥१९॥ मे-
घसरिषोनयणानंदन ॥ जीजेनंदनजयो ॥ मेघवा-
हनवाहंकुंभर ॥ कर्मेतोकहवायो ॥ दश०॥२०॥ कुं-
भकर्णबिलिषणलाई ॥ लंकनेओलडे ॥ धनदसु-
भालिसुंजोसंलो ॥ हूतमुजेहेवाडे ॥ दश०॥२१॥ रा-
वणराजलाईताज ॥ चढियातजसंग्रामे ॥ धनद
संघातेंजगडीयाथी ॥ रावणजलशपामे ॥ दश०॥
२२॥ चरमशरीरीधनदनरेसर ॥ चारित्रसुंचितला
वे ॥ शत्रुमित्रसुंसमपरिणामि ॥ रावणजावीजमा
वे ॥ दश०॥२३॥ लंकालीधीरावणराणे ॥ पुष्पकलियो
विमाण ॥ मायमनोरथपूराकीया ॥ पुरुषांएहप्रमा-
ण ॥ दश०॥२४॥ पुष्पकविमानेजेसीने ॥ गिरिवैताढ्यें
जावे ॥ भुवनालंकृतहाथीसाही ॥ गजसालेजंवावे
॥ दश०॥२५॥ एकविद्याधरजारीसुणावे ॥ किष्किं-

धानृपन्नय ॥ लंङ्पायालतन्जे निननगरी ॥ सेवासाइ न्याथ ॥ दश०॥२६॥ युध्धेंहरावीयम्स्रानतस ॥ जं-दीजानेठावे ॥ रावणेछोडव्यायमहरीसुं ॥ अेहछोदंत सुणावे ॥ दश०॥२७॥ लंकालेईकिष्किंधालीधी ॥ लीं-धोपुष्पकविमान ॥ सुरसुंदरसंग्रामेंहरायो ॥ आनज-डेशान्नन ॥ दश०॥२८॥ जेष्योईन्द्रघानेनिषेध्यो ॥ देन्योनेसुंथाय ॥ यमनेंसुरसंगीतसमर्प्युं ॥ आघुंजदे राय ॥ दश०॥२९॥ सूररज नेपुरीकिष्किंधा ॥ प्रीति धरीनृपआपे ॥ न्नरजनगरेतोन्नक्षरज्ञने ॥ आपेण-डगरीथापे ॥ दश०॥३०॥ ल्लेमुहूर्त्तेंजिनघणासुं ॥ शवणलंकाव्यावे ॥ नारिवधावेमंगलगावे ॥ सयण महासुखपावे ॥ दश०॥३१॥ आनंदरंगविनोदवि-शेषें ॥ घरघरमंगलयार ॥ केशरानखेत्रीजे ढालें ॥ मुजमुजनयनयकार ॥ दश०॥३२॥

रामगिरीरागें दोहा.

सूररज घरेंन्नाणियें ॥ ईंदुमालिनीनारि ॥ वालीसु-तणिपन्युंवली ॥ जेनशकेतसवारी ॥१॥ समुद्रांत पृथ्वीसहु ॥ नित्यप्रदक्षिणादेई ॥ सजविधिजाला न्नागलो ॥ सूरवीरनशलेई ॥२॥ पुनरपिकेतेन्नांत-रे ॥ न्नयोसुतसुग्रीव ॥ सुप्रलाकन्यान्नसी ॥ सोन्न-नीकसदीव ॥३॥ न्नक्षरज.घरेंकामिनी ॥ हरिकांता सुविधान ॥ नीलन्ननेनलन्नामयी ॥ न्नयापुत्र, प्र-

धान ॥४॥ सूरसुंदरवालीलणी ॥ नृपपदवीआपंत
॥चारित्रपालिनिर्मलो ॥मोक्षेपहोतोसंत ॥५॥

ढाल चोथी.

(छठी भावना मनधरो ए देशी.)

एकदिवसलंकापति ॥ किज्ञानीओपनीरति ॥ ओपनी
रतिपहोतोपरचतमंदइए ॥ सुरपनजानेअपहरी प
जरखेचरगयोसंचरी ॥ संचरीलंकपायालेघरकर्युए
॥१॥ सुरसुंदरनांनंदन ॥ चंद्रोदरआनंदन ॥ नंदन
सुरसुंदरनोभारिओए ॥ जजरत्नहीनेरानीओ ॥
जरणीपेंखलसानिओ ॥ सानिओमंदोदरियेंवारी-
योए ॥२॥ लंकपयालानोघणी ॥ कीधोलगनीपे-
तिलणी ॥ पतिलणीआपणकेकरीयापिओए
॥चंद्रोदरमारयोसुणी ॥ अनुराधात्राठीघणी ॥त्रा-
ठीघणीदेवरकापेआपिओए ॥३॥ वनमांनंदन
भईयो ॥ नामेविराधकहाईयो ॥ कहाईयोशकल-
कलागुणआगलोए ॥ यौवननीवयपामियो ॥ वैरी
विशोधनकामियो ॥ कामियोकमकरणचितावलोए
॥४॥ वालिसेवावांछतो ॥ आणमालेवुंइच्छतो
॥इच्छतोआतूरदूतचलावियोए ॥ वालिनेपगे
लागियो ॥ अतकरणअनुरागियो ॥ रागीयोशव-
णवचनसुणाविआए ॥५॥ किरतिधवलपीमु-
कताई ॥ श्रीकंठथीतुक्तताई ॥ तुक्तताईपाल्युंप-

तिसेवकपणुंए ॥ अभअलिमाननडीलिथें ॥ बे
डीलेतोबीलिथें ॥ बीलिथेंथोडमालापुंगणुंए ॥
६ ॥ वालीडरुएसहुजरो ॥ ऊणघरसुं नहीं आतरो
॥ आंतरोपड्योछेमनमांहरोए ॥ देव अनेगुरुटालि-
थें ॥ ननमुंमस्तकवालिथें ॥ वालिथेंनावुंहुं घरताहरे
ए ॥ ७ ॥ ननअपवादथडीडरूं ॥ नहींनेमभणुं ते-
भडरूं ॥ तेमडरूंडीघाथीटलसुंनहींए ॥ बतुबसा
भीनेडहे ॥ बजतूशीलोडांवहे ॥ डांवहेएतोआण
बणीसहिए ॥ ८ ॥ दूतवचनबबसांभल्यो ॥ रा-
बरावणपरनल्यो ॥ परनल्यो दलबलबहुलेईयान
लेओए ॥ डपिपतिसाहमोआवियो ॥ दलबलअंत
नपाविओ ॥ पाविओलोडऊपन्दवटालिओए ॥ ला
द्वंद्वयुद्धनीथापना ॥ टालेऊपायपापना ॥ पापना
ऊपायअलगाडरयाए ॥ दोर्गतोआवडतमला ॥ दो-
र्गतोमतिआगला ॥ आगलाहयाधरमचित्तमेंलिया
ए ॥ १० ॥ अस्त्रशस्त्रलेचालवे ॥ वालीतेसहुभल-
वे ॥ बलवेरावणनाऊपडर्मथीए ॥ चतुरमहा छे
चोडसी ॥ चोटडरेअतिओडसी ॥ ओडसीहमन
मेटेधर्मनिए ॥ ११ ॥ गिंदुडनीपरेंपीड्यो ॥ डरडोटें
र्धमालिडियो ॥ लीडियोचारेसमुन्द्रेफेरियोए ॥ हेन
र्धजीसाणोआपजो ॥ आणेमनसंतापजो ॥ संता-
पजो हारिओरावणहेरिओए ॥ १२ ॥ संलारेअ
तिसारजो ॥ पूरवलाऊपडारजो ॥ ऊपडारजो छोडियो

रावणराजिओए ॥ लघुलाघवथिरथापीने ॥ राजत-
णीथितिआपीने ॥ आपीनेआपणसंयमसाजियो
ए ॥ १३ ॥ सुग्रीवेंसुविचारिओ ॥ रावणतोअधिका-
रिओ ॥ अधिकारिओश्रीभलापरणाविओए ॥ वा-
लिअरपीसरसंयरे ॥ प्रतिमाधरजकुतपकरे ॥ तपक-
रेलब्धीवंतकहाविओए ॥ १४ ॥ मासमासपारणुं
करे ॥ सहसुजकारणोवरे ॥ कारणोवरेअष्टापदगि-
रिआविओए ॥ काउस्सग्गसमाधिरे ॥ योगध्यान
निश्चळधरे ॥ निश्चळवंशजिनशासनसोलाविओए
॥ १५ ॥ नित्यालोकनपुरवइ ॥ नित्यालोकनरेसरू ॥
नरेसरूकन्यकावलिरत्नावलीए ॥ रावणनृपजयेल-
म ॥ अष्टापदआयेताम ॥ आयेतामआगेतोनशके
चालिए ॥ १६ ॥ हीठोतलेरिषीजटाढो ॥ रावणरोस
करेगाढो ॥ लणेएपरवतपाडुंए ॥ मायासाधेंजी-
पाडयुं ॥ तवतेपरवतजाळहडयुं ॥ जाळहुडयुंमुनिहाजे
अंगुठेए ॥ १७ ॥ त्रासकरीनेनासिओ ॥ ऋषिच-
रणेचित्तवासियो ॥ वासिओरह्योसाधुपयअनुस-
रीए ॥ ऋषीनेरागनरोषज ॥ सहुसाथेंसंतोषज ॥
संतोषजलब्धीपणुंहेजाडियुए ॥ १८ ॥ साधुभुजग
रीयुक्तिसुं ॥ जिनगुणगावेभक्तिसुं ॥ भक्तिसुंत-
जघरणेंन्द्रपधारिओए ॥ अमोघविजयनामेंजली
॥ शक्तिरूपछेनिर्मली ॥ निर्मलीविद्यादेईसिधावेओ
ए ॥ १९ ॥ दसविधआराधनकरी ॥ वालीऋषीशिव

गतिवरी ॥ शिवगतिवरीनमोनमोऋषीरायजी ए
॥ ऐपोयीढालेंचतुराई ॥ चतुरलोकनेमनलाई ॥ मन
लाईकेसरान गुणगायछेजी ॥ २० ॥

अथश्रीरागेंदोहा

गिरिवैताढ्यविशेषिथें ॥ ज्योतिपुरवरनाम ॥ विद्या-
धरछे ज्वलनशिष ॥ राजगुणें अभिराम ॥ १ ॥ ना-
रीनामेंश्रीमति ॥ पुत्रीतोपरधान ॥ तारातारविलो-
चना ॥ ओर्धनतेहसमान ॥ २ ॥ नृपचक्रांकतणोस-
ही ॥ सुतसाहसगतिजेह ॥ तारादर्शनमोहियो ॥
केयाचनासोय ॥ ३ ॥ वानरपतिनीवांछना ॥ तातें
लणिअवात ॥ साहसगतिस्वल्पायुषो ॥ कपीपतिनें
दिअतात ॥ ४ ॥ नारीहरेंऊपना ॥ अंगजआछादी-
थ ॥ ज्यानंदअंगदभला ॥ वेलिसमइसजेय ॥ ५ ॥ साह-
सगतिसांसेपड्यो ॥ भूरेरातनेदिह ॥ अणसरजेकेम
पामियें ॥ जेतिनवचननीलिह ॥ ६ ॥ ओहँधवणीपायसु
॥ ताशसंगकराणीं ॥ तोज्वलनेंजेगणुं ॥ नहींतरतो
मरीजणीं ॥ ७ ॥ रूपपरावर्त्तनकरी ॥ विद्यानोआरंभ ॥
हिमवंतपरवतजई ॥ मंडेरवादंभ ॥ ८ ॥ सूचरजेंचर
रानवी ॥ दलजलीसजनविशल ॥ हिगयात्राथेंचालियो
॥ रावणकेसान ॥ ९ ॥

ढाल पांचमी.
(वनमालीके छोहराने देशी.)

रावणदिगविजयचालियो ॥ साथेंसजपरिवारोरे ॥ तेन
प्रतापवाधेघणो ॥ ऊगंतोदिनअशोरे ॥ रा० ॥ १ ॥ लंक-
पातालेंआवियो ॥ खर दुषणमानियोरे ॥ जेंचरचुंदार
हन्नरसुं ॥ साथेंचलेवोवाणियोरे ॥ रा० ॥ २ ॥ सरससजेरो
सुग्रीवछ ॥ चाल्योरावणलारेरे ॥ अवसरनेंआराधिया
॥ णिपनेंप्रेमअपारेरे ॥ रा० ॥ ३ ॥ नदिनरजदाआवियो ॥
ऊंठेउदकपडावोरे ॥ सलासरसमलीकरी ॥ जेठोरावण
रावोरे ॥ रा० ॥ ४ ॥ अणथियोनलवाधियो ॥ रावण
रानतणा णोरे ॥ जनरकरीनणआविया ॥ पुछेरावण
राणोरे ॥ रा० ॥ ५ ॥ नगरीछेमाहिष्मति ॥ सहस्रांसुति-
हांराजनेरे ॥ रायहजारेंसेवियें ॥ अधिकछेअंदाजेरे ॥ रा०
॥ ६ ॥ सहसएकछेसुंदरी ॥ तसुसेवकहोलाजोरे ॥ पंथें-
न्द्रिसुखभोगवे ॥ नलसुंअतिअभिलाषोरे ॥ रा० ॥ ७ ॥
पालोबांधीपाणीमें ॥ केवलनारीसाथेंरे ॥ सेवकराजी
पांमति ॥ हरषेंरमेंनेमहाथीरे ॥ रा० ॥ ८ ॥ सुलदगया
तससाहिबा ॥ सामामारीमच्याईरे ॥ कोईनआवेआ-
सनो ॥ देखीतससुलदाईरे ॥ रा० ॥ ९ ॥ रावणजआवी
जड्या ॥ सामोयद्योसरसांधीरे ॥ लडियोविविधायुद्ध-
सुं ॥ लीधोरावणेबांधीरे ॥ रा० ॥ १० ॥ आकासेंथीउतरी
॥ चारणऋषीएकआवेरे ॥ सतबाहुनामेंभलो ॥ आ-
वीसुतछोडावेरे ॥ रा० ॥ ११ ॥ ऋषीजीनुंमनराखवा ॥

मानियोसोक्रीभाईरे ॥ हेसअनेरोआपतां ॥ शर-
णथहेसुजहाईरे ॥रा०॥ १२॥ अन्नरएयनरेंन्दसुं ॥ मि
त्रपणेछेवांयोरे ॥ चारित्र लेसुं अेऊन ॥ सगपणतोअे
सायोरे ॥रा०॥१३॥ दसरथनंदननेदियो ॥ पुरिअयोध्या
राज्नरे ॥ अन्नरएयव्रतआदरी ॥ साध्योआतमकाजरे
॥रा०॥१४॥ सातघमूकाकूटियां ॥ नारहेंआवी पुकास्यो
रे ॥राजनरावणपूछतां ॥ उत्तरदिअेंकुंभराययोरे ॥रा०॥
१५॥ रातन्नगरनोराजियो ॥ नामेंमरुतकहायोरे ॥ मि-
थ्यादृष्टीछेघणुं ॥ कुगुरुनोभरमायोरे ॥रा०॥१६॥ यज्ञ-
कर्मेंतेहिंसाघणी ॥ करतामेंजयगाणियोरे ॥ विप्रवि-
शेषेंतेपियो ॥ तेऊरणकुं हणियोरे ॥रा०॥१७॥ रा-
वणयालिक्ष्मावियो ॥ मरुतनुंभुजलंक्योरे ॥ जिन-
मतेंथिरकरावियो ॥ नृपदिक्षुंमनरंक्योरे ॥रा०
॥१८॥ रावणकहुंसुंसतोकरी ॥ लङ्कमणीसमन्नयो
रे ॥ सात्येतोरायेसहु ॥ घरमहत्यामनल्मायोरे ॥रा०॥१९
नारदनेंनृपेंपुछियो ॥ अेमतकेणेंचलायोरे ॥ वसुराज
न्नथीयालियो ॥ पापेंपिंडलरायोरे ॥रा०॥२०॥ कनक-
भनाछेकुंअरी ॥ मरुतरायनीजाईरे ॥ रावणनेपर
णावतां ॥ बांधीप्रीतसवाईरे ॥रा०॥२१॥ तिहांथकी
नृपआवियो ॥ मथुरापुरिमन्नरोरे ॥ हरीवाहनछे
राजवी ॥ पुत्रमधुसुविचारोरे ॥रा०॥२२॥ रायतणेंपर
गेंलागतां ॥ तिसुलमधुकर देन्नीरे ॥ जिहांथकीतेपामि-
यो ॥ रायेंयानविरोपीरे ॥रा०॥२३॥ मधुरपणेमधु

बोलियो ॥ एमनेरंदेमुनदीधोरे ॥ पूरवलवनामित्रथी
॥ एणिपगारवलीधीरे ॥ रा० ॥ २४ ॥ एमनेरंडह्योमुन
आगलें ॥ धायर्छसंडेनेघरे ॥ जेनजर्छरवतेंलेला
॥ रातथारपुरीहोर्घरे ॥ रा० ॥ २५ ॥ रायसुमित्रसोहा
मणुं ॥ प्रत्नवच्छतसामित्रोरे ॥ डलाजल्यासीगुरु
उन्नो ॥ होर्घपुण्यंपवित्रोरे ॥ रा० ॥ २६ ॥ योगनोजे-
ण्योयडो ॥ अटवीनेजवगाहेरे ॥ पल्लिपतिनीकुंयर
री ॥ वनमालानेविवाहेरे ॥ रा० ॥ २७ ॥ मित्रतणोमन
मोहियो ॥ मानर्नोस्युंमनलावेरे ॥ रहे घरगोडघालि-
जो ॥ रायतणाबोलावेरे ॥ रा० ॥ २८ ॥ मौनरह्योजे-
लेनहीं ॥ राज्नईरीईरीलापेरे ॥ आरतितासमनत-
णी ॥ मतजोछानीशजेरे ॥ रा० ॥ २९ ॥ चित्तनीआर-
तिसांभली ॥ कहीनरेसरजोलेरे ॥ एतुच्छवातनेकार
णे ॥ मित्रडिस्युंजमजोलेरे ॥ रा० ॥ ३० ॥ मिनतणेघरे
मोकली ॥ आवीलापेवातोरे ॥ प्राणनरापिनागतां ॥
पुलसरभीकुणमातोरे ॥ रा० ॥ ३१ ॥ मनवडकुंपा-
पियो ॥ निस्सलर्घाछअस्यंनोरे ॥ नारीनराजीमागता
॥ घनपलमाहरोमितोरे ॥ रा० ॥ ३२ ॥ आवीपधारोना
लज ॥ बोलेगारीवारेरे ॥ कुंअपरावीरायनो ॥ ह्रीदम-
हारावनारेरे ॥ रा० ॥ ३३ ॥ सुसरहीनेंनरवीजो ॥ रा
नलकुविरतंतोरे ॥ राणीछघरमोकली ॥ एछेडं० पुर
तोरे ॥ रा० ॥ ३४ ॥ राजयेघसीसाहिया ॥ मिनतणाज
हाथोरे ॥ डेनसंसामिननी ॥ रूपपर्यानरनायोरे ॥

राण॥३५॥ शक्नेंएव्रतआदरी॥ पाम्योकल्पेंईसानोरे
॥च्यवीहरीवाहननंदन॥मधुनामेंपरधानोरे॥राण॥३६
॥मित्रलमीलवमेंघणुं॥ विस्वावसुणीदासोरे॥ज्यो-
तिमतिणीरेंणपनुं॥ श्रीकुमारकुमारोरे॥राण॥३७॥
तपतपीनियाणोकरी॥ चमरहुओहुंएहोरे॥ पुरव
सनेहनाबंधथी॥ एतुलसाथेंसनेहोरे॥राण॥३८॥हे
मत्रिसुलसथाईयो॥ जेमुलकरिअवधारोरे॥कनकु-
रीकरीआवहि॥ जेथणदायकलरोरे॥राण॥३९॥ई
मसुणीसुजमानियो॥ मधुसुं करेसगाईरे॥ मनोरमा
कुमरीलली॥दीधीतसपरणाईरे॥राण॥४०॥दाल
भलीजेपांचमी॥पांचोनेमनलाईरे॥केसरलरावण
तणुं॥ चरित्रअछेसुजदाईरे॥राण॥४१॥

॥ सारंगरागें दोहा ॥

अधरीधीपनी ॥ केमरहे अजेसाल ॥ एटलेराणी
रावली ॥ पतिकरयानेजाल ॥ ६ ॥ रावणपासेंहुतिका
॥ लालिकेरे अरदास ॥ जेनमराजोमहारो ॥ तोपोंये
सजआस ॥ ७ ॥ आशालीविद्यामहा ॥ वसवर्तावुं
आल ॥ चक्रसुदर्शनसुंसही ॥ सोपुंसघलोराज ॥ ८ ॥
तुमसाथेंभुज मनवस्यो ॥ छैहलवेतुं भरतार ॥ मेलुतु
मविचमांआंतरो ॥ सोजाणेकिरतार ॥ ९ ॥ एपरेंलाल
नीदीनति ॥ मनमांहेंअवधारि ॥ उत्तरदियोएतावल-
लो ॥ आतुरअतिसानारि ॥ १० ॥

ढालछठी.

(कुमरसुलानुसुजाणजी.एदेशी.)

आतुरअतिजाणीकरी ॥ लघुजंघवतवजोलेरे ॥ वे-
गेपधारोपदमनी ॥ तुंअमर्छैन्द्राणीतोलेरे ॥ आ० ॥ १ ॥
रावणरीसवसेंकहे ॥ जंघवअमकेमलाबेरे ॥ पुरुष
पनोतोतेहिज ॥ परस्त्रीयथीमनराजेरे ॥ आ० ॥ २ ॥ उ-
हे जिलिधणदूषण ॥ कियांहीथीहोईरे ॥ विसविवहा
रकेरेसहु ॥ मरणतोजायालेईरे ॥ आ० ॥ ३ ॥ यालक-
हेताउमली ॥ वेगहिवेगसुहाईरे ॥ विद्यादीधीविधिक-
री ॥ साधीवारनलाईरे ॥ आ० ॥ ४ ॥ शस्त्रदियांसुर-
सानिधि ॥ उदरमीयांसुविशालोरे ॥ नगरनित्सोनल-
लकुबेरनुं ॥ लह्युंग्रहिततकालोरे ॥ आ० ॥ ५ ॥ चक्र
सुदर्शनपामियो ॥ पामिअतिघणीसोलारे ॥ नल-

कुबेरकरीआपणो ॥ याधियोनडियोलोलारे ॥ आ०
॥ ६ ॥ उपरंतासमजवीने ॥ रायसुंप्रेमभिलाव्योरे ॥ र-
थनुपुरपुरउपरें ॥ रावणलइयढीआव्योरे ॥ आ० ॥ ७ ॥
सहस्रारनृपईन्द्रज ॥ नंदननेसमजावेरे ॥ जुठकिनेस
करेकस्युं ॥ केईनपुगे दावेरे ॥ आ० ॥ ८ ॥ सहस्रांसु
नृपसेवितो ॥ सहस्रांसुनेनित्योरे ॥ अष्टापदउपाडि-
ओ ॥ वसुधामाहेवहितोरे ॥ आ० ॥ ९ ॥ विद्यासाधन
द्वीपपति ॥ गिरिवैताढ्येयालिओरे ॥ पोमावेपतिशक्ति-
ज ॥ सहुलतणोवरआलिउंरे ॥ आ० ॥ १० ॥ मरुत्त-
णोमुजलंदन ॥ लंबनकालकराव्योरे ॥ धनदतणो
मदमर्दन ॥ सुग्रीवसेवकरायोरे ॥ आ० ॥ ११ ॥ पुरदुर-
लंघ्यउलंघण ॥ नलकुबेरजलभंजियोरे ॥ रायारा-
यकहावे ॥ आनन्दमयगंजियोरे ॥ आ० ॥ १२ ॥ रूप-
वतिअतिरूपणी ॥ पुत्रीनेपरणावीरे ॥ आधुंकादि
ओनेदना ॥ चित्तनेलिओसमजावीरे ॥ आ० ॥ १३ ॥
अतिआकूलपणेअष्टापद, पामेछे संतापोरे ॥ घरनुंअं-
ईनविणसीयुं ॥ प्राणतनेनेआपोरे ॥ आ० ॥ १४ ॥ तात
वचननवीमानेज ॥ ताणेआपघणेरेरे ॥ धन्यहो धन्य
तुंतातज ॥ धन्यमतोअेतारेरे ॥ आ० ॥ १५ ॥ नेहण-
वोत्तसहायेज ॥ सगपणकेमकरायरे ॥ आनकिस्युं
रैवैरतो ॥ आगेचालियोल्नयरे ॥ आ० ॥ १६ ॥ रावणे
दूतपठावियो ॥ आव्योईन्द्रपासेरे ॥ पुरघेराणोता-
हरो ॥ नृपअजकिस्युंविमासेरे ॥ आ० ॥ १७ ॥ भक्ति

शक्तिहोईछेजो ॥ जेवतणीरेजवालीरे ॥ लक्तिल-
णेसनमुखजई ॥ झेलियोशक्तिसंभालीरे ॥ आ०॥१८॥
सूतमेंतेसुरपतिजेहें ॥ रेतुभतोलरमाणारे ॥ रांमभनावी
रीजया ॥ पणनवीनमियाशणारे ॥ आ०॥१९॥ ईन्द्र
पदिरणआवियो ॥ रेणुरईनलछाहिंरे ॥ नेमवजाणी
ग्रंथमां ॥ तेमहुईलडाईरे ॥ आ०॥२०॥ हारयोईन्द्रन-
रिंदजी ॥ जीत्योरावणराजरे ॥ जयजयकारहुओजहु
॥ वाजयानशनायाजरे ॥ आ०॥२१॥ रावणलंका
आवियो ॥ सथणतणेमनभायोरे ॥ ईन्द्रदीयोकहु
पिंजरें ॥ आपडियोईलपायोरे ॥ आ०॥२२॥ सहू-
आरनृपआवियो ॥ रावणसुंजरदासोरे ॥ पुत्रभि-
क्षामुजआपोजी ॥ थापोकरीनिजदासोरे ॥ आ०॥२३
॥ रायकहेसुणजेयरा ॥ ईन्द्रकरेजेकामोरे ॥ नगरजुहा-
रेनित्यकरे ॥ आछोराजेगामोरे ॥ आ०॥२४॥ सघणी
वातमनावियो ॥ छोडियोईन्द्रनरायरे ॥ नीर्युंजमकरं-
तजी ॥ आरितमेदिनजायरे ॥ आ०॥२५॥ साधुसमि
पेंपुछियो ॥ परभवईन्द्रहि आपोरे ॥ नीचकर्मकरयो
पडयो ॥ कुणकियोयोपापोरे ॥ आ०॥२६॥ साधुकहे
नृपसांभलो ॥ परभवभाखुंजेहोरे ॥ परिजयपुरनो
पति ॥ जेयरमणिगुणगेहोरे ॥ आ०॥२७॥ ज्वलन-
सिंहघरेनारिजी ॥ वेगवतिसुविचारीरे ॥ अहिल्या
नामेंसुताअछे ॥ मातपितानेप्यारीरे ॥ आ०॥२८॥
स्वयंवरामंडपेतेहने ॥ रायघणामलिआवेरे ॥ आनंदन

मालिनेकन्याजी ॥ वरमालापहेरावेरे ॥ आ० ॥ २९ ॥
नामतडितप्रभुतुंतजी ॥ जीत्योमनहमन्मथरे ॥
आनंदमालिसाथेजी ॥ वहेतोअतिघनप्यारोरे ॥ आ०
॥ ३० ॥ आनंदमालिचरणग्रही ॥ करतोविविधविहासोरे ॥
ध्यानारूढमुनिसरूजी ॥ देख्योतेणेकवारोरे ॥ आ० ॥ ३१
॥ दिक्षोपरिसहआकरो ॥ साधुनेप्युक्योध्यानोरे ॥ सिं-
हसरिखोनाहुओ ॥ हुओस्थानसमानोरे ॥ आ० ॥ ३२ ॥
तपकल्याणगुणधरा ॥ आनंदमालिभ्रातोरे ॥ तेणेलेश्या
मूकेहि ॥ तुजनेहेवाअसातोरे ॥ आ० ॥ ३३ ॥ सत्यश्रीतु
जनारियें ॥ अर्पीजीशीतलकीधोरे ॥ लेश्याअपुठीसं
हरी ॥ संयमसुंचित्तदीधोरे ॥ आ० ॥ ३४ ॥ भवलाभि
शुभकर्मतणे ॥ पामिओहुओनरिंदोरे ॥ सहस्रारनृ-
पनंदन ॥ जेहुओतुंगंदोरे ॥ आ० ॥ ३५ ॥ तें दुःखदी-
धांसाधुने ॥ तुजनेरावणरायेंरे ॥ कर्मकिधा विणलोग-
व्या ॥ किमहिंविलयनजायेरे ॥ आ० ॥ ३६ ॥ अेमसुणी
रथनुपुरपति ॥ शुद्धसंयमधार्युंरे ॥ करमजिपीकेवलसही
॥ आतमकारजसार्युंरे ॥ आ० ॥ ३७ ॥ सुवर्णतुंगमुनि-
शिपहुतलो ॥ रायजीअन्यदिवशोरे ॥ अनंतवीर्यके-
वली ॥ वांदेनृपततजेवोरे ॥ आ० ॥ ३८ ॥ सुणियवखा-
णसुजाणजी ॥ प्रश्नकरेअेकजीरे ॥ कुणहाथेंमरणोमु-
ज ॥ त्याबोलियास्थिति कडीरे ॥ आ० ॥ ३९ ॥ परदारानें

तवलीधोनृपेंनियमोरे॥देवधर्मगुरुसाधुथी॥मांड्या
अतिघणाप्रेमोरे॥आ०॥२४॥छठ्ठीढालेसाधुजी॥
नमोनमोअर्ण्दरे॥केसरनछ्ईमकहे॥नमियेसंथ-
तमुनिंदोरे॥आ०॥२२॥

केदारारागें दोहा॰

अब्धीत्पत्तिसुहामणी॥लयरूवनीलविलोय॥सं
वंधानहोईसुणो॥सुणतांसाताहोय॥१॥रूपायलपर्व
वतलनो॥ललालललाअहिठाण॥ललांललानृपमं
दिरा॥ललालललामंडाण॥२॥

ढालसातमी॰ कुरेलडानीदेशी॰

श्रीहनुमंतरायललोरे॥चरमशरीरीहोय॥हं०॥सुधा-
स्याललवदोय॥हं०॥परदर्शनमेंअेय॥हं०॥अेसमरज
वरनआवेकोय॥हं०॥१॥सेवकहनुमंतसारखोरे॥राम
सरिखोराय॥हुवोनहींहोसेनहीं॥आबनकोईदेजाय
॥२॥स्वामिनाअेबोलछे॥थाराकपिधपडार॥प्राण
दियापणनावले॥शेषतणोशिरभार॥सु०॥३॥सेव
कनाअेबोलछे॥वानरमाहरोनाम॥सांजाथीसाजा
नर्ईपावुंसहिविश्राम॥सु०॥४॥सायरनसभीर्स-
धीजो॥जासीलगरीलंक॥रामरायपरसादथी॥डी-
धाकमनिसंक॥सु०॥५॥दिनकरनीपरेंदीपतो॥पुर
ख्यादिव्यप्रधान॥रायप्रल्हादसुहामणो॥पालेनिल-
वरआण॥सु०॥६॥केतुमतिमहिमावती॥सत्यव-

तिवरनारि ॥ प्रीतिमतिलीलावति ॥ शीलवंतिसंसार
॥ सु० ॥ ७ ॥ शुभसुपनोअवलोकियो ॥ विनविओ
भरथराय ॥ रायकहेंरलियामणो ॥ नंदनऊपज्योआय
॥ सु० ॥ ८ ॥ शुभवेलासुतजनमीयो ॥ गुडियागुडिरनि-
साण ॥ घरघरबारवधामणां ॥ घरघरअतिमंडाण
॥ सु० ॥ ९ ॥ बारसमेदिनथापिओ ॥ पवनंजयतसु
नाम ॥ चंदकलानेभवाधति ॥ वाधेसुतअभिराम ॥ सु०
॥ १० ॥ बहुतरिकलासज ॥ च्यारत्यारतनुमांहे ॥ सात
अढारपरिहरे ॥ पुत्रपनोत्तोआहे ॥ सु० ॥ ११ ॥ पुरवरछे
माहेंन्द्र ॥ रायमाहेंन्द्रगुणधार ॥ हिदयसुंदरीसुंदरी ॥
सुंदरनेसुविचार ॥ सु० ॥ १२ ॥ पुत्रअेकसतऊपरे ॥ पु-
त्रीहुईअेक ॥ नामेअंजनसुंदरी ॥ शकलगुणेसुविवेक
॥ सु० ॥ १३ ॥ मावित्रोनेवाहालीघणी ॥ दीशनोवडमान
॥ भोजाईभगनीमहा ॥ आदरमेदेसमान ॥ सु० ॥ १४ ॥
पुत्रीनेपरणाववा ॥ यौवनवंतकुमार ॥ परधानेप्रगट
कीया ॥ लेईकेईहजार ॥ सु० ॥ १५ ॥ वरतोदोमनमा-
निया ॥ सघलामांहेदेषि ॥ पवनंजयप्रल्हादनो ॥ वि-
द्युतप्रभसुविशेषि ॥ सु० ॥ १६ ॥ अष्टादशवर्षांतरे ॥
विद्युतप्रभशिवजाय ॥ प्रतक्षथयुंछेआगीषो ॥ कन्या
केमदेवाय ॥ सु० ॥ १७ ॥ पवनंजयचिरआऊषो ॥ प-
वनंजयपरिमाण ॥ पुत्रीपवनंजयजणी ॥ देवाकहि
राजन ॥ सु० ॥ १८ ॥ जेष्टशमिलिआअेकठा ॥ नंदीस-
रनीजात ॥ प्रार्थनाप्रल्हादनी ॥ मानेसघलीतात ॥

सु०॥१९॥ आलथकी दिनतीसरे ॥ मानसरोवर जाय
॥ विवाह करिवें वेगसुं ॥ मेलिसहुसमुदाय ॥ सु०॥२०
॥ पवनंजय कहे मित्रसुं ॥ तेंही ठिसाजाल ॥ रंभाथी
अधिकीसही ॥ कुंपेजकतमाल ॥सु०॥२१॥ तेहचोस्यां
भेदजियो ॥ लहियेंग्येनअतंत ॥ तेहचो वाच्यार्थं कशी ॥
कुशकहे सुणमित ॥सु०॥२२॥ पवनंजय जोस्यो हसी
॥ वासरनाजे दूरि ॥ कुणगुणहणणानर्ग ॥ जेणें होई
हजूरि ॥सु०॥२३॥ वारुकानामेलाविषे ॥ घडितेअेक
दिनथाय ॥ दिननोनर्गभासामिले ॥ केहेरे केमरहेवाय
॥सु०॥२४॥ मित्रकहे सुणस्वामिजी ॥ आरतिदूरनिवा-
रा रातरहस्यपणेनर्ग ॥ देजाकुं तुननार ॥सु०॥२५॥
पवनंजयकुमारहि ॥ चाल्यो मित्रसमेत ॥ आयो अं-
तिऊतावलो ॥ नारी निरखण हेत ॥सु०॥२६॥ निम
निमनिरखे नारीने ॥ तिमतिम पावेचैन ॥ देववहे अती
आकरो ॥ सुखमाहिं दुखदैन ॥सु०॥२७॥ जेठी सत-
मीभूमिका ॥ वाकवात विनोद ॥ रंगमोहे राची थकी ॥
करता अधिक प्रमोद ॥सु०॥२८॥ वसंततिलका कहेसन-
जी ॥ कुमरीतुन वडभाग ॥ पवनंजयपति पामियो ॥
तेहनो जगसौभाग ॥ सु०॥२९॥ मिश्रकेसी कहे
सजी ॥ केमप्रसंस्योअेह ॥ विद्युतप्रभवर तो भलो
॥ नेहनो अंतिम देह ॥सु०॥३०॥ वसंततिलका कहे श्री
॥ भोलीजाणेमेह ॥ विद्युतप्रभलस्यव्यापुपी ॥ तेथी
नसरेऊमेह ॥ सु०॥३१॥ अपरकहे अेवातमें ॥ तुंनवि

दिजेसिणगार ॥ एहनथोडोहिल्लो ॥ नहींविधकेरो
भार ॥ सु० ॥ ३२ ॥ पवनंतयपरिश्रमसुं ॥ तातोथयो
तेवार ॥ कुमरीतोवरनेनहीं ॥ जेठेहिवातोप्यार ॥ सु० ॥
३३ ॥ कदीजकगजडोरह्यो ॥ अेहोर्ईसंहार ॥ कईसही
उतावलो ॥ जोसेराकुमार ॥ सु० ॥ ३४ ॥ मित्रकहे
प्रभुजसुणो ॥ नारिअवध्यकहाय ॥ तिणमेनिरा-
पराणी ॥ कहोप्रभुकेमहणाय ॥ सु० ॥ ३५ ॥ कुंअरीअे
निंदलविकरी ॥ अेकोअछेलजाण ॥ तुमलोगिकआ
व्याहियो ॥ पृथ्वीनाभतिपाण ॥ सु० ॥ ३६ ॥ हरिआन-
णथोनिबयानके ॥ तोकहेनकइविवाह ॥ प्रथमनकुवले
माखिंका ॥ आव्याकुणउच्छाह ॥ सु० ॥ ३७ ॥ राधिताहि
नेकुहियो ॥ तेजननीनमीठास ॥ पछेकिसीपेरेपामियें
॥ पीरसतासाजास ॥ सु० ॥ ३८ ॥ मोतीत्रुटोनामिले
॥ त्रुटोनामिलेनेह ॥ तेमाटेघुरहिंयकी ॥ नूटणमत
थोतेह ॥ सु० ॥ ३९ ॥ मित्रकहेअेमकेमहुअे ॥ आपण
जोल्याजोस ॥ नपलेतजसहुयेकहे ॥ फिटफिटकूडादो-
स ॥ सु० ॥ ४० ॥ सांतकमेवेतालजी ॥ उठाईयाअन्न-
ण ॥ लंगनपाडेरंगमे ॥ सालननूरेसयाण ॥ सु० ॥ ४१
॥ सायरेशिवनेआपिउं ॥ विसतोविन्धावीस ॥ नील-
कंठनामेंरहे ॥ अलगोनकरेईस ॥ सु० ॥ ४२ ॥ योरीय-
दियोआयको ॥ मित्रतणीमतिमान ॥ वियाहतणीविधि
सांचवी ॥ नामतणेअनुमान ॥ सु० ॥ ४३ ॥ मयगलमो-
दमलपता ॥ अतितात्रतोजार ॥ हीधावरनेदायजे ॥

मणिमोतीवरहारा ॥सुं०॥२४॥ नाडीनेलेछडुरी ॥ घरें
आव्यो मल्हार ॥ सप्तभूमिसुहामणो ॥ दीधोवरपर-
साद ॥सुं०॥२५॥ होसेमनावीहरजसुं ॥ वीवारीअनि-
यात ॥ भायगभोगविचेसही ॥ अनित्येविधिवात ॥
सुं०॥२६॥ ढालभणीअेसातमी ॥ पवनंजयपरणेत॥
केसरानसुजपामिये ॥ नेहोवेचित्तचेत ॥सुं०॥२७॥

॥ अंजनायतिरागेंदोहा ॥

जोसकुंजोलनर्वासरे ॥ शालसमाशालंत ॥ क्षणहि
रतिनविछोपने ॥ आरतिघणीआलंत ॥१॥ नलरन
मेलेनाहलो ॥ छोपनेअतिउच्याट ॥ आवरणुंलागें घ-
णुं॥ विरहिचाडीचाट ॥२॥ मातपितानीलाडली ॥सुस-
रानीशुलटेकी ॥ कुंथमायाविणउभनी ॥ ओछोदेजे
नेडी ॥३॥ पवनंजयनीपदमनी ॥ परमभहासुजकान
रि ॥ नाहनीनेहेनिपटहि ॥ मेलीमायेमारि ॥४॥

॥ ढाल आठमी अढिआनीदेशी ॥

मेलिमायेमारी ॥ पवनंजयजीनारी ॥ आरतिआकरी
जे ॥ आणेसाजरीजे ॥ लांजालिअेनिसास ॥ वासर
नयनिरास ॥ दैवकिसोकियोजे ॥ झूटेछे हयुंजे ॥५॥
दिनवातामेल्नय ॥ रयणीदूलरथाय ॥ विरहवियोग-
णीजे ॥ सजीहुंयोगणीजे ॥ जोलीसजीवसंत ॥
तिलिकालिकटवसंत ॥ जाणिनरोछयिजे ॥ डाठो होछि-
येंजे ॥ सघलादिनअेकरूप ॥ नविमअेरेविरूप ॥

ફિરિબાકુ ડસિયેએ ॥ નેહાકૂડીસિયેંએ ॥ નાચ તપે
તવ..॥ સનબેસુવિચાર ॥ નિયસુણ ઠઈસુએ ॥ પુત્ર
કરેડિસુંએ ॥ ૩ ॥ ઊત્તરનઆવેજમ ॥ બાનારહિઆત
મ ॥ તાણીનબોડયેંએ ॥ તુટુંબેડીયેંએ ॥ ઢિંડુમુકિણ
કામ ॥ આપહિંઆવેકામ ॥ ત્રુટેબેંધિઉંએ ॥ અધિકું
ઈછિઉંએ ॥ ૪ ॥ આયોદૂતઊઘાર ॥ રાવણનોસુવિચા-
ર ॥ ભાષીતકહેભલોએ ॥ પ્રભુજીસાંભલોએ ॥ વરૂ
ણનમાનેઆણ ॥ રાખેઅધિકગુમાન ॥ રાવણરાવળો
એ ॥ મિલિઓયોઘણુંએ ॥ ૫ ॥ વરૂણસુત સુવિશાલ
॥ જાંધિલિઆતતકાલ ॥ ખરદૂખણ ખરાએ ॥ જેયર
આકરાએ ॥ તેડ્યોરાવણરાય ॥ જેંયરમિલિઆઆય
॥ પ્રભુતુંમાહિંયલોએ ॥ કામણિતાવલોએ ॥ ૬ ॥ તાત
નિષેધિતામ ॥ ચાલ્યો કુઅરનામ ॥ પવનંજય નયોએ
॥ આનંદઅતિથયોએ ॥ હયગયરથઅધિકાય ॥
ભેલિનનસમુદાય ॥ કુંઅરચાલિયોએ ॥ હરષેંહાલિ-
યોએ ॥ ૭ ॥ નિસુણીએવિરતંત ॥ કહેકેચલંતોકંત
॥ દર્શનિસાચ્યાલિએ ॥ આવેઊતાવલિએ ॥ પંચાસીને-
મન્નેય ॥ આગેઊભીહોય ॥ પલકનપાલટેએ ॥ પ્રી-
યન્નેવુંઘટેએ ॥ ૮ ॥ પડવાનોનેમચંદ ॥ દુર્બલદી-
સેમંદ ॥ માંસનહેજિયેંએ ॥ ચામવિશેષિયેંએ ॥ લુ-
ણીતાલકહેજાય ॥ નહિરેવિલેપનકાય ॥ સાહિસા-
ટિકાએ ॥ તિમાહિંલલાટિકાએ ॥ ૯ ॥ અણજાયાતં-
બોલ ॥ ઘુંસરઅઘરઅમોલ ॥ કાયાદુબલીએ ॥ સીય

लपडीवालिए ॥ नयणजलने झूलि ॥ रहिछे तनमन
भूलि ॥ नारीनिरजतोए ॥ त्यात्योहरषतोए ॥ १० ॥
घासिलागीपतिपाय ॥ सिभकहेजगराय ॥ हसीनु-
मारडीए ॥ चिंतहमारडीए ॥ तिरसजारीछेएह ॥ मे-
लणीघुरेंछेह ॥ मानमांगतांए ॥ लहीएलागता
ए ॥ ११ ॥ इरिआविघरमांहे ॥ घराणियेंपडिआहिं ॥ अ-
जलानामथीए ॥ अइपरिणामथीए ॥ हलजलनो
विस्तार ॥ याल्योराजकुमार ॥ मानसरोवरइए ॥ वासो
अनुसरइए ॥ १२ ॥ मंदिरस्थनाडींघ ॥ पलंगऊपरसि-
ध ॥ सुतोसुंदरइए ॥ भोगपुरंदरइए ॥ दीनपणेकुरलं-
त ॥ पंजणीशब्दसुणंत ॥ मनसुंभागियोए ॥ रायअ-
नुरागियोए ॥ १३ ॥ वासरमाणेलोग ॥ रजनीनुंरेवि-
योग ॥ तेकुरलेघणीए ॥ चयनेदयामणीए ॥ नेह-
नेदिननेरात ॥ एकजसरजीजात ॥ तेकेमजचहिए
॥ आरतिअतिचाहिए ॥ १४ ॥ परणयापछेरेएह ॥
सायेंकियोनहींनेह ॥ सतियसिरोमणीए ॥ सादियी
अवगणीए ॥ जेआवीथीत्याल ॥ तोहुंगियोमुहदा-
ल ॥ बोलसंतोषनोए ॥ नकहेवाणोघणुंए ॥ १५ ॥
आवलगेंहतीआश ॥ अजतोहुईनिराश ॥ आनमरे
सहीए ॥ एतोमेंजरहीए ॥ नारीहित्यानोपाप ॥ म-
होटोछेसंताप ॥ भुवनेलागसेए ॥ अपयशजगसे
ए ॥ १६ ॥ मित्रप्रेहसितजोलाय ॥ मननीवातसुणा-
या ॥ पूछेसुंकइए ॥ मित्रकहेजइए ॥ नारिहुईनि-

राधार ॥ भरतन लावेवार ॥ सांच्येोसोच्यणोञ्जे ॥ भाल
विमोच्यणोञ्जे ॥ १७ ॥ अञ्जाहिं ञ्नहीतास ॥ संतोषुसो
उल्हास ॥ मानीमाननीञ्जे ॥ आशाञ्जाननीञ्जे ॥ भ-
च्यमरातियेंसोहि ॥ स्वामिसेवकदोहि ॥ आचासंच्यरी
ञ्जे ॥ गगनगतिडरिञ्जे ॥ १८ ॥ स्वामिराहियोञ्जार ॥
सेवकगेहमञ्नर ॥ आवीञ्नेवहिञ्जे ॥ राणीशेवहि
ञ्जे ॥ पोयणेमारीहेम ॥ सातवदीसेतेम ॥ नलविण
माछलीञ्जे ॥ तलपेवलवलीञ्जे ॥ १९ ॥ ऊंच्यीनीच्यी
थाय ॥ च्यथनलस्यलहाय ॥ ऊंडणतोडतिञ्जे ॥ भरवुं
लोडतिञ्जे ॥ वरनिचरत्रिशञ्जंत ॥ धाहिलिलाञ्जं-
त ॥ ञ्यवतांसहुञ्जे ॥ सुञ्जहोसेञ्जहुञ्जे ॥ २० ॥ संच्य-
रञ्नणीधाय ॥ धसितसनारिश्रहाय ॥ डाढेबेटलेञ्जे
॥ ञ्नावेंतेटलेञ्जे ॥ हुंस्वामिनोमित्र ॥ नामेप्रहसित
पवित्र ॥ स्वामिआवेयोञ्जे ॥ मननेल्नावेयोञ्जे ॥ २१
॥ लुंडञ्जेसीहासि ॥ कुमरीडहेउघासि ॥ नामनभुल
गमेञ्जे ॥ दर्शनडिमरमेञ्जे ॥ वरसहुयाभुलञ्जार ॥
नवीदीठोञ्नरतार ॥ ञ्नलगोहिरहेञ्जे ॥ ञ्जारघणुं
वहेञ्जे ॥ २२ ॥ डरमतणोञ्जेदोस ॥ डस्योशागनरोस
॥ डीधोआपणुंञ्जे ॥ ईहपरञ्नवतणुंञ्जे ॥ डामनीनो
डिरतार ॥ दीठोञ्नलोञ्नरतार ॥ कूलीअंगमांञ्जे ॥
राणीरंगमांञ्जे ॥ २३ ॥ ञ्नेहेञ्जम अपराध ॥ यारो
छेहनलाध ॥ ओछोहुं धणीञ्जे ॥ पूरांनुंञ्नणीञ्जे ॥
दुर्जनसायरञ्जवगाही ॥ डांठेञ्नावीनाही ॥ नामाधा-

रथीऐ ॥ नावाडारथीऐ ॥२७॥ हरिरमीसुज
णाय ॥ त्यालएलानोशय ॥ शणीतवडेऐ ॥ गर-
लसाहिरहेऐ ॥ उत्तरनुं अहिनाण ॥ ज्ञापोस्याभि
सुन्नण ॥ दोजेथीउइऐ ॥ सुंजमें दिन लइऐ ॥
२५॥ देईमुन्दडीदेव ॥ त्यासिगयोततजेव ॥ कुदेंल-
हिमस्योऐ ॥ डिएहिंनअरड स्योऐ ॥ केसरानऐ
दाल ॥ नगरंप्यासुविशाल ॥ नारीनाहलोऐ ॥ मि-
लणडीमाहलोऐ ॥ २६ ॥

॥ धन्यासिरीरागें दोहा ॥

पवनजथतवपाधरो ॥ लंकनगरीजय ॥ लूपलती
परेंलेटिओ ॥ अतिशलिआथतथाय ॥ १ ॥ रावणअ-
ंडरावणे ॥ शुलवेलासुविचारि ॥ वरुणोपरिततुंरन-
एयेदयो ॥ दणजणजेअनुसारि ॥ २ ॥ अजतोअं-
जनसुंदरी ॥ गरलंधरेतेणिवार ॥ शुलपणानुंक्रमंऐ
॥ कोईन्जणेसार ॥ ३ ॥ गर्लतणेनवलक्षणे ॥ गर्ल
जणाणोज्जम ॥ केतुमतिसासुडे ॥ किस्युंकियोऐ
कम ॥ ४ ॥ पवनजथपरदेशछे ॥ वहुवधारयोपेट ॥
॥ हुंजणुंकेईमहुसे ॥ सोईहूओनेट ॥ ५ ॥

॥ ढालनवमी ज्युमरुडानीदेशी ॥

केतुमतिकलीउरणीजी ॥ ज्ञालरूपणीहोई ॥ उरमन
गतिदोहेली ॥ वहकिस्युंतेंऐकियोजी ॥ लालवि-

यांघरहोई ॥ क० ॥ १ ॥ ल्होलिख्यलागणि न दुर-
णीजी ॥ थोमननोछिनमाह ॥ क० ॥ प्राणतजवांथाल-
लाजी ॥ कंईघोअपवाद ॥ कर्म० ॥ २ ॥ मरवाथीइ-
शीजी विर्येजी ॥ शील रह्या संसार ॥ कर्म० ॥ शीलल-
लोसहुनेसहीजी ॥ सुंदरीनुं सिणगार ॥ कर्म० ॥ ३ ॥
नंदननोअपमालताजी ॥ जणतासहुकोय ॥ कर्म० ॥
पणथारोअशनीपणोजी ॥ आनेनणाणुंजोय ॥ क-
र्म० ॥ ४ ॥ रोवेराणीरावलीजी ॥ दु. जेहैयेनसमात
॥ कर्म० ॥ हेजावीसामुन्हडीजी ॥ पतिआगमनीवां-
त ॥ कर्म० ॥ ५ ॥ जलतिवाथणीवेगसुंजी ॥ संल-
लावेसहुलोग ॥ कर्म० ॥ नामनलावेनेहनोजी ॥
तेहसुंस्योसंजोग ॥ कर्म० ॥ ६ ॥ गिरिगिराईमु-
न्हडीजी ॥ हायथेदिउहिआय ॥ कर्म० ॥ सायीहो-
वेसुंदरीजी ॥ उयुंनबोलावेअमाय ॥ कर्म० ॥ ७ ॥
निर्लछीवयनेनेजरीजी ॥ आरक्षपुरुषांहाथ ॥ कर्म०
॥ उदीनगरीजाहिरेजी ॥ सजीयलीतससाथ ॥
कर्म० ॥ ८ ॥ आरक्षपुरुषेंपाधरीजी ॥ पीहरेंआणी
सोय ॥ कर्म० ॥ जाहिरमूंडीजाहुड्याजी ॥ अतोर्ड-
महिंजहोय ॥ कर्म० ॥ ९ ॥ रात्रेजाहिरें रहीजी ॥ उ-
रतीरोयेयासोय ॥ कर्म० ॥ किणहि ठमें पडेनहींजी
॥ आरतिमेंआसोय ॥ कर्म० ॥ १० ॥ दीनमूर्छीगा-
ढीहूंजीजी ॥ आवीराजदुवार ॥ कर्म० ॥ प्रतिहारीन
येंआवीनेजी ॥ डीधोराथजूहार ॥ कर्म० ॥ ११ ॥

सर्वविरतंत सुणावतांजी ॥ रानरोस धरंत ॥ क-
र्म० ॥ हाथघसेसिरधुणवेजी ॥ पश्चात्तापकरंत ॥
कर्म० ॥ १२ ॥ कुलवटकर्मसमाचरीजी ॥ कुलनेलिक
लगाय ॥ कर्म० ॥ आवीमुजदेजाड्याजी ॥ एकुण
ललपणथाय ॥ कर्म० ॥ १३ ॥ धनथीऊपनेवीनली
जी ॥ अमृतथीविषवेलि ॥ कर्म० ॥ दीवाथीनेमकज-
लीमाजी ॥ मुनथीजेह्मिमेली ॥ कर्म० ॥ १४ ॥ भ-
सनाकिरतिजधरेजी ॥ पापणीपरहिनय ॥ कर्म०
अंगूठंतोअहिडूयाजी ॥ हसियाथीनरजाय ॥ कर्म०
॥ १५ ॥ सघलानेकनेसुणीजी ॥ महोत्सवमंत्रिस ॥
कर्म० ॥ दांतेअडवीआंगुलीजी ॥ किस्योकहो छोईं-
स ॥ कर्म० ॥ १६ ॥ कुंडीजेदीपीहरांजी ॥ सुणीअछे
आवंत ॥ कर्म० ॥ ललथीअगनीनऊपलेजी ॥ कष्ट-
थकीऊपनंत ॥ कर्म० ॥ १७ ॥ कुमरीछानीराजिथेजी
॥ भेटीसघलकहाव ॥ कर्म० ॥ छड्याछड्याथीऊ-
नसाजी ॥ होसेशयासव ॥ कर्म० ॥ १८ ॥ केतुभति
नामेसुणीजी ॥ अपकिरतिछेआहि ॥ कर्म० ॥ जूं-
ठोदोषलगाडीनेजी ॥ जहुविगोवेवाह ॥ कर्म० ॥ १९ ला
रानकहेमंत्रिससुंजी ॥ तूंनविजाणेमर्म ॥ कर्म० ॥ सा-
सुवहुनेअवगणेजी ॥ एतोअछे अधर्म ॥ कर्म० ॥ २० ॥
जणमिलतजरतारसुंजी ॥ तिणहिमेपरदेस ॥ कर्म०
॥ पछेहुईगर्भणीजी ॥ एछे अंगविशेष ॥ कर्म० ॥
२१ ॥ ऊहांथीचित्तरकरीजी ॥ जनेअलगीअपार

॥कर्म०॥ भुखनवीदेखुंताहरींजी ॥ सुंजहुलोविस्ता-
र॥ कर्म०॥२२॥ दिनसूधेसूधूंसहुजी ॥ वांकाथीअ-
तिवंक ॥कर्म०॥ माणसनुंसारोनहींजी ॥ ओनिनव-
चननिसंक ॥ कर्म०॥२३॥ नृपआदेसें पोलियेजी॥
दूरकरीतेजाल ॥ कर्म०॥ लोकविलापकरे घणुंजी ॥भू-
लोरे भूपाल ॥ कर्म०॥२४॥ भूखीतरसीतलवलेजी
॥आंसुवरसेनथल ॥ कर्म०॥ हर्लाकुरपदविंधताजी
॥पामेअधिकदुखेयन ॥ कर्म०॥२५॥ पगेपगेगिर
गिरपडेजी ॥तडतडलियेविसराम ॥ कर्म०॥ वसंत-
तिलकासाथणीजी ॥ चालिन्नथेताम ॥ कर्म०॥२६॥
गामनगरपुरपाटणाजी ॥ नृपनीआयशफारा॥ कर्म०
॥पहिलाहिनकहिआवियाजी ॥ कोमतद्योपेसार ॥
कर्म०॥२७॥ वासोहि अणपावतीजी ॥ धरतीअति
संताप ॥ कर्म०॥ पामीअटवीमोटकीजी ॥ करतिअ-
तीहि विलाप॥ कर्म०॥२८॥ भाग्यहीनने भामनी
जी॥ सहुनी हुंसिरदार ॥ कर्म०॥ अेहपरालवदेज-
वाजी ॥ असरजीकिरतार॥ कर्म०॥२९॥ तातईस्यो
माताकरीजी ॥ ईसीआंभाईभूर ॥ कर्म०॥ नाथक-
रेंथीलगईस्योजी ॥ मरवोभूरिविभूरि ॥ कर्म०॥

रिचंन्दनरेसरलहियें ॥४॥ प्रीयंगुलक्ष्मीनारीलि-
की ॥ प्यारीछेअतिशलज्जकी ॥ सोसुरथविराणी
उरेंआयो ॥ सिंहचंन्दजीनामकहायो ॥५॥ धर्म
करीफिरदेवोमांहे ॥ सिंहचंन्दजीउपन्योप्राहें ॥वै-
ताढ्येंजरणपुरचाइ ॥ रायसुकंठअछेन्युंउदाइ ॥६
॥कनकोदरीराणीउरेंनंद ॥ नामेसिंहवाहनआनं-
द ॥ राजकरीचिरसोर्इलरेसर ॥ विमलनाथनेतीर्थें
सुखकर ॥७॥ लक्ष्मीधरमुनिपासेंपधास्यो ॥संयम
साधीकालसुधास्यो ॥ दुःकरतपकरणीकरीसोर्इ॥
लांतकसुरलोकेंसुरहोर्इ ॥८॥ तुलउदरेंसोआवी
वस्युंछे ॥ पुन्यवंतहोवेरेतिस्युंछे ॥ चरमसरीरी
उत्तमप्राणी ॥ होसेअतुलनंदनराणी ॥९॥ कन-
कपुरीनगरीनोनाथक ॥ कनकरथराजसुखदायक ॥
राणीकनकोदरीचसचाणी ॥ बीजीलक्ष्मीवतिअव-
जाणी ॥१०॥ कनकोदरियेंनंदनजयो ॥ रूपकलाक-
रीआधिकसुहायो ॥ लक्ष्मीवतियेंछुपायोबालो ॥
माताजीदुःखहुओअसरालो ॥११॥ वलवलतीदे-
खीतवराणी ॥ पडोसणीजोसेतचवाणी ॥रेलूंडीतें
आसुंकीधो ॥ मातार्थीबालकच्योरीलीधो ॥१२॥ दु-
र्इखिसाणीराणीआपे ॥ मानापासेंबालकथापे ॥
बारघडीनोअंतरकीधो ॥ तेथीअशुभकर्मइसली-
धो ॥१३॥ देवधर्मगुरुसुधासेवी ॥स्वर्गसुधर्मेंहुर्इ
देवी ॥तिहांथकीतुंआवीसीधि ॥ अंजनासुंदरीना-

मंत्रसेध्यि ॥१४॥ मातापुत्रअंतरराणी ॥ तेहन-
णांकुललिखेछेयाजी ॥ कीधांकर्मन छूटेकोई ॥ अं-
तरनयणेलेज्नेज्नेई ॥१५॥ तवतूं हूतिजगिनीअे-
हनी ॥ अनुमोदिथीकरणीतेहनी ॥ तेमाटेदुःखपा-
मेसाथें ॥ कीधोजालेहाथोहाथें ॥१६॥ भोगपड्ये
छेअेसहुकर्म ॥ आलथकीऊपजशेसर्म ॥ दिनदिन
सातावर्धतिथसे ॥ शीलसतीनुंआधिकउदासे ॥१७
॥ आवसेअेकुमरीनोमामो ॥ देज्याथीलेसोविश्रा-
मो ॥ तुमनेनिज घरलेईज्नसे ॥ पतिमेलोपणवेगें
थासे ॥१८॥ अेमसुणीसुखपामिगाढो ॥ ऋषीनुं
वचनसहाछेगाढो ॥ परऊपकारीऋषिपांगरियो ॥
गगनगतिगगनेसंचरियो ॥१९॥ सिंहअेक आ-
व्योतजपासी ॥ थरथरधुजणलागीजालि ॥ आ-
व्योतवजेचरमणीचूड ॥ सरभऊपडीधोप्रतिकूल ॥
२०॥ नाठोकेसरीचारनलागी ॥ सुंदरीनीअेआरति
भागी ॥ मुनिसुव्रतजिनधर्मकरंति ॥ वर्त्तेछेयुलम-
तिअनुसरति ॥२१॥ दिनपुगाप्रसव्योवरपुत्र ॥ ज-
णेवध्युंतघणोघरसुत्र ॥ सकलकलालक्षणगुण
पूरो ॥ होसेअेकुंयरअतिसूरो ॥२२॥ प्रसूतिकर्म
करेऊलकर्पे ॥ वस्तनातिलकसाजिसुरुपें ॥ अेकसुरवो
कन्छछेसमत्नावि ॥ आपदमेंकुजलेरवदाली ॥२३॥
सुतनेआरोपीरेफीछंगे ॥ सुंदरीकुजआणेअंकु
लगे ॥ रुदनकरंतिमूर्च्छाआवे ॥ दुष्टदैवनुंईमसुज

પાવે ॥ ૨૩ ॥ એહવાસુતનોતો અતિઓચ્છવ ॥ ઘેરેં
પિતાકરતોરેમહોત્સવ ॥ મેંઅજરાંકડીયેંસ્યુંથાય ॥
એમાયેંનચતાંહેયુલ્લસાય ॥ ૨૪ ॥ પ્રતિસૂર્યનામેંખગ
એક ॥ આણિયોમનઆણિવિવેક ॥ ૨૫ દનતણોતેપૂ-
છેકારણ ॥ આપણપેંછેકુંજનુંચારણ ॥ ૨૬ ॥ વસંત-
તિલકપાસેંકહવે ॥ આદિઅંતથીચરિત્રસુણાવે ॥ સો
ભાષેંહુંમામોથાશો ॥ પુત્રિઆરતિશકલનિવારો ॥ ૨૭
॥ લગનલેઈનેવેલાસાધે ॥ વેલાસાધતાંમનવાધે ॥ ગ્ર-
હણિંચાછેએહનાજેહવા ॥ મહોદયનાજોઈથિંરેતેહવા
॥ ભાણેજસુતસજીસમેત ॥ વૈમાનેંબેસાડીસુહે-
ત ॥ નિજનગરિયેંચાલ્યોજય ॥ હર્ષઘણુંહઈયડેન
સમાય ॥ ૨૮ ॥ યાનતણાકિંકણનોનાદ ॥ કનેસુણી
ઊપજ્યોઅહલાદ ॥ સાહચાનેઊલ્લાસિયોજામ ॥ મા-
યગોદથીછટક્યોતામ ॥ ૩૦ ॥ પડ્યોપરવતઊપર
આઈ ॥ પરવતચોટસઘ્યુંનસહાઈ ॥ બાલકનેભારેં
ચુરાણુ ॥ વજ્રપડ્યાનિમતિમઆધિકાણુ ॥ ૩૧ ॥ અં-
જનસુંદરીઆણેદુઃખ ॥ ભુજદુજિયારીનેસ્યાસુખ ॥
જાણ્યોયોસુતનોમુખજોવંત ॥ દિનભરસુહર્ષેહોવં-
ત ॥ ૩૨ ॥ પાછલથીમામોઅતિધસિયો ॥ બાલક-
નેદેખીમનહસિયો ॥ બાલનઆવિજોઈદીસે ॥ પુ-
રયવંતઓપચાવીસેં ॥ ૩૩ માતાનેઆ[illegible]સુત
[illegible]પ્યું ॥ માતાએસુતહેવડેચાપ્યું ॥ હરંજન[illegible]
પુત્રસા[illegible] ॥ પુત્રાદિ [illegible]નાનાનાર [illegible] ॥ ૩૪ ॥ હનુ

पूरेपुरवरउपरिच्छवडाणे ॥ लाएलेनेमंदिरआणे ॥ सयलकुटुम्बतणेमनमानि ॥ कुलदेवीतिमभतिमसन्नभानी ॥३५॥ मामेनामदियोहनुमान ॥ चंद्रकलातिमवधतोवान ॥ शैलपूरवेअपरविधान ॥ प्रगटमस्योश्रीशैलप्रधान ॥३६॥ रायहंसजेमक्रीडाकरतो ॥ चाधेअंगलआनंदधरतो ॥ हसमीदासकहीसमजावे ॥ उसरालनेसायसुहावे ॥३७॥

॥ शोरठरणें दोहा ॥

सुतमुखानिरखेजहरखजअति ॥ हिरीअरतिअञ्जोल ॥ सालसरिजासाजही ॥ लेसीरयेदया कुजोल ॥१॥ सोदिनकजहींआवसे ॥ घरआविलरतार ॥ लोगांमांहेउगलला ॥ उदिकरसेकिरतार ॥ पवनलयपरगटपणे ॥ व रणतितीवडराय ॥ जरहजणछोडावियाराययनेसुजयाय ॥३॥ रावणलंकाआवियोपवनलयपगेलागि ॥ घरआवणनेउमह्यो ॥ मलुनीअनुमतिमांगी ॥ त्या मातपिता पगप्रणमिया ॥ नारीनिरखणनेह ॥ अनकुलाणुजणदेजवे ॥ मनमेअतीअदेह ॥५॥

॥ ढाल इग्यारमी ॥

(रायजेगारना गीतनी देशी-)

पूछिहोपूछि कोईनारि ॥ लापेहो लापे लूपप्रतेभलोजे ॥ सुंदरीहोसुंदरीकेरीवात ॥ वातलहोवातलसहु तुमसांभलोजे ॥१॥ गर्भहोगर्भतणोजहीनाए ॥

देजीहो देजीजीकसासुजरीए ॥ न्नणीहो न्नणीयान
तविशेष ॥ कदीहो कदीसाघरजाहिरेए ॥ २ ॥ आर-
सहो आरस पुरिषांसाथ ॥ पिहरें हो पिहरियेंसामोक-
लिए ॥ आगेंहो आगें न्नणीदेव ॥ चितकहो चितकवि-
यसीवलीए ॥ ३ ॥ वनुहोवनु समोए जोस ॥ निसु-
णिहो निसुणीसुसरउ आव्यो सहिए ॥ सुसरो हो सुस-
रो जोसेएम ॥ आवी हो आवी पणराजी नहींए ॥ जालंग-
लहो नंगलमांहे न्नथ ॥ गिरिहो गिरि गिरतरु तरु ने-
र्घयाजे ॥ सुध्धीनहो सुध्धीन पाभिओय ॥ आपु-
णहो आपुण ऊदासीहो र्घयाजे ॥ ५ ॥ मित्रलहो
प्रहसीतनामेऊदार ॥ सायेंहो सायें चदेवसुधाघणी
ए ॥ न्नईहो न्नईनुंहिलआप ॥ जापलहो जापअ-
नेमाता लणीए ॥ ६ ॥ एमलहो एमकहींतुंजाव ॥
लाधीहो लाधी नहीं छे सुंदरीए ॥ एघटहो एघटकेरो
होम ॥ कस्यो हो वांछे प्रभु निश्चय करिए ॥ ७ ॥ सुणतां
होसुणतांएविपरीत ॥ मातहो माता मूर्च्छाणी घणी
ए ॥ सीतलहो सीतल करी उपचार ॥ मूर्च्छाहो भेटीमा-
ता कतणीए पद ॥ मित्रलहो मित्रसंघातेंताम ॥ मा-
ताहो माता ओलंलभो दिए एटलोए ॥ वालो हो वालो
थासे विशेष ॥ कईहो कईतें वीरो मेल्यो एकलोए ॥ ८ ॥
सार्यो हो सार्यो देवविचार ॥ आपणहो आपडियो इ-
लभोगवुंए ॥ विणठीहो विणठी वात अपार ॥ सुत-
नेहो सुतने क्युं करी भोगवुंए ॥ १० ॥ रोवेहो रोवेसाज-

ससाल ॥ नयणांहोनयणप्रेनालानिमयहेंजे ॥ जे
नगहोजेनगमहोदोल्याय ॥ नेहयोहोनेछेतेहवो ई-
ललहेंजी ॥ ११ ॥ शल्लहोशल्लजहुलेसाथ ॥ याल्यो
होयाल्योपुत्रगवेषणेंजे ॥ जेयरहोजेयरडेघहुल्लर ॥
घायाहोघायासुतसोधन लणीजी ॥ १२ ॥ लाडहो
लाडजडडीलम ॥ तंपाहोतंपावेछेनेतलेजे ॥ पूर-
वहोपूरवपुन्यप्रमाण ॥ तातजीहोतातजीआव्योने-
तलेजे ॥ १३ ॥ साहिहोसाहिराव्योसोई ॥ लाडहो
लाडअलगानाजिआजे ॥ जुवतहोजुवतनेडल्याय
ण ॥ हेतनहोहेतनघणाडहिहाजियाजे ॥ १४ ॥ अ
जलाहोअजलाडाजेडाम ॥ सजलाहोसजलातोर्धम
डिमडेरेजे ॥ यारीहोयारीतोजेमाय ॥ तुनविणहो
तुनविणतोनिश्चेंमरेजे ॥ १५ ॥ जेयरहोसोधनगयप
तानेहा हनुपुर होहनुपुरवरेंआविआजे ॥ सुंदरीहो
सुंदरीनेपगेलागी ॥ विनडहोविनडसहुसुणाविया
जे ॥ १६ ॥ विव्हलहोविव्हलअधिकोहोय ॥ घटनेहो
घटनेथोप्रभुआगमेजे ॥ लजियोहोलजियो तुन
अवतार ॥ डरताहोडरतारेंतुन लागमेजे ॥ १७ ॥
जेटलेहोजेटलेआयेतात ॥ राज्योहोमरयायीतन

याईयेंभे ॥१८॥ रथियोहोरथियेथोतामविमान॥
ल्लणेहोल्लणेणिग्योहिनपतिभे ॥ भामोहोभामो-
ल्लनेआप ॥ सुतसुंहोसुतसुंथालीसासतीभे ॥२०॥
सोधतहोसोधतचनणियान ॥ लूपनहो लूपन व-
नेआयाथलीओ॥मित्रेहोमित्रेदीठोतामविमान॥ लूप-
तिहोलूपतिसुंलाषेलसोभे ॥२१॥ आपोहोआपो
भुलनेईस॥ आछीहोआछीआनवधामणीभे ॥
नयणेहोनयणेनीरजीनारि ॥ नंदनहोनंदननंदसि-
रोमणीभे ॥२२॥ अमृतहोअमृतवूठोमेह ॥ चिंत-
वणहोचिंतवणचिंतेयाहसुंभे ॥ प्रेणमेहोप्रेणसे
सुसरापाय ॥ नयणाहोनयणातेहणिमाहसुंभे ॥२३
॥नंदनहोनंदनलीधोगोद ॥ रुडोहोरुडोनेरलिआमणुं
भे ॥ रह्योहोरह्योउंठलगाय ॥ सुंदरहोसुंदरनेसोहामं
णुंभे ॥२४॥ वाइहोवाइवारवजाण ॥ वहुअरहो
वहुअरनेभामातणाभे ॥ मलुजहोमलुजतुमपस-
साद ॥ अमघरहोअमघररंगवधामणाभे ॥२५॥
सुंदरीहोसुंदरीनामायबाप ॥ भाईहोभाईभोजा-
ईसहुभे ॥ माताहोउंतुमतिपणआपे ॥ सालनहो
सालनआविमल्यासहुभे ॥२६॥ हनुरुहहोहनुरुह
पुरवरेंआय ॥ ओच्छवहोओच्छवअधिकोमांडी-
ओभे ॥ लोकनहोलोकनवरनंजोस ॥ घनेहोघने
दालिद्रजोडीओभे ॥२७॥ दिनदशहोदिनदश
ताईताम ॥ सालनहोसालनसहुजेगहगहेभे ॥ प-

हुताहोपहुतानिजनिजगेह ॥ प्रभुजहो बहुसुतसुं रैतिहांरहेज्ये ॥ २८ ॥ कुंअरहो कुंअरआचार्यजीनेपास ॥ पढिओहो पढिओपाठजनेकनेजी ॥ जहुतेरहो जहुतेरहीविज्ञान ॥ जणेहो जणेविनयविवेकने ज्ये ॥ २९ ॥ विद्याहोविद्यासाधनकीध ॥ हूओहो हूओअधिकसकलजज्ये ॥ ढालजहोढालइग्यारमी ज्येह ॥ लाषेंहोलाषेंमुनिकेसरालजे ॥ ३० ॥

॥ रामगिरिरागेंदोहा ॥

वरुणभतेरावणवली ॥ मेलेकटकअपार ॥ प्रतिसूरजनेपवननृप ॥ जोलाव्यातेणीवार ॥ १ ॥ दोईनृपतिघ्यासतां ॥ निषेध्याहनुमान ॥ थाल्योआडंबरघणे ॥ रीजयोराजन ॥ २ ॥ सुग्रीवादिकजेचरा ॥ वरुण साथेंसंग्राम ॥ रावणनेवरुणारम न ॥ चाल्यातामकुमांम ॥ ३ ॥ नंदनवरुणतणेघणु ॥ जेघुरावणजम ॥ हनुमंतेतेजांधिया ॥ विद्यानेजलेताम ॥ ४ ॥ हनुमंतउपरवरुणजी ॥ आवेहोईविकराल ॥ रावणरोसकरीघणो ॥ जीत्योतेतत्काल ॥ ५ ॥ जीत्योवरुणविशेषथी ॥ नृपनेकरेजूहार ॥ थाप्योथानकेतेहने ॥ अजनहींजुंणसलिगार ॥ ६ ॥ वरुणघरेंछेकन्यका ॥ सत्यवतितसुनाम ॥ परणावीहनुमंतने ॥ जणीवरजालिराम ॥ ७ ॥ पुत्रीसुर्पनिजातणी ॥ अनंगकुसुमानाम ॥ हनुमंतनेविवाहसही ॥ रावणजणीसकाम ॥ ८ ॥ पद्म

सुरांगापुत्रिउ ॥ वानरपतिनीजेह ॥ नलराजहरि-
मालिनी ॥ परणावीजेहोइ ॥ ९ ॥ अनेरेविद्याधरें
॥ पुत्रीअेकहजार ॥ परणावीहनुमंतने ॥ धर्मेसह
नथआर ॥ १० ॥ रावणनोआदरलही ॥ परणीनारिअ
मंद ॥ हनुमंतआव्योनिजघरें ॥ मातपिताआनंद ॥ ११
॥ अजनिथिलानगरीभली ॥ हरिवंशीराजन ॥ वास-
वकेतुसुहामणो ॥ विपुलानारिसुजाण ॥ १२ ॥ तेजप्र-
तापेंआगलो ॥ जनकनामेंजगजेय ॥ प्रजनेपालण
जाणी ॥ जनकसरिखोहोय ॥ १३ ॥

ढाल बारमी. चोपाईनी देशी.

पुरिअयोध्याप्रगटेनाम ॥ राजकरेआदेसरस्वाम ॥
सुनंदासुमंगलावली ॥ नारिनिरूपमगुणआगली
॥ १ ॥ सुमंगलानाजयानंद ॥ नवाणुंआनंदनाकंद
॥ सुनंदायेंजायोअेक ॥ बाहुबलसुअविचलटेक ॥
२ ॥ सोपुत्रोमांमोटोमही ॥ पाटोधरभरतेसरसही
॥ सवाओडीनंदननेहने ॥ सूर्यजशाभुगियोतेहने ॥ ३
॥ सूर्यजशाथीसूरजवंस ॥ पृथ्वीमांहेअधिकप्रसंस
॥ पुरुषअसंख्याआलेटले ॥ मुनीसुव्रतवारेंतेटले ॥
४ ॥ विजयरायमहोटोराजन ॥ हिमचूलातसुनारि
मेंधान ॥ जयानंदननिजदोय ॥ वजबाहुपुरंदरजे-
य ॥ ५ ॥ नगरअहीपुरछेआभिराम ॥ हिमवाहन
राजानोनाम ॥ चूडामणीनामेवरनार ॥ पुत्रमनोर-

मासुविचार ॥ ६ ॥ वलुजाकुसुंदीधोविवाह ॥ मनमां
आणीअतिउछाह ॥ सुंदरीलेईचाल्योजाम ॥ ग्रीष्य-
सुंदरशालोताम ॥ ७ ॥ पोयावणनेहुवोसाथ ॥ प्रीति
लणीलीधोनरनाथ ॥ वाटेगुणसागरऋषीराय ॥ दी-
ठोहेडीलागोपाय ॥ ८ ॥ वारोवारमसंसाडरे ॥ लव
दुःजथीआतमडीगरे ॥ दर्शनदीठोऋषीराजनो ॥ ध-
नहोधनवासरआजनो ॥ ९ ॥ हांसीमिसेशालोडहे
एम ॥ घणुं घणुं प्रसंसोकेम ॥ जणुं लेसोसंयमभा-
र ॥ कुमरकहेअमएह विचार ॥ १० ॥ शालोजापेंदी-
लोडाई ॥ दिवशगयोइरिनावेंमांहि ॥ संयमसाथें
विमासणकिसि ॥ माहरेमनपणएहिजवसि ॥ ११ ॥
कुमरकहेजेसघलीसही ॥ वातविशेषेंलीधीचही ॥ तुं
मतमूकेजोलीवाच्य ॥ सालोजापेंजणोसाच्य ॥ १२
॥ संयमलेवायथोहुसीयार ॥ ऋषीनेकहेतारोसंसार
॥ शालोकहेडंसाच्योकरो ॥ विवाहतणागीतमनमां
धरो ॥ १३ ॥ कंकणनवीछूट्योताहरो ॥ एहमनोरथ
जूठोमरो ॥ तुजपीयुंपाखेजेसुंदरी ॥ मरीजसेदुः-
जलारेंभरी ॥ १४ ॥ कुमरकहेकुलवंतीएह ॥ नाहसं-
रिजेराजनेह ॥ तोतुंडंसंयमनआदरे ॥ नारीनाह
करणीअनुसरे ॥ १५ ॥ तुंतारीभगिनीसमजाव ॥
तुंपणसंयममारगेआव ॥ दुःजपूर्वकसंसारीसुज ॥
पाजोहिदेजवोदुःज ॥ १६ ॥ नारिनाहनेशालोसाथ ॥
व्रतलीधांगुणसागरहाथ ॥ अवरहीकुमरपणवीसा ॥

चरणग्रहेतजाविन्चावीस ॥१७॥ हांसीथईऊपज्ञ-
ओधर्म ॥ धर्मथईलेसेशिवशर्म ॥ सोहिसगोनग-
मांहेलसो ॥ धर्मजशवेणितावलो ॥१८॥ ओहसुणी
श्रीविजयनरेस ॥ वैरागेमनआणीविशेष ॥ पुरंदरने
देईराज ॥ राजयेंसार्यांनिजकाज ॥१९॥ पुरंदरसुत
सोहामणो ॥ जयोपृथ्वीराणीतणो ॥ कीरतिधरनेप-
दवीदीध ॥ राजायेंसंयमव्रतलीध ॥२०॥ कीरतिधर
नृपजिहासिओ ॥ संयमसाथेमनवासिओ ॥ नकरे
राजतणीसंभाल ॥ मंत्रीसरभाजेसुविशाल ॥२१॥
राजधरणीपरनंदनथाय ॥ तजतुमसंयमलेजोराय ॥
भूपघणानोपाल्योराज ॥ तुमपणथीजओछेआज
॥२२॥ न्हानाहिंलोगाओसोय ॥ तुममनकेमनकरो
आलोय ॥ जेहनेपाछेनहींसंतान ॥ तेहनांघरतोक-
ह्यांमसाण ॥२३॥ ओमसुणतांढीलोपड्यो ॥ विष-
यसुखजपरमनआड्यो ॥ सहदेवीनामेकामिनी ॥
भाग्यवतीछेभामिनी ॥२४॥ सुकोशलसुत
जपनोनिसे ॥ गुप्तपणेसोराख्योतिसे ॥ जएयो
नृपथासेसंयमी ॥ राजऋषिरमणीनेवमी ॥२५॥
जएयोराजानेदननेवार ॥ सुतनेसोंप्युंपृथ्वीभार ॥
समतारससाथेंचित्तधरी ॥ रायेंवरीतवसंयमसिरी
॥२६॥ ओहजारमीढालअनूप ॥ संयमव्रतपाले
ललोभूप ॥ केसराजऋषिराजवखाण ॥ करताथा-
ओजनमप्रमाण ॥२७॥

॥ सिंधुरागे दोहा ॥

पद्योगुण्योमतिआगलो ॥ करतोउग्रविहार ॥ दि-
नकेतानेआंतरे ॥ हिरतोसोअणगार ॥ १ ॥ पुरिजनेध्या
आवियो ॥ लेवाउनेआहार ॥ मध्यदिहाडेतावडे ॥ हिं-
डेघरघरजार ॥ २ ॥ अनजनभासांनगघणा ॥ तिणहीं
मांहेजेह ॥ राणीतुःजदीअेरायने ॥ दिटउरमोसनेह
॥ ३ ॥

॥ ढालतेरमी ॥

(देशसौरठ द्वारापुरी, अेदेशीने

अर्हअर्हकुर्मविटंजना ॥ राणीरानलारोरे ॥ आपकउ-
रेआविलयघणो ॥ अेमोटोआविस्यारोरे ॥ जर्ह० ॥ १ ॥ गो-
जेजेठीगोरडी ॥ नगरनिहालणहेतोरे ॥ दिरतोऋपी
अवलोकिओ ॥ कडुआणांतसनेतोरे ॥ अर्ह० ॥ २ ॥
आपगयेमुजनेतजी ॥ लेईमसेअेपुतोरे ॥ वैरीवि-
विधेप्रकारनो ॥ आयोउरणकसूतोरे ॥ अर्ह० ॥ ३ ॥ प-
तिरेगयाथीपुत्रसुं ॥ जांधीरहीछुनेहोरे ॥ पुत्रगयाउ-
रसुंकिस्यो ॥ मुजमनजेहजेदेहोरे ॥ जर्ह० ॥ ४ ॥ अंत
ततपाणीआकरी ॥ नरहीसुध्धिसिणगारोरे ॥ पुत्रनवा-
लोपतीथकी ॥ अेजगनोव्यवहारोरे ॥ जर्ह० ॥ ५ ॥
अन्यसुलिंगीआकरा ॥ आवीजडिजातामोरे ॥ उ-
दिओनगरीबाहिरें ॥ नेवामिलिओगामोरे ॥ जर्ह०
॥ ६ ॥ ईरुडारोनणलणमुजे ॥ राणीसाथेंरोसोरे ॥
अेरनथालेडोईनो ॥ पणआणेअपसोसोरे ॥ अ-

ઈ૦॥૭॥ ધાયન્યુંઆવીરોવતિ ॥ રાજજીનેપાસેરે
॥કારણપુછ્યોરાજને ॥ ભાખેંધાયણીહાસેરે ॥અઈ૦॥
૮॥ તાતતુમારોદેવજી ॥ તપકરીહુજલમાહેરે ॥ લિ-
ક્ષાલેવાકારણે ॥ આયોથોણીચ્છાહેરે ॥અઈ૦॥૯॥
રાણીસેવાસાંચવી ॥ તેતોકહિયનજાયરે ॥ પુરવલા
પરિચયલગી ॥ એમુજહીયુંલસાયરે ॥અઈ૦॥૧૦॥
એમસુણતાંવેગસું ॥ ગહાજરિયોભૂપાલોરે ॥ વંદના
કરવાતાતને ॥ આયગયોતત્કાલોરે ॥અઈ૦॥૧૧॥પન
ગેંલાગીબોલ્યોરહ્યો ॥ માગ્યોસંયમભારોરે ॥ જગમાં
કોઈકેહનોનહીં ॥ સ્વાર્થિઓસંસારોરે ॥ અઈ૦॥૧૨
॥કરજોડીનેવિનવે ॥ દેવિચિત્રજમાલારે ॥ સુતવિણ
થિતિકેમચાલસે ॥ ભાષેંરાયરસાલોરે ॥અઈ૦॥૧૩
॥ગર્ભઅછેણીહરતાહરે ॥મેંતસુદીધોરાજોરે ॥ અંતરા-
યકોઈમતકરો ॥ સારણહેજેકાજોરે ॥ અઈ૦॥૧૪॥
તાતપાસેંથીસમાચર્યો ॥ચારિત્રચોજેચાર્યોરે ॥વા-
તસુણંતમુઈસહી ॥ તવસહદેવીમાયોરે ॥અઈ૦॥૧૫
॥ કોઈએકઆર્ત્તધ્યાનમાં ॥ કોઈએકક્રોધપરિણામો
રે॥ વનમેંહુઈવાઘણી ॥ ગિરિગુહિરતસઠામોરે ॥અ-
ઈ૦॥૧૬॥ કિરતિધરનેસુકોસલો ॥ બાપપુત્રએદોઈરે
॥ચોજેચારિત્રપાલતાં ॥ વિચરેમુનિવરસોઈરે ॥ અ-
ઈ૦॥ ૧૭॥ ગિરિગુફાનેઅનુસરી ॥ કરતાંતપજપચા
સોરે ॥ સમતારૂપેંવિચરતા ॥ રહિયાત્રષીંચોમાસોરે
॥અઈ૦॥૧૮॥ કાર્તિકપૂનિમકારણે ॥ નગરભણી

आवंतारे ॥ एटलेआवीवाघणी ॥ ऋषीसामीधा-
वंतारे ॥ अर्ह० ॥ १९ ॥ तातकहेसुतसांभलो ॥ एह
उपद्रवआयोरे ॥ होयादेमुजआगले ॥ सुतबोलंत
सुहायोरे ॥ अर्ह० ॥ २० ॥ पाछापेंगलपाडवुं ॥ क्षत्री-
नोएधर्मोरे ॥ सहुउपद्रवआनए ॥ साधसुंशिव
समोरे ॥ अर्ह० ॥ २१ ॥ ॐह्रांह्रींउत्लोरह्यो ॥ आरा-
धनविधिसाध्योरे ॥ ममतामुकीदेहनी ॥ आत्मगुण
आराध्योरे ॥ अर्ह० ॥ २२ ॥ विद्युतपाततणीपरे ॥ वाघ
एतितेविकरालोरे ॥ आवीपडीसुतऊपरें ॥ धरणीप-
ड्योऋषीजालोरे ॥ अर्ह० ॥ २३ ॥ विदारेनखआंकुशें
॥ वालातनुनीग्याभोरे ॥ तिरसीएवलिआतितिरसथी
॥ पीवेलोहीतामोरे ॥ अर्ह० ॥ २४ ॥ तोडीतोडीतन
तणुं ॥ खाएतनसामांसोरे ॥ विहुरीलाग्योघणुं ॥
कीयोअधिकप्रयासोरे ॥ अर्ह० ॥ २५ ॥ अमृतनेक-
वलेंकरी ॥ पोजीथीनेदेहोरे ॥ वैरघणाहीवाघणी ॥
तोडीनाखीतेहोरे ॥ अर्ह० ॥ २६ ॥ चढतेपरिणामें
करी ॥ पाम्योकेवलनाणोरे ॥ कुसलपणेरेसुकोसलें
॥ साध्योपदनिरवाणोरे ॥ अर्ह० ॥ २७ ॥ कीरतिधर
करणीजलें ॥ कर्मतणोक्षयकीधोरे ॥ मोक्षेपहुतोके-
वली ॥ नरभवनोफललीधोरे ॥ अर्ह० ॥ २८ ॥ तेरसन
मीएढालमें ॥ नेरसपोष्योतेणेरे ॥ केसरानरसए-
हवो ॥ पोषायकहोकेणेरे ॥ अर्ह० ॥ २९ ॥

॥ गोडीरागें दोहा ॥

चित्रसुमालाराणीयें ॥ जयोसुंदरनंद ॥ हीरण्यगर्भ
नामेभलो ॥ शत्रुकंदलिकंद ॥१॥ हीरण्यगर्भघरेंगो-
रडी ॥ मृगावतिअभिराम ॥ नघूजनामेंसुतभर्ईयो ॥
दुःखितजनविश्राम ॥२॥

॥ ढाल चौदमी ॥

(माईधन्यदिवस, एदेशी)

हीरण्यगर्भनृप ॥ देखीधोलोकेस ॥ देखीआलोचे-
ई ॥ एनभूतविशेष ॥१॥ ततक्षणतेशल ॥ न-
घूडकुमरनेशल ॥ आपीआपणपे ॥ सारेआतम
काज ॥२॥ राजघरेराणी ॥ सिंहिकाअभिधान ॥
सासजविधिजाणे ॥ सूरपणेसुविधान ॥३॥ उत्त-
रपंथेनानृप ॥ जीतणग्याल्योराय ॥ दक्षिणपंथना
नृप ॥ आव्याअन्नेथ्याआय ॥४॥ राणीएजत्या
॥ करीसजलसंग्राम ॥ सिंहणीनेआगें ॥ गजकुंभुन
तनेठाम ॥५॥ नृपजीतीआव्यो ॥ निसुणीनेहउ-
दंत ॥ गाढोदुःखपायो ॥ आभिनीउपरकंत ॥६॥ ए
छेविलियाराणी ॥ नहींतरएहवोकाम ॥ नकरेकोई

मगटेअवसरजाणी ॥१०॥ मेंनिजपतिदाली ॥ अं-
वरजवछ्योजेई ॥ तोसासनदेवी ॥ सानिध्यकरजे
सोई ॥ ११ ॥ ईमकहेतीराणी ॥ ईरस्योराजअंग
॥ हरिवाहनआयां ॥ लाछजयसुयंग ॥ १२ ॥ ति-
भवेदनानाठी ॥ दीठीदेहनिरोग ॥ राणीसुरव्यो ॥ पं-
चेन्द्रीसुजलोग ॥ १३ ॥ राणीजीदरेंजीपन्यो ॥ पुत्र
ललोसोदास ॥ पटथापीआपें ॥ सयमसुंसुजवास ॥
१४॥ सोदासनरेसर ॥ जणाईकुजीव्छाह ॥ मंगवे
गाये ॥ श्रीजिनगुणअगाह ॥ १५ ॥ तजजवदया-
नो ॥ पडहोरायवजवे ॥ मंत्रीसरजोले ॥ अेतो मु-
ननेसुहावे ॥ १६ ॥ तजपूर्वनपुरुषें ॥ मांसनडिण-
हीजायो ॥ तुमहीतिमव्यासो ॥ जेयाहेजशपायो
॥ १७ ॥ दाक्षिणथीमानी ॥ पणमनमेंनसुहाणी ॥
नेकुवशनपडिआं ॥ तेतोपापीप्राणी ॥ १८ ॥ नव
सुदसघातें ॥ गुप्तपणेंकहेराय ॥ क्षणअेकहिमेंतो ॥
मांसपेजेनरहाय ॥ १९ ॥ तुंहेतुमहारो ॥ जेमुज-
नेदीअेमांस ॥ सोव्योनवीपावे ॥ दीठेकरीयप्रयास
॥ २० ॥ सेकजाविकमुओ ॥ नृपनेआणीजवाडे ॥
माणसनेमांसे ॥ स्वादघणेरोपावे ॥ २१ ॥ गीधोतव
राज ॥ नित्येंअेकमरावे ॥ वज्येंनवीमाने ॥ लोक
असातापावे ॥ २२ ॥ मन्त्रीसरमहोटो ॥ राजतणो
रजवालो ॥ कहीकहीसमजावे ॥ राजनविहिअेटालो
॥ २३ ॥ तवजांघीकाढी ॥ काढीगीयोराज ॥ थापकुणि

थ्थापेऊ ॥ लोकसदहीतान ॥ २४ ॥ सोदसतणोसु
त ॥ न्यायवंतनरेस ॥ सिंहरथथीरथाप्यो ॥ सुजदा-
ईसुविशेष ॥ २५ ॥ भूपतिअतिलभतो ॥ दक्षिणदि
सीयलिआवे ॥ देजीओकमुनीवर ॥ गादीसातापावे
॥ २६ ॥ पुछेतवधर्मन ॥ मुनिवरभाषेवाउ ॥ परिह-
रियेंमांसन ॥ अऊपरिहरियेदाउ ॥ २७ ॥ ओजीनें
नरके ॥ ओत्रीनेपहुचावे ॥ ईमसुणतांमनमें ॥ रा-
नऊरअतिपावे ॥ २८ ॥ पख्येंजाणकरेनृप ॥ मांस
अनेमदकेरो ॥ तवश्रावकहूओ ॥ नणेधर्मललेरो
॥ २९ ॥ महापुरयालिआयो ॥ शुभकर्मनोप्रेर्यो ॥ सु-
भदेपरधाने ॥ आवीनेनृपघेर्यो ॥ ३० ॥ तजदिव्य
सुपंथे ॥ महानगरनोराज ॥ सहुलोगामान्यो ॥
वाध्याअधिकदीवाज ॥ ३१ ॥ तवपूरिअयोध्या ॥
दूतमोकलिओजेऊ ॥ सुतसेवाआवो ॥ केतुमसाहो
टेक ॥ ३२ ॥ सुतवातनमाने ॥ राजदलजलसाले ॥
सुतपणसामहियो ॥ सन्मुखआयविराले ॥ ३३ ॥
तवतातपुतदो ॥ लाड्याविविधप्रकारे ॥ हार्योतव
नंदन ॥ कुत्योताततिवारें ॥ ३४ ॥ विलजाणोदे-
जी ॥ राजअंतलपाणी ॥ जोलेजेसाड्यो ॥ जा-
लकुआपणोजणी ॥ ३५ ॥ दीधांदोजेराज ॥ राज
संयमधारी ॥ विचरेमहिमंडल ॥ षटकायाहितका-
री ॥ ३६ ॥ सिंहरथराजनो ॥ राजश्रीब्रह्मरथ ॥
चतुरमुखराज ॥ हेमरथसतरथ ॥ ३७ ॥ उदय

पृथुराज ॥ चारीरथससीरथ ॥ आदीत्यरथराज ॥
मानधाताशमरथ ॥३८॥ नृपवीरसेनजी ॥ प्रद्युम-
न्युमानितो ॥ नृपेपदमजंघुजी ॥ रवीमन्युजणीतो॥
३९॥ सबहीमन भावे ॥ वसंततिलक नरेस ॥ कुबेर
दत्तजी नृप ॥ कुंथुशरभविशेष ॥ ४० ॥ धीरदनृपनी-
को ॥ सिंहदर्शनिदिलपाक ॥ नृपहीरण्यकसिपुजी ॥
नेहनीजगमें धाक ॥ ४१ ॥ पुंजस्थलप्रौढा॥ककुत्स्थने
रघुराय ॥ एसूरजवंशी ॥ राजसहुसुजदाय ॥४२॥
केईमोक्षेपधास्या ॥स्वर्गेपधास्याकेई ॥ एवंशवडे-
रो ॥ विश्वदितोजेई ॥ ४३ ॥ अनरण्यनरेसर ॥अ-
योध्यानुराज ॥ करतोअतिवर्ते ॥सारेभजनांकाज ॥
४४ ॥ तेहनादोनंदन ॥ अनंतरथअधिकाय ॥ दशर-
थदिल दरियो ॥ शोभाकहियनजाय ॥ ४५ ॥ अ-
न्यरण्यनरेसर ॥ जेयरसुमित्राई ॥ साथेंव्रतलेशे
॥ आपएहसगाई ॥ ४६ ॥ सोसहस्सकिरणनृ-
प ॥ रावणसाथेंलडाई ॥ लेईनेहारिओ ॥ तवव्रत
लीधुंधाई ॥४७॥ अन्यरण्यनरेसर ॥ अनंतरथ
सुतसाथ ॥ संयमव्रतलीधो ॥ महोदयमुनिवरहाथ
॥४८॥ विद्याधरसाथें ॥ पालिजोलीचाय ॥सो
मुक्तिसिधाव्या ॥ अवसेंमहेत्येस्सारेय ॥४९॥ रेणि-
दसमी लाधी ॥ ढालरसाजअपारा ॥ केसराजवखाण
णे ॥ साधुसदासुजंकार ॥ ५० ॥

॥ परजआशगें दोहा ॥

मासएकनोथायिओ ॥ राजादशरथराज ॥ पंडकला
निमदिनदिने ॥ वाधेदलबलसाज ॥१॥ शस्त्रशास्त्रआ
दंडरी ॥ कलाशकलनुजाण ॥ विनयविवेकविचारमें ॥
पंडितपणोप्रमाण ॥२॥ यौवननीवयपामिओ ॥ सू-
रवीरजूंजार ॥ दाताभोक्ताअडगुणी ॥ वसुधाजश
विस्तार ॥३॥

॥ ढालपनरमी ॥

(पांडुरीपोटलीयांआकुणरेएदेशी)

राजदशरथदीपतोरे ॥ दनदनतेजप्रतापेरे ॥ अंसंध-
णीमेंएहनोरे ॥ दीसेआपोआपेंरे ॥रा०॥१॥ दर्भ-
स्थलपुरजाणियेंरे ॥ सुकोसलतिहांरायोरे ॥ राणीनाम
मेंअमृतप्रभारे ॥ राजनेसुजदायोरे ॥रा०॥२॥ पुत्री
वरअपराजिताजी ॥ ईन्द्राणीअवतारोरे ॥ व्याहेदशर
थरायनेरे ॥ ओछवकरियअपारोरे ॥रा०॥३॥ सुशी-
लात्रीयजोपतीरे ॥ मित्रसुभूभूपालोरे ॥ सुमित्रापु-
त्रीपरणावेरे ॥ दशरथनेसुविशालोरे ॥रा०॥४॥ सुप्र-
भाअतिदेहनेरे ॥ सुप्रभातसनामोरे ॥ राजरंगेपर-
णावेरे ॥ दशरथनेअभिरामोरे ॥रा०॥५॥ पंचेन्द्रीय
सुजभोगवेरे ॥ पूरवपुण्यप्रसादेरे ॥ पूरवपुरुषवडी-
भालियारे ॥ विस्तरियाजशवादेरे ॥रा०॥६॥ एकदि-
वशलंकाधणीरे ॥ जयठोपरजदामांहेरे ॥ निमित्ति-

आनेपुछ्योरे ॥ निजआयुजल प्राहेरे ॥रा०॥७॥ कहे
हुंमरीसकापर्यारे ॥ केकोईमारणहारोरे ॥ इन्द्रादिक
सुरनारहेरे ॥ माणसनोस्योभारोरे ॥रा०॥८॥ पडित
प्रगटपणेभणेरे ॥ सीताहेतेविनाशोरे ॥ दशरथसुत
थीथायसेरे ॥ लोककरेतजहासोरे ॥रा०॥९॥ बिभि
षणजनीओकहेरे ॥ जूठोपाडुंभणोरे ॥ दशरथज-
नकविणासतांरे ॥ विजुधवचनप्रमाणोरे ॥रा०॥१०
॥उत्पत्तिजीन विनानहींरे ॥ रावणकहेअेरुंरे ॥ भ-
रोसोभाईतणोरे ॥ कीहिन कहे कूडुंरे ॥रा०॥११॥
नारदजेठेथोतिहांरे ॥ करवानेउपगारोरे ॥राजद-
शरथआगलेरे ॥ भाषेंजेहविचारोरे ॥रा०॥१२॥
मिथुलानगरियेंजईरे ॥ जनकनेरेजणावेरे ॥ भ-
णीसामीसायलीरे ॥ मनमेंआशातापावेरे ॥रा०॥१३॥
ओहिज भलामणरायजीरे ॥ मंत्रीसरनेदीजेरे ॥ दोई
प्रदेशानिकल्यारे ॥ जणेतिमतिमजीजेरे ॥रा०॥१४
॥ मूरतिदोईरायनीरे ॥ लेपमईतजकीजेरे ॥ बिभि
षणभरमावयारे ॥ खेजउपायठवीजेरे ॥रा०॥१५
॥ रातअंधारेआविओरे ॥ बिभिषणविकरालोरे ॥-
भृरगीमस्तककछेयुंरे ॥ कोप्याजणेकालोरे ॥रा०॥१६॥
कलकलशब्दहुओघणोरे ॥ सुभटसजाहिथाईरे ॥,
मारवाकजउतावलारे ॥ नजरनआवेकांईरे ॥रा०॥
१७॥ रोवेराणीरावलीरे ॥ रोवेवादगुलामोरे ॥ मृतकान
रिजसघलांकियारे ॥ गयोबिभिषणतामोरे ॥रा०॥

१८॥ मंत्रीसोईमतेजसोरे॥राजातेहिजमानोरे॥ओर
मततुंजाणेनहींरे॥ओआपणमेंताणोरे॥रा०॥१९॥
बंधनजेहुंदेजियेरे॥राजाजीनोराजीरे॥एकअवस्था
होयनीरे॥प्रतदसदीसेआजेरे॥रा०॥२०॥जमना
जमताएकजारे॥दशरथजनकमिलंतारे॥एकअ-
वस्थाहोयनेरे॥साथेंहोईचलंतारे॥रा०॥२१॥कौतु-
कमंगलपुरवरेरे॥शुजमतिराजकरंतोरे॥पृथ्वीश्री
जीदेरेंजीपनीरें॥केकयीगुणवंतीरे॥रा०॥२२॥द्रोण-
मेघनीसहोदरीरे॥स्वयंवरामंडपतासोरे॥आव्याराज-
णाराजीया॥करीकन्यानीआसोरे॥रा०॥२३॥हरी-
वाहनआदेंसहु॥जयठाआसनेजूपोरे॥दशरथज-
नकपधारियारे॥ओपेसोहअनूपोरे॥रा०॥२४॥
कन्यामंडपेंआवहिरे॥देखेनृपअवलोयीरे॥कोईन-
जरनआविओ॥आगेंसरकेसोईरे॥रा०॥२५॥दश-
रथनृपमनमानिओरे॥पहिरावेवरमालोरे॥राजारो-
सकरेघणुंरे॥हरीवाहनजूपालोरे॥रा०॥२६॥मेली
महोटाराजवीरे॥एकमविवाहेंरांकोरे॥दीसेवेसेंका-
पडीरे॥जेमवदंतोवांकोरे॥रा०॥२७॥वलगोजई
वेगसुंरे॥लईवरमालछीनाईरे॥नाओ करीसापा-
घरोरे॥टलतांजयजडाईरे॥रा०॥२८॥चतुरंगणी
सैन्यासजीरे॥कुंजाओपालंतोरे॥सूराधरेंरेचधाम-
णंरे॥आयरंनरत्नालंतोरे॥रा०॥२९॥शुजमति

.काकर ..रे॥ज.जनाईज ..रे॥सैन्यसजी

आगेंहुओरे ॥ सूरसिरोमणीसाघोरे ॥रा०॥३०॥
केकेईहुर्घसारथीरे ॥ जेडेरथनेजमेरे ॥ दसरथह-
लनोडेघणुंरे ॥ पिशुनतणातेतामोरे ॥रा०॥३१॥
क्रलोदशरथरानियोरे ॥ धर्मेसदानयहोवेरे ॥ पर-
मेश्वरपजिओघणुंरे ॥ साथेसामुंजोवेरे ॥रा०॥३२
॥नृपवरआपेरिलियोरे ॥ सरागंडारेंरहावेरे ॥ श्रेस्त-
येंकुंभागसूंरे ॥ सुतनेनृपपदथापेरे ॥रा०॥३३॥ केक-
यीसाथेंलेईनेरे ॥ राजगृहीआवंतोरे ॥ जनकगयो
मथुरापुरीरे ॥ हर्षधणुंपावंतोरे ॥ रा०॥३४॥ दशरथ
निजपुरनाविपोरे ॥ जिलिषणनेत्रासोरे ॥ देशघणा
क्रतिकरयोरे ॥ राजगृहीयेंवासोरे ॥रा०॥३५॥ जोग-
लावीअपेराजितारे ॥ आदिसघलीनारीरे ॥ राजथान
नकरियापुरे ॥ स्थिरथानकसुविचारीरे ॥रा०॥३६॥
सिंहजिहांहिंवासोवसेरे ॥ तिहांहितसथानोरे ॥तिन
मदशरथराजागिणयोरे ॥ सर्वरायनोराजनोरे ॥रा०
॥३७॥ पन्नरमीएठालविषेरे ॥ अल्परएयदीपा-
योरे ॥ केशराजनंदननिकेरे ॥ निजेतातकहायोरे ॥रा०
॥३८

॥ अडाणाअन्हडाशगेंदोहा॥

ब्रह्मलोकयडीयवी ॥ महर्धिकसुरसार ॥ मानसरोव-
रहंसलो ॥गडीहरेंलियोअवतार ॥ १ ॥सुप्रभासुतिसुं-
दरी ॥ सुदरसहेजमजार ॥ राणीकुअपराजिता ॥ सु-
पनविलोकेचार ॥ २ ॥ सातहाथगयो सही ॥ लाज-

पणेनवहथे ॥ त्येठपणेकरनीनछ ॥करीकरिणीनोनाथ ॥ ३ ॥ केसरीकटीजिणेहरो ॥पंथमुजेपरवेस ॥ कंतोदिठोमध्ये ॥राणीयेंहर्षविशेष ॥ ४ ॥ नायकतोग्रहगणतणो ॥ शोहणीनोभरतार ॥ दीठस्तोत्र्याकाशर्था ॥ येंन्द्रमहासुखकार ॥ ५ ॥ उगंतोत्र्यातिरातडो ॥ नहींजासपडोलिगार ॥ सुरसरुत्सांकिरणेकरी ॥ पांवेसोभात्र्यजपार ॥ ६ ॥ शयनगावीवीनवे ॥ हसिसुणोत्र्यरदास ॥ जेहसुपनलोहंवडहो ॥ नेमपोंत्येमनत्र्यास ॥ ७ ॥ पीयुपरभसुजपायके ॥ लापेसुपनविच्यार ॥ पुत्रेपनोत्तोभसवसो ॥ सकुलगनोत्र्याधार ॥ ८ ॥ गर्भदोषसजदासतां ॥ पोषकरतासार ॥ शुभवेलासुतजर्णयो ॥ वस्त्यौनेहेकार ॥ ९ ॥

॥ ढाल सोळमी ॥

(त्रजतुं धीरोरे; एदेशी.)

शुभवेलाशुभवार ॥ कुंत्र्यरजयोरे ॥ हर्षवधायोमंगलगायो ॥सजनगनेरेसुहायो ॥ कुंत्र्यरजयोरे ॥ १ ॥ नगरछंटायोजलासिंचायो ॥ कुसुमाधनवरसायो ॥ चोकपुरायो कलसबंधायो ॥ हेन्तमासेत्र्यायो ॥ कुं० ॥ २ ॥ लोकमिलायोरोलवजायो ॥ गुहिरनिसानगुहिरायोरे ॥ आनंदपायोसजनमनलायो ॥ त्र्योछवत्र्यतिमंडायो ॥ कुं० ॥ ३ ॥ रमणीत्र्यावेकेलिरच्यावे ॥ कुंकुहाथेवधावे ॥ रासरमावेपात्रनच्यावे ॥ गीयितजाधिकगीपावे ॥ कुं० ॥ ४ ॥

घरघरजारेतोरणरच्येना ॥ नारिजजाणुंलावे ॥ दू-
र्वापुष्पइलादिकआणी ॥ मंगलच्यारकरावे ॥ कुं० ॥ ५ ॥
चिंतामणीसुरतरुलेभराज ॥ दानेदारिद्रवारे ॥ चायेक
नामजचायेकीधां ॥ सुजशहुओजगसारे ॥ कुं० ॥ ६
॥ पद्मनोरेनिवासतेहथी ॥ पद्मद्रीयोतसनामो ॥ सहु
जगनेअभिरामपणाथी ॥ जीनेनामजरामो ॥ कुं० ॥
७ ॥ गजहरीरवीससीअग्नीजलकमला ॥ सायरसुपनां
सातो ॥ देवीसुमित्रास्वामीजागे ॥ आवीकहेजेवातो
॥ कुं० ॥ ८ ॥ देवलोकथकीचवीआव्यो ॥ उत्तमजीवज-
पासे ॥ राणीउदरेनिवासकियोरे ॥ हर्ख्योसहुपरिवासे
॥ कुं० ॥ ९ ॥ श्यामवर्णसुतजायोसुंदर ॥ राजमनउ-
च्छाहो ॥ ओछववितिधप्रकारेंकरीने ॥ लीधोलच्छी
लाहो ॥ कुं० ॥ १० ॥ दशदिवशनोओच्छवकीधो ॥ भू-
ज्याजदीवानो ॥ उत्तमपुत्रपडिपलियायी ॥ सहुनेहोय
कल्याणो ॥ कुं० ॥ ११ ॥ नारायणतपनामदियोरे ॥ ल-
क्ष्मणअपरविधानो ॥ सुरतरुकंदतणीपरेंदीर्घ ॥ वाधे
पुरुपप्रधानो ॥ कुं० ॥ १२ ॥ अनुक्रमेवीरविशेषविशेषें
॥ सोहघणेरोपोषे ॥ नीलांजरपीतांजरपहरे ॥ साज-
नियांसतोषे ॥ कुं० ॥ १३ ॥ आच्यारजसाजेकरीशीख्या ॥
सकलकलागुणतेहो ॥ जणपणेतेसुगुरुसारिजा ॥ प्र-
त्यक्षदीसेजेहो ॥ कुं० ॥ १४ ॥ लीलामुष्टीमहारकरावे ॥
परवतनाजेचूरी ॥ सूरवीरसाहसीकमांहें ॥ पावेकी-
रतिपूरी ॥ कुं० ॥ १५ ॥ कीडाकरणधनुष्यग्रहीने ॥

नजनभपूजेआणो ॥ सूरयसंकधरीनेसंके ॥ पाछेमन-
तिरेलिभाणो ॥ कुं० ॥ १६ ॥ कीर्तिकभूपजलरायथिया-
स्यो ॥ कीर्तिकसुतभलभणी ॥ कीर्तिकधैर्यधरीनृपव-
सिओ ॥ पूरिअयोध्याआणी ॥ कुं० ॥ १७ ॥ भरतपु-
त्रकेकयीयेंभयो ॥ पूरिअयोध्यामांहि ॥ सुप्रभायेंश-
त्रुघ्नज ॥ भयोअधिकउछाहिं ॥ कुं० ॥ १८ ॥ राम
अनेलक्ष्मणनीजोडी ॥ कवीकथनेंकहाणी ॥ भरत
अनेशत्रुघ्नकेरी ॥ जगमांजोडजणाणी ॥ कुं० ॥ १९ ॥
गजदंताईमेरुमहीधर ॥ सोभाअधिकलहावे ॥ दशरथ
राजनंदनच्यारे ॥ कुर्मजतोकहावे ॥ कुं० ॥ २० ॥ एह
सोलमीढालभलेरी ॥ रामतणोअवतारो ॥ इहांलगे
केशरालेंवखाण्युं ॥ जेपहेलोअधिकारो ॥ कुं० ॥ २१ ॥

इतिश्री-दूषेष्यांरामयसोरसायने
प्रथमोअधिकारःसमाप्तः

॥ धन्यासिरिरागें दोहा ॥

गौतमगणहरगुणनीलो ॥ गौतमगिरुओनाम ॥
गौतमगुरुगुरुमेंवडो ॥ गौतमकरियप्रणाम ॥ १ ॥
भामंडलसीतातणो ॥ युगलपणेअवतार ॥ शंकरण
अलगापड्यां ॥ निसुणोएहविचार ॥ २ ॥ जंबूद्वी-
पेंभरतमें ॥ वसतोदारुग्राम ॥ विप्रभलोवसुभूति-

तिजे ॥ सरसाव हुनोनाम ॥ ड्यानविमेंअपहरी ॥
पुठेंहुओपतिताम ॥ ४ ॥ मोहवसेमोह्याघणुं ॥ माय
जापतेवार ॥ पुत्रगयेपेंग्यालिजा ॥ विचेंमल्योअण-
गार ॥ ५ ॥ अणगारनाउपदेशथी ॥ लीधोसंयम
भार ॥ स्वर्गसुधर्मेदेवनी ॥ पाम्यांपदवीसार ॥ ६ ॥

॥ ढालसतरमी ॥

॥ उहोउहोमन भूरमेरे, अेदेशी ॥

सुणसुणरेसुलणसयाणा ॥ कांईहोवेअविडजया-
णा ॥ अंकर्मनछूटेकोई ॥ सुरदानवमानवहोई ॥ सु०
॥ १ ॥ वैताढ्यगिरेंजालिरामो ॥ रथनुपरपुरनो नामो ॥
सोदेवच्यवीनेआयो ॥ जगत्यंन्दगतिरेडगायो ॥ सु०॥
२॥ ओनारीहुईनारी ॥ नृपत्यंन्दगतिनीप्यारी ॥ पु-
प्यवतिजालिघानो ॥ सुभमानेमेरुसमानो ॥ सु०॥
३ ॥ सरसापणेसंयमसेवी ॥ बीजेसुरलोकेदेवी ॥ हो-
ईनेमानेसाता ॥ सुजमांहेवासरमता ॥ सु०॥ ४ ॥ अन
नुभूतिजआरतिउरतो ॥ नारीनोजतिदुःजधरतो ॥
भवमांहे भमतोहोई ॥ हंसजालिकहुओसोई ॥ सु०॥
५ ॥ सिंयाणेसाहीनाडिओ ॥ ऋषिआगलआविप-
डिओ ॥ ऋषीलुयेंदीघोनवकारो ॥ लीधोकिंनरनो
अवतारो ॥ सु०॥ ६ ॥ दशासहस्रवरसनोआउो ॥
लोगवनोपुण्यप्रलावो ॥ सोदेवच्यवीनेआवे ॥ जह-
लोलेवेसुजपावे ॥ सु०॥ ७ ॥ विदग्धनगरछेवारू ॥
राजछेअधिकउदारू ॥ प्रकाशसिंहनरनाहो ॥ प्र-

वशरेवतिनोनाहो ॥ सु० ॥ ८ ॥ सहुसानननेरेसु-
हायो ॥ कुंडलमंडितसुतजायो ॥ सुतसुंदरअधिकस-
लूणो ॥ सुततेजप्रतापेंपूणो ॥ सु० ॥ ९ ॥ कयानक
भवमांभमतो ॥ सोवादिनमारोगमतो ॥ नयरी
चक्रपुरराजे ॥ चक्रध्वजराजविराजे ॥ सु० ॥ १० ॥ धू-
मसेनपुरोहितनेहने ॥ स्वाहारमणीछेनेहने ॥ ज-
योतिहांपिंगलनंदो ॥ उपन्योमामनआणंदो ॥ सु०
॥ ११ ॥ अतिसुंदरीजेटीराजनी ॥ जेपड्रतीअति
विद्यानी ॥ श्रीआचार्यजपासें ॥ पिंगलपणभणेउ-
ल्लासें ॥ सु० ॥ १२ ॥ तजतोबंधाणोनेहो ॥ पिंग-
लने कुमरीतेहो ॥ संगतथीविणसेकामो ॥ एमज-
नजहुलाठामो ॥ सु० ॥ १३ ॥ कुमरीनेलेईनाठो ॥
तुझाह्मणीओअतिधाठो ॥ विदग्धनगरचालिआस
याा वसवानोमनठहरायो ॥ सु० ॥ १४ ॥ कुसजन
कोईजाणे ॥ तृणलाकडमूणीआणे ॥ बेमतेमतो
पेटभरेवो ॥ विणकुसजनएमकरेवो ॥ सु० ॥ १५ ॥
जेकुसजतणीअधिकाई ॥ निजपुरमेंलहेरेजकाई
॥ एकुसजकुलायेंदीठो ॥ ससीझ्हतणोसिरजेठो ॥
सु० ॥ १६ ॥ अतिसुंदरिसुंदरताये ॥ नृपसुतनेओन
जताये ॥ सालीथीतेणेछीनाई ॥ पिंगलरहियोमु-
जजाई ॥ सु० ॥ १७ ॥ भयजापतणोजनिआणी
॥ पर्वतमेंपल्लीठणी ॥ कुंडलमंडिततिहांवसिओ
॥ सुजकुजनदेजेरसिओ ॥ सु० ॥ १८ ॥ नारीनोआन

एणीवियोग ॥ पिंगलेंतजलीधोयोग ॥ चित्तथीनवी
छूटेनारी ॥ घाटीजेमहोटी लारी ॥ सु० ॥ १९ ॥ दशर-
थनोटेसविएासे ॥ कुंडलमंडितनत्रासे ॥ तजबाल-
चंद्रयदिजायो ॥ बांधीनृपपासेलायो ॥ सु० ॥ २० ॥
तजदीनपणुंतसदेजी ॥ डश्रणानृपनेसुविशेषी ॥ छो-
डीदीधोतेणीवारे ॥ कुंडलमंडितसुकुमारे ॥ सु० ॥ २१ ॥
तेणापेशलनेअते ॥ कुंअरछरहेनितीसाथे ॥ मुनी-
चंद्रऋषीस्वरसंगे ॥ हुओश्रावकजतिउछरंगे ॥
सु० ॥ २२ ॥ शलवांछनामांहिं ॥ तसभाएणलछूटामां-
हिं ॥ लनकुघरेंअवताशे ॥ निसुणोसीतासुविचारो
॥ सु० ॥ २३ ॥ सरसापेण भवमां भमती ॥ साकिरे
इच्छायेंरमती ॥ होर्इपुरोहितनी कुमारी ॥ सापढवे
गुणवेसु लारी ॥ सु० ॥ २४ ॥ वेगवतीकहे वाणी ॥
संयमसाथेमनआणी ॥ ब्रह्मलोकेहोईजावी ॥ रा-
णीविदरजीपनीठावी ॥ सु० ॥ २५ ॥ कुमरकुमरीदो
लया ॥ तेयुगलपणेसुजदाया ॥ तामविदेहाहरषी
॥ सुतपुत्रीनोमुजनिरखी ॥ सु० ॥ २६ ॥ पिंगलमुनि-
वरगुणवंतो ॥ पहेलेसुरलोकेपहुतो ॥ अवधिज्ञान-
सुंदेखे ॥ ठवतोअतिरीसविशेषे ॥ सु० ॥ २७ ॥ तवतेजा-
लडजपहरियो ॥ तेसुरवरहेपेंलारियो ॥ लणेजन्म-
जभर्णोपु ॥ मारीनेंमनसंतोपुं ॥ सु० ॥ २८ ॥ विवेकें
विचारेंतामो ॥ अेकेपातिकनांदामो ॥ वैरनवोरेवसा-
वो ॥ संसारघणोंरेवधावो ॥ सु० ॥ २९ ॥ पंचेंद्रीयडे-

॥ ढाल अढारमी ॥

उर्मतणीगतिकिणहीन जाणवीरे, एदेशीने

सीताकुमरीतोतववाधतीरे ॥ चंन्दकलाजिमहेज ॥ अ-
नुक्रमेंयोवनदेहपामिओरे ॥ रूपकलासुविशेष ॥ सी-
तासुंदरीरे ॥ मनुष्यलोकमझार ॥ रूपपुरंदरीरे ॥ शील
शिरोमणीनारि ॥ सीतासुंदरीरे ॥ १ ॥ खेचरहोसेजेह
नोरे ॥ भूचरजेचरराय ॥ जारतिआणेजापखेरे ॥ वर
रूपेसुजथाय ॥ सी० ॥ २ ॥ देजावाधसुधाविषेरे ॥ राज
राजकुमार ॥ सारिखोसंसारमेंरे ॥ कोईनखेकलिगार ॥
सी० ॥ ३ ॥ अर्धबब्बरदेशनारे ॥ अंतरंगतसनाम ॥
म्लेंछमहाभयभंतरे ॥ देसउजाडेताम ॥ सी० ॥ ४ ॥
जनकजनपहोंचेतेहनेरे ॥ दूतमोकलेएक ॥ राजादशरथ
पाजतीरे ॥ जोलेआणीविवेक ॥ सी० ॥ ५ ॥ सूर्यसा-
हमोदेजियेरे ॥ आवेछिंकनेवार ॥ लीजाणोछेभूपती
रे ॥ आगेंदेवविचार ॥ सी० ॥ ६ ॥ उठयोअतिआतुरथ-
ईरे ॥ वाजन्यादोलडुमाम ॥ असवारीकरवालणीरे ॥
तामसुंबोलेराम ॥ सी० ॥ ७ ॥ तुमेपधारोछोसहीरे
॥ सूरासुंसंग्राम ॥ अमनेधरजेसीरह्यारे ॥ किसीव-
यसेमाम ॥ सी० ॥ ८ ॥ अनुज्ञानेआगेंकरीरे ॥ चा-
ल्योरामनरेस ॥ चतुरंगिणीसैन्यासजेरे ॥ मिथि-
लापुरिचप्रवेश ॥ सी० ॥ ९ ॥ असुरसुंआवीअडयारे
॥ शुभटखडेकुंभर ॥ उगवणिअसुरोतणीरे ॥
सहीनशक्याएकवार ॥ सी० ॥ १० ॥ धनुष्यचडावी

रामजरे ॥ करतोंवीमवणीआप ॥ असुरसहुअसन-
गाथयारे ॥ धर्मथडीनेमपाप ॥सी० ॥ ११ ॥ जनकत-
णाजनपहतणोरे ॥ टल्योसयलकलेस ॥राजजसु-
जपामिआरे ॥रंगविनोदविशेष ॥सी० ॥ १२॥ सी-
ताहीधीरामनेरे,सारिजोसंयोग ॥ भलुंभलुंभाषेघ-
णुरे॥ हर्षेसघलालोक ॥सी०॥१३ ॥सीताद्रूपसोहाम-
णुरे॥ निसुणीनेसुरदेव ॥निरजणहेतेंआविआरे॥
सीताघरेंततखेव ॥सी० ॥ १४॥केशनेत्रपीलाजशारे
॥ तुंबीछत्रीआधार ॥ दंडपाणीकोपीनसुंरे ॥सिरहिं
सिखासुविचार ॥सी० ॥ १५ ॥ नारदरूपदशामणोरे
॥ देखीसीताबाल ॥नाठीथरहरभ्रूजतीरे ॥गईघरमां
तत्काल ॥सी० ॥१६ ॥ ऊठसीआजाहेघरीरे ॥ क्षारेपल
लनेहास ॥सोहिरह्यानहनासकेरे ॥हरणपड्योनेम
पास ॥सी० ॥ १७ ॥कलकलसुणीनजआविआरे॥
हाथग्रहीहथीआर ॥ मारमारकरताथकारे ॥ भणेज-
मअवतार ॥सी०॥१८ ॥नारदनमषीनेदेजतारे ॥सु-
रतापडिआसोई ॥ सनेसनेसोनिकल्यारे ॥आमकरे
सोभेई ॥सी० ॥१९॥ रूपलखीसीतातणुंरे ॥ भा-
मंडलनेआय ॥ देखाडेपटदेजतांरे ॥ कुमरदुचिंतोथा-
य ॥सी० ॥ २० ॥ दुचिंताईकुंअरतणीरे ॥ पूछेमित्रा
साथ ॥ परतदातेदाजवेरे ॥ऋषीपूछ्योनरनाथ ॥सी०
॥ २१ ॥ मिथीलानगरीछेभलीरे ॥ जनकतिहांभूपाल
॥ विदेहाबीहरेणिपनीरे ॥सीताद्रूपरसाल ॥सी०॥

॥२२॥ अमरी कुमरी नागनीरे ॥ भेंदीठी अविलोय
॥वारंवारविचारतांरे ॥सीतासमिनहींकोय ॥सी०॥
२३॥ तेहवीछेसासुंदरीरे ॥ तेहवीसाजीनजाय ॥ लाजी
तेसीडईओसडेरे ॥अन्यरिनछेजगराय ॥सी०॥२४॥
लामंडलनेत्भामिनीरे ॥ नईरेमीलेजेकन्याउ ॥सायुंसु
जसंसारनुंरे ॥ महारेमनजेकोउ ॥सी०॥२५॥ सुत
वचनेसंतोषिओरे ॥ लसुंकेरेकिरतार ॥ विसर्जिओ
ऋषीरानिजोरे ॥ ऊद्यमनोअधिकार ॥सी०॥२६॥
जगयपवनगतिमोकल्योरे ॥ करयानेअपहार ॥ राजाने
लेईगयोरे ॥ किणहींनजाणीसार ॥सी०॥२७॥ ऊठी
आयोसाहमोरे ॥ मलिओजांहपसार ॥ कुशलवातपू-
छीघणीरे ॥ प्रीतितणेरे प्रकार ॥सी०॥२८॥ जनक
तुमारीसांभलीरे ॥ पुत्रीरत्नप्रधान ॥ नारिनिरूपमदे-
खलीरे ॥ तेहमांतिलकसमान ॥सी०॥२९॥ जेछेअनो-
पमकन्यकारे ॥ तेमनुमलापोतेम ॥ सर्वकलागुणआ-
गलीरे ॥ पणदेवायेकेम ॥सी०॥३०॥ दीधीदशरथनंद-
नेरे ॥ अवरनेकेमदेवाय ॥ मणीभायेछेसापनेरे ॥ कहो
केमलीधीजाय ॥सी०॥३१॥ प्रीतितणीमांसुंअछुंरे॥
नहींतरतोअपहार ॥ करतांचेलाछेकिसीरे ॥ राजेंघुंल्य-
वहार ॥सी०॥३२॥ अमनेछतीरामजीरे ॥ परणेक-
न्यानेह ॥ कोलामंडलपरणसेरे ॥ ईहांनहींसंदेह
॥सी०॥३३॥ वज्रवर्त्तनलामर्थारे ॥ अनेअरण-
वावर्त्त ॥ धनुष्यजछेघरेनहारेरे ॥ मंडपेंजाणी

घरंत ॥ सी० ॥ ३४ ॥ थक्तहुन्नेरंसेविजोरे ॥ अंतिशन-
यवंतअतीच ॥ गोत्रनदेवीनी परेरे ॥ सेवीनेरंसदैव ॥
सी० ॥ ३५ ॥ घनुष्यलमायाहमनम्यारे ॥ इउदी उर-
चानेम ॥ समन्नेसुधीवातमेरे ॥ नभआपणोरहेप्रेम
॥ सी० ॥ ३६ ॥ अेहअचंलोछेजरोरे ॥ जेतो परत्यक्ष
जान ॥ जेउठीनेयहजोडिवेरे ॥ सारोवंछितजान ॥
सी० ॥ ३७ ॥ जेंयरचंन्दगतियालिजोर ॥ पुत्रअनेप-
रिवार ॥ घनुष्यघोईसाथेंललांरे ॥ राजनजेईलार ॥
सी० ॥ ३८ ॥ मिथीलानगरीआवीआरे ॥ जाहिरदेश
दीघ ॥ वंदननतोविद्याधरोरे ॥ पृथ्वीमांहेप्रसिद्ध ॥
सी० ॥ ३९ ॥ जथाजसमीहलमेरे ॥ वस्तुलीलानीयाह
॥ डेसराजपुगेंसहीरे ॥ जेहोयपुण्यअगाह ॥ सी० ॥ ४०

॥ माढ़रागें दोहा ॥

जनउविदेहानारिसुं ॥ संलसावीसहुवात ॥ शालस-
मीशालेसही ॥ उहेराणीविललाय ॥ १ ॥ देवनतुसो
तुंहुओ ॥ देयेपुत्रप्रधान ॥ लेधीयाहेपुत्रीज ॥ ड-
मराजसुंप्राण ॥ २ ॥ स्वेच्छायेंपरणेतेनो ॥ हर्षघणुं
संसार ॥ अणइच्छायेंपरणेनेनो ॥ हर्षनजेजलिगा-
र ॥ ३ ॥ दैवयोगेंश्रीरामजी ॥ घनुष्यचढावाजन्य ॥
जवरनेरेयदावतां ॥ अपारसरन्युंहुजथाय ॥ ४ ॥
जनउउहेजणेनहीं ॥ रामप्रमहाबलवंत ॥ मेंहीठे
संग्राममें ॥ पौरुषनोनहीं अंत ॥ ५ ॥ समजावीसा
सुंदरी ॥ पूजघनुष्यउदार ॥ मंडपमांहीतेडिआ

॥राजनराजकुमार ॥६॥ दिव्याभूषणधारिने ॥
सजीओनेपरिवार ॥ मंडपेंआवीजनकी ॥ ईन्द्राणी
अवतार ॥७॥ धनुष्यतणीपूजाकरी ॥ मनमांसम-
रेराम ॥ मनसावाच्याकर्मणा ॥ अवरांसुनहींकाम॥८

॥ ढाल ओगणीशमी ॥

(कना प्रीत लागीहो, ए देशी)

सीतारामेंराच्यीहो ॥ तेमनकेरीयेंदसुं ॥ एमीतल
साच्चीहो ॥सी०॥१॥ भूचरजेचरराजवी ॥ लक्ष्मा-
णालाशीहो ॥ भाग्यवकेतेभूपनो ॥ तेएपावेनारी
हो ॥सी०॥२॥ नारदेंभाषीतेहवी ॥ सातेहवीजेईहो
॥ भामंडलभूपपड्यो ॥ अतीपरवसहोईहो ॥सी०॥३॥
जनकरायतिहांआयके ॥ एसाचकहावेहो ॥ धनुष्यच-
ढावेतेसही ॥ तेएकन्यापावेहो ॥सी०॥४॥ ऊठ्याकें-
कडाठीकरी ॥ तेरायसनूराहो ॥ धनुष्यचडावणकारणें
॥सूरामांसूराहो ॥सी०॥५॥ सापासायेंविंटिआ ॥
नावेगहनाओहो ॥ फूरसीहोकोईनासके ॥ जेगाढना
ओहो ॥सी०॥६॥ ज्वालामूंकेछेघणी ॥ दलंताज्ञा-
निहो ॥ अधोमुखाअलगारह्या ॥ मनमांहेलाजहो ॥
सी०॥७॥ एणीअवसरश्रीरामजी ॥ लीलागति
करीहो ॥ धनुष्यसमीपेंआविआ ॥ आछोअवतारि
हो ॥सी०॥८॥ चंन्द्रगत्यादिकराजवी ॥ करताअ-
तिहांसोहो ॥ जेचरजेंथीनठहेरया ॥ जेहनेसीअ-

सोहो ॥सी०॥ ८॥ वनमांथिनेमवतुने ॥राघव-
कुहरसेहो॥ शांतिकरीअहीआणीने॥ करसाथैंइ-
रसेहो ॥सी०॥ १०॥नेत्रनशीपरेंचालीने॥ प्रलुपए
पएकरयदावेहो॥आडर्णातकर्मेंयीने ॥ इंद्ररवसुन
एावेहो॥सी०॥ ११॥रामगलेवरमालिका॥ सीतापे-
हेरावेहो॥ जनकरयोचित्तचिंतव्यो॥ अधिकेसुजपा-
वेहो॥सी०॥ १२॥ जीत्नेलक्ष्मणयदाईयो ॥ जोहि
विवकीधीहो ॥ अष्टादशवरकन्यका ॥ जगरायादीधी
हो॥सी०॥ १३॥ विलजाणोविद्याधर॥ लामंडल
लेईहो॥निजनगरेंचालिआईओ॥ लूमंडलकेईहो
॥सी०॥ १४॥ तेड्यादसरथरातवी॥ सहुसजन
साथेंहो॥ विवाहत्नलोसीतातणो॥ कीर्धोजनकनाथेंं
हो॥ सी०॥ १५॥ जनकरायनोलाईछे॥ लनोक-
नककरावेहो॥ लरत लणीलन्डचली॥पुत्रीपरणा-
वेहो॥सी०॥ १६॥ पुत्रोनेपरणावीने ॥ बहुनेलेई
आव्याहो॥ दशरथरायजनेश्वने॥ अधिकेरोलाव्या
हो॥सी०॥ १७॥ पुरीअयोध्याआवीआ॥ आनं
दकरीनेंहो॥ घरघरमंगलथयामएां॥ अतिओच्छव
कीनेहो॥सी०॥ १८॥ अनेरेदिनरायजी॥ ओच्छव
मंडावेहो॥ मंगलीकशुलकारणे॥ जलकलसलरा-
वेहो॥ सी०॥ १९॥ जोलसाथेंमोकल्यो॥ पहेलोज
लरायेंहो॥ महोटीनेमनरंगसुं॥ अधिकोगिच्छायें
हो॥सी०॥ २०॥ दासीसाथेंमोकल्यो॥ अवरस्त्री-

ओनेपाणीहो ॥ आणीदीधो शीतावली ॥ हर्षीतराणी
हो ॥ सी० ॥ २१ ॥ वृद्धमणीतेवेगसुं ॥ नानरआव्यो
हो ॥ पटराणीशीतावली ॥ मनमांहेअकुलाणीहो ॥ सी०
॥ २२ ॥ सघलीमांहेंहुंवडी ॥ मुजनेतलनाख्योहो ॥ भा
नविनासुंजुवुं ॥ मरवामनथाप्योहो ॥ सी० ॥ २३ ॥
जेमविमासीमांडिओ ॥ राणीजेगलेपासोहो ॥ सोय
नहींनारीजिन्हे ॥ जेदेजोतमासोहो ॥ सी० ॥ २४ ॥ जे
टलेराजाआविओ ॥ तेपासोऊपेहो ॥ जांहे ग्रहीसासुं
दरी ॥ उत्संगेथापेहो ॥ सी० ॥ २५ ॥ अर्धमरेतुंमाननी
॥ कहेकिहांअपमानीहो ॥ आंसुनाजीलावती ॥ सा
गदगद्वाणीहो ॥ सी० ॥ २६ ॥ जयराजनेलमोकल्यो
॥ कहुंमुंथित्तनआणीहो ॥ जेटलेनानरआविओ ॥
आप्युंतेपाणीहो ॥ सी० ॥ २७ ॥ पाणीमस्तकमूक्युं
॥ राणीसुजमान्युंहो ॥ धन्यराजारीमाहरो ॥ मेंआ
नलजण्युंहो ॥ सी० ॥ २८ ॥ राजाग्रेंनानरपूछ्युं ॥ कं
मवारलगावीहो ॥ वृद्धमणीप्रभुवेगसुं ॥ हुंनहींसक्यो
आवीहो ॥ सी० ॥ २९ ॥ सुधापावपडेनहीं ॥ च्यालतो
पगघासेहो ॥ जुंजुंकरतोजासतो ॥ सुगालोदिसेहो ॥
सी० ॥ ३० ॥ दांतपडयाजोजोथयो ॥ मुखलालपडंती
हो ॥ नासिकाआवेआसनी ॥ नवीसारकरंतीहो ॥ सी०
॥ ३१ ॥ नेरघटेतनलीलरी ॥ कानेनसुणायहो ॥ कं
रकंपेसीरधुलणी ॥ जुदापायेथायहो ॥ सी० ॥ ३२ ॥
जुदापानादोषके ॥ राजाजाणेहो ॥ विषयथडी

मनवालीने ॥ वैरागेंआणेहो ॥ सी० ॥ ३३ ॥ सत्यभूती
नामेंभलो ॥ मुनिवरच्यउनाणीहो ॥ वनमेंआवीसमो-
सर्यो ॥ गुरुआगमजाणीहो ॥ सी० ॥ ३४ ॥ पुत्रोसुतच
रायजी ॥ चक्रुभ्वरनेसासुहो ॥ चांदणउजलेआविआ ॥ पुर-
रलोकउल्लासुहो ॥ सी० ॥ ३५ ॥ देइप्रदक्षणासाधुने
॥ पदपंकजवंदेहो ॥ सन्मुखसेवासाचवे ॥ भवपापनिकं-
देहो ॥ सी० ॥ ३६ ॥ चंद्रगतिसुतनारीसु ॥ जेपरपरिवा-
रेहो ॥ रथआवर्त्तनपरवतें ॥ नर्धक्रीडाकरेहो ॥ सी० ॥
३७ ॥ जाहुडतालतरेंपड्यो ॥ ऋषीरायविराजेहो ॥ आ-
वीनेसेवाकरे ॥ ऋषीदेसनासाजेहो ॥ सी० ॥ ३८ ॥ अलि-
लाखेंसीतातणो ॥ भामंडलदीठोहो ॥ मातपितासुतना-
रीनो ॥ भवभाख्योमीठोहो ॥ सी० ॥ ३९ ॥ भामंडल
सीतासही ॥ युगलपणेजायाहो ॥ मातविदेहाजणवी
॥ कहीनेसमजायांहो ॥ सी० ॥ ४० ॥ पिंगलदेवेंतुहर्यो
॥ जिनवेरविचारीहो ॥ तुंधाल्योजगमंदिरे ॥ थरेंजेहकु-
मारीहो ॥ सी० ॥ ४१ ॥ जातिस्मरणपामिओ ॥ भा-
मंडलदेखेहो ॥ साधुवेदसाच्येसहु ॥ मनमांहेविशेषे
हो ॥ सी० ॥ ४२ ॥ मूर्छायेंधरतीपड्यो ॥ उंपाडीलीधो
हो ॥ पगेलागोसीलातणे ॥ मेंअविनयकीधोहो ॥ सी०
॥ ४३ ॥ सीताद्येआसीसडी ॥ चिरंजीवोभाईहो ॥ कुरे
धणीपगेलागणी ॥ भाविनजोलालीहो ॥ सी० ॥ ४४ ॥
धायमिल्योरामजी ॥ लियेंकठलगाईहो ॥ मिच्छाथीभी-
ठीजरी ॥ जगमांजेहसगाईहो ॥ सी० ॥ ४५ ॥ भामं-

उलपटथापिओ ॥ आपणपेराजहो ॥ वैरागेंव्रतआ-
दरे ॥ गुरुतारणताजहो ॥ सी० ॥ ४६ ॥ साधुनमीराज
नमी ॥ नमिराघवराजहो ॥ भामंडलसीतानमी ॥
निजमंदिरेंआयाहो ॥ सी० ॥ ४७ ॥ ढालभलीओग-
णीशमी ॥ सीतापरणावीहो ॥ पउकसराजश्रीरामनी ॥
पटनारिउकावीहो ॥ सी० ॥ ४८ ॥

॥ सज्झायवरागें दोहा ॥

सत्यभूतिमुनीवरभलो ॥ सत्यवदेसुविसाल ॥ शास-
नसोहवधारणो ॥ षटकायाप्रतिपाल ॥ १ ॥ विधिसुं
देइप्रदक्षणा ॥ करजोडीनरनाथ ॥ प्रश्नकरेप्रगटपणे
॥ निसुणेसघलोसाथ ॥ २ ॥

॥ ढालवीशमी ॥

(वीरनृपतिजन्यद्वासमे, एदेशी०)

हमसुंभाजोअेहजी ॥ पूरवभवांतरवात ॥ साधुजी ॥
सुणजुःजनोजवशतजी ॥ वांहिनमारोभ्रात ॥ सा० ॥
ह० ॥ १ ॥ सेनापुरथोसुंदरुं ॥ भावनसाहसुजाण ॥
सा० ॥ पत्नीथीतसुदीपिका ॥ सुताउपास्तिजाण
॥ सा० ह० ॥ २ ॥ साधुनीनिंदाकरी ॥ भवमेंभमि
अपार ॥ सा० ॥ जीवतुमारोजोजछे ॥ आगेसुणी
विचार ॥ सा० ॥ ह० ॥ ३ ॥ चंन्द्रपुरीरेसुहामणी ॥ ध-
नगिरिसुंदरिनारी ॥ सा० ॥ वरुणनामेसुतजइयो ॥
वर्त्तेशुभविवहार ॥ सा० ॥ ह० ॥ ४ ॥ साधुनीसेवाकरे

॥अक्षाउसमभाया॥सा० ॥सुंज दुःखनाअनुसार-
थी ॥ मतितोऊपनेआय ॥सा०॥हु०॥ धायईसंडे
जणीयें ॥ऊत्तरकुरुवरखेत ॥सा०॥ युगलपणेतिहां
ऊपनुं ॥ सुभकर्मनिहेत ॥सा०॥हु०॥ ६ ॥ तीनपल्य-
नोआऊखो ॥ भोगवीसुरसुखसार ॥सा०॥पुष्क-
लानामेंछेपुरी ॥ पुष्कलावतिमझार ॥सा०॥हु०॥७॥
नंदिघोषराजाभलो ॥ पृथ्वीराणीहोय ॥सा०॥नंदिव-
र्द्धननामथी ॥नंदननीकोजोय ॥सा०॥हु०॥ ८ ॥ नं-
दीवर्द्धननेदीयो ॥राज्यैराजतिवार ॥सा०॥यशोधरगु-
रुपासेंजती ॥ आपहुआअणगार ॥सा०॥हु०॥ ९ ॥श्राव-
कनांव्रतपालियां ॥पंचमकल्पेंदेव ॥सा०॥ जयजय-
कारहुओघणो ॥सुरवरसारेसेव ॥सा०॥हु०॥ १०॥पू-
र्वविदेहेंजाणियें ॥वैताढ्येंसुविशेष ॥सा०॥ऊत्तरश्रे-
णियेंछेभलो ॥ससिपुरनामेंदेश ॥सा०॥हु०॥११॥
रत्नमालिविद्याधरु ॥ विद्युतलतानार ॥सा०॥सूर्य-
जयजयकारियो ॥ पुत्रभलोजयधार ॥सा०॥हु०॥१२
॥रत्नमालीनृपन्यालिओ ॥ सिंहपुरीनोईस ॥सा०॥
वज्रनयनने कतवा ॥मनमेंआणीरीस ॥सा०॥हु०॥
१३॥ सिंहपुरीलेजालतो ॥ जालेजजलाजाल ॥सा०॥
पसुपंजीयीनहींदले ॥ होईरह्यो विकराल ॥सा०॥हु०
॥१४॥ पूर्वजन्मतणोभलो ॥ पुरोहितनोजीव ॥सा०
॥ऊपमन्युतोनामथी ॥ देवदयालसदैव ॥सा०॥हु०
॥१५॥ सहस्त्रारसुरलोकथी ॥ आवीबोलेएम ॥सा०

॥ णीकृष्टपातिउ ए हवुं ॥ तुमनेजुनेठेम ॥ सा० ॥ हु० ॥
१६ ॥ भूरीसुनंदनतूंहतो ॥ पूर्वजन्मारेराय ॥ सा० ॥ मांस
तजन्योथोतेंसही ॥ विभजवाड्योआय ॥ सा० ॥ हु० ॥ १७
॥ सोहिपुरोहितजेऊद ॥ स्कंदहण्योगजयाय ॥ सा० ॥
भूरिसुनंदनशालिजे ॥ घरेंजाएयोगहताय ॥ सा० ॥ हु०
॥ १८ ॥ सोहाथीरणमेंहण्यो ॥ भूरीसुनंदनथाम ॥ सा० ॥
गंधारीणीहरणीपनो ॥ अरिसुदननसनाम ॥ सा० ॥ हु०
॥ १९ ॥ जातिसमरणपामियो ॥ लीधोसंयमभार ॥
सा० ॥ हु० ॥ उत्पन्नआठमेदेवता ॥ सोहेदेवणीदार ॥ सा०
॥ हु० ॥ २० ॥ भूरिसुनंदनपामिजो ॥ अजगरनोअव-
तार ॥ सा० ॥ दावानलमांहेंजल्यो ॥ उर्मनमूकेलार ॥
सा० ॥ हु० ॥ २१ ॥ नरकेंपहोतोदूसरे ॥ णीहांहीमेतुज-
जाय ॥ सा० ॥ समजव्योतेकारणे ॥ जेतुंहूओराय ॥
सा० ॥ हु० ॥ २२ ॥ मासतणीनेवावरयो ॥ तेहनांजेईज
लाघ ॥ सा० ॥ आजहोईजेआकरो ॥ कांईकरेअपराध
॥ सा० ॥ हु० ॥ २३ ॥ एमसुणीनेप्रीवद्यो ॥ कुलनंदन
नृपकीध ॥ सा० ॥ सूर्यजयसाथेंकरी ॥ राजसंयमली-
ध ॥ सा० ॥ हु० ॥ २४ ॥ स्वर्गसातमेंभोगवी ॥ सुरसुख-
नोविस्तार ॥ सा० ॥ सर्यजयच्यवीतेहवो ॥ दशरथराय

हुंहुवो ॥सूरिसिरोमणीसूरि॥ सा०॥ह०॥२७॥
अमसुणीवैराणिओ॥प्रणमीगुरुनापाय॥सा०॥रा-
नमंदिरआविओ॥ लोकलीधाजोलाय॥सा०॥ह०
॥२८॥ पुत्रपनोत्तापूछिआ॥पूच्याव्यडामंत्रीस॥सा०
॥पूछिसघलीराणीने॥संयमलाधेजगीस॥सा०॥ह०
॥२९॥ अेहवीशमीढालमां॥पूर्वतनवांतरलेह॥सा०
॥उदेरतनगुरुनापिआ॥ढल्योसघलोनेह॥सा०॥ह०
॥३०॥

॥ गोडीरागेंदोहा ॥

नरतनणेप्रभुजसुणो॥हुंव्रतलेसुंलार॥हेतन-
नणेआपणो॥तेसाथेंलोकगिमार॥१॥ पहेलुंकु-
नतोअेकजे॥विरहतुमारोहोय॥जइसंसारवधार-
णो॥कुणदेनेकुजदोय॥२॥

॥ ढालअेकवीशमी ॥

(उहियेंमिलसेरे मुनिवरअेहवाअे०)

उठरुराणीरेचित्तसुंचितवे॥पतिसुतदोईनचरे॥जि-
स्युंकरसुंपछेअेकली॥वासरहुजनरयापरे॥१॥अे
विधिविलासितनएयोनवीपडे॥नवोअतिमतिसा-
जरे॥अणघडिओरेघाटघडघणुं॥घडीओनाजेलाज
रे॥अेविधि०॥२॥जेआंकणीछे॥प्रभुजीतोरे
राज्योनवीरहे॥तोहुंसुतनेराजूंरे॥वरलंकारेंतेछे
माहरो॥तेहंआलननलाईंरे॥अेविधि०॥३॥विनय

मुनवर तेनु मे नांपेजो ॥ तेम पामुं जल्दी दोरे ॥ ए अेविधि०
॥ ८ ॥ नृपति नायें नामिनी सांभलो ॥ ते याहें तमां गोरे
॥ चरण निपें यन दाली नें सहु ॥ मांगी मारग लागोरे ॥ अे
विधि० ॥ ५ ॥ प्रभु तुमतो संयम आदरो ॥ भरत भणी
दीनोराजरे ॥ जोसी वाया पालो आपणी ॥ जिरणयान
जोरामरे ॥ अेविधि० ॥ ६ ॥ ईम सुणी ने स्वामि नेहे सं
कीं ॥ अजहींन विलेकां ईरे ॥ अेन लेलक्ष्मण राम पधारि
जा ॥ जतला जातजराईरे ॥ अेविधि० ॥ ७ ॥ केकई नि
स्वयंवर मंडपे ॥ मांड्यो थो संग्रामो रे ॥ केकई रेतिहां हुई
सारथी ॥ हुं जीत्यो यो तामो रे ॥ अेविधि० ॥ ८ ॥ मेंवर
दीधो थो ते अवसरें ॥ सो तो अज हुं आपुंरे ॥ देशा विलाय
ति प दवी आपणी ॥ भरत भणी जिन थापूंरे ॥ अेविधि०
॥ ९ ॥ राम कहे रे अति अभिराम ज ॥ अे तो आछोजमो रे
॥ राम अछे रे सोई भरत ज ॥ भरत अछे सोई रामोरे ॥
अेविधि० ॥ १० ॥ आजनवामी नेरे दाहणी ॥ अे कसरि
जीहोईरे ॥ प्रभु जनेतो छे येंसरिजा ॥ भरत अने हुं
दोईरे ॥ अेविधि० ॥ ११ ॥ अेम निसुणी रे अमिय समाण
डां ॥ राम वयेन अभिरामो रे ॥ मंत्री सरने रे ते डे ने टले ॥
भरत भणे छे तामो रे ॥ अेविधि० ॥ १२ ॥ हुं प्रभु सायें
थाई संयमी ॥ अवर न जीजवा तो रे ॥ महोटो जंयव
पदवी नो धणी ॥ वसुधा मांहे विख्यातो रे ॥ अेविधि० ॥
१३ ॥ केही सुणी रे मन मेंनाणी यें ॥ आप वियारे कामो
रे ॥ करतां दर्शन लोक हसे नहीं ॥ अवधे जरुभा[illegible]

ओरि ॥ ८४ ॥ भूपति. चैंउवछ. उरे ॥ नुन.
तिज्ञालंगोरे ॥ मेंवरहीधोथोतुनभालणी ॥ नजळ-
त्योथोनंगोरे ॥ एविधि० ॥ १५ ॥ सोवरताहरीसाथें
मांगिओ ॥ मेंपणहीधोहेजोरे ॥ मातपीतानीआज्ञा
पालवी ॥ तुमस्यानेसुविशेषोरे ॥ एविधि० ॥ १६ ॥ रा-
मकहेरेतुननेरानती ॥ नवीछेवांछाकोईरे ॥ नाततणो
रे बोलन लोपवो ॥ हीयेविमासीनेर्ईरे ॥ एविधि० ॥
१७ ॥ आजेंपाणीनाजंतोघणुं ॥ जोलेगदगदवाणी
रे ॥ चरणकमलश्रीरामतणानमी ॥ दोकरभरतकेआ
णीरे ॥ एविधि० ॥ १८ ॥ घणीकिसीएकेनवणीक-
शे ॥ सोवातांजीएकोरे ॥ रामछतांहुंराजनथाऊंं ॥
माहरीएहिजटेकोरे ॥ एविधि० ॥ १९ ॥ राजळ-
सुंरामतदाकहे ॥ भरतवचनएसाच्योरे ॥ हुंवनवासें
जर्णिहुंसही ॥ पालोतुमेंएवाच्योरे ॥ एविधि ॥ २०
॥ आज्ञालेईनेपगेंलागीओ ॥ मूर्च्छाणानवजावोरे
॥ भरतसुलाईरोवेछेघणुं ॥ हाथेंग्रहीसस्यापोरे ॥
एविधि० ॥ २१ ॥ पटपंकजनमणभीमाताना ॥ वचनवदे
ससनेहोरे ॥ तारेनंदनकुंछुंलेहुवो ॥ तेहपोभरतनए-
होरे ॥ एविधि० ॥ २२ ॥ चांपापालवातणेकारणे ॥ तात
भरतनेआप्योरे ॥ मुनजेठंतोराल करेनहीं ॥ हुंवनवासें
च्याल्योरे ॥ एविधि० ॥ २३ ॥ मानुसाहसआणजेज-
रो ॥ कायरतोमतहोवोरे ॥ योगवियोगजगउरतानोकिवो
पलनलेईमुजयोवोरे ॥ एविधि० ॥ २४ ॥ एमसुणतांघ-

रतीयेंगिरिपडी ॥ फिरी फिरी मूर्च्छा पावेरे ॥ सीतलजल-
तायेंउरावेंस्येतना ॥ हीशुंघणुंलरीआवेरे ॥ ओविधि०
॥२५॥ कुंजवाडीरेकेहीपापीये ॥ मूर्च्छाथीमरीजतीरे ॥
पुत्रवियोगथकीमरसुंनक्की ॥ फाटीजशे छातीरे ॥ ओवि-
धि०॥२६॥ प्रभुजसंयममारगजाहरे ॥ सुतहोवेवन-
वासीरे ॥ वनमथीछेसहीतुंकौसल्या ॥ जुवेकांईविमा-
सीरे ॥ ओविधि०॥२७॥ रामलहरे मातासुंकहे ॥ जेम
करेकेमसाणीरे ॥ कायरनारीनांजेकामछे ॥ तुंवडराय-
राणीरे ॥ ओविधि०॥२८॥ केसरीजेकाडीवनमांफरे
॥ जेपरवाहीवीरोरे ॥ ननीतोघरमांजेठीरहे ॥ नाणे
कांईजधीरोरे ॥ ओविधि०॥२९॥ जापेतणेरेसिरफण
नेरहे ॥ तेतोसुतनोदीसोरे ॥ मुल घररहेतांफणन-
वीऊतरे ॥ जाणोजेसंतोसोरे ॥ ओविधि०॥३०॥
धर्मसमजावीनेंपगेलागिओ ॥ अवरमायसिरनामी
रे ॥ प्रभुजवनवसवानेंचालिओ ॥ हर्षघणेरोपामीरे
॥ ओविधि०॥३१॥ जेकवीशमीरिढालेरामजी ॥ चाल्य
छेवनवासेरे ॥ केसरानकइथीराणीनें ॥ वचनेकरी
सहत्रासेरे ॥ ओविधि०॥३२॥

रीजास ॥२॥ सुखमेंआवेआसनी ॥ दुःखमेंअलगी
थाय ॥ स्वार्थेणीसासुंदरी ॥ सखरामेनगणाय ॥३॥
सुसरानेसादरपणे ॥ सीताऌपेगेलागी ॥ कौसल्याप
णमीडरी ॥ चालीअनुमतिमांगी ॥४॥

॥ ढाल बावीशमी ॥
(श्रीविमलाचलवंदियें, ए देशीछे)

ज े जीथीजांचीने ॥ ॥कर्म पूरेतेहो ॥ रूप र
वि. ॥ चनोदके ॥वार वटेससनेहो ॥ ॥ ॥रामरसे
र. घ ॥भाचीभावने ॥ हो ॥ सावारी .
ससरोम ॥ ॥सत्यवंती ॥रहो ॥राम० ॥२॥ वहु
जरवीरानेजथारे तुंनतजयजापहो ॥वालोन .
यविरेराज ॥सहवोअती तापहो ॥ राम० ॥३॥वा-
हनविविधप्रेडारनां ॥ तूंजयडीयालंतहो ॥ दोहिलो
पायेंचालवो ॥ ज्युंडरमेंहालंतहो ॥राम० ॥४॥ दोहि-
लीतृषाज्रझूखडी ॥ दोहिलोलेवोवासहो ॥ दोहिलो
ताढनेतावडो ॥रहेवोनित्यजीघरशहो ॥ राम० ॥ ५ ॥
कोमलकायातांहरी ॥ दोहिलो धरतियेंसयनहो ॥
पछेहीपछतावसो ॥ पाम्यायीदुःखेनहो ॥राम० ॥६
॥ प्रीयनेपगबंधनकही ॥ परदेशोमेंनारहो ॥नारी
तोघरमांलखी ॥ बाहिरपडीविजारहो ॥राम० ॥
७॥ इननेपेजीपंजीया ॥ सुदीपडेलतडासहो ॥
नारीनय ॥ ॥७॥ तजातिन नलहो।

।८॥ नांनी ,मारीसीखडी ॥ नातजनीयनेलाजहो
॥सासुनीसेवाकरत्यां ॥ प्रीयसेव्योसोवारहो ॥राम०
॥९॥ आईजेहवुं डोकहो॥ मेंजलशुं नरहायहो ॥
नारीकही तनु छायडी ॥ साथेंरहीसुजपायहो ॥राम०
॥१०॥ वालासुजसंसारनुं ॥ तेजोप्रीयविणहोयहो ॥
प्रीयसाथेंदुःजहीलजुं ॥ ईमतनापेंसहुकोयहो ॥राम०
॥११॥ पुरुषतणीअर्धंगना ॥ नारीनुंतोनामहो ॥ तेकहो
जलगीकिमपडे ॥प्रीयनामेंविश्रामहो ॥राम०॥१२॥ते-
हनारीप्रीयमानिजो ॥तेणेमान्योजगदीसहो ॥नारीनुं
परमेश्वरू ॥ नाथनमुनिसदीसहो ॥राम०॥१३॥ पीयु-
डेजागेंसंचरे ॥ नारीपूंठेजायहो ॥चरणकमलनीरेणु-
का ॥ तनलागेसुजथायहो ॥राम०॥१४॥ प्रीयनुं मुज
जविलोकतां ॥ नयणेंअमीयभरायहो ॥ दुःजतोसोवस
सोतणुं ॥जेकक्षणमांहेपुलायहो ॥ राम०॥१५॥ जल-
धरनेपूठथकी ॥ विद्युतनेमसोभायहो ॥ तिमपीयुजु
नीपाजती ॥ नारीरहेसोभ्यायहो ॥राम०॥१६॥ जेम
कहीनेनीकली ॥ लहीसासुआसीशहो ॥ जातमरामज
रामजो ॥मनमेंजेहलगीसहो ॥राम०॥१७॥ हुईछे
होसेवसी ॥ जेपतिभक्तिनारीहो ॥ तिणमेंआदिजिहाहु
रणे ॥सत्यवतीअवधारीहो ॥राम०॥१८॥ नगरतणी
नारीमली ॥ रोवंतीअशरालहो ॥ पतिव्रतामांहेघणुं
॥सराहेसुविशालहो ॥ राम०॥१९॥ उटपडे वनवा-
सनो॥ ..जनवीनानेजहेहे   नयकुलजीव

एी ॥ आलअछेन्हीयअेहो ॥ राम० ॥२०॥ हर्षितिस्यो
थयोसंघरे ॥ तैसोहीवनवास हे ॥ केईन दीसे अंतरो ॥
साहसीतनेसाजासहो ॥ राम० ॥ २१ ॥ जाननतोअती
उलसुं ॥ आसतीनहींसवलेशहो ॥ भाग्यवतीओ भामि-
नी ॥ मीयसाथेंपरदेशहो ॥ राम० ॥२२॥ लक्ष्मणकेपें
टल कुल्यो ॥ आसांपीलोथायहो ॥ भणेअजकरियेंकि-
स्युं ॥ मतिनको०हरायहो ॥ राम० ॥२३॥ कंईयसीयी
वरतणी ॥ रामसिरेंथीवातहो ॥ नरतोसरलस्वभावि
आ ॥ कपटकारीअेमातहो ॥ राम० ॥२४॥ कृणणिनास-
णसिरतणुं ॥ तातकिओसुविचारहो ॥ भरतभलोयो
भाईओ ॥ कोण्हल्योयोभारहो ॥ राम० ॥२५॥ भरत
यकीणिहालीने ॥ नृपपदवीजहुंआलहो ॥ रामसायने
आपीने ॥ साइंवंछितकालहो ॥ राम० ॥२६॥ राम न
देसेशलने ॥ दुःखपामसेतातहो ॥ अेणितपातणठाववा
॥ करेविमासीवातहो ॥ राम० ॥ २७ ॥ दुःखमतपावोता-
तजी ॥ भरतकरोअेरालहो ॥ रामंथाल्याहुंघरहुं ॥
तोतोपामुंलाज हो ॥ राम० ॥ २८ ॥ सेवकरूपीहोइने
॥ रहीसुं प्रभुनेसाथहो ॥ जिनमनतोकरसुंसही
॥ सुनशाहिजो नगनाथहो ॥ राम० ॥२९॥ तातत-
णोपगेंलागीने ॥ मातनेपरिणामहो ॥ करीनेलाग्यो
चालवा ॥ मायसीभिहेतमहो ॥ राम० ॥३०॥ वत्स
स्वस्थमतिताहरी ॥ जिरंमतुतुनमांहेंहो ॥ साथ
नत्यनवोलाईनो ॥ सोकवयनअेमांहेंहो ॥ राम०

॥૩૧॥ જઈમલોજીતાવલા ॥ કાંઈકરોવિલંબહો ॥
રામતાતકરીમાનજે ॥ કહેસુમિત્રાઅંગજહો ॥રાજ॰॥
૩૨ ॥ કૌસલ્યાપગેલાગીને ॥ ચાલણલાગ્યોજમહો ॥
કૌસલ્યાકહેમાયજી ॥ લક્ષ્મણસાથેંતામહો ॥રામ॰
॥૩૩॥ રામગયોતુંજયછે ॥ મહારાકોણહવાલહો ॥
લક્ષ્મણકહેમાતાસુણો ॥ નતજુંરામકૃપાલહો ॥રામ॰
॥૩૪॥ વનવાસેંએકાકિઓ ॥ આપરામજીજાતહો ॥
હુંનકરુંસેવકપણું ॥ તોલાજતમુજમાતહો ॥રામ॰॥૩૫॥
ત્રણેમાણસચાલિઆ ॥ આણતાઆનંદહો ॥ સાથસ
નીપરેંદેજવો ॥ રત્નગયાનહીંમંદહો ॥રામ॰॥૩૬॥
રાજરાણીઆવિઆ ॥ આવિઓપરિવારહો ॥ બાલ
જનેગોપાલજી ॥ મિલિઆલોકઅપારહો ॥રામ॰॥
૩૭ ॥ પગેંલાગીચહોલાવિયા ॥ માતાજીનેરાયહો
॥ દેઈદિલાસાલોકને ॥ રાઘવજીવનજયહો ॥રામ॰
॥૩૮॥ ઢાલભલીબાવીશમી ॥ રામકહ્યોવનવાસ
હો ॥ કેસરાજસુભકર્મથી ॥ હોસેલીલવિલાસહો
॥રામ॰॥૩૯॥

॥અથશ્રીરાગેંદોહા॥

॥મ॰॥મનનાગામપતી॥ કરજ [illegible] અરદાસ॥
હાથાનકકરો ॥ એછેનુ [illegible]વાસ ॥ [illegible]રામન [illegible]ને
વાતજે ॥ ચાલ્યોહીવનજય ॥ [illegible] પુરપાટ
ણ ॥ [illegible]નરહાય ॥૨॥ રાજનજાલભરત

॥ आक्रोसे निलमाथ ॥ रामअने लक्ष्मणतणो ॥ वि
रहजम्योनवनाथ ॥ ३ ॥ चारित्रनेजातावली ॥ राजा
दशरथताम ॥ सामंतमंत्रीमोकले ॥ जोलावणश्री-
राम ॥ ४ ॥ पश्चिमदिसिजनाथवा ॥ आवीपहोंता
तेह ॥ करीघणीअरदासपण ॥ राममनमाने तेह ॥ ५ ॥
पाछोवाळे रामजी ॥ ओपाछोनवलंत ॥ जणेडहि
जाहुडे ॥ तेहथीसाथेमसंत ॥ ६ ॥

॥ ढाल त्रेवीशमी लडडीनी देशी ॥

आगें जातांरे अटवीआवेजे ॥ नरनदीदीसेरे अधिक
डरावेजे ॥ डरामणीअटवीयमांहे ॥ नदिछेरे जीहांम
णी ॥ जिहांजि लोहोयभापें ॥ अयोध्यापुरनोधणी ॥
सामंतमंत्री घरेंजओ ॥ कुश छेआगेघणो ॥ कुशल
डेजेमायजापहिं ॥ आलतांजिअमतणो ॥ १ ॥ लाईल
रतनेरे हमकरीमानजे ॥ तातसारिजोरेसहीकरीजण-
जे ॥ जणजे लाईलरतजीने ॥ अंतरो डोईमतकरो
॥ जापजयासहुसरिखा ॥ पाटपतितोजेजरो ॥ सामं
तमंत्रीजिहांरहीया ॥ आंजेआंसुढालवे ॥ थिकजन्मा-
रोमाहरोरे ॥ रामतजघरस्यालवे ॥ २ ॥ तीनेमाणस
तेहीतरंगिणी ॥ जितारिचारेजंगीयीघणी ॥ घणीजं-
डीनदीहुति ॥ तरीनेकंठेग्रहे ॥ सामंतमंत्री दृष्टीमांडी
॥ सामादेखीनेरहे ॥ रामजी आगेंपधारया ॥ दृष्टीथी
अळगाटल्या ॥ सामंतमंत्रीघरेंआव्या ॥ रायदशरथ

नेमल्या ॥३॥ रामनआवेरे भरथजोलाव्यो ॥रा-
जदशरथसिरडोलाव्यो ॥ डोलाव्यो दशरथे मस्तक ॥
भरतसुं भाजे भलुं ॥ राजपालो आरतिटालो ॥ कहे नृ-
पजितावलुं ॥ भरत भाषे राजनकहुं ॥ जोडीपातें जेकजे
॥ राम आणु प्रेम आणु ॥ कहुं विनयविवेकजे ॥ ४ ॥ रा-
णीकेकई आवी भाषेजे ॥ राजन्यालेरे राघवपाजेजे
॥ पाजेजे राघवराजनपले ॥ रायसुं आवी कहे ॥ भर-
तने तो राजहेता ॥ चाथियथनी निरवहे ॥ राजआर्यिभरत
जाकुवे ॥ रामनेते डोकरी ॥ राजआपीसु हढथापी ॥ अ-
पजहोसंयमशिरि ॥ ५ ॥ अणे विमास्योमें कीधो
जयो ॥ अपयशलीधोमें जग आति आकरो ॥ आकरो
मेलीजो अपयश ॥ कानको सरिखो नही ॥ तीनही
जोयरोनसुणता ॥ हीयुं फाटे छे सही ॥ भरतसुं कु आ-
नन्मई ॥ कहुं वीनती कोडीजे ॥ रामलक्ष्मणसती सीता
॥ आणिसुंरेजहोडिजे ॥ ६ ॥ अनुमती दीनेरे मुजने
आनजे ॥ जजहीयालूं करयाकानजे ॥ कानकरया
जजहीयालूं ॥ भरतने मंत्रीसरु ॥ सायें लेहीवेग
चाली ॥ नेतरावीरथवरु ॥ दिवश छठे जईपहोता
॥ देखीहोतरुपरतनें ॥ रामलक्ष्मणसती सीता ॥
दूरहिथी अदकले ॥ ७ ॥ रथथी उत्तरीरे आगें आव-
जे ॥ वरछवरछ करतीरे अतीसुजपावजे ॥ पावही
अतीसजआवीसनमोज ॥ रामजपगेंलागिओ ॥

सुमित्रासुतसतीसीता ॥ करेतवपरिणामजे ॥ हीये
धरियानंद भरिया ॥ पुछिओसुजनतामजे ॥ ८ ॥
भरतभक्तीपरें पगेलागिरह्यो ॥ श्रीराघवजीरेसुजे
आधिकेलह्यो ॥ सुजलहुंआधिकोजांडगलेमें ॥ घाल
लवेआपआपणी ॥ आंजजालिवेहियाली ॥ भरत
जुभाईतणी ॥ कुशलवातविशेषविचारी ॥ पुछीही
प्रगटपणे ॥ आंन छेअतीस्वामीजीने ॥ सोमननले
निरेषणे ॥ ला अनजानीपरेंमुलघांडीकरी ॥ क्युंरे
पधारयावनमांसंचरी ॥ संचरीआयावनहिंमांहें ॥ वे-
गसुतुभरघुपति ॥ कपटकेलवणीमांहिं ॥ हुंनसमजुं
कुंरति ॥ गायब्राह्मणजालअजला ॥ मारवानोपाप
जे ॥ अजमोहिलागो झूठ कहूंतो ॥ भरतभाषेंआप
जे ॥ १० ॥ कायजपूंगेरराजकरिनियें ॥ लोकांकेरीरे
आरति हरिजयें ॥ हरीनियेंआरति लोककेरी ॥ राज
जापहिं परिहर्यो ॥ तुम्हछतांपुत्रेराजसुनुं ॥ भरत
भाषेंगहगह्यो ॥ मंत्रीसलक्ष्मणपोलिओ हु ॥ छत्रधा-
रकतोसहु ॥ राजधीराजरामराज ॥ भोगवोपृथ्वी
सहु ॥ केकयीकहेरे राघवजीसुणो ॥ भाईभक्तोरे
भरतअछेघणो ॥ अछे भक्तोभरतकेरो ॥ बोलतो
अजमानियें ॥ मायनीमनुहारमहोटी ॥ जणीज-
धिकनताणियें ॥ नलकदोषन दोष भरतहिं ॥ दोषजे
छे माहरो ॥ त्रीयसुभावेंमेंकुनाचे ॥ कीधो अविनय
हरो ॥ ११ ॥ नारीसहेने ओलसकरीसही ॥ पेरधर

भंनवानेरेणीमही ॥णीमहीअधिकीकरणभूंडुं ॥दी-
ओदुःखशब्दभणी ॥ अपराजितानेसुमित्राने ॥करी
अतिजीभभणी॥ कुलरीतलोपी घणुंकोपी ॥ओहज
वगुणमायना ॥होईसायरसहोसघला ॥ सुणोनंद
सुरायना ॥ १३ ॥एमकहेतीरे आंसुनाजेंअे ॥वली
वलीरेवाइभाषेंजे ॥ भाषेंजेवाइवचनन्याइ ॥ कोन
मानेरामजी ॥ तातदीधुंराजभरतहिं ॥ साधेंमुनअ
भिरामजी ॥ तातजेकुंहिजवुं ॥ जोलकर्युंलोपाय
जी ॥ बापमांएकिह्योकरवो ॥ सहीसुंसुणमायजी
॥१४॥सीताआणयोरेनलसुविवेकहि ॥ रामकरेभ-
लोअभिषेकहिं ॥ अभिषेककीधोनामदीधो ॥ भरत
भलोभूपालजे ॥ सामंतमंत्रीराजराजी ॥ मेटीओ
जंजालजे ॥ पायप्रणमीभरतभूपहि ॥ भलामण
परजातणी ॥ देईदसरथहिरोच्यालयो ॥ नहींहाजित
असरजनी ॥ १५ ॥ पुरीअयोध्यारे आयोभरतजे ॥-
रामादेसेरेराजकरंतजे ॥राजकरवेलोकसुखिया ॥न-
हींअसुजलिगारजे ॥धर्मकर्मचलंतअधिको ॥राज
तेजअपारजे ॥ देवअरिहंतसुगुरुसेवा ॥ दयानेभ-
क्तिपालवे ॥ सूर्यवंसीसुजशपायो ॥कुलतणेअजवा
लवे ॥१६॥ राजदसरथजहुपरिवारसुं ॥ मनमांह-
र्योकरजसारसुं ॥ सारसुकरजहवेमाहरे ॥ राज
जेहुंगमजे ॥ सत्यभूतिमुनिंदआगें ॥ केमस्तक
नामिस्ये ॥ लेईसंजमकाजसार्यां ॥ ध्यानअेत्रेवी-

शमी ॥ केसरालडकेसुध्धनरने ॥ सुधर्मसुंमनसा
रमी ॥ १७ ॥

॥ घोरणीरागें दोहा ॥

चालंताचित्तचावसुं ॥ आणंतांउल्लास ॥ चित्रकोट
टदिलकेटला ॥ रहिआडरिथनिवास ॥ १ ॥ जाणेंअन-
तांआविओ ॥ जयवंतिवरदेश ॥ निर्मलनथानकुतठे
॥ लियेविश्रामनरेस ॥ २ ॥ सत्यवतीथाकीजरी ॥ वड
तलेसोवेंअम ॥ लक्ष्मणसाथेंबोलियो ॥ जेअवसर
श्रीराम ॥ ३ ॥ उजडथयोदेजियें ॥ अजाहिंक्युंअेदे-
श ॥ कोईमलेतोपूछियें ॥ संसयछेसुविशेष ॥ ४ ॥
पंथीपरगटनामथी ॥ वातोमेंवाचाल ॥ आवीआगें
निकल्यो ॥ पूछेतवभूपाल ॥ ५ ॥

॥ ढाल चोवीशमी ॥

(घोबीडातुंघोले मेलां लुगडांरे, अेदेशीने)

पंथीडोरेवातकहेंघुरछेह्यीरे ॥ केमअेउजडदेसरे
॥ दीसेरेदीसेछेसोहामणोरे ॥ वाइमांहेविसेसरे ॥
पंथीडो ॥ १ ॥ देसारेदेशाउलेणीनगरीभलीरे ॥
सिंहोदरतिहांरायरे ॥ इडोरेइडोनेशलियामणोरे ॥
कोईनसामोथायरे ॥ पंथी० ॥ २ ॥ वलुवरेवजुकर्ण
नामेभलोरे ॥ तेहनेछेसामंतरे ॥ दसांगरेदसांगपु-
रनोराजिओरे ॥ गिरुओगुणवंतरे ॥ पंथी० ॥ ३ ॥

भंजवानेरेणीमही ॥णीमहीअधिकीकरणभूंडुं ॥दी-
ओ दुःखराजभणी ॥ अपराजितानेसुमित्राने ॥करी
अतिखीजमणी॥ कुलरीतलोपी घणुंकोपी ॥अेहअ-
वगुणमायना ॥होईसाथरसहोसघला ॥ सुणोनंद
सुरायना ॥ १३ ॥अेमकहेतीरे आंसुनाखेंअे ॥वली
वलीरीवाइभाषेंअे ॥ भाषेंअेवाइवयनन्याइ ॥कोन
मानेरामजी ॥ तातदीधुंराजभरतहिं ॥ साखेंसुतअ-
भिरामजी ॥ तातजयेंकुंहिजवुं ॥ जोलक्युंलोपाय
जी ॥ जापभागकह्योकरवो ॥ सहीसुंसुणमायजी
॥१४॥सीताआणथोरेजलसुविवेकहि ॥ रामकरेभ-
लोअभिषेकहिं ॥ आभिषेककीधोनामदीधो ॥ भरत
भलोभूपालअे ॥ सामंतमंत्रीसाजराजी ॥मेटीओ
जभलअे ॥ पायप्रणमीभरतभूपहि ॥ भलामण
परजातणी ॥ देईदक्षणदिशेंच्याल्यो ॥ नहींहाजित
अरजनी ॥ १५ ॥पुरीअयोध्यारेआयोभरतअे ॥
रामादेसेंरेराजकरंतअे ॥राजकरवेलोकसुखिया ॥न-
हींअसुखलिगारअे ॥धर्मकर्मयलंतअधिका ॥राज
तेजअपारअे ॥ देवअरिहंतसुगुरुसेवा ॥ दयानेंप्र-
तिपालवे ॥ सूर्यवंसीसुजशपायो ॥कुलतणेअजवा-
लवे ॥१६॥ राजदशरथबहुपरिवारसुं ॥मनमांहे-
ब्येंकरजसारसुं ॥ सारसुंकरजहवेंमाहरुं ॥राज
जेहुंठामअे ॥ सत्यभूतिमुनिंदआगें ॥ कहेमस्तक
नामिरे ॥ लेईसंजमकाजसारयां ॥ धालअेत्रेवी-

शमी ॥ डेसराल डकेसुध्धनरने ॥सुधर्मसुंमनसा
रमी ॥१७॥

॥ घोरणीरागें दोहा ॥

चालंताचित्तचावसुं ॥ आणंतांउल्लास ॥ चित्रडे-
टहिनडेटला ॥ रहिआउरियनिवास ॥१॥ आगेंअ-
तांजाविजो ॥ जयवंतिवरदेश ॥ निर्व्यलनथानडुतई
॥लियेविश्रामनरेस ॥२॥ सत्यवतीयाडीभरी ॥वड
तलेसोवेंन्नम ॥ लक्ष्मणसाथेंजोलियो ॥ अेअवसर
श्रीराम ॥३॥ उलडथयोदेजियें ॥ अजाहिंडयुंजेदे-
श ॥ डोईमलेतोपूछियें ॥ संसयछेसुविशेष ॥४॥
पंथीपरगटनामथी ॥ वातोमेंवाचाल ॥ आवीआगें
निडल्यो ॥ पूछेतवभूपाल ॥५॥

॥ ढाल चोवीशमी ॥

(घोजीडातुं थोळे मेलो लुगडांरे, अे देशी०)

पंथीडोरेवातडहे धुरछे हर्षीरे ॥ डेमअेउनड देसरे
॥ दीसेरे दीसेछे सोहामणोरे ॥ वाडमांहे विसेसरे ॥
पंथीडो० ॥१॥ देसारे देशाउनेणीनगरी भलीरे ॥
सिंहोदरतिहांरायरे ॥ डडोरे डडोनेशलियामणोरे॥
डोईनसामोथायरे ॥ पंथी० ॥२॥ वजुनरेवजु डर्ण
नामे भलोरे ॥ तेहने छे सामंतरे ॥ दसांगरे दसांगपु-
रे धानिओरे ॥ गिडओनेगुणवंतरे ॥ पंथी० ॥३॥

हिंडेरेहिंडे आहेडे घणुंरे ॥ नगणेपापलिगारेरे ॥
प्रीतनरेप्रीतिवर्धननामथीरे ॥ दीठोतव अणगार
रे॥ पंथी०॥ ४॥ ऊभोरेऊभोकायोत्सर्गमेंरे॥ पूछे
सामंततामरे ॥ किस्युंरेकिस्युंकरोऊभारह्यारे ॥ऊ-
हूंआपणोकामरे ॥ पंथी०॥ ५ ॥ वनमांरेवनमांऊन
मकिस्युंकरोरे ॥ ऊइतपऊपवासरे ॥ जेहथीरेकर्मप-
डेछेपातलांरे ॥ साधीनेशिववासरे ॥ पंथी०॥ ६ ॥
हिंसारेहिंसादोषजताविचारे ॥ समज्योतवभूपाल
रे ॥ श्रावकरेश्रावकहूओसुंदरूरे ॥ जीवदयाप्रति-
पालरे॥पंथी०॥ ७॥ देवनरेदेवनसुंअरिहंतजीरे॥
गुरुतोश्रीसुधासाधरे ॥ अवररे अवरनेसीरनामुं
नहींरे॥ धर्मरत्तनमेलावरे ॥ पंथी०॥ ८॥ नरवर
रेनरपीवंदी घरआविओरे ॥ चित्तसुंचिंतेएमरे॥
कीधोरेएह अभिग्रह आकरोरे ॥ नरनमवानोने-
मरे ॥ पंथी०॥ ९॥ राजरेसिंहोदर दुःखपामसेरे
॥कीनेकांईउपायरे ॥ नीयमनरेनीयमपलेतेम
आपणोरे ॥ दु.जनवीपामेरायरे ॥ पंथी०॥ १०॥
मणीनीरेमणीनीकीधीमुन्द्रडीरे ॥ मांहेलाजिओना
मरे ॥ अरिहंतरेअरिहंतदेवनोसहीरे ॥ एनीय-
म पल्यानोठामरे ॥ पंथी०॥ ११॥ माथेरेमाथेचं-
दुडीहाथमेंरे ॥ भलोमनावेरायरे ॥ मनसुंरेपगवां
देअरिहंतनारे ॥ आघुंकाढ्याजयरे ॥ पंथी०॥१२
॥राजारेराजारी ... चणारे ॥ अ९५. जजेन

मरि ॥ वालोरेवालोअेहने हुंनहींरे ॥ वालोजिनवरवे
मरि ॥ पंथी० ॥ १३ ॥ कोइरेकोइनरउपगारीथोरे ॥
आवीआपेंअेहरे ॥ नृपतिरेपूछेतेंकिमअेलहीरे ॥
तोइरीआपेतेहरे ॥ पंथी० ॥ १४ ॥ नगरीरेकुंदनपुरी
रलियामणीरे ॥ तिहांवसेछेसाहरे ॥ यमुनारेउदरे
हुंसुतउपनोरे ॥ विद्युतअंगउछाहरे ॥ पंथी० ॥
१५ ॥ अनुक्रमेरेयौवननीवयपामियोरे ॥ सेठसिरि-
याणेसाररे ॥ नयरीरेउज्जेणीचलिआवियोरे ॥
करवानेव्यापाररे ॥ पंथी० ॥ १६ ॥ वेश्यारेवेश्याकाम-
लताअछेरे ॥ तिणसुंराच्योसोयरे ॥ आवीरेजाघोधन
सघलोसहीरे ॥ रह्योनिरधनहोयरे ॥ पंथी० ॥ १७ ॥
राजनेरेराजनीपटराणीरे ॥ श्रीधराकानरे ॥ कुंड-
लरेकुंडलछेतेहवारे ॥ हेमुजनेतुंआणरे ॥ पंथी० ॥
१८ ॥ तजहीरेतजलापेंसुणीभामनीरे ॥ कुंडलआवे
हामरे ॥ चोरीरेचोरीकरवाच्यालिओरे ॥ कुंडललेवा
कामरे ॥ पंथी० ॥ १९ ॥ राणीरेराणीराजसुंकहेरे ॥
कोरेउदासीआजरे ॥ हरांगरेहरांगपुरनोनाथकुंरे ॥
मारणकेरेकाजरे ॥ पंथी० ॥ २० ॥ रजनीरेरजनीवेरण
हुयरहीरे ॥ करीपामुंपरभातरे ॥ भाइरेभाइसुतने
सहुलणारे ॥ करसुंहुंनोघातरे ॥ पंथी० ॥ २१ ॥ अे-
हिवरेअेहमतुमेंसांभल्योरे ॥ कुंडलचोरीत्यागिरे ॥
आव्योरेआव्योकहेवाभणीरे ॥ साहमीनिमित्तेंसान
॥ पं० ढा० ॥ २२ ॥ निसुणीरेनिसुणीअेपुरराज-

ओरे ॥ कणतृणअधिकुअपाररे ॥ घातनरेघातकहे-
तांआविओरे ॥ दलजलनोनहींपाररे ॥ पंथी० ॥ २३
॥ विंद्योरेविंद्योपुरवरथिंहुपजेरे ॥ चंदननेजेमसा-
पेरे ॥ आवणरेआवणभवणनकोलहेरे ॥ लोकंला-
गोपापेरे ॥ पंथी० ॥ २४ ॥ राजारेराजा दूतनमोकल्यो
रे॥ भूपतिपासेताभरे ॥ मुन्दारेमुन्दामुकीमंदिररे ॥ आ
वीकरोपरणामरे ॥ पंथी० ॥ २५ ॥ भूपतिरेभूपतिभा
पेंअेटलोरे ॥ देवगुरुविणदेजेरे ॥ माणसरेमाणसतो
नमवोनहींरे ॥ नियमअछेसुविशेषरे ॥ पंथी० ॥ २६ ॥
पौरषरेपौरषतोअेकोनहींरे ॥ धर्मतणोदढावरे ॥ जा
कीरेबाकीकहो तिमहींकरुंरे ॥ अवरनकोईकहावरे ॥ पं
थी० ॥ २७ ॥ धर्मनरेधर्म द्वारदेमुनभणीरे ॥ धर्मक-
रेवाभणींरे ॥ महारेरेमहारेधर्मसंआर्छयोरे ॥ धर्मथ-
कीसुजपाओंरे ॥ पंथी० ॥ २८ ॥ अेकहीरेअेकनमाने
रायजरे ॥ आणेअतिअभिमानरे ॥ रोकीरेरोकीर-
ह्योसहुलोकनेरे ॥ आशतितोअसमानरे ॥ पंथी० ॥ २९
॥ लूंटेरेलूंटेदेशादयामणोरे ॥ रंजवालोनहींकोथरे ॥
तेहथीरेतेहथीदेशादयालजरे ॥ गयोसहुभीनकहोई
रे॥ पंथी० ॥ ३० ॥ हुंपणरेहुंपण लेईकुटंबो आपणोरे॥
भलगोगयोअपाररे ॥ जाल्यांरेजाल्यांमंदिरमालि-
यांरे ॥ नाणेदयालिगाररे ॥ पंथी० ॥ ३१ ॥ महारीरे
महारीतृणनीछापरीरे ॥ लोकेनाखीपाडीरे ॥ भणींरे
भणींलेवानेजकलाकडीरे ॥ घरमांनारीकुहाडीरे ॥

थी०॥३२॥ भूंडुंरे भूंडुं ते भलामणीरे ॥ दीठो दर्शन
आजरे ॥ देवजरे देवतरूप समदेवनूंरे ॥ सरिखुं वंछित काज
रे ॥ पंथी०॥३३॥ तेहनांरे तेहनां एहवचन श्रवणे सुणीरे
॥ आणी दया दीलमांहेरे ॥ दीधुंरे दीधुं रत्नसुवर्णमय सूत्र
जरे ॥ हसीन्हहरे नृप आहिंरे ॥ पंथी०॥३४॥ लक्ष्मणरे
लक्ष्मणपुरमां मोकल्योरे ॥ तेह भूपतिने पासरे ॥ उत्तमरे
उत्तमनर अवलोकवेरे ॥ पाम्यो अति उल्लासरे ॥ पंथी०॥
३५॥ सेवकरे सेवक रूपी सांच्यवेरे ॥ लक्ष्मण भाषे तामरे ॥ व-
नमेंरे वनमें जयो छे अछेरे ॥ सीतासुं श्रीरामरे ॥ पंथी०॥
३६॥ नूपतिरे लक्ष्मणजी तिहां आवियारे ॥ जाण्या घर
जो आयरे ॥ भोजनरे भोजन भक्ति करी भलीरे ॥ राम
तणा सुजपायरे ॥ पंथी०॥३७॥ लक्ष्मणरे लक्ष्मणजीने
मोकल्योरे ॥ राजापासें तेवाररे ॥ जाणेरे जेह उपन्हवया-
लियेरे ॥ जगमहोटो उपकाररे ॥ पंथी०॥३८॥ राजारे रा-
जा आण मनावियारे ॥ भरत भलो भूपालरे ॥ जेहनरे
जेह उपन्हव सांभलीरे ॥ दालसे ततकालरे ॥ पंथी०॥३९
॥ सेवकरे सेवकसुं अनुशासनारे ॥ राजाजीने भोछेरे ॥ पर
ण्यारे परण्यारे पछे वाते मारवुंरे ॥ आण परण्यासुं होछे शारें०
॥४०॥ ओहिनरे सामंतछे पुरमहारोरे ॥ मुज साथे गुमा-
नरे ॥ वांकनरे काढीने सूधुं जे करेरे ॥ तो किस्यो राजानरे
॥ पंथी०॥४१॥ पुनरपिरे पुनरपि लक्ष्मणजी कहेरे ॥ दी-
से कुण अन्यायरे ॥ पालेरे पाले निश्चय धर्मनेरे ॥ कहे
तहारो सुंभायरे ॥ पंथी०॥४२॥ आघुंरे आघुं तो नथी

जेम थियेंरे ॥ चित्तमां आणसयाणरे ॥ सायररे सायर
अंते भणि थियेंरे ॥ भरत नृपनी आणरे ॥ पंथी० ॥ ४३ ॥
जिम्योरे जिम्यो राम अति घणुंरे ॥ निसुणी भरत व-
खाणरे ॥ लेखरे क्युं नवी भथे जेहनेरे ॥ पुरुषां वचन प्र-
माणरे ॥ पंथी० ॥ ४४ ॥ लक्ष्मणरे भाखें तव नृपालनेरे
॥ भोला मांहे भोलरे ॥ काठीरे काठी आव कितावलोरे ॥
केकिंता करो भेररे ॥ पंथी० ॥ ४५ ॥ आव्योरे करी आड-
जश आडरोरे ॥ आपणपें जयाणरे ॥ लक्ष्मणरे कीपा-
डीलीघो सहीरे ॥ हाथीनो आलानरे ॥ पंथी० ॥ ४६ ॥
त्रास्यारे त्रास्या विविध त्रास सुंरे ॥ नाठ भये दूररे ॥
उच्छलीरे गगन उपरथी जांधिओरे ॥ आण्यो राम हु-
जूररे ॥ पंथी० ॥ ४७ ॥ रामरे सिंहोदर पगे लागीनेरे
॥ राघव सुं भाखंतरे ॥ जण्योरे में नवी मैं तुज्झ तुम अ-
छोरे ॥ करुं जे इ क्षमियां जंतरे ॥ पंथी० ॥ ४८ ॥ महारोरे
जमनेखे अपराध कजरे ॥ आपी जन आदेशरे ॥ मां-
होरे मांहे मनमेलवीरे ॥ भाखें तां मनरेसरे ॥ पं-
थी० ॥ ४९ ॥ बंधनरे बंधन छोड्यां हाथ सुंरे ॥ मेलवि-
आ नृप हो इंरे ॥ घर घररे घरघर जाय वधामणांरे ॥
आनंद वर्त्यो भेइंरे ॥ पंथी० ॥ ५० ॥ आपीरे रामे हियो
सिंहोदरेरे ॥ राघवजीनी साजेरे ॥ मिटिओरे मिटिओ
तस सेवक पणुंरे ॥ श्रीमुजें भांछलापेरे ॥ पंथी० ॥ ५१
कुंडलरे मांगी लियां राणी कन्हेरे ॥ विद्युतअंगने दीधरे
॥ कीयोरे नगरीनो अधिकारिओरे ॥ पंथ्या मेंभसीध्दरे

॥पंथी०॥५२॥कन्यारेसिंहोदरराजतणीरे॥तीनस-
यापरिमाणरे॥आठलरेआठअछे भूपालनेरे॥विवाह
तणो मंडाणरे॥पंथी०॥५३॥लक्ष्मणरेलक्ष्मणकहेपर-
णुंनहींरे॥वनवासोलजतावरे॥पछेरेपछेपरणीसुं
सहीरे॥राजानिलघरजायरे॥पंथी०॥५४॥ढालभरे
ढालभलीचोवीशमीरे॥राजराजीटकंर॥धर्मधीरेकेश-
रानप्रत्यक्षपणेरे॥सरियांकाजअनेकरे॥पंथी०॥५५॥

॥ आश्यारागें दोहा॥

रातरहीश्रीरामजी॥मलयाचलनेजाम॥जताविचेंआ-
विओ॥देशसुनिर्जलनाम॥१॥तृषाव्यापीसीताभ-
णी॥तरुतलेंलेविश्राम॥जललेवानेकारणे॥लक्ष्मण
धायोताम॥२॥आगेंएकसरोवरू॥दीठोअधिकअ-
नूप॥जलक्रीडाकरवाभणी॥आव्योछेएकभूप॥
३॥कुबेरपुरनोराजीओ॥नामकल्याणसुकुमाल॥ल-
क्ष्मणनेदेख्यायकां॥राज्योभूपरसाल॥४॥आकारें
करीओलखी॥एछेकोईनार॥आमंत्रणभोजनत-
णुं॥वडोभाहुणोविस्तार॥५॥सोरेकहेनिमसुंनहीं
॥भाईछेवनमांहें॥मंत्रीसरसामंतले॥आयालेई
उछाहें॥६॥स्नानकरीभोजनभलो॥आरोगीरघु-
राय॥जतलावेतेभूपने॥सहजपणुंनछिपाय॥७॥

ढालपच्चीशमी.

(देखीसीजीप्रभुकेमविशले, ए देशी.)

बालकोरेसीतापतिकेरा ॥ विहांनिहांसंच्यारंरे ॥ तिहां
तिहांनांकालसमारे ॥ करीकरीउपकाररे ॥ आ० ॥ १ ॥
कुबेरपुरपतिजोलिओरे ॥ स्वामिसुणोसुविच्यारंरे ॥
वालिखिल्यराजभलोरे ॥ पृथवीनोभरताररे ॥ आ०
॥ २ ॥ गर्भवतीराणीहुइरे ॥ एटलेअसुरआयरे ॥
बांधीलीधोतेरायकरे ॥ छोडावियोनवीभयरे ॥ आ०
॥ ३ ॥ राणीयेंजणीपुत्रीकरे ॥ मंत्रीयेंभाख्योपुत्ररे ॥
पुत्रपणोतात्यांसख्योरे ॥ आगेहिंघरसूत्ररे ॥ आ० ॥ ४ ॥
सिंहोदरसुतसांभलीरे ॥ थापीवातप्रधानरे ॥ वा-
लिखिल्यघरेनआवेरे ॥ तिहांलगेंएराजनरे ॥ आ०
॥ ५ ॥ पुरुषवेषधारी रहीरे ॥ बालपणाथीजेहरे ॥
मातामंत्रीजाहिरोरे ॥ भेदनजाणेकोइरे ॥ आ० ॥ ६ ॥
वसुधामांहेविख्यातछेरे ॥ रूपकल्याणकुमाररे ॥ मं-
त्रीमहोटोतोकह्योरे ॥ राजतणोरखवालरे ॥ आ० ॥ ७ ॥
अर्थघणोअसुरेलणीरे ॥ आपुंछुं हु आपरे ॥ अर्थ
तणाअर्थिनहीरे ॥ असुरनछोडेबापरे ॥ आ० ॥ ८ ॥
सिंहोदरथीराजियोरे ॥ वनुकरणनृपनेमरे ॥ असुरे-
थीउवारियेंरे ॥ बापहमारोतेमरे ॥ आ० ॥ ९ ॥ राम
कहेतुंतुरतमेरे ॥ परहोमकरीसवेषरे ॥ तातछोडवी
ताहरोरे ॥ आवुंन्यासुंविशेषरे ॥ आ० ॥ १० ॥ महन
प्रसादकरीदियोरे ॥ कन्याराजकुंवररे ॥ लक्ष्मणजने

परणाविये रे ॥ मंत्री कहे अनूप रे ॥ आ० ॥ ११ ॥ रामकहे
वनवासमें रे ॥ होई आवुं न मरे ॥ तजलगंधरजेठीर-
होरे ॥ पछे सरसे कामरे ॥ आ० ॥ १२ ॥ तहति कही छि-
नतिसरे रे ॥ प्रभुजी पाछलि रातें रे ॥ आगा नेऊठी चल्या रे
॥ नृपे न एयो प्रभाते रे ॥ आ० ॥ १३ ॥ नदी नर्मदा आवि-
आं रे ॥ वंध्या अटवी माहि रे ॥ लोकतो वल्या घणुं रे ॥
न्ये जे परवाई रे ॥ आ० ॥ १४ ॥ लक्ष्मणनी दृशें अनुस-
रीरे ॥ कंटकीतरु भूरीरे ॥ गाढो झोधी सेनहीरे ॥ मयेमा-
र्ग्यंपूरिरे ॥ आ० ॥ १५ ॥ सुकनासुकननागणेरे ॥ नग-
णेघाटविघाटरे ॥ दुर्जनने जेसोच्यनारे ॥ जालिआउल-
डवाटरे ॥ आ० ॥ १६ ॥ असुरोनी सैन्याघणीरे ॥ दल-
जलनो नहि पाररे ॥ दसघातने निकल्यारे ॥ मिलिगया
तेणीवाररे ॥ आ० ॥ १७ ॥ सेनामें सेनापतीरे ॥ तरुण
पणो छे तासरे ॥ सत्यवती अविलोकतांरे ॥ पायो अति
उल्लासरे ॥ आ० ॥ १८ ॥ असुरोने तेडी कहेरे ॥ उ-
पालो जे जावरे ॥ घसमसकरता धाईयारे ॥ रामप्रतें त-
तकालरे ॥ आ० ॥ १९ ॥ लक्ष्मण भाषे रामसुंरे ॥ तुम
रहो त्रीया पासरे ॥ धनुष्य नाटंकारथीरे ॥ असुरगया
सजनासरे ॥ आ० ॥ २० ॥ सेनापती सामंतसुंरे ॥ ला-
ग्यो राघव पायरे ॥ चरित सुणावे आपणोरे ॥ जाणे जी
भो आयरे ॥ आ० ॥ २१ ॥ ओरां जीन चरी भलीरे ॥
वैश्वानर अभिधानरे ॥ ब्राह्मण सावित्री घणीरे ॥ न-
यो सुत अज्ञानरे ॥ आ० ॥ २२ ॥ उन्हदेव अतीउन्दजरे ॥

करतोकरमकठूररे॥ग्योरअन्याईनेसीरेरे॥वातेअप-
जशातूररे॥आ०॥२३॥ग्यांरीकरतांसाहिओरे॥सूली
नोआदेशले॥नृपेदीधोतवश्रावकेरे॥छोडव्योसुविशे-
षेरे॥आ०॥२४॥सिंहासणदीधीभुजलणीरे॥मकरे
अेवांकामरे॥पलीमांहेआवतांरे॥मेंपाम्योविश्रामरे॥
आ०॥२५॥पलीपतीअेहुंहूओरे॥तेजप्रतापप्रचंडरे॥
कोईनहोवेसामुहोरे॥वर्त्तेआणअखंडरे॥आ०॥२६॥
जांघुंशणाशालियारे॥पाडुंसघलेत्रासोरे॥आजहूओमुज
जाणजेरे॥ईवतुमारोहासोरे॥आ०॥२७॥अविनयकी-
धोआकरोरे॥जमज्योमुजअपराधरे॥भाग्यवडोछेमा-
हरोरे॥प्रभुतुमदर्शनलाधरे॥आ०॥२८॥कामतणो
आदेशोद्योरे॥द्योमुजभतेंजानरे॥वालिखिल्यनेछोडी
देरे॥पहेलोकरअेकानरे॥आ०॥२९॥वालिखिल्यनेछो-
डीने॥असुरेंकर्योपरणामरे॥वालिखिल्यकरजोडिने
रे॥प्रणम्योप्रभुश्रीरामरे॥आ०॥३०॥रामतणाआदे-
शथीरे॥दीधोपुत्रिपहोंचायरे॥कल्याणमालाकुंअरीरे॥
देज्यारीसुजथायरे॥आ०॥३१॥दालभलीपचीशमी
रे॥जंदीमोज्यननामरे॥केशराजश्रीरामनोरे॥काम-

विषे ॥ अरुणएहवोग्राम ॥ निर्लजनेनिरधनघणा ॥ लोक
वसेनिरभाम ॥२॥ कपीलनामेंअतिक्रोधिओ ॥ ब्रा-
ह्मणमहाकुपात्र ॥ अग्नीहोत्रकर्मपेरे ॥ गर्वेपूरितगात्र
॥३॥ सुसर्मासुंजघरनी ॥ ब्राह्मणीगुणनीखाण ॥ भील
ढाजोलिमानिनी ॥ वसुधामांहेवखाण ॥४॥ सीताने
तृषव्यापना ॥ पाणीपीवाकाज ॥ आवीगयातेगाममां
वेपंथीनोसाज ॥५॥

॥ ढाल छवीशमी ॥

(धनधन धनसतीजी आपजोराजेअम, एदेशी)
रामपधारिआजी ॥ ब्राह्मणकेरेगेह ॥ आदरदेअती
ब्राह्मणीजी ॥ आणीधर्मसनेह ॥ मन०॥१॥ आसन
मांड्यांजी रूडांजी ॥ देती अतिसनमान ॥ सीतलपा-
णीपार्थ्योजी ॥ जाणेअमृतपान ॥ राम०॥२॥ एटले
ब्राह्मणआविओजी ॥ म्हुटपणेरेपिसाच ॥ कोपकरे
अतिक्रोधिओजी ॥ तामविपेरेवाच ॥ राम०॥३॥ के
कोणमेलेसुगडेजी ॥ घरमाघाल्याआज ॥ अग्नीहो-
त्रअपवित्रीयोजी ॥ कीधोउजड आज ॥ राम०॥४॥
नीकलमहाराघरथकीजी ॥ नहींतरओंकुंहाड ॥ भा-
मिनीनोमुजभोलव्याजी ॥ आण्योलेईमुराड ॥ राम०
॥५॥ सरणेआवीसुंदरीजी ॥ सीताराणीपुंठ ॥ तोपे-
णनटलेपापिओजी ॥ लक्ष्मणआवीओउठ ॥ राम०॥६॥
॥ पगसाहीनेफेरिओजी ॥ दीधोतीओआकाश ॥

नाभिणलाग्योतेटलेछ ॥ ब्राह्मणपायोत्रास ॥राम०
॥७॥ पाडेअधिकीपीपडीछ ॥ मल्यालोकअपार ॥
भेदलहीनें भांपहीरे ॥ फिरेफिटणिमार ॥ राम०॥८॥
डीडीणिपरउटकईछ॥ करतांसोलानकंपी ॥ कडणा
आणीरामछ ॥ दीघोछोडावीसोई ॥ राम०॥ लाति
हांयडीयालीगयाछ ॥ जीछअटवीमांहे ॥ कललव-
रणीसानलीछ ॥ परनलयकरमांहे ॥ राम०॥ बलन-
यरलाग्योवरसवाछ ॥ आविगयोयोमास ॥ वडलात
सेवासोवेस्याछ ॥ आणीजतिउल्लास ॥ राम०॥११
॥ अधिष्ठायकदेवताछ ॥ मलुथीपामेत्रास ॥ अेतेकु-
नेसारेनहीछ ॥ हुओअधिकउदास ॥ राम०॥१२॥
उल्लकर्णनामेभलोछ ॥ बहुलक्षसिरदार ॥ भई
पुडारयोदेवताछ ॥ तजनेकरेसुविचार ॥रा०॥१३॥
भाग्यहीनसुरपापिआछ ॥ अवसरचूक्योअेह ॥
अेतोमहोटामाहणाछ ॥ आव्याछेतुमगेह ॥राम०॥
रत्नावासुदेवअेअष्टमोछ ॥ अष्टमोजलदेव ॥ महा
पुरुषपृथवीविषेछ ॥ ज्युंनकरीतेंसेव ॥ राम०॥१५॥
नयथोबलन्यहुडापणेछ ॥ लांजीब्रेयणजार ॥कोट
अनेवरजंगुराछ ॥ कीयांमंदिरसार ॥राम०॥१६॥
हाटभरयांजहुवस्तुसुछ॥ धस्योनधननोपार ॥ रूप
यापीआरासुछ ॥ सोभावितविभडार ॥रा०॥१७॥
पुरीअयोध्यासारजीछ॥ रामपुरीअभिराम ॥रात्र
विषेरचनाकरीछ ॥ देवतणांअेकाम ॥ राम०॥१८॥

मंगलशब्दसुहांमणाजी ॥ जणयोरामनरेस ॥ नयरीनम
यणेनिरखंतांजी ॥ पायोसुजविशेस ॥ राम० ॥ १९ ॥ वि
णाधारविशेषसुंजी ॥ ईमकृशणवरयक्ष ॥ दीठोगोलो
आगलेंजी ॥ सुरतरुतो परत्यक्ष ॥ राम० ॥ २० ॥ विस्मय
वंतविचारिओजी ॥ राजारामनेवार ॥ यक्षकहेजेमेंकि
योजी ॥ वासतणोविस्तार ॥ राम० ॥ २१ ॥ देवविशेषसे
वाकरेजी ॥ आछोअवसरपामि ॥ हुंछुंसेवकताहरो-
जी ॥ तुंछोमहारोस्वामि ॥ राम० ॥ २२ ॥ यक्षपुरुषसेवा
करेजी ॥ पोषेपरिघलप्रेम ॥ रामरहेसुजमेंसहीजी ॥
पुण्यतणांफलजेम ॥ राम० ॥ २३ ॥ रूपीलाविभ्रमेंघ-
णलणीजी ॥ अटवीमेंआवंत ॥ नुतननगरीदेखतां
जी ॥ अचरिजअतीपावंत ॥ राम० ॥ २४ ॥ नारीरूपें
यक्षणीजी ॥ तिमेंपूछीताम ॥ नीपावीनूतनपुरीजी ॥
वासवसेश्रीराम ॥ राम० ॥ २५ ॥ याचकनेंजलधरपरे
जी ॥ वरसेंकंचनधार ॥ जेमसुणंतांजलजलोजी ॥
ब्राह्मणलागोलार ॥ राम० ॥ २६ ॥ जन्मदलिद्रीहुंज-
कुंजी ॥ जेणेजन्मारोजाय ॥ तिमकुंपामुदक्षणाजी
॥ लाधोसोईंडीपाय ॥ राम० ॥ २७ ॥ सालापेंनगरी
तणांजी ॥ द्वारअछेवरच्यार ॥ रखवालायक्षहीरहेजी
॥ जेनालियेपइसार ॥ राम० ॥ २८ ॥ नवकारलणेमु-
जथकीजी ॥ धारेनियमतेवार ॥ श्रावकहोईजावतांजी
॥ जेनकरेहणवार ॥ राम० ॥ २९ ॥ साधुसमीपेंआ
पिचोजी . आपणाश्रा . कहोई ॥ . २९ । . . ॥ व

करजी ॥ तवचाल्यांतेदोई ॥ राम०॥३०॥ पूर्वकथितवि-
धिसाथवीजी ॥ रामसमीपेंआय ॥ भीलांब्राह्मण
ब्राह्मणीजी ॥ अंगीनकहिणोन्याय ॥ राम०॥३१॥ ल-
क्ष्मणबोलावीलियोजी ॥ तवतेदेईआसीस ॥ दीधीवं-
छितदक्षिणाजी ॥ सईलीऊरीयजगीस ॥ राम०॥३२॥
घरेंआवीधनजरथियोजी ॥ लीधोसंयमभार ॥ उरव
सास्योआपणोजी ॥ ओप्रभुनोउपगार ॥ राम०॥३३
॥ अजचौमासोभितस्योजी ॥ प्रभुजुन्यालणहार ॥
यक्षेंदीधोरामनेजी ॥ स्वयंप्रभवरहार ॥ राम०॥३४॥
लक्ष्मणनेतोकुंडलांजी ॥ तेजडियांमणिरयण ॥ चूडाम-
णीसीताभणीजी ॥ अतीदिपन्त्योन्यियन ॥ राम०॥
३५॥ मनवांछितरागनेजी ॥ संभलावानेहेत ॥ वीन-
णादीधीवेगसुंजी ॥ सघलासाजसमेत ॥ राम०॥३६
॥ पहोंच्याडीपाछावल्याजी ॥ देवमहासुजदाय ॥ प्र-
भुजुआगेंथ्यालिआजी ॥ नगरीगईविलाय ॥ राम०
॥३७॥ ढालभलीछवीशमीजी ॥ देवडीओअनु-
राग ॥ केसरामुनिभाखिओजी ॥ रामतणोसोभा-
ग ॥ राम०॥३८॥

॥ संधुरागेंदोहा ॥

संपरतांसुखमेंसही ॥ सांजसमेसहु कोई ॥ विजय-
पुरीपथिलिआविआ ॥ वासोसोधेसोई ॥१॥ नगरी-
नाभिधानमें ॥ वडलोछेअछेविसेस ॥ मंदिरनाआ-

करसुं ॥ वासोवसेनरेस ॥ २ ॥ महीधरमहीमानीलो ॥ राजपालेशज ॥ इन्द्राणीराणीतणो ॥ कहियेकंत सकाज ॥ ३ ॥ वनमालापुत्रीभली ॥ बालपणाथीजेम ॥ देखरहीलक्ष्मणवरूं ॥ अवरवरूंतोनेम ॥ ४ ॥ वनवासोश्रयणेसुणी ॥ राजाकरेविचार ॥ कहिवरआवीपरणसे ॥ विवाहतणीएवार ॥ ५ ॥ मोटीपुत्री आपणीकेम ॥ मायबापपरिवार ॥ परणावेमीतावसी ॥ राजीकरेविचार ॥ ६ ॥ इन्द्रनगरनोराजिओ ॥ वृषभसराथभरतारा ॥ सुरेन्द्ररूपराजभणी ॥ सादीधीतेवार ॥ ७ ॥

॥ ढालसतावीशमी, सिंधीकी देशी ॥

वनमालानिसुणीएम ॥ मनमांहे अकुलाणीताम ॥ रातादिमेंवनमांहेआवे ॥ एकडीमरवानेदावे ॥ १ ॥ वनदेवीनीकीधीपूजा ॥ लक्ष्मणटालीनेवर दूजा ॥ जन्मांतरेपणमुजभतिआपे ॥ एमकहीनेमरवुं थापे ॥ २ ॥ तेनजिनवडलेआवीयाली ॥ लक्ष्मणकुयेदीठीसाबाली ॥ रामसुंसीता सुखेमेंसोवे ॥ लक्ष्मणजागेदहदिसीजोवे ॥ ३ ॥ एकोइवनदेवीदीसे ॥ एवरवसणी विश्वावीसे ॥ वडआरोहिणीपरआई ॥ लक्ष्मणपूंठेथइथोयाई ॥ ४ ॥ वनदिगव्योमतणीसहुदेवी ॥ मनवचनकायाकरीनेसेवी ॥ सांभलजोहेजोलहनारी ॥ मुजनेदेजोलक्ष्मणप्यारी ॥ ५ ॥ इहभवराल्यो परभवदेजो ॥ तुंताहरीजलीपूजालेजो ॥ एमकही

मारयोगलेपासो ॥ लक्ष्मणदीठेजेकृतमासो ॥ ६ ॥
आविलंबेसोथ्येतेतेंते ॥ लक्ष्मणजी आपेतसहेतें ॥ ज-
न्देसाहसमकरीकर्यो ॥ सोहुंलक्ष्मणजणोसार्यो ॥
७ ॥ जाहेंसाहीहेठीआणी ॥ एटलेजगयांराजराणी
॥ लक्ष्मणसहुवृत्तांतसुणावे ॥ सीताराममहासुखपा-
वे ॥ ८ ॥ सज्जनपामिमनुजनिरखी ॥ पणसुंदरीम-
नमांहेंहरखी ॥ सीतारामतणेपगेलागी ॥ जणेभाग्य
दशाजजागी ॥ ९ ॥ पछेइन्द्राणीनृपनारी ॥ नवी
दीठेवनमालाप्यारी ॥ करुणास्वरेऊभीपोकारी ॥ राज-
नेदुःखहुओभारी ॥ १० ॥ वनमालादीठेजणनेराज ॥
आव्योसाथेंसुभटनेताज ॥ प्रभुपासेंवनमालादेखी
॥ राजनेअतीरीसविशेषी ॥ ११ ॥ हणोहणोकहीम-
च्यायोसोर ॥ एछेमुनकुमरीनोचोर ॥ सामोऊठ्योल-
क्ष्मणदेवो ॥ रायसुभटत्रास्यातनजेवो ॥ १२ ॥ ओल-
खिओलक्ष्मणजमाता ॥ राजथेंपामिसुखसाता ॥
घरहींआवीयालीगंगा ॥ कुमरीनुंतोकर्मसुचंगा ॥ १३
॥ लक्ष्मणवंशचानेकाढी ॥ जालपणायडीजिसाडी ॥ जज-
मलजेपत्रीपरणी ॥ ओछिवातेंविसंजलकरणी ॥ पज-

यो ॥ राजा निर्येसो जतलायो ॥ भरतसंघातें विग्रह थाइ
॥ अतिवीर्य सुं आन अपाइ ॥ भरत पक्षे बहु भूपति आ-
या ॥ पांडे युं जेतनुं जणि वजाया ॥ अतिवीर्य तुमने जो-
जाथा ॥ पक्ष थकी जन वर्यत सयाथा ॥ १८ ॥ काम पड्यां हे
सारे काम ॥ सोइ सगो जगमें अभिराम ॥ काम पड्याथी
ने ही जेहानो ॥ तेह सगानुं मुज करो कालो ॥ १९ ॥ ल-
क्ष्मण आपें जेरे विरूध ॥ क्युं णि पति जो छेरे अयुध्य ॥
दूत कहे हम स्वामि जाणियो ॥ जेवातामें मेंअटकलियो
॥ २० ॥ सरल भूपति वांछे सेवा ॥ विग्रह कारण एह ल-
हेवा ॥ कोई न हारयो कोई न जीत्यो ॥ दोई पक्षे छे सुजश
विदीतो ॥ २१ ॥ अजही आयो मुजने जाणो ॥ युध्य तणी
विधि सघली ठाणो ॥ एम कही मोकलियो तेहो ॥ पण
आणे राघव सुं नेहो ॥ २२ ॥ मूर्ख मर्म न कोई जाणे ॥
भरतभूप सुं करती ताणे ॥ मुज सहाय अधिको पामि
॥ जीतण चाहे अयोध्या स्वामि ॥ २३ ॥ सैन्या सघली
सुंहुं जाणों ॥ भिन्न न जाणे तेम कराणीं ॥ एह हणीने पा-
छो आणीं ॥ भरत भूपनी आण धराणीं ॥ २४ ॥ राम
कहे जेस घलो रूडो ॥ तूं ताहरे घर बेठो रूडो ॥ सुत सहु
ने हेतुं सुल लारे ॥ ल्युं मुज कह्युं काम समारे ॥ २५ ॥ ल-
दी कही लाधी नरनाथें ॥ सुत सघला थें दीधा साथें ॥ नं-
द्यावर्त्त नगरने पासे ॥ आवी णितरें अति उल्लासें ॥
૨૬ ॥ દેવીએ નતણી રખવાલી ॥ રામ અતે નાવેસુ[illegible]
ની ॥ કારન કોઈ ભુજ ફુરમાયો ॥ નનૂમ નછે આયકસ

हावो ॥२७॥ अयंओईनहीनुनताहीं ॥ देवीकहेअेसायो
सांई ॥तोपणअईअरीहेंमाणी ॥नामलरणी हु लारकहा-
णी ॥२८॥ त्रीयरूपैतेसघलाहोई ॥ त्रीयनुंरानहोयेनेम
न्नोई ॥रामअनेलक्ष्मणदो लाई ॥स्त्रीरूपेंपणसुंदरता-
ई ॥२९॥ नारीसाथेंलीयेरेलडाई ॥राम्नुजनीअेसन
घुनाई ॥ तिणईमेंत्रीयआगेंहारे ॥ तेअपनशपामेंतन
गसारे ॥३०॥ मही घरेअेसेन्यालेजु ॥संग्रामेंअेसूर
सतेजु ॥ द्वारपालेंजईवातसुणावी ॥ अतीवीर्यनेरीस
अणावी ॥३१॥ लरतनूपनेहुंसाधसु ॥ सुनशधणो
वसुघावा घसु ॥ त्रीयसेन्याअेपाछीलेने ॥ मंदिरनो
घुरेदेज्योयेन्ने ॥३२॥ अेदलेअेउकहेनरहांसो ॥महीन
घेरअेडीघोहांसो ॥ वेश्वानरनिम घासीत्याणो ॥रोमें
रोमेंराचत्तपाणो ॥३३॥ रामादिकत्रीयसेनापूरी ॥
आवीनईनृप द्वारसनूरी ॥ राथकहेअढोगलेसाही
॥ आव्यासूरसुलटसंजाही ॥३४॥ नारीलडेनरनी
परेनिर्ड ॥अडलडसीतेनपडेरुडी ॥ हाथीलणेथांन
लोणीगवे ॥ हलघरहर्षेमारमंचावे ॥३५॥ लाग्यालीन
कुनलागीवारो ॥राम्नजहुओअसवारो ॥ आवेजान
ठेउरसंभाली ॥ लक्ष्मणजुयेंलीघोणिघाली ॥३६॥
केशग्रहीनेजांघ्योगाढो ॥ लक्ष्मणनोमनहुयोताढो ॥
लरतनूपसुंईडेआडा ॥ गवरावोम्नेसुनशपचाडा
॥३७॥ सीतायेंजांघ्योछोडायो ॥ घाहिलेवांदिनु-
मानगमायो ॥ जेनदेवियेसकेसीमाया ॥नेनिमया

तेतिमहीऊराया ॥ ३८ ॥ रामलक्ष्मणदोईदीठा ॥ राज्ञ
लोथणअभियपईठा ॥ पगेलागीनेनरवरबोले ॥ अव-
रनकोईमनुजप्रभुमतोले ॥ ३९ ॥ अष्टापदनिमसुणियो
आगें ॥ ऊदिऊपिदऊता पेगलांगे ॥ तिमभुवनमांहेअहि
नवीती ॥ सीवतडअबेनापुंछीती ॥ ४० ॥ लावणईनिर्ल-
ज्जनकहाणो ॥ लोडोमांहेलुंडकहाणो ॥ प्रकटपरालवअे-
हसहाणो ॥ योरअन्याईनेमगवाणो ॥ ४१ ॥ नलथी
अलगोकीधोमाछो ॥ पाणीमांहेनावेपाछो ॥ तउइतन-
डईऊरतोअनीतेवें ॥ पाणीऊतरीयांनवीछवें ॥ ४२ ॥
आंगुलिआदेजायोफ्हलो ॥ आपेंआपऊरेमनदूहलो ॥

बीजीभगिनी ॥ भरतभणीदीधीसुभलग्नी ॥ ४९
॥ भरतभूपनीसेवासाधी ॥ निजघरआव्योनृपआरा-
धी ॥ रामविजयपुरस्यालिआया ॥ वनमालानेअधिक
सुहाया ॥ ५० ॥ सत्यावीशमीढालसुढाली ॥ भरतभूप-
नीआरतीटाली ॥ केसराजकहेसारेकाम ॥ सोईसहोदर
जगअभिराम ॥ ५१ ॥

॥ धन्यासिरिरागेंदोहा ॥

महीधरनेपूछे ॥ रामचल्याणिजाम ॥ लक्ष्मणजसु
वीनवे ॥ सावनमालाताम ॥ १ ॥ प्राणदानदातारतुं ॥
अजअंत्यनेनिरास ॥ भाषेंपूर्णविलोचना ॥ करेघणुं
अरदास ॥ २ ॥ विवाहकरीसुविशेषथी ॥ मुजनेलीजेला-
र ॥ वनवासेंसरसीरहुं ॥ होईजिनमतधार ॥ ३ ॥ ल-
क्ष्मणभाषेंभामिनी ॥ एअवसरनहींजोय ॥ भूगेहठ
नकीजिये ॥ हीयेविमासीजोय ॥ ४ ॥ नजकरिमंदिर
आवसुं ॥ सेवीनेवनवास ॥ जोजहमारोछेसही ॥ पे-
होंचावीसतुजआस ॥ ५ ॥ सुंसविनाजवाजधुं ॥ र-
यणीभोजनपाप ॥ नावोतोतुमनेअछे ॥ मानीलियूं
मुजआप ॥ ६ ॥

॥ ढालअठ्यावीशमी ॥

(सुधारस मुरली वाजे, एदेशी.)

रामजोसुनराघणो ॥ स्वर्गमृत्युपाताल ॥ रामजोसु-

नराघणो॥राम०॥१॥ पाछलीरातेंआगेंयास्या॥ओलं-
घ्योवनअेक॥जेमालणपामिपूरीरे॥दिरीसोलाअनेक
॥राम०॥२॥ऊतरियाऊद्यानमेंरे॥ लक्ष्मणवनमेंजया॥
लघ्धआव्योइलसागच्छेरे॥ पाणीपानलराय॥राम०॥३
॥संस्कारसीतायेंकीयोरे॥ आराग्योऊल्छाहें॥रामतणा
आदेशथीरे॥ लक्ष्मणगयोपूरमाहें॥ राम०॥श्रवण
सुणीऊघोषणारे॥सहेवेसक्तिप्रहार॥ परणेपुत्रीरायं-
नीरे॥ नहींसंदेहलिगार॥ राम०॥५॥ पुरुषअेकतव्ब
पूछिओरे॥ जेछेकिस्योविच्यार॥शत्रुदमनराजनलो
रे॥रायानोसिरहार॥राम०॥६॥ कनकादेवीतेहनेरे॥
पुत्रीतोपरधान॥ जितपद्माछेनामथीरे॥प्रत्यक्षपद्मा
थान॥राम०॥७॥ वरनुंजलसुविच्यारवेरे॥ मांड्योअेह
ऊपाय॥ आनलगेंकोईनाविओरे॥ तेहथीजामसराय॥
राम०॥८॥ अेमसुणीनेआवियोरे॥ परजद्यमांहेंव॥
नृपपूछेतुंकोणछेरे॥ तवजोलेनतजेव॥ राम०॥९॥भ-
रतभूपनोदूतछुंरे॥ जगॅकस्वाजान॥परणुंपुत्रीताहरी
रे॥घहांहुंआव्योआज॥ राम०॥१०॥ शक्तिघातअेम-
हारोरे॥कहेतुंसहीसकेम॥ अेकनहींपणपंच्चेछेरे॥सहुं
सहीसुंअेम॥ राम०॥११॥ जितपद्माअनुरागिणीरे॥
होयगईतत्काल॥ लक्ष्मणनेअविलोकतांरे॥रायीइूपर-
साल॥राम०॥१२॥पुत्रीवरनेआपनेरे॥ कह्योनमाने
रंच्य॥ ज्वालशोसदोसांच्यवेरे॥ मूकेशक्तिसुपंच्य॥राम०
॥१३॥दोहाथेदोजांहमेंरे॥ अेकसुदंताजेय प्रसाहीलीन

जीज्भगिनी ॥ भरतभणीदीधीसुभलग्नी ॥ ४८ ॥ भरतभूपनीसेवासाधी ॥ निजघरआव्योनृपआराधी ॥ रामविजयपुरथालिआया ॥ वनमालानेअधिक सुहाया ॥ ५० ॥ सत्तावीशमीढालसुढाली ॥ भरतभूपनीआरतीटाली ॥ केसरानकहेसारेकाम ॥ सोईसहोदर लगभलिराम ॥ ५१ ॥

॥ धन्यासिरिरागेंदोहा ॥

महीधरनेपूछके ॥ रामचेआणिजाम ॥ लक्ष्मणजसुं वीनवे ॥ सावनमालाताम ॥ १ ॥ प्राणदानदातारतुं ॥ अनजांत्यलेनिशास ॥ लाधेंपूर्णविलोच्यना ॥ उरेघणुं अरदास ॥ २ ॥ विवाहकरीसुविशेषथी ॥ सुखनेदीनेला र ॥ वनचासेंसरसीरहुं ॥ होईजिनमतदार ॥ ३ ॥ लक्ष्मणभाषेंस्वामिनी ॥ अवसरनहींजोय ॥ भूमेहठ नहीलिये ॥ हीयेविमासीजोय ॥ ४ ॥ नजरिमंदिर आवसुं ॥ सेवीनेवनवास ॥ जोलहमारोछेसही ॥ पेन होंप्यावीसतुजआस ॥ ५ ॥ सुंसविनाजवानधुं ॥ रयणीभोजनपाप ॥ नावोतोतुमनेअछे ॥ मानीलियूं मलुआप ॥ ६ ॥

॥ ढालअठ्यावीशमी ॥

(सुधारस मुरलीवाने, एदेशी)

रामजेसुजशघणो ॥ स्वर्गमृत्युपाताल ॥ रामजेसु

लशाघणो ॥राम०॥१॥ पाछलीरातेंआगेचाल्या ॥ओढं
ધ્યાવનએક ॥જેનાન... નમિ પૂરીરે ॥ દિરોસોભાઅનેક
॥રામ૦॥૨॥ ઊતરિયાઊધાનમેંરે ॥ લક્ષ્મણવનમેંજાય
જઈઆવ્યો રૂનસાગરૂરે ॥ પાણીપાન ભરાય ॥રામ૦॥૩
॥સં...રસીતાવેંઠીયોરે ॥ આરાગ્યોઊલ્છાહે ॥રામ...॥
आदेशाथीरे ॥ लक्ष्मणगयोपूरमाहें ॥ राम०॥४॥ श्रवण
सुणीऊदघोषणारे ॥ सहेलेसक्तिमहार ॥ परणेपुत्रीराय-
नीरे ॥ नहींसंदेहलिगार ॥ राम०॥५॥ पुरुषजेकुतज
पूछिओरे ॥ जेछेकिस्योविचार ॥ शत्रुदमनराजाभलो
रे ॥ राधानोसिरदार ॥ राम०॥६॥ कनकदेवीतेहनेरे ॥
पुत्रीतोपरधान ॥ नितपद्माछेनामथीरे ॥ प्रत्यक्षपद्मा
थान ॥ राम०॥७॥ वरनुंजलसुविचारथेरे ॥ मांड्योजेह
ऊपाय ॥ आनलगेंकोईनाविओरे ॥ तेहथीजामसराया ॥
राम०॥८॥ जेमसुणीनेआवियोरे ॥ परंजघमांहेदेव ॥
नृपपूछेतुंकोणछेरे ॥ तवबोलेततखेव ॥ राम०॥९॥ भ-
रतभूपनो दूतछुंरे ॥ जउंकिस्यातान ॥ परणुंपुत्रीताहरी
रे ॥ ईहांहुंआव्योजान ॥ राम०॥१०॥ शक्तिघातजेम-
हारोरे ॥ कहेतुंसहीसकेमा ॥ जेकनहींपणपेंच्छरे ॥ सहु
सहीसुंखेम ॥ राम०॥११॥ नितपद्माअनुरागिणीरे ॥
होयगईततकाल ॥ लक्ष्मणनेजविसोकतांरे ॥ राचीरूपर-
साल ॥ राम०॥१२॥ पुत्रीवरनेआपनेरे ॥ कहोनमाने
રંચ ॥ જ્યાલરોસદોસાંચવેરે ॥ મૂકે રાકતસુપંચ...
॥૧૩ દોહા ...ઠે છનેરે એકસુરતાજેય ॥સાહીબ

धीशक्तिभलेरे ॥ अनजतमासो होय ॥ राम० ॥ १४ ॥ नि-
तपस्याहर्षिजरीरे ॥ पहेरावेवरमाल ॥ रायकहे परणो
सहीरे ॥ जेकुमरीसुविशाल ॥ राम० ॥ १५ ॥ लक्ष्मण
कहेशियानमेरे ॥ जयगछेश्रीराम ॥ हुं छुं सेवकतेहनोरे
॥ कइजताव्योकाम ॥ राम० ॥ १६ ॥ रामसुलक्ष्मणभाणि
यारे ॥ धसीगयोतिहांराय ॥ लेईआव्योरामनेरे ॥ परम
महासुजथाय ॥ राम० ॥ १७ ॥ भक्तिभावपोषेघणुंरे ॥
पूज्याप्रभुनापाय ॥ तोपणआगेंचालिआरे ॥ रामने
समन्नय ॥ राम० ॥ १८ ॥ वंसस्थलगिरिउपरेरे ॥ वंस-
स्थलपुरीदेजि ॥ लोकभयाकुलदेजिआरे ॥ पूछ्यापुरुष
विशेजी ॥ राम० ॥ १९ ॥ सोभाषेंप्रभुभसुणोरे ॥ रात्रें
भयंओथाय ॥ ध्वनीउठेछेआकरीरे ॥ तेलोकानजमा-
य ॥ राम ॥ २० ॥ रात्रेंअनेदीनभयगेरे ॥ नासीभभेलोक
॥ प्रात हुआघेरेंआवहीरे ॥ कष्टतणोजेभोग ॥ राम० ॥
२१ ॥ प्रभुभतोजमणमोकल्योरे ॥ जोईआंलोजेह ॥ का-
उसगमांहेमुनीरे ॥ दीठादेशुणगेह ॥ राम० ॥ २२ ॥ दे-
ईप्रदक्षिण वांदिआरे ॥ सघलीहिविधिसाधि ॥ वीणा
वजावेरामजीरे ॥ यक्षथईनेसाधि ॥ राम० ॥ २३ ॥ तान
मानअनुमानसुंरे ॥ रागतणुंआलाप ॥ लक्ष्मणलीला
येंकरेरे ॥ अवसरभणीआप ॥ राम० ॥ २४ ॥ रातनगा-
वेंगसुंरे ॥ होईरह्योविनोद ॥ साधुतणीसेवाकरीरे ॥
पामेअधिकप्रमोद ॥ राम० ॥ २५ ॥ अनलप्रभसुरआ-
विओरे ॥ विकुर्विवैताल ॥ साधुनेसंतापवारे ॥ भणे

कोप्योकाल ॥ राम० ॥ २६ ॥ सीतातोव्रतपीपाळतीरे ॥ रा-
मसुलक्ष्मणदोई ॥ तेतलेआवेसामुहारे ॥ नासीगयोसु-
रसोई ॥ राम० ॥ २७ ॥ मुनिवर हुवाकेवलीरे ॥ आवेसु-
रवरकोडी ॥ केवलमहिमासाच्येवेरे ॥ पायनमेकरजोडी ॥
राम० ॥ २८ ॥ रामलणेप्रभुजीकहोरे ॥ उपद्रवनुंएहेत
॥ कुलभूषणकहेकेवलीरे ॥ निसुणोसहुसचेत ॥ राम० ॥
२९ ॥ नयरीनामेपद्मनीरे ॥ विजयपरवतभूप ॥ अमृत-
स्वरमतीवंतजीरे ॥ एकसुदूतअनूप ॥ राम० ॥ ३० ॥ उ-
पयोगातस कामिनीरे ॥ नंदनदोईउदार ॥ उदितमुदि-
तगुणआगलारे ॥ कुलकेशसाधार ॥ राम० ॥ ३१ ॥ दूत
तणोएकमित्रजीरे ॥ ब्राह्मणछेवसुभूत ॥ आशक
उपयोगातणोरे ॥ वातलखीएदूत ॥ राम० ॥ ३२ ॥ सा-
थीतेविलिख्यारणीरे ॥ अमृतस्वरनेमारि ॥ निकंटकहेस
छीजरीरे ॥ मानुंसुजसंसारी ॥ राम० ॥ ३३ ॥ नृपआदे-
सेदूतविदेसेरे चाल्योमार्गदूर ॥ ब्राह्मणपणसाथे
लाग्योरे ॥ दूतहण्योजलपूर ॥ राम० ॥ ३४ ॥ ब्राह्मण
घरेआवीनेभाषेरे ॥ मुजनेपाछोवालि ॥ कारनकरवा
वेगसुंरे ॥ आपगयोसोच्याली ॥ राम० ॥ ३५ ॥ उपयो-
गानेवातजणावी ॥ भजुकस्युंतेसोई ॥ पुत्रहण्याथी
रातआपणुं ॥ जीनेतोसुजहोई ॥ राम० ॥ ३६ ॥ एह
मतोतेब्राह्मणकेरो ॥ रहसपणायीजाणी ॥ उदित
मुदितदोभाईयारे ॥ अमरजअधिकोआणी ॥ रा०
॥ ३७ ॥ उदितेब्राह्मणमारिओरे ॥ आयोउदयकु-

शील ॥ ईमतनलपल्लीविषेरे ॥ सोमश्री हूई ओलीख
॥ राम० ॥ ७७ ॥ चोथी त्रीजीयो शयजोरे ॥ उदित मुदित
पणसंग ॥ अंभोतिजंधपणे तिहांरे ॥ चाल्या त्रणेजी उमं-
रंग ॥ राम० ॥ ७८ ॥ विचेंमल्यो सोलीलडोरे ॥ मारे थो
अणगार ॥ छोडाव्या पल्लीपतिओरे ॥ मानजी ओडि-
पगार ॥ राम० ॥ ८० ॥ पल्लीपती हुतो पेंजीओरे ॥ अहना
उरसणहार ॥ पाशा वियें पेंजी ग्रह्योरे ॥ हूओ मारणहार
॥ राम० ॥ ८१ ॥ अणेतव छोडाविओरे ॥ पेंजीयें थयो पल्ली
ईस ॥ डीधो जालें आपणडेरे ॥ अतो विन्धावीस ॥ रा०
॥ ८२ ॥ उदित मुदित हो साधुजीरे ॥ आराधि संथार ॥
महाशुक्रना देवतारे ॥ पाम्या नवयलयडार ॥ राम० ॥ ८३ ॥
ढालनलीअठ्यावीरामीरे ॥ प्रश्न तणो अधिकार ॥ उ-
समाल पूरव तणुंरे ॥ साधुवदेते सार ॥ राम० ॥ ८४ ॥

॥ मल्हाररागेंदोहा ॥

ज्ञानीगुणतो वसुभूतिनो ॥ जवलनि लवमांहे ॥ मा-
णसय छेतापसपणुं ॥ पामि मुओ तेमांहे ॥ १ ॥ देव हुओ
पणजोतिषी ॥ धुमकेतु अलिधान ॥ मिथ्यामतिनो
वाहिओ ॥ आणे अति अलिमान ॥ २ ॥ उदित मुदित
नाजीवते ॥ सुरपद तजी आवंत ॥ शेषपुन्यनाप्रेरिआ
॥ माणसगति पावंत ॥ ३ ॥ अरिष्टपुरीनो राजीओ ॥
प्रीयवंदनृपाल ॥ पोमावें राणी उदरे ॥ उपना सुत
सुविशाल ॥ ४ ॥ रतनसुरथ रलिआमणो ॥ चित्र-

सुरयसुविशाल ॥ नामथकीअतिपरवडा ॥सुंदरने सुकुमाल ॥ १ ॥ धुमकेतुनाकुंवनो ॥ ओगणहीयोरे अवतार ॥ अपरिस्रीयाओदरशीमनो ॥नामेंअनुधरशार ॥ ६ ॥

॥ ढालओगणत्रीशमी ॥

(नगीनायलशवलोआसपुरे, एदेशी.)

ओध्यतअधिकसोनंदहूओ ॥ वडाजंघवयीरीयालत कूओ ॥ पूरवलवयैरनयणांलणावे ॥ मछरीसनोहेतुआणीपावे ॥ १ ॥ रतनरथनंदनेराजदीजे ॥ दीर्घअंपरलघुनंदयुवराजकीजे ॥ षट्‌दीवसनोअणसणसावीसारी ॥ नृपदेवहुआकिओयल्यलआरी ॥ २ ॥ एकनूपनेश्रीप्रभाचीकुमारी ॥ दीधीरायनेरंगसुंअणीप्यारी ॥ अनुधरयुवरायथीजेदमागी ॥ गर्धओरनेतेहनेकरनलागी ॥ ३ ॥ नवरीसंसुरायनागाममांरे ॥ ढीनूझ्योसोरतोदेरसारे ॥ यढयोरायकुरावलोलेईडो ॥ सोतोजांधिआएयोकलिजालकूडो ॥ ४ ॥ विडंजीयनेजंघयामेसीदीधो ॥ नदितापसपासेंव्रननियमलीधो ॥ त्रियसंगतेनिष्फलयोगकीधो ॥ विषयाविषअमृतअणीपीधो ॥ ५ ॥ नवमांहेलम्योयिरंकलसोई ॥ लेईनरशतितापसईरीहोर्ड ॥ करीजालतनपल्योतिशीमेगणेयो ॥सोतोअहजनलमनलनामदेयो ॥ ६ ॥ रतलरथयित्ररथदोयभाई ॥ ग्रहीसंयमजाररमेंस्वर्गजई ॥

अेमघातो ॥ १६ ॥ अनलप्रभदेवशुकें ससोही ॥ सुर
साथेंथ्यालिगयाश्यालमोही ॥ सुरमानवपरजेहामांहे
भाषें ॥ हयाधर्मनकेवलीकहियहायें ॥१७॥ तवसुव्रत
तीर्थपुछतशीश्यें ॥ तुमपाछलेंकेवलीकोणहीसे ॥ कुल-
भूषणदेव भूषणहोयलाछी ॥ होसेकेवलीअेह दीधाज-
ताछी ॥१८॥ अनलप्रभअेहनिसुणियसारी ॥ तजहीं
थइपुठेंहीलाग्योहमारी ॥ कांईअेकमिथ्यात्वनोअधिक
वाहियो ॥ कांईअेक पूर्ववैरेंणीमाहियो ॥१९॥ दिनयान
रकुआणिउपसर्गकरतां ॥ अेतोपापतणांरभरपूरभरतां
॥ तुमआविआसोगयोदेवनासी ॥ हमणीपन्योज्ञान
सजनगप्रउसी ॥ २० ॥ महालोचनपाविओआपिकतो-
षो ॥ श्रीरामजीसुंकरेप्रेमपोषो ॥ सुरवांछहीप्रत्युपकार
करणो ॥ प्रभुभाषेंतुरतभंडारभरणो ॥२१॥ वंसस्थ-
लपुरपतिजनरपामे ॥ श्रीरामलक्ष्मणप्रतेंसीसनामे ॥
ध्वनीइन्द्रणीपन्दवअेहअलगो ॥ किओलेयनवीआव-
सेकेरिवलगो ॥२२॥ श्रीरामआदेसकीधोप्रसादो ॥ अ-
नलप्रभदेगगनसुंकरेयवादो ॥ श्रीरामगिरिगिरित-
णोनामथाप्यो ॥ किओओछवअर्थिआअर्थआप्यो ॥
२३ ॥ सुरपतिनेपूछीनेदेवआगे ॥ लजयालिआलोक
जहपुंठेलागे ॥ जोलावीयालोकसनमानदेई ॥ प्रभुश्रा

ऐछेहआया ॥ ७ ॥ हवेनारीविमलातणेमंदिरेंआवी॥
तेऐसुखेसोहतोअधिकपावी ॥ कुलभूषणअेकुलकुं-
अरजोहो ॥ अेछेदेशभूषणसुलवानदेहो ॥ ८ ॥ उपा-
ध्यायवरघोपेपासेंपढाया ॥ अमेवरसतोजारतसघरें
रहाया ॥ ८ ॥ जतेरमोवरसआवीसुहावे ॥ नृपपांजातिपं-
डितलेईआवे ॥ ९ ॥ तवगोखजेठीथईअेककुमरी ॥ अ-
विलोकतांजणीउंअेहअमरी ॥ तवदोईभाईतणे
रागहोवे ॥ मुंजसामहुंवारहींचारजोवे ॥ तजयालिके
आविआरायपासें ॥ कलादेखतांरायपाम्योउल्हासे
॥ तवपंडितपूजिआसीसनामी ॥ निजमंदिरेंआविआ
हर्षपामी ॥ ११ ॥ पगेंलागीनेमायसेवाविशेषी ॥ तेकुंअ-
रीमायनेपासदेखी ॥ तवपूछ्युंमायनेकुणकुमारी ॥ तव
मायभाखेंतुमजाहिनप्यारी ॥ १२ ॥ गुरुमंदिरेवासहुतो
तुमारो ॥ तवउपन्नोअेहअेसाच्यधारो ॥ चित्तचिंतवेवं-
छिओजाहिनलोगो ॥ जेमभणीहमआदर्योअेहभो-
गो ॥ १३ ॥ नपतीग्रडरताहीअेगिरिहींआया ॥ अमेंउ-
उसग्गेरह्यातजीयकाया ॥ नहीआसनजीववेउरनम-
रणे ॥ दिनरातरहेवुंअरिहंतसरणे ॥ १४ ॥ पिताहमत
णोआएीओद्रु.जगाढो ॥ समजवतांज्युहिंनवीयाय
ढाढो ॥ मूओआएसणग्रहीयसोगुरुउर्गसो ॥ महालोय
नसुरथयोअतिंजगीसो ॥ १५ ॥ उपसर्गमहारोतेणे
જ્ઞાનજાણિયો ॥ ઇહાઆવિયોસોહતોમેનપાજિઓ ॥
મુનિઅનંતવીર્યને ઉં ,જ્ઞાનો । ઉરપાઓચ્છવદેવ

एमघालो ॥१६॥ अनलप्रभदेवगुरुकेससोही ॥ सुर
सार्थेयालिगथाप्यालमोही ॥ सुरमानवपरजदामोहे
भाषैं ॥ दयाधर्मजकेवलीकहियदाजे ॥१७॥ तवसुव्रत
तीर्थंपुछंतशीश्ये ॥ तुमपाछलेंकेवलीकोणहोसे ॥ कुल-
भूषणदेव भूषणदोयभाई ॥ होसेकेवलीएहदीधाजन-
ताई ॥१८॥ अनलप्रभएहनिसुणियसारी ॥ तजहीं
थकीपुठेंहीलाग्योहमारी ॥ कांईएककमिथ्यात्वनोअधिक
वाहियो ॥ कांईएकपूरववैरेंमाहियो ॥१९॥ दिनच्यार
रहुआउपसर्गकरतां ॥ जेतोपापतणोभरपूरभरतां
॥ तुमआविआसोगयोदेवनासी ॥ हमणांपन्योज्ञान
सजनगप्रकासी ॥२०॥ महालोचनपाविओआधिकतो
षो ॥ श्रीरामजीसुंकरेप्रेमपोषो ॥ सुरयांकहीप्रभुपकार
करणो ॥ प्रभुभाषेंतुरतअंगारभरणो ॥२१॥ वंसस्थ-
लपुरपतिभजरपामे ॥ श्रीरामलक्ष्मणप्रतेंसीसनामे ॥
दयनीइन्द्रउपन्दयएहअलगो ॥ किंचोभयनवीआव-
सेंइहरिवलगो ॥२२॥ श्रीरामआदेसकीधोप्रसादे

दिनविशेषि ॥२५॥ अनेरे दिहाडे न जानिम एवेला ॥
ध्येयचारएसाधुऊपुण्यमेला ॥ त्रिगुप्तसुगुप्तनामेवि-
राते ॥ आचारांगएसुव्रतानउपाने ॥२६॥ द्वीमास
उपवासीयाहोईसाधो ॥ घणेपुण्यनेप्रेरणेदरशलीधो
॥ श्रीरामऊलक्ष्मणसतीयसीता ॥ भलाभावऊविधि
मांहेविदिता ॥२७॥ भलीभक्तिसुंसाधुनांप्रणवंदे ॥
भवसंततिसयलनांदुःखनिकंदे ॥ सतीयेंनिजहाथसुं
हर्षआणी ॥ प्रतिलाभीआमासुउनातपाणी ॥२८॥
दुःखवारणोपारणोजीयजमो ॥ भलांपुण्यअइयरत्नव-
रसंततामो ॥२८॥ गंधावुनीवृष्टीहूई ॥ उद्घोषणादेव-
नीहूईभूई ॥२९॥ पंचसुदिव्यहूआवजाएया ॥ भ-
लाइयउआनदिनसइसजाएया ॥ अेतोदानगुणतीस-
मीजगतजची ॥ उसरालभापेसघवातसाची ॥३०॥

॥ रामगिरिरागेंदोहा ॥

रत्नजटीतरलिआमणो ॥ जंबूद्वीपदयाल ॥ जेंयरसु-
रयअन्धसुं ॥ आपेतेसुविशाल ॥१॥ गंधावुनीवृ-
ष्टीनो ॥ गधतणोविस्तार ॥ विस्तरिओछेदहदिसे ॥
सुरभिमहासुखकार ॥२॥ गंधालिधअेउपंजिओ ॥
रोगीजेहयोनाम ॥ तइथीउतरीआविओ ॥ गंधवा-
सनापाम ॥३॥ दर्शनदीठेंसाधुने ॥ जातिसुमरणलाध
॥ मूर्छागिथरणीपड्यो ॥ तेपंजीसाजाथ ॥४॥ सीतायें
सुसतोडियो ॥ वंदेऋषीनापाय ॥ ऋषीजचरणेपर-

सियो ॥ तामनिरोगीथाय ॥ ५ ॥ पांजकुईसोनासमी ॥
वेंसुविन्दु भलाव ॥ अनार कुसुम यतनु ॥ पद्मरागसमपा
व ॥ ६ ॥ रत्नांकुरनीश्रेणीसम ॥ माथेनटासुहाय ॥ नाम
जटायुपंखीयो ॥ तेह्निथी कहेवाय ॥ ७ ॥

॥ ढालत्रीशमी ॥

(धनधन शीलवंत नरनारी, ए देशी)

रे भाईसेवोसाधुसयाण ॥ हेतयुक्ति भलभाव जता-
वी ॥ तारया जीवअयाणा रे ॥ रे भाई० ॥ १ ॥ दृढप्रहा-
रीदृढपणे रे ॥ मेलेआप प्रहारा ॥ परमारथ पद पाम्या
परतक्ष ॥ साधुतणाउपकारा रे ॥ रे भाई० ॥ २ ॥ चिला-
यतीजांदीनो जेटो ॥ नामचिलातीपुतो ॥ साधुसंगतेक-
रनसार्यो ॥ कीधो दूर कसुतो रे ॥ रे भाई० ॥ ३ ॥ अर्जुन
मालीगारीमांरे ॥ नरजट एक ननारी ॥ षटमासां लगें
एमकरतो ॥ लीधो करनसारी रे ॥ रे भाई० ॥ ४ ॥ परदे-
शीपरभवनवीमाने ॥ पाप करे अतीपापी ॥ केशीगुरु
समजावीलीधो ॥ सुमतिसदाथिरथापी रे ॥ रे भाई०
॥ ५ ॥ राघवपूछे साधुसंगाते ॥ ए गृधपंखी देखो ॥
सांतहोईतुमसेवासाधे ॥ जन्यरिन एह विशेषो रे ॥ रे
भाई० ॥ ६ ॥ भगवन भारी देहविकारी ॥ रोगीमेंसि-
रदारो ॥ कंचनवरणीकायाहोई ॥ एछे कुणविचारो रे
॥ रे भाई० ॥ ७ ॥ साधुसुगुप्तकहेसुणराजन ॥ चारित्र
तणोविस्तारो ॥ कुंभकार कटपुर एहुतो ॥ दंडकराय

ऊघरोरे ॥रेभाई०॥ ८ ॥सावथ्थीनगरीनोराजा॥
जितशत्रुसुजगसो ॥राणीधारणीयेंसुतजयो ॥ खंद-
कनामकुमारेरे ॥रेभाई०॥ ९ ॥पुत्रीपुरंदरयशाते॥
दंडकनेपरणावे ॥ पालकब्राह्मण दूतपणेरे ॥सावथ्थी-
यें आवेरे ॥रेभाई०॥ १० ॥ जितशत्रुराजा धर्मपराय-
ण ॥ गोष्टीधरमकीभावे॥ नास्तिकवादीपालकनेरे ॥ध-
र्मकथानसुहावेरे ॥रेभाई०॥ ११ ॥ खंदककुमरेंयुक्ते
जित्यो॥ जवेअपूठोनावे ॥होईखीसाणोनिज घरें
आयो ॥रहेकुमरसु दावेरे ॥रेभाई०॥ १२॥ खंदक
कुमरपंचसयांसुं ॥श्रीमुनीसुव्रतपासें ॥संयमले-
ईसुध्धोपाले ॥ मारग धर्मप्रकासेरे ॥रेभाई०॥
१३॥ अहिनवंदवुं पुरसमजावुं ॥ एहमतो चित्तठा-
णी ॥ कुंभकारकटनगरेंजवा ॥ पुछ्युंप्रभुनेआणी
रे ॥रेभाई०॥ १४ ॥ प्रभुजीभाखें कांईनराजे॥मर-
णांतिकनामो ॥ उपसर्गउपजतोदीसे ॥ खंदक
भाखेतामोरे ॥ रेभाई०॥ १५ ॥ हमआराधकहु-
वाकेनाहीं ॥पुनरपिस्वामी भाखें॥ तुजविणसघ-
लाहीआराधक॥ जिमदीठेतिमदाखेरे ॥ रेभाई०॥
१६॥ आपविराधकहोतासघलां॥ केरांसीजेकामो
॥ एहविचारीचाल्योजिंहवक ॥ पहुंतो तेणेठामोरे ॥
रेभाई०॥ १७ ॥ पालकपापीसुभारिपराभव ॥आणे
एअविचारी ॥ साधुसमोसारिआछे जिहां ॥ साथेज-
हथियारोरे॥रेभाई०॥ १८ ॥ राजापामिजजरजि-

પારે ॥ આવી મુનિવરવૃંદ ॥ દેસનાસાંભળીનજરઆવે
॥મનમેંઅતિઆનંદરે ॥રેભાઈ૦ ॥૧૯॥પાલકપાપઘ-
ણેરેપોજે ॥રાજાનેસંભલાવે ॥શાલોતુઝમારેવાઆયો
॥તેહથિયારદેખાવેરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૦ ॥રાજાવાતનજોઈ
વિચારી ॥ એઅંતેરીસાણો ॥પાલકમંત્રીનેમુનિસુંપ્યા ॥
કરજોનિજમનમાન્યોરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૧ ॥પાલકરીસેપ-
ણાયીમહોટો ॥ માંડયંત્રનિવારે ॥ખંદક દેખેંસાધુએકેકો
॥પીલેતેહતિવારેરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૨ ॥નિર્યામકતજહો-
ઈખંદકા ॥ આચારજજીઆપે ॥ આરાધનાવિધિશુધ્ધકરા-
વે ॥અપ્પામેંમનથાપેરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૩ ॥શ્રેણીક્ષપક-
નીચાઢેચઢતાં ॥પામેકેવલનાણો ॥ અષ્ટમહાગુણકેરના-
યક ॥ પહુતાઅવિચલઠામોરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૪॥ચાલસયાં
નવાણુંપીલ્યા ॥ એકસુચેલોબાલો ॥ એહનું દુઃખમુજમત
દેખાડો ॥ માનેનહીંચંડાલોરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૫ ॥બાલક
નેપીલંતાદેખી ॥નયણેનીરપ્રવાહો ॥ સહુનાકાજસમા-
રયાંપાછે ॥ઊપન્યોરોસઅગાહોરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૬ ॥
દંડકપાલકદેસસહુનો ॥ હોજ્યેહુંદયકારી ॥ પોતેછેભવ
સંતતિતેહથી ॥કીધુંનીયાણું ભારીરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૭ ॥
એહનીયાણુંકીધાપાછે ॥ પીલીનાખ્યોસોઈ ॥ પાવઈયા-
નેપાનુનચ્ચેદ ॥ એહઓજાણોજોઈરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૮॥
વન્હિકુમારોમાંહે વિદ્દિતો ॥દેવથઓતતકાલો ॥પાપીપંથે
સહુતિણહીંમેં ॥પાપમહાઅસરાલોરે ॥રેભાઈ૦ ॥૨૯॥
દંડકરાજાવાતસાંભલી ॥સોચેતેહઅપારો ॥ફિટરેકૂડા

पालिकपापी ॥ साधुठिओसांथारोरे ॥ रेभाई० ॥ ३० ॥
पुरदहनशामुनराणी ॥ एसालोसुणदाई ॥ साधुतणी
पदवीथीमहोटी ॥ पापाडिओतेंअथाई ॥ रेभाई० ॥ ३१
॥ राजाचिंतेसंयमलहुअज ॥ मुनिपासेजाई ॥ एटला
मांहेअग्निजन्वली ॥ चेलापुंगीआईरे ॥ रेभाई० ॥ ३२ ॥
रत्नकंबलतंतुनपुरंदर ॥ नशायेंदीघोथो ॥ जोहितणो
मनराजणकारण ॥ जंधचक्कलीधोथोरे ॥ रेभाई० ॥ ३३
॥ ओतंतुनरत्नेहरणोरे ॥ लोहीजरड्योहेजी ॥ सकुन
जेडांतेलईयाली ॥ एआहारविशेषीरे ॥ रेभाई० ॥ ३४ ॥
भारघणेपंजणीअकुलाणी ॥ त्यांचथकीअडवडिओ ॥
दैवयोगेतवदेवीआगे ॥ ओघोतंतुनपडिओरे ॥ रेभाई०
॥ ३५ ॥ देवीभाईमास्यांडेरी ॥ जणीएसहिनाणी ॥ कं-
ताकांईमहोटामुनिवर ॥ पीन्याघालीघाणीरे ॥ रेभाई०
॥ ३६ ॥ शोककरंतीशाशनदेवीयें ॥ पापीपुरथीलीधी ॥
श्रीमुनिसुव्रतपासेंमूकी ॥ स्वामीदीक्षादीधीरे ॥ रेभाई०
॥ ३७ ॥ अग्नीकुमारेंअग्नीविकूर्वी ॥ बाल्यापुरनालोक
॥ दंडकराजपालकपापी ॥ एकृतकर्मनेगोरे ॥ रेभाई० ॥
३८ ॥ दंडकारण्यतेहिनदिनथी ॥ पुरनवीरिविसाणो
॥ भूंडूंकरतांभूंडूं हूवे ॥ कूडेकूडुंजणोरे ॥ रेभाई० ॥ ३९
॥ दंडकराजाभवमांभमियो ॥ दुःखतणोसंयोगी ॥ गं-
धामिघएपंखीहूओ ॥ तोहीमहातनरोगीरे ॥ रेभाई०
॥ ४० ॥ जतीसमरणमुनदर्शनथी ॥ ऊपन्युंएनेज्ञा-
न ॥ स्पर्शौषधीलब्धीयईरे ॥ जणोएसहुसाजरे

॥रेभाई॥४१ ॥रोगगयोनिरोगिओरे॥रत्नमयिरे
शरीरो॥आयउहुओसायलोरे॥धर्मजरेवाधीरोरे॥रे
भाई०॥४२॥ जीवानिवातेइलनवीआओ॥शत्रीभो-
लनत्यागो॥ यासंतापयेजाणउराया॥ न्हणयोनेहवो
रागोरे॥रेभाई०॥४३॥ राघवनेरे लक्ष्मणदीवी॥
रहेजेसेवामांहे॥सामीनेवात्सलपणेरे॥पुण्यघणेरो
मोहेरे॥रेभाई०॥४४॥रामकहेओभाईछेरे॥तुमवन
यतोथीवाइ॥सत्यवतीनीपासेंरहेसे॥यतुरपणेछे
याइरे॥रेभाई०॥४५॥एमकहीनेऋषीपाधुरीआ॥
उपजरीअणगार॥संयमतपकरीशोभतारे॥ज्ञान
तणाभंडाररे॥रेभाई०॥४६॥ देवहीयोरथनेतरीरे
॥जेसेसीतारामो॥लक्ष्मणहोवेसारथीरे॥पंजीआन
गेतामोरे॥रेभाई०॥४७॥ क्रिडाकरतासंयरेरे॥प्रेम
लपुण्यप्रभावो॥रामतिहांहीजयोज्यारे॥मालिओ
ओहकह्योरे॥रेभाई०॥४८॥दासत्रीशमीमेंकह्योरे
॥पंजीमिन्नप्रकारो॥डेशरालऋषीवायकमेरे॥नहींसं
देहसिंगारोरे॥रेभाई०॥४९॥

॥ केदारा गोडीरागें दोहा ॥

लंकपायालाराजयो॥जरनामेंभूपाल॥सूर्यनभा
घरेसुंदरी॥सुंदरइपरसाल॥१॥ सुलवेला सुंजडान
रिया॥नयानंदनदोय॥रंजुकसुंदसोहामणा॥पान
म्याबेवनसोय॥२॥मायजापनेयरजतां॥ दंडग्न-

रण्यमांह ॥ सूर्यहासअसीसाधवा ॥ शंबुकगयोउ-
रुछाहें ॥३॥ कृष्णसुवर्णहारनें ॥ पयनचढेविकराल ॥
आलिनानीसानेअटरो ॥ आयीपहोंतोडाल ॥ अपक्रोध्य-
खातीरेंअछो ॥ गंबुस्वंराविशेष ॥ तिहांरहीसाधनकरे ॥
अडमनेअडलेस ॥ ५ ॥ अअंतमुनिसुध्यातमा ॥ निते-
रीयब्रह्मस्यार ॥ पगजांघीवदसाजेसुं ॥ अधोमुखोसु-
विचार ॥ ६ ॥ वरससजारदिनसातसुं ॥ विद्यासाधनसार
॥ प्रारंभ्योप्रगटपणे ॥ डिस्युंठरेडिरतार ॥ ७ ॥ वरस
बारवोलीगयां ॥ उपरतोदिनच्यार ॥ सिधिडसिध्धीहु
वे ॥ वरतेविद्याजार ॥ ८ ॥ तेनमहासुरनतणो ॥ गंधु-
रमाहेनम ॥ विस्तरयोदिशेघणुं ॥ कुमरहरख्योताम
॥ ९ ॥ क्रिडाअतिहांआवियो ॥ लक्ष्मणमनउल्हा-
स ॥ सूर्यहासआसिदेखियो ॥ नणेसूरप्रकास ॥ १० ॥
जोडोलीधोहाथमें ॥ डांटीसमेंसोहि ॥ अपूर्वशस्त्रअ-
विलोकतां ॥ जन्नीनेसुखहोई ॥ ११ ॥ तासपरीक्षाकार-
णे ॥ आतुरहुओहेस ॥ वंशजालनेवाहियो ॥ शंबुकके-
रोसीस ॥ १२ ॥ उतरिपडिओआगले ॥ चित्तसुचित-
वेराय ॥ निःकारणअमारियो ॥ धिगधिगपछताय
॥ १३ ॥ गंधुरमेंअवेलई ॥ वडलाडेरीजाल ॥ दीठोधड
अविलंबियो ॥ तामयल्योतत्काल ॥ १४ ॥ रामसन्-
मिपेंआवियो ॥ संभलाव्योविरतंत ॥ जोडेमृडयोअ

॥ढाल ओकत्रीशमी ॥
(जहेनी नेहनो नेह सुरंग, ओ देशी)

होल्माईतेंणिपावउठायो ॥ जसओ णांडोसोनरयांडो ॥ के
आयोऊआयो ॥ होल्माई० ॥ १ ॥ रावणलागिनीसुरपनजा
ऊ ॥ विद्यांसिध्धिजणी ॥ पूजपाणीअन्नअनोपम ॥
आणेअतिंजरसाणी ॥ होलाई० ॥ २ ॥ दीठोंचडमस्तकन
जनूदो ॥ अईआईदेवअडामो ॥ डीधोतेंअणसोव्योअ
धिडो ॥ मूर्च्छाणीसातामो ॥ होलाई० ॥ ३ ॥ डरियस-
यैतनहावल्स हावल्स ॥ शंजुडशंजुडसोई ॥ डरतीप-
डतीअतिआरडती ॥ मरोडेडरदोई ॥ होल्माई० ॥ ना
लक्षणवंतीलक्ष्मणडेश ॥ पगनीपंक्तिदेखे ॥ भुजसुत
हंताओरेजणवो ॥ रीसघणीसुविशेषे ॥ होल्माई० ॥ ४ ॥
पगनेंजोलेयालीआवी ॥ सीतालक्ष्मणराभो ॥ निरखी
हरषीपरणेंपद्मनी ॥ रामरूपअभिरामो ॥ होल्माई० ॥
६ ॥ डामजाणसुं वींधीलीधी ॥ नरहीसुध्धलिगारो ॥
भूलीनंदनआलदउपन्यो ॥ डरवानेंभरतारो ॥ होल्मा
७ ॥ कुमरीअमरीनेअनुसरती ॥ धरतीरूपरसालो ॥ रा
मयेंरनेपासेंआवी ॥ उलीसातजालो ॥ होल्माई० ॥
८ ॥ पूछेप्रभुजपद्मनीसेंती ॥ कुणअछोतुमलाषो ॥
अटवीमांओडाडीदीसो ॥ संडजोईमराजो ॥ होल्माई० ॥
९ ॥ सालाषेंकुरानकुमारी ॥ उपरिभूमेंसोवुं ॥ निस्श-
शतनरमूआसरिजो ॥ अधिकअचेतनहोवुं ॥ होल्माई
॥ १० ॥ जेडविद्याधररूपेंमोह्यो ॥ ईहांमुनलेईआयो ॥

अेदलेअपरजेंप्यरयालिआयो ॥ त्याहे मुल छीनायो ॥
होलाईं० ॥ ११ ॥ मुलहेठी मूडीआपण ॥ लडवालाग्या
होई ॥ लडतांलडतांहोई भूआ ॥ कुवशनथीईमहोई ॥
होलाई० ॥ १२ ॥ अेडाडीहुं अजलाजारला ॥ हिड घणुं
ऊिदासी ॥ अजमेंमलु ज्ञनापगपाम्या ॥ आरतिगईसज
नासी ॥ होलाई० ॥ १३ ॥ अजमुलव्याहोजारमलावो ॥ जा-
लपणानोलोगो ॥ भोगवणोसुज हाईपिछे ॥ होहिलाके
संयोगो ॥ होलाई० ॥ १४ ॥ प्रभुकजेप्रपंच्यविच्यारयो ॥ भ-
होटार्नीभतिमहोटी ॥ ऊपटकूडीऊसिऊारीऊामिनी ॥ अे
सजजातोजोटी ॥ होलाई० ॥ १५ ॥ धूताऊ धूतायेधूरत
॥ धूतीनेपडऊाई ॥ किमहियेनचणासयनवताये ॥ मांहो
मांहेलाई ॥ होलाई० ॥ १६ ॥ रामऊहे महारे अेनारी ॥
जीक्छेमचराय ॥ वेंचीनिन्हाऊिन्नगरलेवो ॥ सांसामेंछि-
नन्थ ॥ होलाई० ॥ १७ ॥ पहलोछोडोछरऊहेजावे ॥ ऊ-
रसेचारोविवाहो ॥ नेहनेनहींतेहनेआतुरना ॥ मनमेंअ-
तिऊमाहो ॥ होलाई० ॥ १८ ॥ प्रारथना लक्ष्मणसुंकीधी
॥ लक्ष्मणऊहेभलेरी ॥ मायहमारीप्रभुप्रारथियां ॥ लाल
लीमऊहीसोईरि ॥ होलाई० ॥ १९ ॥ यायनालगयऊी
रीसाणी ॥ रीसाणीसुतमाख्या ॥ आवीजरसुंजरियपु
ऊरी ॥ रीसघणीविस्तारया ॥ होलाई० ॥ २० ॥ येणिह
हन्नरजराहीजेप्यर ॥ संजाह्यानेयारे ॥ आईगयातेवात
ऊरंना ॥ ऊिठेराम ते पारे ॥ होलाई० ॥ २१ ॥ लक्ष्मणला-
गे हयहया ऊरी ॥ जेऊारहोत्तुमआपो ॥ मुलछिम्याअे

नाशदेजो ॥ पुण्यथकीनेमपापो ॥ होलार्इं ॥ २२ ॥ अओ
येगावेरीज्जतो ॥ अेजणोअेत्रासो ॥ सिंहनादनिजभुजथी
डीओ ॥ हुंछुंथारेपासो ॥ होलार्इं ॥ २३ ॥ धनुष्यबाणसे-
ईपगेलागी ॥ लक्ष्मणन्याल्योअमो ॥ जेयरजेतेंजशही
सूरा ॥ मांड्योअतिसंग्रामो ॥ होलार्इं ॥ २४ ॥ गरुडत-
णेजागेंलेमजहिवर ॥ तिमतेजेय्यरभांजे ॥ आरण्यमें
अटलअेकलो ॥ लक्ष्मणवीरजिराजे ॥ होलार्इं ॥ २५ ॥
पुंठेराजवारावणआगे ॥ भगिनीअछेपुकारे ॥ रामसुलक्ष्म
णदंडकअरणे ॥ आयाछेअधिकारे ॥ होलार्इं ॥ २६ ॥ वि-
द्यासाधनकरतोवीरो ॥ मारीलीयोजंकाले ॥ लक्ष्मणसु
जरदूषणजडिआ ॥ जुडिआछेतईआले ॥ होलार्इं
॥ २७ ॥ लघुलाईनाजलसुंजलिओ ॥ जलिओआपे
अपारो ॥ जेपरनारीविरतेअडरतो ॥ नाणेमनहिमलरो ॥
होलार्इं ॥ २८ ॥ सीतासुंसुजमाणेस्वामी ॥ सीतानोज-
तिरूपो ॥ नारीसघलीहिसोधतां ॥ सीतारूपअनूपो ॥
होलार्इं ॥ २९ ॥ तिनलोकनीनारीनेती ॥ तेतोअेईवि-
मासी ॥ अेकअेकथीओपमअतिपण ॥ सीताआगेंदा-
सी ॥ होलार्इं ॥ ३० ॥ पगनजयीसीजायेजाणत ॥ सु
रगुरुपारनपावे ॥ वाणीअेकवजाणवणेरो ॥ मोपेंकेम्यु
कहिआवे ॥ होलार्इं ॥ ३१ ॥ सायरअंतलपृथ्वीमांह
हे ॥ रत्नलिकेछेअनेयां ॥ तेतोअंयवसघलांयारां ॥ स्वा
मिपणाथीसाय्यां ॥ होलार्इं ॥ ३२ ॥ पुण्यकनामेंजेसी
विमाले ॥ जाणोआपदिजासो ॥ वदनविलोकीडेडी ,

मुनने ॥ देसोसहिताभासो ॥ होलाई० ॥३३॥ ढाल
भलीअेअेकतीशमी ॥ रावणमांज्याकनो ॥ केशरालहो-
तारथजलिज्जो ॥ आयोतसजयसानो ॥ होलाई० ॥३४

॥ कल्याणरागेंदोहा ॥

वीतरागउपदेशमें ॥ चारभेदरेंधर्म ॥ दानशीलतप
भावना ॥ साधेवाशिवसर्म ॥ १ ॥ चित्तवित्तअनुसारथी
॥ दयाधनकहाय ॥ तपतोकयासोसवी ॥ भावेंभावना
भाय ॥ २ ॥ शीलपालवोदोहिलो ॥ नाहिसोहिलोसि-
णगार ॥ चंचलचित्तथिरराखवो ॥ पालवोआडाधार ॥ ३
॥ वाघेभरयाडेचला ॥ तरवोउदधिअपार ॥ साचोसान
पणिसाचणो ॥ पालवोशीलाचार ॥ ४ ॥

॥ ढालबत्रीशमी, पदनी देशी ॥

जीवरेनुंशीलतणोकरसंग ॥ अवररंगसबकारमोरे ॥
अेहकशरीरिंग ॥ जीवरे० ॥ १ ॥ आगथकीजलउपनेरे
॥ सांपथकीवरमाल ॥ वाघहिरीहोयहिरणलोरे ॥ अश्व-
पणुंलहेव्याल ॥ जीवरे० ॥ २ ॥ पर्वतहोवेपावहीचोरे ॥
विषथीअमृतहोय ॥ विघ्नयानेओच्छवघणोरे ॥ दुर्ज-
नसज्जनहोय ॥ जीवरे० ॥ ३ ॥ सायरगामतलावडोरे
॥ अटवीनिजघरबार ॥ सुरातिकेभलपणलहेरे ॥ शी-
लतणाउपगार ॥ जी० ॥ ४ ॥ पहोलगेंअपयशतणो
रे ॥ गुणवनेदेवीआग ॥ चारित्रनेनलआनलीरे ॥

तपनपन्नखेलाग ॥ ज्ञ० ॥ ४ ॥ साईसर्वपिदतणीरे
॥ ऊलोऊखोगोत ॥ द्वारदेम्बाळेनईनांरे ॥ रीलविना
ईमहोत ॥ ज्ञ० ॥ ६ ॥ पगलरेनरनेरलारे ॥ परनारीने
हेत ॥ ज्ञासएामारेतेरलारे ॥ साजेजघरमतरेत ॥ ज्ञ०
॥ ७ ॥ नवनरभेलोनवनोरे ॥ होवेनेतीवार ॥ पलकेपलठे
पल्योपमेरे ॥ वसवोनरकभम्मर ॥ ज्ञ० ॥ ८ ॥ कुसमेना
रीनिरजतांरे ॥ ब्रम्हहत्यानोदोष ॥ लागेलंपटनेघणोरे
॥ पोपतणोसंपोष ॥ ज्ञ० ॥ ९ ॥ रानदंडअतिआकरोरे
॥ ओरकरेनुकशान ॥ आणिविणमरणोसहीरे ॥ नावधे
कोईमान ॥ ज्ञ० ॥ १० ॥ आंजणीदीदेनिंदक्षयेरे ॥ क्षण
क्षणजीणोदेह ॥ यंन्दरहेनित्यजारमोरे ॥ नेहनोप-
रघरलेह ॥ ज्ञ० ॥ ११ ॥ लालगयानिरलजपणुंरे ॥ कूऊ-
रकेरोनाम ॥ पगेपगेमाथादंडणारे ॥ शीलविनाजेन्न-
मा ॥ ज्ञ० ॥ १२ ॥ शीलवतीसीतासतीरे ॥ वसुधामांहे
विख्यात ॥ शीलनलोपेसुंदरीरे ॥ निसुणोजेअवदात
॥ ज्ञ० ॥ १३ ॥ जेसीविमानेचालिओरे ॥ राबरावणताम
॥ दंडकअरणेआविओरे ॥ बेठादीठाश्रीराम ॥ ज्ञ०
॥ १४ ॥ आघापावपडेनहीरे ॥ नवीलोपायेकर ॥ वाघ
नआवेआसनोरे ॥ देखीआगलपार ॥ ज्ञ० ॥ १५ ॥
सीतातोलेचीसहीरे ॥ रामछतांनलेवाय ॥ आगेह-
रीपीछेतथीरे ॥ सोच्यघणोतजथाय ॥ ज्ञ० ॥ १६ ॥ वि-
द्यातोजवतोकनीरे ॥ सुमरीतवआवंत ॥ करजेडीवि-
नीरहीरे ॥ प्रभुजीसुजेपावंत ॥ ज्ञ० ॥ १७ ॥ साहेलक-

रोतुमेमाहरेरे ॥पासुंसीताआन ॥ फिरिगयापाम्यावि-
नारे ॥ हुंपासुंअतिसान ॥ ज० ॥१८॥ शिरघुणीविद्या
कहेरे ॥ अतोमुंकुकाम ॥सीताहरतांतुमतणुरे ॥थासे
जगकुनाम ॥ ज० ॥१९॥ सतिओमांहेसिरोमणीरे॥
रामचंन्द्रनीनार ॥शीलथकीचूकेनहीरे॥ मेहोवेकोडमे-
कार ॥ ज०॥२०॥ रावणतोमानेनहीरे ॥ देवीकेरीवाय॥
महारेमनसीतावसीरे ॥ अेहीकरोजीपाय ॥ज०॥२१
॥विद्याकहेरघुजछतांरे ॥कीधांकोडिकलाप ॥ हाथेन
आवअनकीरे ॥सुरपतिआयाआप ॥ज०॥२२॥ ल-
क्ष्मणलडवानेगयोरे ॥रामकियोसंकेत ॥ सिंहनादसुण
सांभल्यारे ॥ आयोहेजेजेत ॥ ज०॥२३॥ सिंहनाद-
नेहुं करूंरे ॥राघवजीहीमथ ॥सीतालेतांसोहलीरे ॥
लाग्योअेहजीपाय ॥ज०॥२४॥ नादसुणीमेलुचिं-
तवेरे ॥ अेछेकोपरपंच ॥ लक्ष्मणतोहारेनहीरे ॥संक-
टनोस्योसंच ॥ ज०॥२५॥ मायनआयोअेहवोरे ॥ज-
तेलक्ष्मणसाथ ॥भरतोछूटेयोभरोरे ॥ अेमकहीरघु-
नाथ ॥ज०॥२६॥ वारंवारचहेजरीरे ॥सीताआणी
सनेह ॥ लक्ष्मणसंकटमेपड्योरे ॥ नादकरेछेअेह ॥
ज०॥२७॥ कंतकहेसुणकामिनीरे ॥ हमनेथारोसोच
॥अटवीमेंतजजेकलीरे ॥आपगयाआलोच ॥ज०॥
२८॥ अजाहिलछेहिरिआवशेरे ॥करीजंघवनीसार॥
आयोघुर्घमसांभलीरे ॥ मुनेअतिसुंभर ॥ज०॥
२९॥ कईकसीताप्रेरणारे ॥ जाईकलिसुणयोनाद ॥

घनुष्यजाएसंजाहिके रे ॥ जिह्योधरीअहंकार ॥जु०
॥३०॥ पार्थेतीरीकुनेघणोरे ॥ प्रोत्योनयसशेस॥
नमिटेछे लवितव्यतारे ॥ देवनेदोषदोस ॥ जु० ॥ ३१॥
पाछेरावणआवियोरे ॥ रोवंतीअसराल ॥ सीताने
लेईयात्योरे ॥ हींडुवेरसाल ॥ जु० ॥ ३२ ॥ तामनरान
युपंजिओरे ॥ नईमलेओधाय ॥ शेषमरीलजऊन
कुसंरे ॥ तासविझूरेआय ॥ जु० ॥ ३३ ॥ वल्योतिोमाने
नहीरे ॥ तामरीसाणोराय ॥ उपीनाजीपांजर्डरे ॥ पड
डिओधरतीआय ॥ जु० ॥ ३४ ॥ निःशंकनमानेजोईने
नोरे ॥ जेठोनयविमान ॥ ओहमनोरथमहारोरे ॥ पूर
स्योश्रीलगवान ॥ जु० ॥ ३५ ॥ हाक्षुसशदसरथजरे
॥ जनकजनककहातात ॥ हालक्ष्मणहाराम जरे ॥ हाभा
मंडलभ्रात ॥ जु० ॥ ३६ ॥ सीतायाएणोलेमयऊडलीरे ॥ वा
यसजलीनेलेम ॥ अेजोईमुलनेग्रहीरे ॥ लेईम्नअेजअे
म ॥ जु० ॥ ३७ ॥ आवीजोईजितावलोरे ॥ सूरोनेसंसार
॥ राक्षसथीरोजीक्षिओरे ॥ करतीनयपुकार ॥ जु०॥
३८ ॥ जईनदीनोम्भईओरे ॥ रत्लनदीजगओउ ॥ रोल
सुणीसीतातणोरे ॥ भनमेंकरियविवेक ॥ जु० ॥ ३९ ॥
भगिनीलामंडलतणीरे ॥ शमरौन्द्रकीनारी ॥ रावणजु
छलकेलवीरे ॥ लेईयात्योअपहार ॥ जु० ॥ ४० ॥ लामंन
डलनापक्षथीरे ॥ रत्लनदीत्लवार ॥ संजाहीसामोहुओ
रे ॥ रावणजतेणीवार ॥ जु० ॥ ४१ ॥ सुरजाणोमनमें
घायुरे ॥ करजिसुंजेरंक ॥ .. घासयलीअपहीरे ॥ ..ी-

धीरायनिसंड ॥ जु० ॥ ४२ ॥ पंजविहुणोपंजिओरे ॥
होयेतिमअेहेम ॥ छोटोमहोटासुंजडयोरे ॥ पाचेदुःज
विशेष ॥ जु० ॥ ४३ ॥ डंजुद्वीपडंजुगिरीरे ॥ गिरतोगि-
रतोतेह ॥ डरतोआविडआोरतांरे ॥ आयोथरतीछेह ॥
जु० ॥ ४४ ॥ आपणपेंआलोच्यमेंरे ॥ सायरणीपरेसोर्ग
॥ डरे घणी समन्नवणीरे ॥ समन्नवानेतोर्ग ॥ जु० ॥
४५ ॥ भूच्यरजेय्यरशलवीरे ॥ सयलनमेहमपाय ॥ हुंछुं
त्रणजेंडनोथणीरे ॥ ईन्द्रआपशुणगाय ॥ जु० ॥ ४६ ॥
डरीयापुंपटरागणीरे ॥ महिमाअधिकवधाय ॥ रोवेमति
रहेरगमेंरे ॥ सुजमें दुःजनसुहाय ॥ जु० ॥ ४७ ॥ डर-
ताडेप्योथोघणुंरे ॥ हेतडिसेजुणसाय ॥ भाग्याहि-
णारामनेरे ॥ दीधीगयलीलगाय ॥ जु० ॥ ४८ ॥ डण
गलेंडंय्यलतणीरे ॥ मालसलीनदेन्नाय ॥ सरिजानेस-
रिजुंमिलेरे ॥ आवेसहुने दाय ॥ जु० ॥ ४९ ॥ मानोमु
जनेपतिपणेरे ॥ होईरहुंतुमदास ॥ मुज मान्यासहु
मानसेरे ॥ आणीतुमारीआस ॥ जु० ॥ ५० ॥ नजर
नडीय्यीसाडेरेरे ॥ दीअेनअपुंठेलवाज ॥ अक्षरदो-
नाथ्यानसुंरे ॥ आणीरहीअतिआज ॥ जु० ॥ ५१ ॥
विंध्योमनमथजाणसुंरे ॥ आसतिअतिमनमांहे ॥
ऊठीनेपगेलागिजोरे ॥ निषयविक्कलमांहे ॥ जु० ॥
५२ ॥ लपटलसंयाणो घणुंरे ॥ तोडांनडेरप्रयाण ॥
अणईछतिनारीनोरे ॥ पाहिलाछेपंथ्येजाण ॥ जु०
॥ ५३ ॥ सीतापगजेंय्यिसिओरे ॥ छिन्योन होंसि-

रतास ॥ परपुरुषने आलज्यारे ॥ थाक्ये शीलविलास
॥ जु० ॥ ५४ ॥ देवलती ध्वनसारिखीरे ॥ पतिव्रता कहि-
वाय ॥ होय अपुरुठवायथीरे ॥ आपिअलगीपुलाय ॥ जु०
॥ ५५ ॥ सीतातस डोपे घणुंरे ॥ रेरे निरखत नरेश ॥ मुन-
ज आण्यायी ताहरीरे ॥ विणठी वात विशेष ॥ जु० ॥ ५६
॥ सारण ॥ छिड्तो घणारे ॥ मंत्रीने सामंत ॥ साहा आ-
वी सादरारे ॥ प्रभुने सिरनामंत ॥ जु० ॥ ५७ ॥ नगरीनी
सोभा करीरे ॥ ओच्छवनो अधिकार ॥ नारि निरुपम नह
विओरे ॥ मुजमुजनयनयकार ॥ जु० ॥ ५८ ॥ लंकाथी
दिशिपूरवेंरे ॥ देवरमण उद्यान ॥ रक्ताशोकतले लहैरे
॥ जेसाडीसा जाण ॥ जु० ॥ ५९ ॥ रामअने लक्ष्मणत-
णोरे ॥ नजलगन लहुं जेम ॥ तअलग मुजने छे सहीरे
॥ लोनन डेरोनेम ॥ जु० ॥ ६० ॥ रखवालीतो त्रीय न-
टरे ॥ आरक्षक परिवार ॥ मूकी मंदिर आवियोरे ॥
लोक घणा छेलार ॥ जु० ॥ ६१ ॥ ढाल भली अत्रीशमी
रे ॥ रावणने चित्त चाव ॥ केशराज ऋषी जु कहेरे ॥ आगे
सावनसाव ॥ जु० ॥ ६२ ॥

इतिश्री ढाल द्वापेष्ट्यां रामरसो
रसायने द्वितीयोऽधिकारः समाप्तः

॥ सोरठी रागे दोहा ॥

.प्रूटेवीपरदायिनी ॥ जविलन केरी माव ॥ मयाकरीने

आपन्नेशुलमतिसुखदाया ॥१॥ रामचलीउतावला
॥ आव्यालछमणपास ॥ रणरंगेरमतोजदो ॥ दीठोसो
उल्हास ॥२॥ रामभणेलक्ष्मणकहे ॥ तुमतोकिओअ-
कल ॥ अटवीमांहेओकली ॥ सीताभूकीआल ॥३॥ राम
कहेतेंतेकिओ ॥ हुंआव्योअवधार ॥ सोकहेमेनवीतेकि-
ओ ॥ ओपरपंचविचार ॥४॥ ईरीअकोउतावला ॥ म-
तिकेविणसेकाम ॥ पाछेथीहुंआविओ ॥ जीतीनेस-
ग्राम ॥५॥ वेगवेगधाटेवही ॥ रामपधारयाअम ॥न
नरनदेखेजानकी ॥ मूर्च्छाणाप्रभुताम ॥६॥

॥ ढाल तेत्रीशमी ॥

(घडी दे लाल तमाकु, ओ देशी)

श्रीरामजु ओवनमेंमेली ॥ सीताशुध्धनपाईहो ॥ घेत
उतढुंढतडोलतवनमें ॥ सानवीहिअेदिखाईहो ॥ श्री
रामे०॥१॥ संज्ञापामीअंतरअमी ॥ आगेआवेधा-
ईहो ॥ पांखविहुणोपखीपडिओ ॥ दीठोउपरेआई
हो ॥ श्रीरामे०॥२॥ पंखीदेखीनेरकोई ॥ नारीली-
याअनईहो ॥ पुठहुआथीपापीपुरुषे ॥ नाख्योछे ओ
घाईहो ॥ श्रीरामे०॥३॥ श्रावकअणीअणीसदाई
॥ प्रभुउपकारकराईहो ॥ श्रीनवकारअपारअनोपम
॥ दीधोतसुसुखदाईहो ॥ श्रीरामे०॥४॥ मंत्रप्रभा-
वेस्वर्गचतुर्थे सुरनीपदवीपाईहो ॥ सगलथीपंखी
उध्धरिओ ॥ संगतथीसुखथाईहो ॥ श्रीरामे०॥५

उंचोहेजेनीचोहेजे ॥ पासनऊेईसंजाईहो ॥ संचर
जणीआशाआणी ॥ तामरहेपस्ताईहो ॥ श्रीरामे०
॥ ६ ॥ लक्ष्मणसाथेजरजेचरसो ॥ मंडेतामलऊईहो ॥
त्रिशिरालघुभाईजरसाजी ॥ आपडरेजधिकाईहो ॥
श्रीरामे० ॥ ७ ॥ रथजेसोनेलक्ष्मणसाथे ॥ जुंजतणी
विधिकाईहो ॥ लक्ष्मणवीरेमारीनाख्यो ॥ पहेलीजेह
वधाईहो ॥ श्रीरामे० ॥ ८ ॥ लंकपायालाडेरोस्वामि ॥
चंद्रोदरसुतसोईहो ॥ नामेंविराधसजलदलसाजे ॥
आवीसहाईहोईहो ॥ श्रीरामे० ॥ ९ ॥ सेवकसोईजा
णेआवे ॥ डाभपडेनहींजाचोहो ॥ लक्ष्मणसाथेविराध
वदेरे ॥ सेवकहुंछुंसाचोरे ॥ श्रीरामे० ॥ १० ॥ आपह-
णीनेलंकालीधी ॥ शीसधणीजेआगेहो ॥ स्वामिका-
चैवैरआपजो ॥ जगमांहेजशजागेहो ॥ श्रीरामे० ॥ ११
॥ तुमआगेजेकीटपतंगा ॥ नृत्यपणुंहुंमागुंहो ॥
चोआदेशविशेषजतावुं ॥ रणजजथायातेरागुंहो ॥
श्रीरामे० ॥ १२ ॥ ईषतहसीलक्ष्मणजोले ॥ स्योरे
सहायबसूराहो ॥ आपजलेजलवंतकहावे ॥ परजल
नित्यअधुराहो ॥ श्रीरामे० ॥ १३ ॥ बेठोजेंघवरामन्न
रेसर ॥ हुंजीतनमत्तिपामुंहो ॥ देसेतुबनेराज्यतु-
मारो ॥ शत्रुंकदूरघालुंहो ॥ श्रीरामे० ॥ १४ ॥ देजीवि-
राधविशेषीजरतो ॥ जोव्योरोसभेअसीहो ॥ शंबुक
हणतांसहायबजेहने ॥ तुंभरिजोबनवासीहो ॥ श्री
रामे० ॥ १५ ॥ लक्ष्मणजापेजरमतलूंडे ॥ लंकनात्रिशि-

राभाईहो ॥ जिणहीपंथेतुंहियलावुं ॥ तोरेसुमित्राभा-
ईहो ॥श्रीराम०॥१६॥ मारिओके मारिओमेंसूरज ॥
कुलतणुसुभदाईहो ॥ करिप्रगट्योप्रौढापक्षपाती ॥
दीनेतासजुलाईहो ॥ श्रीराम० ॥१७॥ एमकहंतोनट
निमनाये ॥ जाणेजनरछाईहो ॥ जाणसुरमेजरशिर
छेद्युं ॥ अवररह्यासुहजाईहो ॥ श्रीराम० ॥१८॥ दूष-
णहलवेईनेदोड्यो ॥ तेपणमारीलीधोहो ॥ आपणकी-
धोआपसमार्यो ॥ अवशशुनशन दीधोहो ॥ श्रीराम०
॥१९॥ लेईसाथेविराधविहितो ॥ उमग्योउमग्योआ-
वेहो ॥ अटलेवासुनेत्रईरडीयुं ॥ तामजसातापावेहो ॥
श्रीराम० ॥२०॥ अलगांथी दीठोजलवेसर ॥ अटवीमां-
हेभमतोहो ॥ नारीवियोगेयोगीनहुवो ॥ आरतिमांहे
रमतोहो ॥श्रीराम ॥२१॥ लेईविषवादविशेषविचारे
॥ एतोमेंधुरवणीहो ॥ अटवीमांजेडीविशेषे ॥
रामगवेषेराणीहो ॥ श्रीराम० ॥२२॥ लक्ष्मणआगे
आवीमिलो ॥ रामनसामोदेजेहो ॥ विरहसालसरि-
जोसाले ॥ नमसुंवातविशेषेहो ॥ श्रीराम० ॥२३॥
पानपानकरीवनमेंशोधी ॥ नारीनथएनआवीहो ॥
वनदेवीतुमछोवनवासिणी ॥ द्योछोड्यूंनलावीहो
॥ श्रीराम० ॥२४॥ तुमभरोसेनारीमूकी ॥ हूतोकाम
सिधायोहो ॥ कामनकीधोनारीगमाई ॥ जगअपजश
जोलायोहो ॥ श्रीराम० ॥२५॥ भाईभरोसेथारेमू-
क्यो ॥ त्रियारजवालीकामेंहो ॥ जायोयोसोएकनकु-
॥

र्ग॥ ओछोदीठोरामेहो ॥श्रीरामे०॥२६॥रान त्यारे-
वानवीदीधो ॥धन्यकेकेयीमाताहो ॥नारीनरसजीशक्यो
नरनिश्चे॥ तोकेमरान्यरंजाताहो ॥श्रीरामे०॥२७॥
एमकहेतोरामनरेसर॥ घरणीपड्योमुरछार्ईहो॥राम
दुःजेपरजुपेजी दुनिआं॥ जीताआगेआईहो ॥श्रीरा-
मे०॥२८॥लक्ष्मणजक्रीसीतलताई॥ जोलेआवी
आगेहो॥ आर्यकरोछोकायंकिशुंहो॥ सहुनेलुंकुंला-
गेहो॥ श्रीरामे०॥२९॥ त्यारेतुमारोजतीआयो॥
जरलोकंदनिकेदीहो॥ वचनसुधारसशुंसिंच्याणो॥
लहेसंज्ञाजानंदीहो॥श्रीरामे०॥३०॥ देजेलक्ष्मण
ऊत्नोआगे॥ ऊठीमल्योसोईहो॥ आपदोर्ईमिली
चियानरजाणी॥ हरजाणीडमाईहो॥श्रीरामे०॥
३१॥ ऊदस्तुसौमित्रीजेमलाषे॥ प्रभुजेआरतिभ
आणोहो॥ नाहत्नेहकरीनेकिणईके॥ सीतालीधीत्न-
णोहो॥श्रीरामे०॥३२॥ तेहनाप्राणसंघातेसीता॥
वेगेपाछीआणुंहो॥ तोतोलक्ष्मणनामहमाइं॥नहीं
तोन्रूठथंपाणुंहो॥ श्रीरामे०॥३३॥ वीरविराधप्जरो
हुवेमलिओ॥ आप्योजोलखीहइहो॥ लंकपायालेप्र-
भुथिरथापो॥वचनपलेनिस्चाइहो॥श्रीरामे०॥
३४॥सीताजजरकेरेवाकारण॥ भटमोकलिआत्ना-
रीहो॥ वीरविराघ घणुंलकइलीओ॥ अवसरेसेवा
प्यारीहो॥श्रीरामे०॥३५॥सुभटसहुपृथ्वीइरि
आया॥ सीताजजरनपामीहो॥ अघोमुखजाओत्ना

प्रभुआगे ॥ जतलावेतवस्वामीहो ॥ श्रीरा० ॥३६॥
देषिनकोईसेवकजननो ॥ उद्यमनोअधिकारीहो ॥ प्रभु
कुदिशायेकरनलसरे ॥ सुदिशाकार्यसमारीहो ॥ श्रीरा
मे० ॥३७॥ वीरविराधप्रभुपगेलागी ॥ अरजकरेअनु-
रागीहो ॥ थापीपायालादेउंछहदिसि ॥ कारलकेला-
गीहो ॥ श्रीरामे० ॥३८॥ वीरविराधसजलदलसाथे
॥ रामसुलक्ष्मणदोईहो ॥ लंकपायालेत्यालीआव्या ॥
जजरलहेसहुकोईहो ॥ श्रीरामे० ॥३९॥ खरनोनंदन
शंबुकनाई ॥ सुंदनरेसरआपहो ॥ सामोआवीजेत
लकवे ॥ हाथग्रहीशरचापहो ॥ श्रीरामे० ॥४०॥ वीर
विराधविशेषेलकये ॥ वाकुवैरनवालेहो ॥ कांहयहाथी
काहयपायक ॥ लोकवचनसभालेहो ॥ श्रीरामे० ॥४१
॥ रामसुलक्ष्मणहेजीरणमुजे ॥ सूर्पनिजासुतलेई
हो ॥ रावणपासेपधारीपापणी ॥ घरनोत्योकरेईहो
॥ श्रीरामे० ॥४२॥ षिरविराधतिहांथिरथाप्यो ॥ अ-
रतिसधनीलदेहो ॥ महोटानीमतिमहोटीहोवे ॥ महो-
टाजोल्युंपालेहो ॥ श्रीरामे० ॥४३॥ रामसुलक्ष्मणअ-
रनेमहेले ॥ वसिआप्आपविराजेहो ॥ युवराजपदवीर
विराधन ॥ सुदघरेसुजसालेहो ॥ श्रीरामे० ॥४४॥
ढालनलीअतीनतीसमी ॥ वीरविराधवधायोहो ॥
केरराजक्षपीराजकहेरे ॥ राजगयोजहुकायोहो ॥ श्री
रामे० ॥४५॥

॥ नटरागे दोहा ॥

प्रेतारणीविद्यामहा ॥ हेमवंतगिरिमांय ॥ साहसगति
साधीसही ॥ तजहीआयोधाय ॥ १ ॥ तारानोआमिलाष
थिओ ॥ आतुरथयोअपार ॥ इम्पधरेसुग्रीवनुं ॥ नकरे
कांईविच्यार ॥ २ ॥ पुरीकिष्किंधाआविओ ॥ कीसरजो
विलास ॥ गतिमतिवाणिविच्यारवे ॥ जीमरवीआकाश
॥ ३ ॥ क्रिडाकरवाकारणे ॥ वनमांगयोसुग्रीव ॥ अेवरमां
यलिआविओ ॥ अवसरलहीअतीव ॥ ४ ॥ तामधणी
घरेआविओ ॥ रोकाणोदरबार ॥ घरमेंछेसुग्रीवको ॥
वातपडीसुविच्यार ॥ ५ ॥ दोसुग्रीवविच्यारवे ॥ वालीत-
णोतोपुत्र ॥ कडीघरेवालानडे ॥ राषेवांघरसुत्र ॥ ६ ॥
येन्द्ररश्मिरलिआमणो ॥ युवराजनयवंत ॥ वालीवीर-
नोमर्छयो ॥ जलमेजलनहींअंत ॥ ७ ॥ आवीनेआ-
डो रह्यो ॥ कोईनजाणेमांय ॥ जेव्हीजाहिरकाढिओ
॥ जालिआथीइमथाय ॥ ८ ॥

॥ ढाल ओत्रीसमी मुरलीनी देशी ॥

ताराप्रत्यक्षमोहनी ॥ ताराअधिकरसाल ॥ तारासु-
ग्रीवसोहनीहो ॥ ताराअतिसुविशालतारा ॥ तारा
रूपअनूपतारा ॥ तारायेमोह्योतनूपतारा ॥ तारामोहन
वेलीतारा ॥ ताराकोमलकेली ॥ तारा० ॥ १ ॥ येणिद
अक्षोहणीनोधणी ॥ राजनश्रीसुग्रीव ॥ पारनहींप्रे-
मुतातणोहो ॥ साहिबआपसदीव ॥ तारा० ॥ २ ॥

एकअंगेमारिया ॥साच्या जूठा होई ॥ ज्ञानविनानिश्चे
नहींहो ॥ लोकांथीशुंहोई ॥ तारा० ॥ ३ ॥ साच्योमिलसे
साच्यने ॥ जूठोजूठेजोई ॥ जूठतणीलकडीजलेहो ॥ ते
सुसतावेकोई ॥ तारा० ॥ ४ ॥ हंसअनेजगउजला ॥ लो-
कएककरीस ॥ खीरनीरनेपारखेहो ॥ जगजगहंस
हिहंस ॥ तारा० ॥ ५ ॥ काच्यअनेमणीसारखी ॥ लोक
एकहिवाच्य ॥ पणपारखियांआगलेहो ॥ मणीमणी
काच्यहिकाच्य ॥ तारा० ॥ ६ ॥ कागअनेतोकोकिला ॥ वर्ण
एकसुहाग ॥ मासवसंतविशालियांहो ॥ पीकपीक
कागहिकाग ॥ तारा० ॥ ७ ॥ मंत्रीनेपांच्यामली ॥ निवे-
ड्योअन्याय ॥ सातसातअक्षोहणीहो ॥ दोईपक्षेथय
य ॥ तारा० ॥ ८ ॥ दोईलडेआपआपमें ॥ साच्येदेवस-
हाय ॥ जूठोनासीजयसेहो ॥ सहुनेआवीदाय ॥ तारा०
॥ ९ ॥ जेतसुहाग्योमोकलो(?) ॥ छीलादोईआय ॥ लोक
लड्याआपआपणाहो ॥ कगडोतोनमिटाय ॥ तारा०
॥ १० ॥ लोककन्याहिनारिनेहो ॥ न्याहजे दोभाई ॥ को-
ईमरोकेजीवजोहो ॥ लोकांलागेकांई ॥ तारा० ॥ ११ ॥
तबदोईसुग्रीवजी ॥ लडियाशस्त्रउपाडी ॥ जांतीन
शंखीजेदमेंहो ॥ तोहीनभेदीराडी ॥ तारा० ॥ १२ ॥ दो-
ईतोसमतोलजी ॥ दोईविद्यावंत ॥ दोईतोजेचरंज-
रा ॥ दोईतोमयमंत ॥ तारा० ॥ १३ ॥ हाथीसुंहाथीजुडे
॥ सिंहसाथेसिंह ॥ सापेसापमिटेनहींहो ॥ सूरेसूर
अजीह ॥ तारा० ॥ १४ ॥ सुग्रीवेसंभारियो ॥ हनुमं-

तआयोवाली ॥ न्हूठोसुग्रीवकुदीयोहो ॥ नशडेअग-
डोटाली ॥ तारा० ॥ १५ ॥ सुग्रीवचित्तसुंचिंतवे ॥ सायो
अेतोसोच्य ॥ डेहनेत्थवे डेहने लने हो ॥ लोडांअेवा-
लोच्य ॥ तारा० ॥ १६ ॥ वालीहुतोजलवंतछ ॥ नगल-
रासायोलेर ॥ सोतोहुओसंयमीहो ॥ लडअेरहि-
योलोरा ॥ तारा० ॥ १७ ॥ चंन्द्ररश्मिजालिओघणुं ॥ मस्
घमेंमशहल ॥ जजरनलालेअेरसीहो ॥ कुणानिल कु-
णछेअन्य ॥ तारा० ॥ १८ ॥ दशाउंघरछे दीपतो ॥ संपट
मांहेगणाय ॥ वातसुणथाहणी दोयनेहो ॥ तारालिओज-
लाय ॥ तारा० ॥ १९ ॥ अेताहससंकटपडे ॥ जामसमार-
णहार ॥ जरथोसोरामेहण्योहो ॥ उरतोपरणिपडार ॥
तारा० ॥ २० ॥ सरणग्रहुंश्रीरामनुं ॥ लक्ष्मणसुं अ-
भिराम ॥ निमविराधनियालिआहो ॥ सारसेहमडा-
म ॥ तारा० ॥ २१ ॥ लंकपाथालाछेसही ॥ आनलगेओ
ईस ॥ जोलाव्यावेसहीहो ॥ डारनविन्वावीस ॥ ता-
रा० ॥ २२ ॥ दूतनछानोमोकल्यो ॥ वीरविराधहिपास
॥ वातनणावीचित्तरीहो ॥ पायोसोउल्हास ॥ तारा०
॥ २३ ॥ वेगाआवोवेगसुं ॥ जावीडरोअरदास ॥ काम
तुमारोसारसेहो ॥ दसेअरिनेत्रास ॥ तारा० ॥ २४ ॥ सं-
तोषाणोस्वामीजि ॥ निसुणीवचनअमोल ॥ जलते
छांटोअमितणोहो ॥ आशतिमांहेसुज्ञोल ॥ तारा० ॥
२५ ॥ साहणवाहणसामटे ॥ चालीगयोसुग्रीव ॥
आगेघरेविराधनेहो ॥ आरतीवंतअतीव ॥ तारा० ॥ २६

॥ पेरणकुमनजेप्रभुनानमी ॥ लापीमननीवात ॥ परदुःख
उपाएनोसहीहो ॥ बिरुदजछेविख्यात ॥ तारा० ॥ २७ ॥
हमतुमनेछेसारिखा ॥ जजलदुःखअपार ॥ हमारां
तुमेलांनसोहो ॥ थारांश्रीकिरतार ॥ तारा० ॥ २८ ॥ अ
रसुणतांवातज्ञ ॥ गहवरिओराजन ॥ परदुःखथीदु ख
आपणोहो ॥ सालेसालसमान ॥ तारा० ॥ २९ ॥ दुःख
कियामेंसंवरी ॥ सुग्रीवहिसंतोष ॥ दीधांदेवदयाकरीहो
॥ डीघोसुजनेपोष ॥ तारा० ॥ ३० ॥ वीरविराधकहेसही
॥ आपानेअडान ॥ करयोछेगिनावलोहो ॥ नजीयापान
वोलान ॥ तारा० ॥ ३१ ॥ कपीपतिलापेडामज्ञ ॥ आपा
करवुंएह ॥ सुरतोहोयसोथसुंहो ॥ लईधरतीनेछेह ॥ ता
रा० ॥ ३२ ॥ द्वीपअनेपरद्वीपनी ॥ सुधीअणावुंआप ॥
तोतोसाच्योमणमेहो ॥ सूररन्नछेजाप ॥ तारा० ॥ ३३
॥ प्रभुज्ञयालिआविआ ॥ पुरीकिष्किंधाहेज ॥ मणे
अलउअलिनवीहो ॥ पायोसुखसुविशेष ॥ तारा० ॥
३४ ॥ बीजेजोलावीरलियो ॥ गिलोआवींजेत ॥ होई
लडयानवीमणियाहो ॥ साचझूठहिहेत ॥ तारा० ॥ ३५
॥ चक्रवर्तननामथी ॥ घनुष्यचहडाव्योदेव ॥ विद्यागर्भ
टजारथीहो ॥ प्रगटथयोततजेव ॥ तारा० ॥ ३६ ॥ लंपट
परनारीतणा ॥ चीठामाहेचीठ ॥ जगसघलोअविलो
कतांहो ॥ तुमसमअवरनदीठ ॥ तारा० ॥ ३७ ॥ अेक
जाणसुंमारिओ ॥ साहसगतिसयतान ॥ जेकचपेटे
सिंहनेहो ॥ हरिणसहेअवसान ॥ तारा० ॥ ३८ ॥ वीर

विराधतणीपरे ॥ थिरथाप्योकपीनाथ ॥ साथेक- रीसहुहेजतांहो ॥ आणीमेल्योसाथ ॥ ताश० ॥ ३९ ॥ त्र्योदशकन्यालसी ॥ रामभेतेआपंत ॥ प्रीतिरीतिक- कीकरीहो ॥ कपीपतितोथ्यापंत ॥ ताश० ॥ ४० ॥ रामक- हेकपीरानिथा ॥ तुंवान्यासंभार ॥ परणेवानेपाछलीहो ॥ पहेलीसीतावार ॥ ताश० ॥ ४१ ॥ ढालभलीयेओगणत्रीशमी ॥ कपीपतिकामसमाशी ॥ केशराजऋषीजी कहेहो ॥ अज सोधीजेनारी ॥ ताश० ॥ ४२ ॥

॥ गुजरीरागेदोहा ॥

रावणनेघरेरोवणो ॥ आनपड्योअवधारी ॥ खरनी सुणिसुणावणी ॥ आवीमलिबहुनारी ॥ १ ॥ दिवस जेप्यारनेआंतरे ॥ सूर्प्पनखानेसुंद ॥ लंकानगरिआवि- था ॥ वरसेआंसुबुंद ॥ २ ॥ सूर्प्पनखासुहामणी ॥ क- रतीआधिकविलाप ॥ रावणनेगलेलागिने ॥ दीनवदेअ- तिआप ॥ ३ ॥ कंतहण्योकुंअरहण्यो ॥ हणियाखरदो- य ॥ जेयरण्यविहखरनो ॥ हंताएकशुंजेय ॥ ४ ॥ लंकपातालेआविया ॥ हणियाअवरअगाध ॥ संकने- महमकादिआ ॥ वास्योवीरविराध ॥ ५ ॥ बांधवतु- मजयठायका ॥ वसेजेअन्याय ॥ धरतीदिनहेयां- रमें ॥ खतीहिडेजाय ॥ ६ ॥ एकसुवरपोसामलो ॥ जीजेपीलेवान ॥ वनवासीछेभीलडा ॥ पणनहींक- हनेमान ॥ ७ ॥ चसवाभाणेजखमणी ॥ वासअनेरो

हेरि ॥ सगोसगेआवेवहि ॥ ओईदिनडेईरी ॥ ८ ॥
एसघलीश्रवणेसुणी ॥ बोलेवीरविवेक ॥ घंटीनाके-
शघणा ॥ घंटानोतोएक ॥ ९ ॥ पेंआलीऊंडीतणो ॥
सुवामेंदिनअंत ॥ मारीउरसुंपाधरा ॥ अवरंथलायो
वात ॥ १० ॥ वातनहींवतअनहीं ॥ रागनहींनहींरंग ॥
रानअन्नलावेनही ॥ होईरह्योविरंग ॥ ११ ॥ निंदनहीं
लीलानहीं ॥ डूलनहींतंबोल ॥ भोजनपाणीपणनहीं
॥ सुणयानलावेबोल ॥ १२ ॥ हांसीनहींरामतनहीं ॥ नहीं
लोगनहींयोग ॥ माणसमुआसारिखो ॥ होईरह्योत-
ससोग ॥ १३ ॥ जातांहुओजाटले ॥ पड्योरहेनरनाथ
थ ॥ गुंगमुंगजोलेनहीं ॥ आरतिकरेसहुसाथ ॥ १४ ॥

॥ ढालपांत्रीशमी ॥

(मेरे मन एसी आण बनी, ए देशीने)

थाराचित्तमेंओईचसी ॥ मंदोदरीमादोपतिदेजी ॥ पू-
छेवातहसी ॥ था० ॥ १ ॥ पंजवाडेअंधारेआये ॥ घट-
तोभयससी ॥ तेनहेनभतापप्रक्षीणो ॥ शोभालाज
जसी ॥ था० ॥ २ ॥ सुंसअछेतुमभुजगलाना ॥ नउ-
होनेसीहीतेसी ॥ आरतीआतिउदासपणाथी ॥ मत
तुंभयचसी ॥ ३ ॥ रावणलाधेंसुणमंदोदरी ॥ चित्तमें
आणीखुंभी ॥ सीतासुरतिलालमलीए ॥ हीयामांहें
झुल्भी ॥ था० ॥ ४ ॥ घूसुं छुदिनरातघणेरो ॥ नराकुं
समझ करी ॥ नेतुंमुजनेचाहेदेवी ॥ मेलोप्रीतिजरी

॥थाः॥५॥मीयनीपीडथेपीडाणी ॥ तजहींणिडीय-
सी॥देवरमणणियानेदेयी ॥आवीजेडससी ॥थाः॥
६॥हुंमंदोदरी छुंरेसुलोदरी ॥महोटेनामेयडी ॥रावण
राणीमांहेवजाणी ॥वनितामांहेवडी॥थाः॥७॥लो-
दीस्युंलरमाणीछेतुं॥रावणसाथेरमी ॥माणसलव-
नोलाहोलीने ॥हुंछुंदासीसमी ॥थाः॥८॥सीतातुंधन
तुंधनथारे॥मायेअधिडरती ॥रान्नरावणनेचित्तआ-
वे॥मेलीअवरछती ॥थाः॥थाः॥९॥भूंयरशमतप-
स्वीतेतो ॥सेवडमात्रसही ॥ओपतितजेपतिलेपा-
मे॥ उर्मवतीरेडही॥थाः॥१०॥मनजेंथीनेमौनडरीथ
॥नीयेंीसहीन्नहीं ॥ तुंतोसतियांमांहेसयाणी ॥अेती-
हीनलही॥थाः॥११॥डिहांलघूडडिहांसिहसनूरो॥
गरूडडिहांरेअही॥ डिहांभुलपतिडिहांतुलपतिलंपट
॥लालतहींरेनहीं॥थाः॥१२॥तुंनारिंधनधनतुल
ठाकुर॥सरजीन्नेडमली॥पतिलंपटघरन्नीपटराणी
॥दूतीमांहेलली ॥थाः॥१३॥ थाउंमहोडुंनविदेज-
वुं॥ तुलसुंवातडिसी॥अलगीलओज्योआगेथी
॥मयलीलेमसी ॥थाः॥१४॥अेटलेरावणयालीं
आव्यो॥ सीताधमणेधमी॥सीतलवयनासुंसमजा-
वे॥आपेडिपेशमी ॥थाः॥१५॥मंदोदरीराणीतुलआ
गे॥डिंडरमांहे धणी॥ हुंतुमदाससरीजोडेलो ॥लाजुं
अवरलणी॥थाः॥१६॥नलरनिहालोउत्तरवालो॥
...लोघातघणी॥ पालोधोडया होंसनही पुगे ॥जोल-

वसरलणी ॥ था० ॥१७॥ होईजपुठीसीताजोले ॥
सांभललंकधणी ॥ कालदृष्टीसुं हुं देखुंछुं ॥ जघरया-
लिजणी ॥ था० ॥१८॥ धिगधिगतुनजेआसामाथै
॥ थारीजेनजणी ॥ जवतरामसुलक्ष्मणहुंछुं ॥ जहीमा
थेरेमणी ॥ था० ॥१९॥ वारंवारवयेनआक्रोसें ॥ नत्यने
रायरली ॥ हांकलियोरे हरायोहोवे ॥ स्थाननजमयटली ॥
था० ॥२०॥ सीतानीजारतितनअधिकी ॥ नराज्योसूर्य
जमी ॥ जायभिओजलगोहोवाने ॥ व्यापीजाणतमी ॥
था० ॥२१॥ रावणनेउपक्रजेअधिकी ॥ कुमतितणीरेमन-
ति ॥ उपसर्गकरावेअधिक ॥ सीघचेरेसती ॥ था० ॥२२
केतकरकरताअतिरेद्र ॥ घूघूघूकरे ॥ वृकविचित्रपरें
रूंदता ॥ निसतनरेरेडरे ॥ था० ॥२३॥ पूछाछोटसुंव्या-
घ्रविशेषें ॥ ओतोअन्योन्यलडे ॥ रूंरूंताशृणीकरता
परगर ॥ मांहोमांहे जडे ॥ था० ॥२४॥ भूतपिसाचवै-
तालवहिता ॥ हठसुंहास्यहसे ॥ डाकणीसाकणीभय-
लीहेवी ॥ कतीहाथघसे ॥ था० ॥२५॥ उलळंतादूर
लालितअति ॥ नमलिमकायथरे ॥ रावणजेहविदूर्व-
णकरीने ॥ आगेंआणीसरे ॥ था० ॥२६॥ परमेष्ठीपं-
चेमनध्याती ॥ सीताजेतजरे ॥ डेलिनडेपीथुकरतीरा-
वण ॥ सामोपगनभरे ॥ था० ॥२७॥ रावणनोपच्य-
जाणनलांगे ॥ सीतासत्यनचले ॥ पाकानेनहींतूतप-
रालव ॥ कायानेरेछले ॥ था० ॥२८॥ ढालभलीजे
पांचत्रीशमी ॥ धननेटेकग्रहे ॥ केशरालग्रहीतोसाची

॥ सीनाजुंनिरखहे ॥ या॰ ॥ २७ ॥

॥ मालवीगोडीरागे दोहा ॥

खिलिषणनिसिनिचरी ॥ निसुणीलोकांमांहे ॥ सीता पासेंआविओ ॥ करणदिलासोमांहे ॥ १ ॥ सहोदरसमन बवचा ॥ चातसुणावेवीर ॥ छेपरनारीपरांमुख ॥ सा हसवंतसधीर ॥ २ ॥ आईबहु तुमजोणछो ॥ किहांथीआ व्यायाली ॥ ईहांतुमआ ण्याकुणे ॥ लाजोसंकटाली ॥ ३ ॥ घुंघटजेंथीअधोमुखी ॥ बणीपुरुषप्रवीण ॥ सत्य वतीसाचीसती ॥ वाणीवदेअदीन ॥ ४ ॥

॥ ढाल छत्रीशमी ॥

(एकदिवस रुकमणी हरिसाथे, ए देशी.)

सीताताभनिसंकपणेरे ॥ लाजेवाडवाणीरे ॥ खिलिन पराकुलकेरोभूषण ॥ निसुणेअमृतबणीरे ॥ सी॰ ॥ १ ॥ जनकपितामाभंडलभाई ॥ रामत्रियाहुंवखाणीरे ॥ दसरथनी कुलवहुअपराजिती ॥ सतिओमेंअधिकाणी रे ॥ सी॰ ॥ २ ॥ रामनरेसरलक्ष्मणदेवर ॥ त्रीजीतोहुंरा णीरे ॥ दंडकअरण्यमांहेआवी ॥ वासतणीस्थितिठा णीरे ॥ सी॰ ॥ ३ ॥ सूर्यहासअसीतडडाले ॥ देख्योज घिडेपाणीरे ॥ लक्ष्मणजीलायेलीधो ॥ ज्योतीध णीप्रगटाणीरे ॥ सी॰ ॥ ४ ॥ करणपरीक्षावेगेवाही ॥ वंसजालकपाणीरे ॥ शंबुकनोतजसिरछेदाणो ॥ मन

मांअतिपरस्ताणीरे ॥सी०॥ ५ ॥ जाडोदेजीराघवलभ
षें॥तेनडरीभतीसाणीरे ॥विद्यासाधनविणअपराधे ॥
मारयोतेंअेप्राणीरे ॥सी०॥ ६ ॥पाछेपूजलोननपाणी
॥आणीनेत्यमडाणीरे ॥घडभस्तडदोभूदांदीडां ॥मातस
जअकुलाणीरे ॥सी०॥ ७ ॥पगअनुसारेंयालीआवी
॥राघवसुंरीगडाणीरे ॥लंपटलीलालयेनवीपूगी॥ताभ
घणुंजीभणीरे ॥सी०॥८ ॥जरदूषणत्रिशिर लेईआ-
वी॥आगधीथीसींयाणीरे ॥सिंहनादसंडेतडिआथी॥
लक्ष्मणसुंमंगणीरे ॥सी०॥९॥ लंडनछलडपतिजा-
ण्यो ॥ यातडहीअतिताणीरे ॥ सिंहनादनोभेदलगावी
॥ अेहुईहांआणीरे ॥सी०॥१०॥ अेदशभस्तडडपवाने
॥हुडतीरेडहाणीरे ॥ लंडानगरीजासेवाने ॥हुजलज-
लतीछाणीरे ॥सी०॥ ११ ॥ तेनभतापपराक्रमपीलणा
हुंघरेमांडीघाणीरे ॥ पगेआवीघुंरावणडेरे ॥अेडंते
हुजजाणीरे ॥सी०॥१२॥ श्रवणेसुणेपणरीसनआ
णे॥रागीनीसहिनाणीरे ॥ आगेसतेजछे अतिअंयडी
॥नलआगेणिह्लाणीरे ॥सी०॥१३॥ अेमसुणीलघु
अंधवनेपे ॥ लाईमतिलरमाणीरे ॥ अेडोजलतीगा-
डरघरमें ॥घालेकुणअज्ञानीरे ॥सी०॥१४॥ परनारी
छेडासीनागिणी ॥ डेविषवेलीसमाणीरे ॥ भजवतांहि
नजतजभेवे ॥ डिहाहीनहींनाणीरे ॥सी०॥१५॥सं-
पदतज्नीजेहुहाडी ॥आपदनीनीसाणीरे ॥सराप
सतीनोछेहुजदाई ॥भतिहियेअेरीसाणीरे ॥ सी०॥

धा॥ लाजिकहुं केडोडी कहुंतुम ॥ आतितोवस्तु विराणीरे
॥ आनकलदिनयोरा मांहे ॥ अनेयालदिखाणीरे ॥सी०
॥१७॥ हुंमहारोओलंलोयलुं ॥ रांजोडीर्त्तिपुराणीरे ॥
लोककहेसेजोईनहुतो ॥ रावणआगेयाणीरे ॥सी०॥१८॥
रामसुलक्ष्मणदोईजलिया ॥ अनम्यानेहिनमाणीरे ॥
सीतानेहुंदेईआवुं ॥ निमरहेप्रीतथपाणीरे ॥ सी०॥१९
॥ ढालत्लीजेछत्रीशमी ॥ रायेअेकनमानीरे ॥ केशराज
ऋषीरावणकेरी ॥ वेलाआवीजणाणीरे ॥ सी०॥२०॥

॥ धन्यासिरिरागे दोहा ॥

रावणहोईरातडो ॥ वेदबिलीषणवीर ॥ ग्रहीवस्तुछि
भमेलिजे ॥ नजलगरहेशरीर ॥१॥ रामसुलक्ष्मणली
लडा ॥ वनहींमांहेवास ॥ साहणवाहण को नहीं ॥ आप-
हि फिरेछिघस ॥२॥ साहणवाहणमाहरे ॥ विद्यानो
अतिक्लेश ॥ अेशुं करसेजापडा ॥ कोईमयावेसोर ॥
३॥ आबनहींतो डालहिं ॥ डालनहींतोभास ॥ मास
नहीतोजश्रमें ॥ जापहिं करसेआस ॥४॥ अेटला
मांहेजासना ॥ ओआवेसेयाली ॥ छलबलकोई के-
लवी ॥ देसुंपरहटाली ॥५॥

॥ ढालसाडत्रीशमी ॥

(सयाणा परहरिये अहंकार, अे देशी.)

पेहेलीथीमेसांलजीरे ॥ रामत्रीयाथीघात ॥ होसेराव-

णनीसहीरे ॥ओर्इभलीछेवात ॥ जिलिषणवातवि-
चारेओह ॥ सत्यवचनज्ञानीतणांरे ॥ ओर्इनहीसंदेह
॥ जिलिषणवातविचारेओह ॥ १ ॥ जेआकणी ॥ मे
तोकीधोथोघणोरे ॥आछोहीणपकर्म ॥ दशरथकुव
तोउगरयोरे ॥ धीरोछेनगधर्म ॥ जि० ॥ २ ॥ भावी-
नोजालछेघणोरे ॥ नटलेकोडिप्रकार ॥ सीतानेत्यल-
तांथकांरे ॥ पणसेलोकप्यार ॥ जि० ॥ ३ ॥ सुणतोहीरे
सुणेनहीरे ॥ जिलिषणनीवाच ॥ देषंतोदेषेनहीरे
॥ कामीजेतोसाच ॥ जि० ॥ ४ ॥ पुष्पकनामविमान-
मेंरे ॥ सीतालेर्इआप ॥ क्रीडाकरवाल्यालिओरे ॥ टाल्यो
नटलेपाप ॥ जि० ॥ ५ ॥ देषावेअतिरूअडारे ॥ रत्नम-
यीगिरिशाल ॥ नंदनवननीउपमारे ॥ देषावेवनसाल
॥ जि० ॥ ६ ॥ तटनीतटकरीसोहतीरे ॥ हंसाकेरांच्याल
॥ केलिहराकाभितणारे ॥ देषावेसुविशाल ॥ जि० ॥ ७
॥ मंदिरविविधप्रकारनांरे ॥ सेनतणीवरसोभ ॥ ल-
लन्देपगुलनभेरे ॥ आणीविषयसुजलोभ ॥ जि० ॥ ८
॥ लंपटलालच लागिओरे ॥ केलवणीनीकोडि ॥ करी
देषावेअतिघणीरे ॥ जेतजरेनहिंघोडि ॥ जि० ॥ ९ ॥
हंसत्यजुनेहसलीरे ॥ कदहिनचछेकाग ॥ रामतजु
सीतातणोरे ॥ नहींअवरांसुलाग ॥ जि० ॥ १० ॥ ताम
अपूठोआविओरे ॥ वृक्षअशोकहेठ ॥ मुकीरावणमा-
ननीरे ॥ अेपणकाढीवेठ ॥ जि० ॥ ११ ॥ जिलिषणचिं
त्यचितवेरे ॥ होर्इरह्योमयमंत ॥ रीजिनकोर्इसरदहेरे ॥

।

आव्योदिसेअंत ॥ जि० ॥ १२ ॥ मंत्रीसरजोलाविआरे
॥ जिलिपणेतेचार ॥ करेमसलतसहुमलीरे ॥ उपन्यो
अविचार ॥ जि० ॥ १३ ॥ मोहतणेमदमातीआरे ॥
कोईनमानेकार ॥ हुओहराओहाथीओरे ॥ केमकरीने
सार ॥ जि० ॥ १४ ॥ आव्योदीसेआशनोरे ॥ रावणकाल
विनाश ॥ कोईउपक्रमकरीरे ॥ कीनेलीलविलास ॥
जि० ॥ १५ ॥ मतिउपावेमनथकीरे ॥ तेमाटेमंत्रीस ॥ ओ-
रन्यालेमाहरोरे ॥ कलनमांकेईस ॥ जि० ॥ १६ ॥ मिथ्या
मतिनोमोहियोरे ॥ जिनमतनोउपदेश ॥ मानेनहींप्रभु
आपणुंरे ॥ कीनेकांईकलेश ॥ जि० ॥ १७ ॥ हनुमंतनेक-
पीरानियारे ॥ आदिमत्यानुपजाय ॥ धर्मपजेपजियाथ-
यारे ॥ मेल्योरावणराय ॥ जि० ॥ १८ ॥ रामअनेलक्ष्मण
थडीरे ॥ रावणनोसंहार ॥ ज्ञानीवचनछेसहीरे ॥ थ्यूकन
पडेलिगार ॥ जि० ॥ १९ ॥ जितोपहेलोसोथियेरे ॥ तो
कांईसुजयाय ॥ मंदिरलागेजारथीरे ॥ कादयोकांईन
जाय ॥ जि० ॥ २० ॥ भयतोउपनयोसहीरे ॥ सांसोन-
हींयलिगार ॥ जेहनीआणीकामनीरे ॥ तेतोआवणहार
॥ जि० ॥ २१ ॥ जेहनुतरियोप्राहुणोरे ॥ तेतोजेयेवार ॥
जोरुंनाणुंआपसुंरे ॥ कीयाकांईउच्चार ॥ जि० ॥ २२
॥ लंकानगरीअतिसजीरे ॥ दीलनकीधीरंच ॥ अन्न-
पाननेईंधणारे ॥ मेल्योबहुलोसंच ॥ जि० ॥ २३ ॥ को-
टओटनाकांगुरारे ॥ पोल अनेपागार ॥ सघलाहिस
નરાવિઆર ॥ ગોલાયંત્રઅપાર ॥ જિ૦ ॥ ૨૪ ॥ રાઘવ

विरहवियोगियोरे ॥ आरतिवंतउदास ॥ अन्नपान
भावेनहीरे ॥ लेलांबानिसास ॥ जि० ॥ २५ ॥ लक्ष्मण
साथेजोलियोरे ॥ दीलपडेछेएह ॥ आशादिनदशवीस
सनीरे ॥ पछेत्यजशेदेह ॥ जि० ॥ २६ ॥ दुखियोअ-
धिकउतावलोरे ॥ सुखियोसुसतीहोई ॥ तृषियोभ-
यससेवरेंरे ॥ सामोनावेसोई ॥ जि० ॥ २७ ॥ दीलोवा-
नरराजिओरे ॥ सुखमांहेदिनरात ॥ परदुःखेंदुखियो
नहीरे ॥ वातवडीनवीथात ॥ जि० ॥ २८ ॥ एहसुणीने
उठियोरे ॥ हाथग्रहीशरचाप ॥ धमधमतोअतियो-
लिओरे ॥ होडकसंतोआप ॥ जि० ॥ २९ ॥ कंपावेधर-
तीधणीरे ॥ कंपावेगिरिसीस ॥ वृक्षउखेडीनाखतो
रे ॥ ऊच्योविश्वावीस ॥ जि० ॥ ३० ॥ आव्योत्यांकिह-
रजाएमेंरे ॥ जसभालिओसुग्रीव ॥ धुजंतोपगेलागि-
ओरे ॥ सारेसेवअतीव ॥ जि० ॥ ३१ ॥ ओलंभोदियो
आकरोरे ॥ शुद्धनहींतुजमांहि ॥ तुंघरमेंसुखभोगवे
रे ॥ भलुनकसेवेमांहि ॥ जि० ॥ ३२ ॥ वासरभवेंवरस-
सोरे ॥ छगुणीरात्रगणाय ॥ तुजनेचिंतकचिंतियोरे ॥
तोहीनसमनेकांय ॥ जि० ॥ ३३ ॥ गूंजडदूटेवेंधनेरे ॥
संभारेनाविकोय ॥ आरतितोअतिआथलिरे ॥ आप
थकीतुंभोय ॥ जि० ॥ ३४ ॥ मेनततााहरीएलणीरे ॥
जेयेसहोईभकार ॥ भूमितणाछोलोभियारे ॥ सघले
तुमपेंशार ॥ जि० ॥ ३५ ॥ वांघ्यापालोआपणीरे ॥ कप
मकरोघासिघाय ॥ नहिकांसासमतीपरेंरे ॥ थुंपरभ-

रूपहोंस्याय ॥जि०॥३६॥देवदयालदयाकरोरे॥हुंतो
छुंतुमदास॥ क्षेमकहीनेआवियोरे॥श्रीराघवजपास
॥जि०॥३७॥पगेलागीनेवीनवेरे॥चेगोकामकरावां॥
जुंसकरावुंयामनीरे॥वीरणतोहीनथाणां॥जि०॥३८॥
कमीनेतो कामिनीरे॥ कहियेप्राणसमान॥ओवालीने
आपतांरे॥आप्यातुमभुजप्राण॥ जि०॥३९॥जेतोहुं
छुंजवतोरे॥जेन्युंदीघोकाम॥शोधकरुंसीतातणीरे॥
तोसाचोमुजनाम॥जि०॥४०॥ संजाद्या लटसामटारे
॥सूरामांहेसूर॥सीताशोधवलयालियारे॥निमपाणीनां
पूर॥जि०॥४१॥गिरिनदीनेसायरूरे॥द्वीपादिकसहु
ठाम॥पुरपुरपाटणशोधियांरे॥नगरनगरनेगाम॥
जि०॥४२॥हरणसुणीसीतातणोरे॥भामंडलआवं-
त॥भाईतोभगिनीतणोरे॥गाढो दुःखपावंत॥जि०
॥४३॥वीरविराघेपधारियारे॥ लेईनिजपरिवार॥से-
वकसेवासायवेरे॥भानेअतिउपगार॥जि०॥४४॥क-
पीपतितोंडिलेपल्योरे॥कंबूद्वीपपहुंत॥रत्नजटीतस
देखवेरे॥ आशतिओजदभूत॥जि०॥४५॥दशकं-
धरमुजभाखवारे॥मोकलिओकपीराज॥मुजनेमारी
नयसेरे॥उपन्योअधिकअकाज॥जि०॥४६॥कपि-
राजतवजोलिओरे॥गाढोहोईगर्म॥तुंमुजनेकिमतु-
ठियोरे॥विनयवडोजिनधर्म॥जि०॥४७॥ थाकस्यदे
पगल्यालवेरे॥सोतोजेसेविमान॥आपईस्छायेकि-
शेरे॥भूठोकांईशुमान॥जि०॥४८॥सोभाषेस्वामि

सुणोरे ॥ ईसोसुं अभिमान ॥ कांईकर्योनरपाधरोरे ॥
करणअेछे आन ॥ जि० ॥ ४९ ॥ रावणसीताअपह-
रीरे ॥ मेंमांड्योसंग्राम ॥ विद्यासघलीअपहरीरे ॥ प-
डिओहोईनिकाम ॥ जि० ॥ ५० ॥ पंअविहुणोपंजिओ
रे ॥ णिडीनशकेतेम ॥ विद्याविणविद्याधरूरे ॥ भणेवो
प्रभुअेम ॥ जि० ॥ ५१ ॥ रामसमीपेआणियोरे ॥ मां-
डिकहेविरतंत ॥ रावणसीतानेलेईरे ॥ नाठोभयतुरंत
॥ जि० ॥ ५२ ॥ राणीभयेरोवतीरे ॥ करतीरेअधिकविला-
प ॥ रामरामभ्रीरामनोरे ॥ अेकनजिहांभपे ॥ जि० ॥
५३ ॥ लक्ष्मणलाजणवंतसुंरे ॥ अनेभामंडलभ्रात ॥ ना-
मनपतीभयतीरे ॥ मेनिसुणीअेवात ॥ जि० ॥ ५४ ॥
हुंहुओतजयाहरूंरे ॥ करतोअतिआक्रोस ॥ विद्यास-
घलीअपहरीरे ॥ रावणेकीधोरोस ॥ जि० ॥ ५५ ॥ स-
मार्यारसोहामणारे ॥ सीताजनापामि ॥ परमभहासु-
जणपनोरे ॥ भणेत्रिभुवनस्वामि ॥ जि० ॥ ५६ ॥ र-
त्ननदीविद्याधरूरे ॥ करूंसगाईसीध ॥ तुंमहारेवालेस-
रूरे ॥ जनरत्नलीतेंदीध ॥ जि० ॥ ५७ ॥ निमनिमपूछे
वातडीरे ॥ तिमतिमऊपनेराग ॥ वारंवारविशेषियेरे ॥
रागीनुंअेमाग ॥ जि० ॥ ५८ ॥ समार्यारसगातणारे
॥ सालसतासतोष ॥ मिलवामेंओछोनहीरे ॥ प्रेमतन-
णोअतिपोष ॥ जि० ॥ ५९ ॥ पूछेप्रभुसुग्रीवनेरे ॥
लंकाकेतिदूर ॥ आणसुनेअलगीजरीरे ॥ उद्यमवंतने
हजूर ॥ जि० ॥ ६० ॥ लंकानुपूछोकिस्युरे ॥ पूछोरावण

तेन ॥ आन लगें अधिको अछेरे ॥ सूरनतेनसहेन ॥ जि
॥ ६१ ॥ रामकहेसोआणीइंरे ॥ तेनपणुंसंसार ॥ कायर
कपट करीजरोरे ॥ लेईगयोमुजनार ॥ जि० ॥ ६२ ॥ ल-
क्ष्मण नवरे गहरेरे ॥ तोराधाराजन ॥ देजियोदिनच्यार
मेरे ॥ जेजेअमे दान ॥ जि० ॥ ६३ ॥ लक्ष्मणभाषे जे-
च्यइरे ॥ रावणतोछेस्वान ॥ सुनाघरमेंपेसियोरे ॥ किट
अेहनुंअभिमान ॥ जि० ॥ ६४ ॥ क्षत्रीनेछलनवी कह्यो
रे ॥ क्षत्रीनुं जलजेत ॥ सोईसाचुंमानवुंरे ॥ देजीनेनिज
नेता ॥ जि० ॥ ६५ ॥ अंजूवाहन भाषे भलोरे ॥ ऊपाडे
भुजपाण ॥ कोटिसिलानेसाहरोरे ॥ रावण हंता जाण ॥
जि० ॥ ६६ ॥ साधुवचनमेंसांभल्युंरे ॥ अेआते रूडीरीति
॥ सहुनेसिलाऊपाडतांरे ॥ ऊपने अतीपरतीति ॥ जि० ॥
६७ ॥ लक्ष्मणभाषेअेभलुंरे ॥ जेसीविमानेदेव ॥ वि-
द्याजलेविद्याधरुरे ॥ आइगिया ततखेव ॥ जि० ॥ ६८ ॥
नेमलतातेमअेसिलारे ॥ देखाडीऊपाडी ॥ पुष्पवृष्टी
हुईभलीरे ॥ सुनरयेकह्यो नीलाडि ॥ जि० ॥ ६९ ॥ भलुं
भलुं कहेदेवतारे ॥ प्रत्ययपामीजम ॥ सहुकोईआणं-
दियारे ॥ पोघाआव्यातास ॥ जि० ॥ ७० ॥ वृद्धपुरुष
परमारथीरे ॥ वातविचारेअेक ॥ पहिलादूतनमोक-
लोरे ॥ जाणणहारविवेक ॥ जि० ॥ ७१ ॥ वातामेंसम-
भविचारे ॥ पाछिआपेजाल ॥ दोईघरेहोयवधामणां
रे ॥ वाघेनहींजंजाल ॥ जि० ॥ ७२ ॥ दूतमहाजलआ-
गलोरे ॥ मोकलियोसुप्रमाण ॥ लंकालोसाझसुणीरे ॥

डीधोअतिमंडाण ॥ जि०॥७३॥ दालमलीसडतीन
समीरे ॥ दीधीदूतहियाप ॥ केसरानअसंघीजी कहेरे
॥ नेहनोप्रजलमेताप ॥ जि०॥७४॥

॥ केदारारागे दोहा ॥

राक्षसकुलसायरविषे ॥ अमृतऊपन्योएक ॥ जि
भिषणमतिआगलो ॥ जाणेविनयविवेक ॥१॥ दूत
धूतअजेथसी ॥ बिभिषणने पास ॥ भयमानीरक्षि
सतणो ॥ पाछोनावेनास ॥२॥ सीताछोडावणतणी
॥ रावणशुंअरदास ॥ करशेलघुभाईभली ॥ मानेसे
प्रभुतास ॥३॥ दैवयोगेमानेनहीं ॥ पाछीवातविशेष
॥ सर्वजणावेआपने ॥ लीधामानेनरेश ॥४॥ सुग्रीवे
सुमतोकियो ॥ अवलोईसहुसाय ॥ हनुमंतलवजोन
लावियो ॥ जाणीअतिसमर्थ ॥५॥ पगेलागीऊभो
रह्यो ॥ प्रभुजी करेप्रसाद ॥ तुजसमबीजो कोनहीं ॥ तत
हारीजगजशवाद ॥६॥ दशकंधरलेईगयो ॥ लंकान
यरीमांहे ॥ सीताछेतससुध्धितो ॥ तुजथीआवेनान
हे ॥७॥ हनुमंतआपेस्वामिजी ॥ मयाकरीकपिराय ॥
तेमाटेहुंतेडियो ॥ वानरघणाकहाय ॥८॥ नवनवा
दशरारनिलगवय ॥ अंजवाहननलनील ॥ द्विविदमं
यमादनरनला ॥ अंगदमेदसलील ॥९॥ ईत्यादिकजो
धेनला ॥ वानरअतिआनिरान ॥ छेलीसंख्यापूरणी
॥ मांहेमहाइंनामा ॥१०॥ पणहुंकारजएदलो ॥ करूंसान

ભલોરાય ॥ લંકાસંદેસસદ્દીપસ્યું ॥ આણું ઈહાંઉઠાય ॥
૧૧ ॥ રાવણલોકરાવણો ॥ તેભાઈથાંસુબાંધિ ॥ આણું
પ્રભુને આગલે ॥ કોઈકેવેણાસાધિ ॥ ૧૨ ॥ કહોતો હણું
કુટુંબસ્યું ॥ કુલનોકરીનિકંદ ॥ સત્યવતીસીતાસતી ॥ આ-
ણુંઘરીઆણંદ ॥ ૧૩ ॥ રામકહેસાચ્યોસહુ ॥ તહારોવચન
વિચાર ॥ નેમકહેતું તેમકરે ॥ નહીંસંદેહલિગાર ॥ ૧૪ ॥
એકવારતુંઅયને ॥ આણોજલસઅપાર ॥ વચ્ચપડીછે
પારકે ॥ વરતેકવણપ્રકાર ॥ ૧૫ ॥

॥ ઢાલ આડત્રીશમી ॥

(દધીસુતઅતહો૰ એ દેશી૰)

કપિરેમીયાસાથેકહે ॥ જીવપ્રભુનોતુમપાસ ॥ દેહસું
ન્યારોરહે ॥ મનમેંથાશીઆસ ॥ ક૰ ॥ ૧ ॥ અન્નતોલાગન
તઈકે ॥ સ્વાદનહીંજલપાન ॥ સોવંતાતોનિંદનહીં ॥ એ-
કથાશેધ્યાન ॥ ક૰ ॥ ૨ ॥ રામતેમનનારિમેં ॥ નારમેંગુ-
ણગાન ॥ હાસ્યખ્યાલવિનોદનાગમે ॥ એકથાશેધ્યાન
॥ ક૰ ॥ ૩ ॥ યોગનેસાધિયાયોગી ॥ ભજેજ્યુંભગવાન ॥
કામરાગેરાચિયાથી ॥ એકથાશેધ્યાન ॥ ક૰ ॥ ૪ ॥ હા-
થિજોરેકુંજવનનો ॥ આણિજોરાઅન ॥ તેમસુમરેતન-
વવનને ॥ એકથાશેધ્યાન ॥ ક૰ ॥ ૫ ॥ સ્વૈરણીસ્વેચ્છા
રમતી ॥ વંછહીનરઆન ॥ અધિકતીવ્રપરિણામસાજે ॥
એકથાશેધ્યાન ॥ ક૰ ॥ ૬ ॥ જપૈયોધારપડ્યાપાણી ॥
સાથેરાજેભાન ॥ મેહનાબલસાથેમનસા ॥ એકથાશે

ध्यान॥ क०॥ ७॥ मुन्दडीमुन हाथ केरी॥ आगे लेईने
धरे॥ न्नणिओअहिनाणीजओ॥ सहे कुशलजरे॥ क०
॥ ८॥ आवतांचूडामणीरे॥ आणीलेरेसही॥ जेम
ओसकुसायमाने॥ वातशयलकही॥ क०॥ ९॥ मुनवि
योगेमरेमतितुं॥ आईयाहिपेज॥ लक्ष्मणतोलंकपती
केरो॥ सिरछेदियोहिटेज॥ क०॥ १०॥ सजलदलजल
सालसंजरो॥ संजरहीरेनरेस॥ मलियाछेमोडक्योहुं॥
जेजरनेसुविशेश॥ क०॥ ११॥ नजलगेहुं इरिनआ-
वुं॥ नजलगेओठाम॥ छोडवुंनहींवीनतीओ॥ मानन्ने
श्रीराम॥ क०॥ १२॥ रामलक्ष्मणचरणप्रणमी॥ लेई
निजपरिवार॥ वीरविमानेजेसीच्याल्यो॥ मानेहरजे
अपार॥ क०॥ १३॥ वाटन्नतांगिरिमहेन्द्रे॥ पुरमाहें
न्दउदार॥ देखियाथीरोसऊपन्यो॥ आणिओहवि-
च्यार॥ क०॥ १४॥ मायमाहारीजेशुन्हाथी॥ काढी
दीधीताम॥ रीसओमुनअछेआधिकी॥ आनेईडुंग-
म॥ क०॥ १५॥ जेमकहेतांतूरचणना॥ लियाशयव-
न्नथ॥ शब्दसुणीब्रह्मांडईटे॥ नगरनाठोन्नय॥ क०
॥ १६॥ नृपमहेन्द्रसुरेन्द्रनीपरे॥ यद्योपुत्रसमेत॥
मांहोमांहेयुध्धमाच्यो॥ वातमेंविणहेत॥ क०॥ १७॥
अंजनासुतआकरोरे॥ शुलटदीयामोडि॥ येकवाये
ऊडिन्नये॥ तृणतणीतोकोडि॥ क०॥ १८॥ प्रेन्नकी
र्त्तिआवीआडिओ॥ लंकेथित्तनेन्याय॥ होईवीरविरो
धजलिया॥ आपसमेंनटलाय॥ क०॥ १९॥ हनुमंते

सुविचारकीधो ॥ आंब मुनविझार ॥ स्वामीनातोअ-
भविचमें ॥ अेहलगावीवार ॥ ड० ॥ २० ॥ मारीलणिंहुं
अेकक्षणमें ॥ मायकुलक्षयथाय ॥ डामप्रारंभ्युंडर-
वुं ॥ सोयणिपन्योआय ॥ ड० ॥ २१ ॥ भोंजरथसारथी
मुनजणे ॥ आंधीलीआसोर्ध ॥ णिइ महेंन्दनरेंन्दसाहि-
ओ ॥ सूरथीअेमहोई ॥ ड० ॥ २२ ॥ चरणलागी छोडी
दीधा ॥ आंपप्रकटीनाम ॥ मायनेदुःख दीधोथो तुम ॥ ते-
हनांअेडाम ॥ ड० ॥ २३ ॥ स्वामि डमेन्नणींलंडा ॥ तुमे
प्रभुनेपास ॥ ब्नओअवसरसाचिआयी ॥ पामसोज-
हुआस ॥ ड० ॥ २४ ॥ लियोडंठलगायनाने ॥ दोहिबोसि-
र्युंजी ॥ मायमातामाणिलासहु ॥ सज्जनरहियालूं-
जी ॥ ड० ॥ २५ ॥ डनेतोतुनसुनशसुणियो ॥ आंजेदी-
ठोआन ॥ आपणोआपथडीसंडी ॥ आपपावेसान ॥
ड० ॥ २६ ॥ स्वामीडामप्रयाणडीने ॥ पंथमेंडल्याण ॥
होईअेडहीआपभनुने ॥ चल्योडरिमंडाण ॥ ड० ॥ २७
॥ वारमेंपरासिध्ध दधीमुंज ॥ आईओअेडद्वीपे ॥ साधु
दोअणिसग्गेदीग ॥ ध्यानेलीनअतीव ॥ ड० ॥ २८ ॥ पा-
जतीहीतीनडन्या ॥ राजीमनअेडंत ॥ डरेविद्यालणो
साधन ॥ देवगतिनलहंन ॥ ड० ॥ २९ ॥ लागियोदवडान
लपसरी ॥ आवियोप्रभुपाय ॥ णिदधीनुंनलआणी
आधिडुं ॥ लीयोतेहनुभय ॥ ड० ॥ ३० ॥ साधुवंदिड-
हेडुमरी ॥ स्वामीसांभलोवात ॥ साधुणिपन्दवदासि-
ओओ ॥ नहींतोजलिम्नत ॥ ड० ॥ ३१ ॥ तुमसाह्यने

लियेसिद्धविद्या ॥ एहमाहरीभेर्ई ॥ विणशीअलेन्द्र-
लेतइवर ॥ एहअतिशयओर्ई ॥ कं० ॥ ३२ ॥ पुछहिप्रभु
आपेकुणतुम ॥ तामदियेतेनवाज ॥ नगरीदर्थीमुंज
अछेनीओ ॥ अवरपुरमेंआज ॥ कं० ॥ ३३ ॥ रायतो
गंधर्वरूडो ॥ कुसुममालानार ॥ एअमेछगीतसकु-
मरी ॥ रतितणेअवतार ॥ कं० ॥ ३४ ॥ जेयेराजकुतरे
वांछा ॥ करीविविधप्रकार ॥ तातनआपेजेसीरहिया
॥ मनअपुंठेमार ॥ कं० ॥ ३५ ॥ एकअंगारकनजेयेरा
घेरआसअगाह ॥ कामवसेऊनमत्त हुओ ॥ तातनउ
रेविवाह ॥ कं० ॥ ३६ ॥ तातेपूछ्युंनिमित्तज्ञानी ॥ पुत्री-
नोवरओण ॥ थायसेएसायेभाषो ॥ हुअछुंभलगुण
॥ कं० ॥ ३७ ॥ मारसेनेसाहसगतिने ॥ सोइभलोभर-
तार ॥ रूपेरूडोनहींरूडो ॥ तुमकुसेकिरतार ॥ कं० ॥ ३८
॥ केमन्नणथोन्नयप्रभुजी ॥ तेहथीएजान ॥ कर्यायी
जेटलेपापी ॥ मेलव्योदवसान ॥ कं० ॥ ३९ ॥ तुमस-
भाविओसांतिहुई ॥ हुईविद्यासिध्धि ॥ मास छ ठे
सिलतितुम ॥ दर्शनज्ञानप्रसिध्धि ॥ कं० ॥ ४० ॥ पेरि
त्रसघलुंकहीभाषी ॥ आणियोपतिदेव ॥ कुमरीहरजी
तामप्रभुजी ॥ प्यासिओततजेव ॥ कं० ॥ ४१ ॥ कुमरि
एमुंजएहसाभली ॥ सोईतोभूपाल ॥ लेईदलजल
रामपासे ॥ आविओतत्काल ॥ कं० ॥ ४२ ॥ दासएम
कतीशमीरे ॥ करणजन विशाल ॥ केशरानमुनिदलाषे
॥ आवियोअतिगाल ॥ कं० ॥ ४३ ॥

॥ गुडमल्हाररागे दोहा ॥

कुतांपतिनेआवियो ॥ लंकासमिपैजाम ॥ विद्यातोआन
शालिका ॥ दीठीहनुमंतताम ॥ १ ॥ कालिणिसाहोयनेह
वी ॥ तेहथीतसआकार ॥ घोरमहाविकरालभणी ॥ बोले
हनुमंतलार ॥ २ ॥ मतिहिणाकपीकिहांमल्यो ॥ कइआ
नआहार ॥ थाशाहिअतनुतणुं ॥ नोतुंजणेसार ॥ ३ ॥
तामसुमुखपसारियो ॥ हनुमंतपेठोमांहे ॥ लीयंतअ
मारीगदा ॥ मुकलाणोमुखमांहे ॥ ४ ॥ अलथकीआ-
दित्यज्युं ॥ निकलियोवडवीर ॥ आलनआवीसंथही ॥
सानोरह्योशरीर ॥ ५ ॥ नासठियोभोकास्वर ॥ नगरीलं
कापास ॥ कपुरनीपंरेतोडके ॥ नाखिदियोआकाश ॥ ६ ॥
रखवालोभ्राकारनो ॥ वज्रमुखोतसनाम ॥ मारीलीधोभू
जतो ॥ सूरजमारेकाम ॥ ७ ॥

॥ ढाल छोगणयासीशमी ॥

(श्रीमाहावीरस्वामी, अेदेशी)

हनुमंतवीरआयो ॥ असगाजसुहायो ॥ सयणाननही
सुहायो ॥ आयोनेमबोलायो ॥ हनु० ॥ १ ॥ पवननोवंस
उदेपायो ॥ सुरतरुसहायो ॥ रायरायाकहायो ॥ कुले
कलशायदायो ॥ हनु० ॥ २ ॥ कुशहिंनथायकायो ॥ जयणे
जयनंखायो ॥ शुणिअनंगीतगायो ॥ किणाहिनवी
घायो ॥ हनु० ॥ ३ ॥ जगतमेंसुजशछायो ॥ अंजनीनो
रेजायो ॥ थिरकरीपावठायो ॥ नयदेरेयलायो ॥ हनुव

॥४॥ रामने कामे धायो ॥ भलो जोवनपायो ॥ रूपने चिं-
त्तलायो ॥ अरीजनर सेठें आयो ॥ हनु०॥५॥ वनुसुजनी
कुमारी ॥ करे शेराभारी ॥ हनुमंतसाथे आठी ॥ मांडेरे ल-
डाई॥ हनु०॥६॥ तेहनांशस्त्रकापी ॥ भूलगेरूपयापी ॥
जेरनकोई होवे ॥ तवसनमुजजोवे ॥ हनु०॥७॥ मनमथ
जाणेविंधी ॥ कहेवातसिधी ॥ हनुमन्नरूपेराची ॥ कईसे-
वासाची ॥ हनु०॥८॥ जापनुंवैरलेवा ॥ कियाजे हके-
वा॥ अजनुमपायलागी ॥ सुदरामुनजनगी ॥ हनु०॥
९॥ हनुमंतेतामपरणी ॥ करीआपघरणी ॥ रात्रिरहि-
अयआगे ॥ प्रभुनेकामलागे ॥ हनु०॥१०॥ लहुतणे
गेहिआवे ॥ जहुसनमानपावे ॥ पायप्रणमंतपूरो ॥स-
हूयातमेंसूरो ॥ हनु०॥११॥ आवियोकेणीकामो ॥ कहे
तोअभिरामो ॥ रामनीनारिआणी ॥ करीसर्वीदिशि
काणी ॥ हनु०॥१२॥ आपियेसोरेपाछी ॥ थायसर्व-
दिशिआछी ॥ कीजियेरायराजे ॥ नहींविणसशेकाजे
॥ हनु०॥१३॥ लहुकहेरेनभाई ॥ समजन्योरेभाई॥
पारकीनारीदीजे ॥ नहींजवरजीजे ॥ हनु०॥१४॥ वात
सुणीरीसलागी ॥ जगडजेउभेरेलगी ॥ महाइंकहण
चलसे ॥ सुगमेचीपटलसे ॥ हनु०॥१५॥ लहुगरजादे
शापाभि ॥ चलेवनमांहेधाभि ॥ आवियोदेखीसीता ॥
वसुधामांहेविदिता ॥ हनु०॥१६॥ रामतोन्यायशोवे ॥
न्यायनिदमेंनसोवे ॥ जेहनीजेहराणी ॥ त्रिहुं लोके
वखाणी ॥ हनु०॥१७॥ तइवरअशोके ॥ शोभतोन-

गविलोके ॥ तेहनेमूलेजयठी ॥ हनुमंतेतामदीठी ॥
हनु० ॥ १८ ॥ अलकतोगालझरसे ॥ नयणतोनीरवर-
से ॥ आणणेकीयमातो ॥ जयअधिकहीयातो ॥ हनु०
॥ १९ ॥ वदनविलखोदेखाय ॥ हीमेंनिमकमलथाय ॥
प्रतिपदचंदनेहवो ॥ तनुदेखीतेअहवो ॥ हनु० ॥ २० ॥
उभगतासासजासे ॥ अधरनीसोहचाले ॥ ध्यायतीरामराम
॥ नहींअवरतसकाम ॥ हनु० ॥ २१ ॥ मलिनछेवस्त्रवेषे
॥ मलिनकायाविशेषे ॥ देवीविदेहमाता ॥ देखतांलहि-
येसाता ॥ हनु० ॥ २२ ॥ विधायेशुतहोई ॥ मुन्दडीआ-
णिसोई ॥ मायनीगोदमूके ॥ प्रभुनीसीखनचूके ॥ हु-
नु० ॥ २३ ॥ मुन्दडीनयणनिरखी ॥ सीतामनमांहेहर-
खी ॥ हेनेहीयेलगावी ॥ मल्योनाथजीआवी ॥ हनु०
॥ २४ ॥ विनयआवीसुणावे ॥ लंकपतिहर्षपावे ॥ आल
सीताजेसाली ॥ रंगमेंछेरसाली ॥ हनु० ॥ २५ ॥ वीस-
रीरामनाहे ॥ तुंनसुंणीमाहे ॥ मोकलीकिरीनारी ॥ मा-
नसेवातथारी ॥ हनु० ॥ २६ ॥ स्वामीनुंकामकरवा ॥ पा-
पसुंपिंडभरवा ॥ वनविषेपावधारे ॥ सुजकिस्युंअणे
करे ॥ हनु० ॥ २७ ॥ राणियारायराने ॥ रावणरायजिरा-
ने ॥ राणियांतुंहिरूडी ॥ मेलयेवातकूडी ॥ हनु० ॥ २८ ॥
नंगलक्योंहेमनिका ॥ पीतलेथायफीका ॥ असरजेपुन-
रूपतीका ॥ भयनशोभजका ॥ हनु० ॥ २९ ॥ दैवगि-
ओयोवरांसि ॥ भमलेवेविमासी ॥ आणिलंकेसमे-
ली ॥ थायअजलस्युंनभेली प हनु० ॥ ३० ॥ हुंअनेअव-

રમણી ॥ આછા હંસગમણી ॥ તાહરી દાસી થાશું ॥
દિયું તાહરે જાશું ॥ હનુ૦ ॥ ૩૧ ॥ જાનેસા હીરે છાલી ॥ તે
હવી એહ આલી ॥ પુરૂષ થી ન હીંય અલગી ॥ વિષય આ
ગલ જસ લગી ॥ હનુ૦ ॥ ૩૨ ॥ સ્વામીજી નિયમ લીધા
॥ સાધુજી થેરે દીધા ॥ અણઈચ્છતિ દારા ॥ ઉચિત સપ
રિહારા ॥ હનુ૦ ॥ ૩૩ ॥ તેહથી વાસ્યા રે ॥ આવું હું પાસે થા
રે ॥ સ્વામીને સ્વામી ભણે ॥ આવે વાત સહુ ઠાણે ॥ હનુ૦
॥ ૩૪ ॥ આડિઓ ભાલી દેસું ॥ એહના પ્રાણ લેસું ॥
એહવી વાત કેહવે ॥ ભણ સ્લેસી જલ હવે ॥ હનુ૦ ॥ ૩૫ ॥
આવિયો રામસ્વામી ॥ અતરનો રે ભમી ॥ લક્ષમણ વીન
રભાણિયો ॥ નણંદ પતિને એણે હણિયો ॥ હનુ૦ ॥ ૩૬ ॥
મારિયો ઉત્તેહને ॥ પ્રત્યક્ષ એહ પેજે ॥ મહારો ભોલ સા-
ચો ॥ ભણી નેન ગમાંભ્યો ॥ હનુ૦ ॥ ૩૭ ॥ લાનનાં
બિલ જોઈ ॥ ધીઠી મે ધીઠી હોઈ ॥ ડાંસુ લને ભિઅવે ॥
તાભ પરહી પુલાવે ॥ હનુ૦ ॥ ૩૮ ॥ ભૂપને આવી ભાપે
॥ ધેલી પાણીયા નાજે ॥ ભોલન ડોઈ રાજે ॥ એ ઇલતું
નયાજે ॥ હનુ૦ ॥ ૩૯ ॥ દોઈ દો દિશે તાણે ॥ દોઈ મિ
ડોન સાણે ॥ શક્તિ નારી સનેહ ॥ શિલા ઉપરે ત્રેહ ॥
હનુ૦ ॥ ૪૦ ॥ છૂટી નાવતં ડો ॥ પુઠામાહે રે જેડો ॥ તિ-
તસે આતિ લાગી ॥ સાઉ હે સોઈ આવી ॥ હનુ૦ ॥ ૪૧ ॥
દાસ તો જે ઇહાવી ॥ ત્રીસન ધર્મી સુહાવી ॥ દેવીરહિ શીન
લદાવે ॥ કેશા શલજી ગાવે ॥ હનુ૦ ॥ ૪૨ ॥

॥ आसाराग दोहा ॥

हनुमंततबप्रगटथयो ॥ प्रणमेसीतापाय ॥ रामसु-
लक्ष्मणकुशलथी ॥ सुणजोमानोतुममाय ॥ १ ॥ आप
तुमेकुणछोकहो ॥ किहांथीतस्योक्युंएह ॥ आनअछे
केंथानके ॥ किस्युंकरेछेतेह ॥ २ ॥ पवनरायनोपुत्र
छुं ॥ हनुमंतमहाईनाम ॥ विद्याबलेसुविमानसुं ॥
उदधितरयोअभिराम ॥ ३ ॥ साहसगतिनृपमारियो
॥ वानरपतिनेकाज ॥ कीयोकिष्किंधापुरी ॥ स्वामी
थिरानेराज ॥ ४ ॥ देवीवियोगतमारडे ॥ रामतपेदिन
रात ॥ दावानलपरवततपे ॥ तपेनेमतइन्मत ॥ ५ ॥ ग-
यविछोहोवाछडो ॥ हीसंतोहिंडिरंत ॥ लक्ष्मणतुमवि-
छोहियो ॥ आरतिअधिककरंत ॥ ६ ॥ कदिहिक्रोधेध-
मधमे ॥ कदिहिसोगेसोच ॥ करतावर्तेस्वामीजी ॥ आ-
रतिअतिआलोच ॥ ७ ॥ वानरपतिसमन्मपणी ॥ करे
घणीनिसदीस ॥ आघादिनलियेतेहथी ॥ पणआ-
रतिथाईस ॥ ८ ॥ कटकमिल्यांछेजेकहां ॥ आदेनृप
सुग्रीव ॥ भाईभामंडलमलो ॥ आरतिपणेअतीव
॥ ९ ॥ वीरविराधविशालियो ॥ सुभटपणेसुविशेष ॥
महेन्द्रादिकमहोटका ॥ जैन्यरअवरअशेष ॥ १० ॥ अ-
नेकथयाआगला ॥ सुभटमहाझुंझार ॥ सूरवीरने
साहसी ॥ अवरनेथंलभणहार ॥ ११ ॥ पांयमलीमस-
लतकरी ॥ पहेलोमोकलोदूत ॥ खबरकरोसीतात-
णी ॥ तिहांकिस्युंछेसूत ॥ १२ ॥ वानरसहुअविलो

ડિયા ॥ વાનરપતિનેધાય ॥ ઊઠીનઆવિયોતામહું ॥ લીયોજોબાઈમાય ॥ ૧૩ ॥

॥ ઢાલ ચાલીશમી ॥

(સનવિયાનેશન પિયારો, એ દેશી)

રામરાઘવરાયાંરાય કહાયો ॥ દલજલસજલમિલાયો ॥ જંબરકરેચાહુમોકલિયો ॥ આયોકેપ્રભુઆયો ॥ રામ૦ ॥ ૧ ॥ મુંદીતપ્રભુકરનીઆણી ॥ તેહથીજાણ્યો સાચો ॥ અહિનાણીવિણકોનપતીજે ॥ એસેવડાકી

धर्मनहींहमनेतुमकेशो ॥स्वामीवसेदुःखवासे ॥राम
॥ ९ ॥वानरअतीतणीयेपलाई ॥रावणराक्षसदेखे ॥
रामचंन्द्रनासेवकओहया ॥मनमांभयसुविशेषे ॥राम
॥१०॥सत्यवतीकहेप्रभुसुंकहेजे ॥नामतणेआधारे
॥ जीवीछुंहुंकेमरीअती ॥विरहेदेवतुमारे ॥राम०॥
११॥लेईचूडामणीनेचाल्यो ॥सीतानेपगेलागी ॥दे-
वरमणवननेभांजवा ॥हनुमंतनीमतिजागी ॥राम०
॥१२॥रक्ताशोकविजयरेनिसुणो ॥बकुलविषयअकु-
लाणो ॥अकुरणाअतिआम्रभांजवा ॥अमर्षतोअ-
धिकाणो ॥राम०॥१३॥चंपकसाथेकेपनआणे ॥म
दअतिमंधारे ॥निर्दयकदलीदलकापेवा ॥केलीरह्यो
वनसारे ॥राम०॥१४॥ अवरअनेरांनेतांतकुवर ॥ना
ल्यांतेउजाली ॥पानफूलईलकोईनदीसे ॥जूमकरे
तवमाली ॥राम०॥१५॥चालेपोलतणारखवाला
॥राक्षसअतिसंजाही ॥वानरनेमारेवाघाया ॥हाथां

जयंतविशेषी ॥ सोईलीधोमारी ॥राम०॥२०॥मा-
ईभूआडंपेयढ्योआति ॥ ईन्द्रजीततउ आवे ॥ निरखीन
नेहर्ष्योमनमाहे ॥ लडिसुंसरजेहवे ॥राम०॥२१॥पे-
हिलातोजाणासुंलडिथा ॥ विविधपरेजलवता ॥जडग
आदेआयुध छतिसें ॥सजाहेमथमंता ॥ राम०॥२२॥
ईन्द्रजीतउनेनेमूके ॥ शस्त्रमहादुःखदाई ॥ विचेहीयी
छेदीनाखे ॥ वानरओहिवडाई ॥राम०॥२३॥ ईन्द्रजीत
नाभटतवधाया ॥अथेसघलानाठा ॥ यारेअंगदअ-
नेराआगे ॥ वानरथीअतिमाठा ॥ राम०॥२४॥ भट
लाग्याशस्त्रजललागा ॥ ईन्द्रजीतनवीनाठो ॥ना-
गपासजाणेसोवानर ॥ जांधिलियोअतिजाठो ॥राम
॥२५॥ आणीसेल्योरावणआगे ॥ रावणहर्षनमावे
॥वारंवारप्रशंसाकरतो ॥ सुतनेकंठेलगावे ॥राम०
॥२६॥ राम०उ भाषेसुणवानर ॥ रेलुंडासुंकीधुं ॥से-
वकतुंआलम्मतणोभुन ॥ आनरामेंयित्तदीधुं ॥राम०
॥२७॥ वनवासीइलसागाहारी ॥ भेलाकुगडलासो॥
भीलकिस्युंतूंसीपूरसे ॥ यारामननीआशो ॥राम०
॥२८॥ अवरकामनीनीठिपडीयी ॥ ईहांकोईआवे॥
अजतोप्राणपड्याछेसांसे ॥ छूटवानवीपावे ॥राम०
॥२९॥ पेहलोयो भाणेलन माहे ॥ प्राणथकीहीप्या-
रो ॥ जांहिवानहुओअजवेगे ॥सीतालेईपधारो ॥रा-
म०॥३०॥ ओतोधूताधूर्तसिरोमणी ॥ आपेयली
कथुंनाया ॥ अंगारातोअतिधगधगता ॥ भाजिपरे

हयेगह्या ॥ राज०॥३१॥ सेवकवरमाहरा छो थोरी
॥ अजरे दूतकह्यो ॥ तेमाटे अवध्य अछो पण ॥
अेहविटंबनपायो ॥ राज०॥३२॥ हुंतोसेवककहो
थारो ॥ कहकालुमभुलस्वामी ॥ वानरपामोमूंककहे-
तां ॥ सांचिनलाषेकामी ॥ राज०॥३३॥ अेकवारेपव-
नजयराज ॥ आयोथोबोलायो ॥ वरुणतणा जंदीखान-
लायी ॥ जरजेयरछोडायो ॥ राज०॥३४॥ अेकवारहुंपस
णआयोथो ॥ स्वामीनोतेडायो ॥ वरुणसुतरणमेंथेस्यो
थो ॥ तनुभतेमेलह्यो ॥ राज०॥३५॥ धर्मीपक्षेनोसा-
हकरणो ॥ पापपक्षेनवारेणो ॥ लंपटनरसुं वातकरंतां
॥ पापेंपिंडभरेणो ॥ राज०॥३६॥ अेहवोहुंतोकोई
नरेमें ॥ अनुजअकनेकुंनी ॥ रणमांहे ल तुमनेशोजे ॥ वसुन
धावातविहीनी ॥ राज०॥३७॥ अेमसुणीरीसाणोराणो
॥ वयनतीरजहुवाहे ॥ वयरीनोरेवजाण करंतां ॥ मूंओ-
हितुंयाहे ॥ राज०॥३८॥ रासभचढावीमाथुंमुंडो ॥ पं-
चशिखाशिरशोभो ॥ निसोकरेसोतिसोपावे ॥ इ इरेरछंभ
भाषी ॥ राज०॥३९॥ अेमसुणीकोप्योअतिवानर ॥ ना-
गपासनेतोडे ॥ कमलनालसुं कुंजरजांध्यो ॥ कहोकवण
नरछोडे ॥ राज०॥४०॥ विद्युतपाततणीपरेपडियो ॥
मुकुटरायनोपाडी ॥ जंडोबंडकरीनेनाठे ॥ कुणविचारस
वाडी ॥ राज०॥४१॥ अहोअहोरेरावणनापं ॥ रासच-
णीविस्तारी ॥ तामसुलंकनिसंकपणेरे ॥ विध्वंसीनिर-
धारी ॥ राज०॥४२॥ क्रीडारंग करीरेरंगीलो ॥ आवो

वासनलाई ॥ रामनमीयूडामणीआप्युं ॥ लीधोकंठलगाई ॥ रा०॥४३॥ चुडामणीछातीसुंचांप्यो ॥ लक्षणसीताआवी ॥ आनमलीवाड़ंयाइं ॥ इरसेहीयेलगाईए॥ रा०॥४४॥ विद्यधरुजोधोमिलिओआवी ॥ वीयेहुओंनेकामो ॥ तेसघलांमतुनेरेसुणाव्यां ॥ भलोभलोकहेरामो ॥ रा०॥४५॥ दालभलीअेथ्यालीशमी ॥ सीतासुध्धलक्षणी ॥ केशराजराघवसुंजपायो ॥ सभासहुहरेजाणी ॥ रा०॥४६॥

॥ रामगिरिरागे दोहा ॥

रामनाभरलिआमणो ॥ रामनामथीजेऊ ॥ सीतासुद्धलहिईहा ॥ रामस्वरूपेअनंऊ ॥ १ ॥ रामअनेलक्ष्मणभला ॥ सुग्रीवादिकदेव ॥ सुभटमहासुरापणे ॥ कटकमलिआसुविशेष ॥ २ ॥ भामंडलमंडलपती ॥ वडवानरनलनील ॥ अंजवाहनअंगदभला ॥ कपिमतिनंदसलील ॥ ३ ॥ श्रीमहेंद्रमहिमानीलो ॥ पवननन्दनोपुत्त ॥ प्रेजलमहाजलआगलो ॥ राज्यणसघलासूत ॥ ४ ॥ वीरविराधविशेषीओ ॥ रायसुषेणउदार ॥ इत्यादिकनामेभला ॥ अवरलहेकुणपार ॥ ५ ॥ विद्याधरविद्याभली ॥ मिलिआकेईकोडी ॥ वाहिरजेसीतातणी ॥ आणेसहीजहोडी ॥ ६ ॥ आपेआपणेसाथमें ॥ नोबतकेरेनाद ॥ अंजरतोगाजरह्यो ॥ सुणयोनभयेसाद ॥ ७ ॥ शुभवेलाशुभमुहूर्त्त ॥ शुभदिनसुक-

नविचार ॥ गगनपंथचाल्यासहु ॥ राघवजीनीलार ॥ ८ ॥

॥ ढाल अेकतालीशमी ॥

(मूलीमालणहेसत्यगुरु, अेदेशी)

राघवआविओहो ॥ सुभटसघलासूर ॥ जिहथीनीड-
लोल ॥ नेमदलनोपूर ॥ रा० ॥ १ ॥ विविधवाहनविविध
थान ॥ विविधवेसविशेष ॥ विविधइरहरे विविधनेजा
॥ विविधनामनरेस ॥ रा० ॥ २ ॥ विविधघोडाविविधहाथी
॥ विविधरथनरहोई ॥ विविधतोहथियारहाथे ॥ विविध
वाजंत्रोई ॥ रा० ॥ ३ ॥ विविधडेराविविधतंबु ॥ वाडीतोअ-
भिराम ॥ विविधजातेसरथचाले ॥ विविधपरिवाराराम
॥ रा० ॥ ४ ॥ हाथियागुलगुलेगिरुआ ॥ हयानाहिंसार ॥
शोरतोभाथिओअधिको ॥ रथतणाचितकार ॥ रा० ॥ ५ ॥
सिंहनादेसुभटकेरा ॥ पडेअंबरवाण ॥ सूरजलसोगुणो
वाधे ॥ शब्दनोसुप्रमाण ॥ रा० ॥ ६ ॥ जोईतोजयढाविन
माने ॥ जोईतोगजराज ॥ जोईतोरथजोईअश्वे ॥ गगने
चालिआगाल ॥ रा० ॥ ७ ॥ जिहथिउपरअथरचालंत ॥
वेलंधरगिरिपामि ॥ वेलंधरपुर पामियो ॥ तिहांसमु-
द्रसेतुस्वामि ॥ रा० ॥ ८ ॥ समुद्रनापरेदोईदुर्धर ॥ दो-
ईसुरसज्जम ॥ रामदलआगललोगे ॥ मांडियोसंग्राम
॥ रा० ॥ ९ ॥ समुद्रनेनलेजांथीलीधो ॥ सेतुजांध्योनी-
ल ॥ रामआगेआणीमुक्या ॥ जोईनकरीढील ॥ रा० ॥
१० ॥ दयाकरीनेदेवजी ॥ तेथापिआतिहांथान ॥ पहेला-

नथीजतिमंडी ॥ पुन्यनेपरमाण ॥ रा० ॥ ११ ॥ समुन्दे
सुंदराउरें ॥ सुतातीनप्रधान ॥ आणीनदमणलणी
दीधी ॥ पाभिनेसनमान ॥ रा० ॥ १२ ॥ रातरहीनेप्रात.
थया ल्या ॥ रायसेतुसमुन्द ॥ साथलागा ॥ नरम लागा ॥
हुआ अधिक अदुंन्द ॥ रा० ॥ १३ ॥ सुवेलान्दियालिआ-
या ॥ तिहांरायसुवल ॥ जतोलीधोसाथडीधो ॥ डोनलागी
वेल ॥ रा० ॥ १४ ॥ लङ्कानयरीप्रत्येगाल्या ॥ हसद्वीपेंजथ
॥ हंसरथनृपेजतिनेनिफ ॥ रह्योराघवराय ॥ रा० ॥ १५ ॥
आशनोआवीयाराघव ॥ मीनरासेमद ॥ संन्यरचोसघले
हिमणुं ॥ रायरचीनोनद ॥ रा० ॥ १६ ॥ लंकानेअग्रह
लागो ॥ लंकानोविपनास ॥ होयसेअेसहीअणी ॥ लो-
कपाम्यात्रास ॥ रा० ॥ १७ ॥ युध्धनेसंजाहियेअति ॥
कोईअतिहुशियार ॥ लंकपतिसामतसूरा ॥ महाजुध
णहार ॥ रा० ॥ १८ ॥ नामथीमारीत्यमोटो ॥ हस्तराय
प्रहस्त ॥ सारणादिकराहस डेर्ह ॥ निसाचरमदमस्त
॥ रा० ॥ १९ ॥ लंकपतिरणतूरताज्ञ ॥ डेर्ह डोडीतिवार ॥
ताडियाआदेसआपे ॥ सोरनोनहिपार ॥ रा० ॥ २० ॥ लं-
कपतिसुंसहुआवी ॥ डरेअेअरदास ॥ डांर्डीतावला
याओ ॥ सोंथमेंसुजवास ॥ रा० ॥ २१ ॥ अणविमा-
स्यो क्रम कीधो ॥ तेपाजी कुलनाज ॥ अनहुआतुरहोई-
यार्थां ॥ नहीसुघरेअन ॥ रा० ॥ २२ ॥ नारीतोआपणी
लेवा ॥ आविआछेजेह ॥ हियापाछीवलेपाञ्च ॥ दूधे
वरसेमेह ॥ रा० ॥ २३ ॥ आवियाछेडिंभजेने ॥ सोते:

करसेकाम ॥ नारीलेशेन्योटहरो ॥ इकशंजेकाम ॥शा०
॥२४॥ रामलक्ष्मणरह्याजलगा ॥ हेजियोजोदूत ॥
स्वामियानीकिसीकहेवी ॥ अछेअतिआकूत ॥शा०॥
२५॥ ईन्द्रजन्मीयकीआपिकी ॥ ताहरीछेदेव ॥ अंठीजो
वेशंकहोवे ॥ जेकरीअहमेव ॥शा०॥२६॥ ईन्द्रजीतकहे
तकाका ॥ लन्मकधूकणमाहि ॥ दुषितकीधुंतातनुं कुल ॥
तातसहोदरनाहि ॥शा०॥२७॥ ईन्द्रजीतणनाममहा
इं ॥ ईन्द्रजीतुंलंग ॥ कोणलक्ष्मणरामराजा ॥ रहेतुंरस
रंग ॥शा०॥२८॥ पहिलांतेंछेतर्योरावण ॥ आपीकूडी
घात ॥ मारिओमेंरायदशरथ ॥ जेहतुजअवदात ॥शा०
॥२९॥ ईहांमाहारीहाटमांहे ॥ आवीआजेदोई ॥ त्याहे
छेविचारियांतुं ॥ सगोनहींअरिहोई ॥शा०॥३०॥ आणिन
येछेराममालियो ॥ वातमांहेविच्यार ॥ कूपपाणीजिस्यो
होवे ॥ तिस्योयकसमभार ॥शा०॥३१॥ लहुआषेपुत्र
सांभल ॥ नहींअरिसुनेह ॥ जिस्योदेजूं तिसोआपूं ॥
आविओतुमछेह ॥शा०॥३२॥ पुत्रनहींतुंशत्रुसरिजो
॥ करणकुंलनोछेद ॥ दूधनोमुहकोथाशे ॥ कांईआणेभे
द ॥शा०॥३३॥ स्वामिकामेपणेपितातव ॥ अंधमांहे
गणाय ॥ लन्मअंधसमानतुंतो ॥ आलथकीकहेवाय
॥शा०॥३४॥ पुत्रपणेंप्यरित्रताहरे ॥ आलोपणनदे
जाय ॥ आईजीहुंकिसुंआखुं ॥ जेकनोनरहाय ॥शा०
॥३५॥ ईमसुणतांरायरावण ॥ कोपिओअसराल ॥
जडगजदीभारवाने ॥ ऊठियोनरकाल ॥शा०॥३६॥

हिरेजउतरदोप ॥ मेरुस्तादिकसामंत ॥ ओपेआछे
ओपे ॥ ५ ॥ कोईतो हाथीयढ्या ॥ कोईहयअसवार ॥
कोईसिंहऊपरे ॥ चढीमल्यातेचार ॥ ६ ॥ कोईनिरस्थ
जयसिया ॥ कोईपलाणेमहिष ॥ कोईमहिषियेजेसि-
था ॥ कोईविमानविशेष ॥ ७ ॥ आपआपणासाथसुं ॥
आपआपणेभेश ॥ महेलोहेईस्वामीने ॥ ऊभाजांघी
केश ॥ ८ ॥ रोसकरीअतिरातडो ॥ सूरनोसुलतान ॥
विविधायुधकरीपूरतो ॥ रथेबेठोराजन ॥ ९ ॥ करण
पितासमतेजकरी ॥ कुलकर्णदूरहंत ॥ सूलहरुहाथेग्र-
ह्या ॥ आव्योअतिमयमंत ॥ १० ॥ कर्मयनाकुंजरमरु
॥ ऐनुजतजुभेय ॥ घनवाहनरावणतणा ॥ होईहरु
अरोहोई ॥ ११ ॥ कुंजरअपरसजाहिया ॥ भयनुदार्थ
अनेक ॥ सुकसारणमारियसु ॥ लटसामतसटेक ॥
१२ ॥ अक्षोहिणीनासकलनो ॥ पारनपावेकोईपार
वणसामोआनाहि ॥ कुरांयारमेंहोई ॥ १३ ॥

॥ ढाल बेतालीशमी ॥
(कडखानी देशी)

आविओरावणलोकडखावण ॥ रावणरावलोपारनावे
॥ छाईयोअजरुकटक आडंबरे ॥ भेरजनिनपरतणी
डोलयारे ॥ आ० ॥ १ ॥ कोईहरिकेतु केईरअष्टापद ॥
केतुकेईगजराजकेतु ॥ मोरमजरजही कुकुटकेतुने ॥
सुभटस्वामीतणाजाधिकहेतु ॥ आ० ॥ २ ॥ केडकेई

ग्रहेभड्ग केई संग्रहे ॥ केई निज मुष्टिये सेलसा हे ॥ केई
मुद्गरे परिघा रे कुठारिआ ॥ शूल साही मनमें गंमाहे ॥
आ० ॥३॥ वीसयोजन लगे रामदल विस्तरे ॥ पेरे पं-
चासयोजनने प्रमाणे ॥ सुभट बोलावता धैर्य डोलाव-
ता ॥ एकसुं एक तो अधिक ताणे ॥ आ० ॥४॥ आपस्वा-
मीतणी श्लाघ्यता अतिघणी ॥ करत निंदा पर स्वा-
मि केरी ॥ तुं कुण रे अछे तुं कुण रे अछे ॥ आपसमें रे
भाषे घणेरी ॥ आ० ॥५॥ गच्छ रे गच्छ रे तिष्ठ रे
तिष्ठ रे ॥ मत डरे आयुध्य अलग नाखी ॥ नहीं-
तर एह आयुध्य संभालीले ॥ आविविर होजब-
वन्यो रत्यांभी ॥ आ० ॥६॥ बाण वरसे घणां ॥
विविध भातितणां ॥ चक्र परिघा गदाई रसी जां-
डा ॥ दंड मुद्गर कुशी योटक खे भरी ॥ राक्षसवा-
नरा लडत त्यांडा ॥ आ० ॥७॥ वानरराजनताने-
मत कुसालता ॥ तेम राक्षस तण न्यय भागा ॥
हस्त प्रहस्त बलवंत योध्ध्यत अति ॥ वानर साथे
तव आयलागा ॥ आ० ॥८॥ हस्त नले मारि-
ओ नीले प्रहस्त तो ॥ अंबर पुष्पनी वृष्टी हुई ॥
रामदल गाजिओ एह दल लाजिओ ॥ ताम नृप
मोकले झीलन्नुई ॥ आ० ॥९॥ राय मारीच शुक
सारण सिंहरथ ॥ अश्वरथ चंद्र रवि लेउ दामा
॥ मकरध्वज भूप डामाक्ष गंभिर सिंह ॥ जघन्य
बिभत्स संभूस डामा ॥ आ० ॥१०॥ मदन अं-

जिलिपणढीडिओसामो ॥ देईलाग्यावीर ॥ कुल-
डर्णनिर्ईम्हज्जतन ॥ धाईआयाधीर ॥ रा० ॥ ३७ ॥ विये
पडीनेडियाअलगा ॥ हाथियानिमसोई ॥ चित्तडाये
रायजनो ॥ मेलवेनहीं कोई ॥ रा० ॥ ३८ ॥ मतरहे भुन
नगरमांहे ॥ अलगोअनेदूर ॥ ओणहिनेतलोहोठी ॥
रहेरामहजूर ॥ रा० ॥ ३९ ॥ मासाजेछेसायजोलो ॥ जून
ठेनगपेतनय ॥ जिलिपणसोलनलोमाई ॥ नाविजो
नृपघाय ॥ रा० ॥ ४० ॥ रायनेंपगेलागियास्यो ॥ लेईनि-
नपरिवार ॥ त्रीशअक्षोहिणीलशकर ॥ लागियोतन
ससार ॥ रा० ॥ ४१ ॥ हसदीपेचालिआयो ॥ रामनेदरु-

णेमांहि ॥ पायपडतांलेईउठियो ॥ मल्यामेभुगलेजांहि ॥राग॥४९॥ कुशलपूछेवारवारही ॥ पुन्यतुमसुपसाय॥ आजधन्यदिनमहारोरे ॥ देवदर्शनपाय ॥राग॥५०॥ आवोआधार्ईहांजेशो ॥ आनंदीपन्योप्रेम ॥ वात पूछेहीयुंजोडी ॥ दूजलाछोकेम ॥राग॥५१॥ आविओतोघणेदीने ॥ ओकवालभवाजोल ॥ निहांलालेतिहांभतो॥ मानवीनिरमोल ॥राग॥५२॥ वचनतारसेपजेहूदो॥ भाईजुभलजूप ॥ वचननेरससरामसेव्यो ॥ वचनरूपविरूप ॥राग॥५३॥ जिणिपण कहेरामजसुं ॥ भाईजनेछोडी ॥ आविओसुग्रीवनिमतिम ॥ जाणियोसमभेडी ॥राग॥५४॥ रामलक्ष्मणतामभाषे ॥ उरोअेतसाईम ॥ लंकनीजदसीसतुमने ॥ हीयुंकुओईम ॥राग॥५५॥ दासअेकतालीशामीओ ॥ लंकआपीईस॥ केशानकहुतअवसर ॥ आवियाजदीस ॥५६

॥ केदारारागे दोहा ॥

हंसदीपदिनआठरही ॥ आगेआवेजम ॥ धरतीदीठीमोडसी॥ जेतलडावेताम ॥१॥ ऊंचीनीचीसमडेरा॥ धरतीथालसमान ॥ सांजपणेन्योडपणे ॥ थोलनवीसनेभान॥२॥ वेलासाथीवेगसुं ॥ डीधोउदकपडाव ॥ राक्षसदसदेजणतणो ॥ आणेचित्तभेम्याव ॥३॥ वेलीराक्षसायरतणो॥ रामकटउनोसाद॥ लंकतोजाहिरिडुठा॥ डोलाहलनेनाद॥४॥ पसंजाहेसूराघणा॥ प-

कुरसंतापपृथितनामथी ॥ आक्रोशपुष्पास्रसु-
विघ्ननामा ॥ दुरितनंदनउश्प्रीतिसुदुर्ध्धर ॥ वा-
नराशालियाजेहअक्षमा ॥ आ० ॥ ११ ॥ शयमा-
रीयसंतापवानरहएयो ॥ नंदनवानरेज्वरविणा-
स्यो ॥ रक्षणीद्यामअपिविघ्नमारिलियो ॥ दुरिते
शुरुमारीनभगेहवास्यो ॥ आ० ॥ १२ ॥ सिंहजघ-
नेहएयोपृथितवरवानरो ॥ जेटलेसूर्यपणअस्तपा-
मे ॥ दोईदलोहस्थानेभूआतेघस्या ॥ प्रातःईरी
मंडिआसुनशंडामे ॥ आ० ॥ १३ ॥ उपिसुलटम-
घ्येगनरथजेसीनृप ॥ आवियोविविधआयुध्य
धारी ॥ रामसेनाप्रत्येप्रजलजलधारसुं ॥ मच्यो
जेहसंग्रामलारी ॥ आ० ॥ १४ ॥ रावणरायहु-
डारउश्वेडरी ॥ राक्षसस्थिरणरणविषयरोपिरह्या
॥ वानरापगजस्या ॥ नयपाछाधस्या ॥ अव-
सरतामसुग्रीवलहियो ॥ आ० ॥ १५ ॥ सलहस
न्नाहडरी धनुष्यवरडरधरी ॥ राक्षसानेमुखेज-
मआवे ॥ तामहनुमंतलाषतसुग्रीवसुं ॥ देवअ-
नतुमरहोआपदावे ॥ आ० ॥ १६ ॥ यदयोहनु-
मंतदुरदंतदलनेदले ॥ राक्षसानुंमुखआवीरोडे
॥ तामजाओधनुष्यजाणसंलालडे ॥ हनुमंत
वीरनेआणीरोडे ॥ आ० ॥ १७ ॥ हनुमंतेअ-
श्वछेदीजाबातणा ॥ उहेरेजुदातुंतोजाईयाए
॥ पंचनवअरगुणीपरलवसायणो ॥ जापल्

लोटयोछेरेलाहे ॥ आ० ॥१८॥ एमसुणीताम
वन्नेदरआवियो ॥ कहेरेअज्ञानमेंकेईबोले ॥
आवणिसहोयलीनेरेअनुलीबली ॥ हमतुमबेउ
छेअेकतोले ॥ आ० ॥१९॥ केशरीनीपेरेशब्द
हियडेधरी ॥ आवियोवीरहनुमंतहाजी ॥सोकेईभा
शीलिओ ॥ वननोतृणकियो ॥पाछलेकेईराणी
नभाजी ॥ आ० ॥२०॥ जंबुमालीनृपनंदनआवि
यो ॥सोकेईणिपाडीकेनाखीदीधो ॥ राक्षसमहोदरप्र
मुखबहुलामिली ॥ अंजनाअंगजघेरीलीधो ॥आ०
॥२१॥ केईतोभुजविषेकेईतोमुखविषे ॥ केईतो
पगविषेकेईछाती ॥ केईकूखेकिया ॥सयलमा-
रिसिया ॥ हनुमंतवीरनीशीसताती ॥ आ०॥२२॥
सायरविषेवडवानलशोभतो ॥ राक्षसाविषेअेवीर
सोहे ॥ लाजियासयलहीणिगतोसूरज्युं ॥ जेमरे
तिमिरनोभोनजोहे ॥ आ० ॥२३॥ राक्षसालिग
देखीअतिकोपिओ ॥ कुंभकर्णतवआपधायो ॥
देवकेईशानत्रिसूलहाथेग्रह्यो ॥ कायराधीरजथर
थराधो ॥ आ० ॥२४॥ केईपायेहण्याकेईहाथे
हण्या ॥ केईकुर्परहण्याअधिकत्रास्या ॥ केईमु-
द्गरहण्याकेईशुलेहण्या ॥ केईअन्योन्यकेईम
कपिविणास्या ॥ आ० ॥२५॥ देखीबलवंतसुग्री
वजीधाईयो ॥ धाईयोइंद्रजीभुजनेमहींद्रो ॥धाई-
योकुमुदअंगदप्रभुशालक ॥ धाईयाषट्हिमहेन

दानरिंद्रो ॥ आ० ॥ २६ ॥ ऐषटरूपने कुंभकर्णन
लेडा ॥ अजरेदेवदेजेतमासो ॥ विविधपरेजाणनो
मेहवरसावहो ॥ योगिणीआपमेंडरतहासो ॥ आ०
॥ २७ ॥ निंदआणेकरीनिंदविकुर्वणा ॥ राक्षसेनिंद
जलसयलकीधा ॥ अग्रतजाणसुंतामसुग्रीवज ॥
तेरेसघलाईणिगईलीधा ॥ आ० ॥ २८ ॥ कुंभकर्ण-
नतणोरथनेसारथी ॥ सुग्रीवरायेतवसांजरोल्यो
॥ मुद्गरकरग्रही कपिपतिणिपरे ॥ आवहीसोनहीं
टलहीटाल्यो ॥ आ० ॥ २९ ॥ अंगनेवायरेवालश
गिरिपडे ॥ गयवरईरसथीनेमवृक्षो ॥ मुद्गरेला-
जडेईतामटुकडाकिया ॥ सुग्रीवरायनोरथप्रत्यक्षो
॥ आ० ॥ ३० ॥ सुग्रीवरायजएकशिलमहोटडी
॥ रावणानुनतणोसिरहिपाडे ॥ मुद्गरेतोडीना-
जंतसोदहदिसे ॥ रजतणीवृष्टीआधीकेणिगाडे ॥
आ० ॥ ३१ ॥ अजरछाहियोकईसुजेनहीं ॥ लो-
कनांनयणमुजरजहलरिया ॥ तामसुग्रीवनल
जाणनेमुकवे ॥ रजहिजेसाकीप्रकाशकरिया ॥
आ० ॥ ३२ ॥ तामवानरपतिराक्षसणिपरे ॥ रोस
शुंमेलियोतडितघात ॥ तेहनेकोईणिपरयारलागे
नहीं ॥ मूर्छियोतवकरेघरणीपात ॥ आ० ॥ ३३ ॥
रावणणिम्हिंतामसंग्रामने ॥ तामसुतईन्द्रजित
आईआगे ॥ बीनवेआपनेछोडसंतापने ॥ कव-
णआगेतुंतोयुध्यमागे ॥ आ० ॥ ३४ ॥ नायम

वरुणनहींनहींयकुबेरजी ॥ इंद्रसोइंतुनरसुंन
जीत्यो ॥ ओघस्योडरओछेअनुचर ॥ ऊभेजन
लोकुटयोअेहरीतो ॥ आ० ॥ ३५ ॥ आपेआठे-
रामुनऔहसंग्रामनो ॥ दूरथीदेखनेकामहारो
॥ आपेडावानरापानपानेकर ॥ भणनेनइं-
योतोरेयारो ॥ आ० ॥ ३६ ॥ होईसनद्धअध्यन
नेयुध्यमेंआवियो ॥ श्रीमुखेतामसहुनेपयारा ॥
जिहांरेसुग्रीवहनुमंतजिहांलक्ष्मण ॥ रामनेचोट
महारीसहारे ॥ आ० ॥ ३७ ॥ त्रासीयावानरसा-
थेइमजोलियो ॥ नाखीहथियारतुमअलगहोवो
॥ अणरेमुनतनेमारवानियमभुन ॥ थेरेयारीन-
इनिंदसोवो ॥ आ० ॥ ३८ ॥ जीभकरवेकिस्युं
आवभुनसाहमो ॥ वानरारायतवआविआडियो
॥ मेघवाहनसंघातेभामंडल ॥ अस्त्रशस्त्रेकरीअ-
धिकलडियो ॥ आ० ॥ ३९ ॥ दिग्दिशानाहोवे
हाथियानेहवा ॥ तेहवाच्यारहिअेहदीसे ॥ हुंसतो
कोनराजंतलडवेकरी ॥ आपमेंऊछलेअधिकरी-
से ॥ आ० ॥ ४० ॥ इंद्रजीतमेघवाहनआहिपास-
तो ॥ अस्त्रमूकेनयूकेरसोई ॥ रायसुग्रीवभामंन
डलणांधिया ॥ तामतोभेरनन्यलंतकोई ॥ आ०
॥ ४१ ॥ करतणीपयारसंज्ञालेइऊठियो ॥ रोस
करतोअतिकुंभकरणो ॥ वीरहनुमंतमास्योगदा
घावसुं ॥ मूर्छियोतवग्रहेघरणीरारणो ॥ आ०

सुभट त. [illegible] पडेका मैं [illegible] पिओ ॥ कुंभक
र्ण हणुमंतवीरो ॥ अेक [illegible] अेकआ कोडणोदा
अआ [illegible] आयतेहनो [illegible]रो ॥ आ० ॥ ४३
॥ सुभट [illegible] मसुरावला [illegible] [illegible]
[illegible] ॥ अ [illegible] आयकउपरअछ [illegible]
ए ॥ सोहपावंतअेनयनदोई ॥ आ० ॥ ४४ ॥ बां
धियाअेह दोशयनेनंदने ॥ लंकमांहेनबलगेनन्न-
ई ॥ तबलगेंडीघमडीलियेआडरो ॥पामियेसुन-
रआतिअेछोडाई ॥ आ० ॥ ४५ ॥ कुंभकर्णेहनु-
मंतजकंबमे ॥ यांपिओअेह विपरितमांहे ॥ विन
सुग्रीवहनुमंतलामंडल ॥ सैन्यसघलोअछेसुन्य
प्राहे ॥ आ० ॥ ४६ ॥ अेहनवातकरतांयकांअगद
॥ सुभटभुनतप्रभुसायकाठा ॥ क्रोधवसधनुष्य
ग्रहीबाणनाभितिसे ॥ पामिअवकाशहनुमतना-
ठो ॥ आ० ॥ ४७ ॥ कुंभकर्णभुजशालहसाजीक-
री ॥ भाईसुतआगलेआवीमंडे ॥ रायसुग्रीवभा-
मंडलभुपना ॥ बंधछोडववाआधिकतंडे ॥ आ०
॥ ४८ ॥ ईन्द्रजीतमेघवाहनचित्तचिंतवे ॥ अेहतो
माहरेताततोले ॥ युध्ययुगतोनहींभर्ईटलवुंभलुं ॥
अेहतोसाजसिध्यांतबोले ॥ आ० ॥ ४९ ॥ नागन
पासेकरीबांधियाअेहछे ॥ भुभतररोरेसहेनेही
मरसे ॥ मेलियअेईहां ॥ लेईनसुंडिहां ॥ परव
सेहोईनरकांईकरसे ॥ आ० ॥ ५० ॥ मुहदालीग

ચાં . મેપ . સ્થા..ઉંન..નુ રાયપાસે .
આવે અટકલેકાઈબ..નવીચલે.. યને .

वामातिविमासे ॥ आ० ॥ ५१ ॥ अरतिआणेघणी
॥ अंधछोडशल्यणी ॥ रामअरुलक्ष्मणदोईभाई
॥ तामचित्तसांभलीदेववाण्योजेरी ॥ सुमरियेआव
यायेसहाई ॥ आ० ॥ ५२ ॥ देवमहालोचनचयने
सुधेघणुं ॥ चिंतव्योआव्योतत्तजेवा ॥ सिंहनीना-
दविद्यारथमुसल ॥ हलदेईसाचवीरामसेवा ॥ आ०
॥ ५३ ॥ विजलीतिमचलेनासअरिनोडरे ॥ समरी
साचीगदादेवेदीधी ॥ सारविद्यामहागारुडीस्यंदन
॥ आपीलक्ष्मणतणीसेवकीधी ॥ आ० ॥ ५४ ॥ वा-
रुणआग्नेयवायव्यआदेकरी ॥ दोईभाईभणीअस्त्रआ-
पे ॥ जाणियोजिनमतदारछुंसेवक ॥ थिरकरीप्रेमनो
भावथापे ॥ आ० ॥ ५५ ॥ लक्ष्मणेवाहिनीभूतग-
रुडतदा ॥ पेखवेपन्नगपरहापुलाया ॥ रायसुग्रीव
भामंडलमोकला ॥ तामहुआसहुआविमलिया ॥
आ० ॥ ५६ ॥ ढालचालीरामनेदायमीओहछे ॥ जय-
जयकारजगमेंजणाणो ॥ केशराजपुण्यवंतश्रीराम-
नो ॥ सुजशसाचोसहुमेंसुणाणो ॥ आ० ॥ ५७ ॥

॥ मारूरागेदोहा ॥

अस्तहुओरविनीपति ॥ शुभटलेहेविश्राम ॥ प्रातः
हुआआविमल्या ॥ साचववासंग्राम ॥ १ ॥ राक्षस

अतिक्रोधेंचढ्या ॥ वानरसेनमथंत ॥ मच्यद्हुडे
शुकरा ॥ तेमसरचरडोलंत ॥२॥ देखीसेनाभाजती
॥सुग्रीवादिकसूर ॥ करीघणीजोडवणी ॥ राक्षस
नाठाहूर ॥३॥ राक्षसलंगदेखीतदा ॥ रावणचढि-
ओआप ॥ थरहरावेमेदिनी ॥ करतोअतिसंताप ॥
४॥ दवानलनेआगले ॥ तरुवरनेमदहाय ॥ तेम
रावणनेआगले ॥ वानरतोनरहाय ॥५॥ रावण
दीठोआविओ ॥ आपचढंतोराम ॥ बिभिषणवनि
प्रभु ॥ आपणचढियोताम ॥ ६ ॥

॥ ढाल त्रेंतालीशमी ॥

(नेमिनाथआपणेगुणचित्तहमारो.जेदेशीने

भलेनररामडो गुलनाम ॥ रामजादिनकूडा ॥ रा-
वणडीरेदशाकुदशाणी ॥ तेहिकरेसोकूडा ॥ भ०
॥१॥ रावणजीदधीपुरज्युं ॥ आवहीदलठेल ॥
साहमोहुओरवीरधीर ॥ होईहुआमुहमेल ॥ भ०
॥२॥ रेरेमूढवीरदेखी ॥ वत्तुकरीवाणी ॥ अवर
राजीतुंदिओ ॥ माहरेमुजेआणी ॥ भ०॥३॥
तेमआहेडीजेलंतो ॥ आगेराजेचान ॥ तेमरामे
तुंकियो ॥ राजवानिजप्राण ॥ भ०॥४॥ तेहनु
त्रुटेतुजणीपरे ॥ जनेअपुठोहोई ॥ रामलक्ष्मणसै-
न्यसुं ॥ आनहुण्यामेंलेई ॥ भ०॥५॥ एहमां-
हेआवसेतुं ॥ डरेरुउंछुंएह ॥ आवीयानकमूल-

गे ॥ भूलगोमुजनेह ॥ ल० ॥ ६ ॥ उहेलाईअसुहल
ई ॥ शुध्यसरलहोई ॥ जेसीकहे करेतेसी ॥ कपट
नाहींकोई ॥ ल० ॥ ७ ॥ रामआपहिंयछ्योथो ॥
मेंहिवरुजराखिओ ॥ छतेसेवकस्वामीकामें ॥ कर-
तनालललाजिओ ॥ ल० ॥ ८ ॥ स्वामीजीसुंकाम
भणी ॥ शुध्यलणुंमिसठाणी ॥ आविओछुंआल
हेव ॥ सोईसुणोतुमवाणी ॥ ल० ॥ ९ ॥ सतीआ-
पेरतिराजी ॥ वातछहेलेजावी ॥ मानीबोलखेअ
मोल ॥ नहीरेमताभावी ॥ ल० ॥ १० ॥ मरणथीहुं
नाडइरे ॥ शजतणोनहिकामी ॥ लोकमुखेअपवाद
सुणता ॥ हुंदुःखपामुंस्वामी ॥ ल० ॥ ११ ॥ एह
अपवादमेटिआथी ॥ सेवकहुंछुंताशे ॥ कुवणराम
कुशह ॥ मानोवचनहमारो ॥ ल० ॥ १२ ॥ भिजियो
अतिशयरावण ॥ मनहुंएहिजवात ॥ कोटिआथा-
शेकोटिआपण ॥ नगयोरेरेकुपात ॥ ल० ॥ १३ ॥ला
ईहत्याथीडरु ॥ लियोथोतुहिजोलाय ॥ रावणरूप
भूलगेरे ॥ लीधोघनुष्यपदाथ ॥ ल० ॥ १४ ॥ लाई
वतोजापयानकें ॥ तहयीअजरदास ॥ करुंछुंहुवेगे
आवी ॥ पहुंयाडुंजमपास ॥ ल० ॥ १५ ॥ होईला-
ईकीलजाई ॥ तजघणीअधिकाणी ॥ मांहोमांहेनाम
टलाये ॥ शुध्यमतेरेमंडाणी ॥ ल० ॥ १६ ॥ कुलउ-
पाईईन्द्रजित ॥ अवरराक्षसघाया ॥ रामरामानुज
अपर ॥ रायजीयलिआया ॥ ल० ॥ १७ ॥ रामकुल-

उर्णलेउ ॥ ईन्द्रजीतनम ॥ लक्ष्मणशुंरेआविआउ-
थो ॥ एहुवउसंग्राम ॥ ल० ॥ १८ ॥ नीलसिंहन-
घनदुर्मुज ॥ घटोदरशुंदेष ॥ स्वयंभूनईदुर्मतिशुं
॥ नलसंभूसुविशेष ॥ ल० ॥ १९ ॥ अंगदनेमयने-
मय ॥ वीरवीराधउसुग्रीव ॥ स्कंदयेंन्द्रनआनिशेपम
॥ मार्यारहीअतिशीव ॥ ल० ॥ २० ॥ श्रीदत्तनलंबू-
माली ॥ भामंडलजउतु ॥ हनुमंतकुंभकर्णसुत ॥
नागासेससमेतु ॥ ल० ॥ २१ ॥ कुंदनेधुमाक्षीदानी
॥ डिंडिंधेससुमालि ॥ ग्येंन्द्ररश्मिसारणसाथे ॥
मार्याओयुध्धउशालि ॥ ल० ॥ २२ ॥ लक्ष्मणऊपरे
ईन्द्रजित ॥ मेलेतामसबाण ॥ लक्ष्मणटालेप्रगट-
पणे ॥ सूरांजेसुलतान ॥ ल० ॥ २३ ॥ ईन्द्रजीतनहि
अनुनमेले ॥ नागपाशअस्त्र ॥ तातणियेगजतेम
बांध्यो ॥ जोईकुरिओनहींशस्त्र ॥ ल० ॥ २४ ॥ रथ-
मेंघालीततकाल ॥ ग्येंन्द्रोदरजलावे ॥ कटकमांहेआति
ऊच्छाहे ॥ राज्याथानकआवे ॥ ल० ॥ २५ ॥ कुंभ-
करणनागपाशे ॥ रामेबांधिलिओ ॥ भामंडलहनु-
यदेई ॥ तेपहोंचायदियो ॥ ल० ॥ २६ ॥ अयरसन-
क्षससुंअडया ॥ वानरानईआप ॥ तेनेबांधिआ-
णिआ ॥ रामतणेपरताप ॥ ल० ॥ २७ ॥ मेघवा-
हनबांधियो ॥ सांधियाशरनाहि ॥ दिवसहिरेदे-
जीवेरि ॥ भेरपदेनहींप्राहि ॥ ल० ॥ २८ ॥ देजी
नयनअतिदुःखयन ॥ पामिओतबराय ॥ वीरऊ-

परशूजसुडे ॥ डियुहिंओमरीजय ॥ ल० ॥ २९ ॥ शूर
लक्षंतशलताम ॥ छेहिओनिमडेसी ॥ लक्ष्मणेतो
लीलमेरे ॥ सुदिनडेरेमेलि ॥ ल० ॥ ३० ॥ श्रीधरणें-
द्रदत्तशक्ति ॥ विजयनामेअमोघा ॥ विजयहेतेरावण
राय ॥ ग्रीपाडेअलोघा ॥ ल० ॥ ३१ ॥ घगघगंतिजल-
तिज्वलति ॥ तडतडतिनादे ॥ अंतमेघतडितलेजा ॥
दिशेज्ञाहे ॥ ल० ॥ ३२ ॥ देवपाछाओसरे ॥ लोक
नमेलेनथल ॥ देअताथिरताभिटे ॥ ग्रीपनेरे कुंयेयन
॥ ल० ॥ ३३ ॥ रामकहेसौमित्री ॥ बिभिषणनीसाल
॥ आपनेछेराजिलेओ ॥ मोरराक्षसराज ॥ ल० ॥ ३४ ॥
शरणेआयोराजणो ॥ नहींस्हायकराय ॥ अयालुंन-
दियांतणी ॥ देअवातटिजय ॥ ल० ॥ ३५ ॥ सौमित्री
आगेहुओ ॥ गुड्डनोअसवार ॥ रावणानुनपुठदि-
ओ ॥ ओहअरोव्यवहार ॥ ल० ॥ ३६ ॥ लक्ष्मणसाल
थेकहेराय ॥ आगोपाछोथाय ॥ परमरणेतुंकांमरे
॥ जेतुजआवीदाय ॥ ल० ॥ ३७ ॥ जमावीआतिहि
जमावी ॥ लक्ष्मणऊपरतेह ॥ रावणमूकेरोससुं पाता
महुओअछेह ॥ ल० ॥ ३८ ॥ साआवंतीदेखीपेजी
॥ सौमित्रीसुग्रीव ॥ भामंडलनलनेविराध ॥ हनु-
मंतसूरअतीव ॥ ल० ॥ ३९ ॥ अस्त्रासुंजलवंतवा-
रि ॥ ताडेतामअपार ॥ अंकुसजोटोहाथिओ ॥ नेम
नमानेडार ॥ ल० ॥ ४० ॥ ऊरस्थलेआवीपडी ॥ मूर-
२७।९। ...य 'हाहाडारहअे वणा.१२ा .डर

सहुसाथ ॥ भ० ॥ ४१ ॥ कोपीरामचढावेताम ॥ जे-
सीरिथरसाल ॥ रायतणोरथरोससुंरे ॥ तोडियोतत-
काल ॥ भ० ॥ ४२ ॥ बीजोत्रीजोवेदमो ॥ पंचमोरथछे
ट्ठी ॥ तृणतणीपेरेतोडीनाखे ॥ राघवरोसविशेषी ॥
भ० ॥ ४३ ॥ रावणचित्तशुंचिंतवे ॥ भाईतणुंदुख
भूरि ॥ एतोहूओआंधलो ॥ रहियेएहथीदूरि ॥
भ० ॥ ४४ ॥ लंकमेंनृपआविओ ॥ आथमिओदि-
नकर ॥ दुःखभननवेदनिओ ॥ आणीएहविचार
॥ भ० ॥ ४५ ॥ रावणभागोजाणीओ ॥ फिरिआ
रामतिवार ॥ लक्ष्मणपाडिओदेखतां ॥ नरहीशु-
ध्धलिगार ॥ भ० ॥ ४६ ॥ मुरछाईधरतिपड्या ॥
करीसीतलउपचार ॥ उठाईबेठाकिआ ॥ बोले
लक्ष्मणलार ॥ भ० ॥ ४७ ॥ वत्सतुमेक्युंपोढि-
आ ॥ क्युंनप्रकाशोवयण ॥ शक्तिनहींलेवयणनी
॥ कंईचतावोशयन ॥ भ० ॥ ४८ ॥ एमुखदेखे
ताहरो ॥ सुग्रीवादिनरेश ॥ बोलनआपोछोतुमे
॥ आणेअरतिअशेस ॥ भ० ॥ ४९ ॥ रावणतो
जुवतोगयो ॥ एथारेचित्तरोश ॥ रावणमारेवोस-
ही ॥ आणोएसंतोष ॥ भ० ॥ ५० ॥ तिष्टतिष्ठकि-
हांगयो ॥ महारोभाईमारी ॥ धनुष्यबाणलेईच-
ल्या ॥ हनुमंतकहेहंकारी ॥ भ० ॥ ५१ ॥ किहांच-
ल्याप्रभुजीतुमे ॥ वयरविसोधनभाई ॥ रावण
तोलंकागयो ॥ तामकिस्यापछताई ॥ भ० ॥ ५२ ॥

नारीहरीतेंआईहण्यो ॥ अेहअवस्थाआपी ॥ हुं
आव्योलाजगयो ॥ दिसेरावणपापी ॥ भ०॥ ५३॥
लक्ष्मणदेअेयोमारियो ॥ प्रभुनेवेदनभारी ॥ कामन
होवेकायरे ॥ देजोज्युंनविचारी ॥ भ०॥ ५४॥ अथ
घटंतीअमनी ॥ कीनेकोणिपकर्म ॥ प्रभुजव्यासहुज-
वशुं ॥ महोटोछेअेमर्म ॥ भ०॥ ५५॥ अेतोत्रयालीन-
शमी ॥ दालभलीकहिवाय ॥ केशरअेहदेजो ॥ पुन-
ण्येपापपुलाय ॥ भ०॥ ५६॥

॥ सिंधुरागे दोहा ॥

सुणसुग्रीवविरांधनल ॥ आमंडलहनुमंत ॥ देवकु-
रीअेअेहवी ॥ तुमघरेअयोतुरंत ॥ १ ॥ नारिहरण
बंधवमरण ॥ दुःखभरह्योअेहूरि ॥ लंकनदीठीवि-
भिषणा ॥ अेदुःखसालेभूरि ॥ भ०॥ २॥ प्रातःकु-
आरावणहणी ॥ देईविभिषणराज ॥ लक्ष्मणसाथे
लाणसुं ॥ सीतासुंनहींकाज ॥ ३ ॥ कहेविभिषणस्वाम
मीजी ॥ धीरजधरोअपार ॥ कायरहोईनथरहरो ॥ विन
यमनोअधिकार ॥ ४ ॥ शक्तिहणीअोजवेसही ॥ त्यां
लगिदिनचार ॥ अजभलगवस्तअआमिनी ॥ करीसी-
लेअपिचार ॥ ५ ॥ तंत्रमंत्रऔषधनडी ॥ होईदाय
उपाय ॥ रातदिंमांहेकीजये ॥ जिमप्रभुसारोथा-
य ॥ ६ ॥

॥ ढालचुमालीशमी ॥

(जेजेमुनीवरविहरणपांगरया, ए देशी)

जुवेहोजवेवीशेवालहोरे ॥ कोईकशेतुमकामरे ॥ जी-
जेरेजनसहुअस्तुहामणोरे ॥ तामकेश्रीरामरे ॥ जु-
वे० ॥ १ ॥ सातेरसातेकोटडिआभलारे ॥ च्यारडियाद-
रवारसे ॥ राजरेराजरजवालेरह्यारे ॥ हुईनेहुशि-
यारसे ॥ जु० ॥ २ ॥ पूरवरेपूरवदिशिनेबारणेरे
॥ कपिपतिनेहनुमंतरे ॥ दधिमुखरेदधिमुखस्कंद
गवाक्षसुरे ॥ तारगवयगुणवंतरे ॥ जु० ॥ ३ ॥ उ-
त्तररेउत्तरदिशोविहंगमारे ॥ अंगदकुरमअंगरे ॥
महेन्द्रनरेमहेन्द्रसुषेणजेरे ॥ चन्द्ररश्मिसुयंगरे ॥
जु० ॥ ४ ॥ पश्चिमरेपश्चिमदिशिदुर्धरनयरे ॥ स-
मरशीलमनमथरे ॥ नीलनरेनीलाविनयनेसंभूव
रे ॥ एसातेसमरथरे ॥ जु० ॥ ५ ॥ दक्षणरेदक्ष-
णदिशिभामंडलूरे ॥ वीरविराधनभेदरे ॥ गवन-
लरेगवनलनेजिलिषणोरे ॥ भुवनजितसुभेदरे
॥ जु० ॥ ६ ॥ मांहेरेमांहेराघवराखियोरे ॥ सुग्रीवा-
दिकतामरे ॥ जगेरेजगेयोद्धामहाबलीरे ॥ भक्ति
करीविणसेकामरे ॥ जु० ॥ ७ ॥ सीतारेसीतायेएसांभ-
लीरे ॥ लक्ष्मणशक्तिप्रहाररे ॥ भ्रातःरेभ्रातःप्राण
प्रभुजत्यनेरे ॥ भाईशुंअतिप्यारसे ॥ जु० ॥ ८ ॥ मूर-
च्छारेमूर्च्छाआवीअतिघणीरे ॥ धरणीपडीतत्का-
लरे ॥ करीरेकरीसीतलताजरीरे ॥ जिकाईसाबाल

२ ... ९ . । ऊरूणानरेऊरूणा ... ... डीरे ॥ ७९
तीअधिकविलापेरे ॥ थंभेरेथंभेतसविद्याधरीरे ॥ दे-
हपछाडेआपेरे ॥ जु० ॥१०॥ हावत्सरेहावत्सलक्ष्म-
णकिहांगयोरे ॥ प्रभुनेछोडीआनरे ॥ तुजविणरेतुज-
विणक्षणजीवेनहींरे ॥ करसोसहीअज्ञानरे ॥ जु० ॥११
॥धिकहुंरेधिकहुंअधिकअभागणीरे ॥ महारेकीधेदे-
भेरे ॥ स्वामिरेस्वामीनेदेवरभलोरे ॥ पीडायेसुविशे-
षेरे ॥ जु० ॥१२॥ मुजनेरेमुजनेविवरवसुधरारे ॥ दी-
येअजदेवीअपाररे ॥ मांहेरेमांहेहुंपेसुंसहीरे ॥ ओप-
रेवालेछालरे ॥ जु० ॥१३॥ एटलेरेएटलेएकविद्या-
धरीरे ॥ करूणाअतिदाझंतरे ॥ विद्यारेविद्यावरअ-
विलोकिनीरे ॥ अवलोकीभाझंतरे ॥ जु० ॥१४॥
भाईरेभाईआरतिमतिकरोरे ॥ लक्ष्मणलीलामां-
हेरे ॥ प्रातःरेप्रातःएणेठरोसहीरे ॥ मिलसेराम
उच्छाहेरे ॥ जु० ॥१५॥ सुसतीरेसुसतिहर्षसुंद-
रीरे ॥ कहीहोवेपरभातरे ॥ वाइरेवाइवर्तिकासाल-
ल्यारे ॥ दुःखदेशांतरेजतरे ॥ जु० ॥१६॥ रावण-
रेरावणअतिरससंगमेंरे ॥ लक्ष्मणमारियोजाणि-
रे ॥ भाईरेभाईसुतनृपआंघियारे ॥ सुणीरोवेदुः-
खआणीरे ॥ जु० ॥१७॥ हावत्सरेहावत्सकुल-
कर्णजीरे ॥ हावत्सनंदनिकूपरे ॥ इन्द्रजीतरेइन्द्रजित
घनवाहनूरे ॥ जंबूमालीअनूपरे ॥ जु० ॥१८॥ अ-
वसररेअवसरअपूर्वराणियारे ॥ अंघाणीतुमदेहरे

॥मुजनेरेमुजनेजवतांयअंरे ॥ अनजनतमासोअे-
हरे ॥ जं०॥१९॥ सुमरीरेसुमरीगुणसुतलाइं-
नारे ॥ वारंवारपडंतरे ॥ जयठोरेजयठोडीनेइहि-
इंशेरे ॥रमणीनेमरडंतरे ॥ जं०॥२०॥ अेडजरेअे-
डजविद्यायरजलोरे ॥ अेटलोआवेव्यालीरे॥ पूरवरे
पूरवदिशिनेजारणेरे ॥ लामंडजनेनिहालीरे ॥जं०
॥२१॥ लाषेरेलाषेवाणीअमीसमीरे ॥ मेलवोसा-
धवरायरे ॥ लक्ष्मणरेलक्ष्मणजववातणोरे ॥दाजुं
हुंपायरे॥ जं०॥२२॥ लामंडलरेलामंडलउरसाहि-
योरे ॥ आण्योप्रभुनेपासरे ॥ चरणेरेचरणेलागी
विनवेरे॥ आणीनेउल्हासरे ॥ जं०॥२३॥ पूरवर
रेपुरवरछेसंगीतजरे ॥ शशीमंडलभूपालरे ॥रा-
णीरेराणीशलेसुप्रभारे ॥ नंदनहुंसुविशालरे ॥जं०
॥२४॥ नामेरेनामेकुंभतिचंदजरे ॥ जयसीविमाने
अणीरे ॥ क्रीडारेक्रीडाकरवाकारणेरे ॥ सुंदरीसुशो-
भणीरे ॥जं०॥२५॥ दीठोरेदीठोहुंतवजेचरारे ॥स-
हुवविनयतसनामरे ॥ वयरनरेवयरनमैथुनजनार-
णेरे ॥ मांड्योतवसंग्रामरे ॥ जं०॥२६॥ शक्तिजरे
शक्तिजदस्वातणोरे॥ कीधोताभमहारसे ॥आव्यो
रेआव्योहुंचलीभूतलेरे ॥ नलहुंशुध्धलिगाररे ॥
जं०॥२७॥ कौशल्यरेकौशल्यपुरउद्यानमेंरे॥प-
डिओपामुंदुःजरे ॥ ओछेरेओछेलसेनेमभाखलोरे
॥रंचनपामुसुजरे ॥ जं०॥२८॥ भूपतिरेभूपति

श्रीभरतेसडूरे ॥ आर्णगयोआलिशभरे ॥ऊडूणारे
ऊडूण॥अधिकीओपनीरे ॥ओभलछेपरिणामरे ॥
जं०॥२९॥ आणीरेआणीगंधावुतहारे ॥सींच्यो
अंगसत्नेररे ॥ नासीरेनासीशक्तिगईसहीरे ॥लि
भल्नग्यायीयोररे ॥ जं०॥३०॥ हुओरे हुओतामि
समाधिओरे ॥ अचेरेजआधिकोपामरे ॥ महिमारे
महिमागंधावृतणोरे ॥ पूछीओमेंसरनामरे ॥ जं०
॥३१॥ लागीरेलागीतुमारोतवलणोरे ॥सारथवाह-
नओडे ॥ गजपुरेगजपुरथीईहांआवियोरे ॥साथे
महीषअनेऊरे ॥ जं०॥३२॥ तुटोरेतुटोभेंसोओऊ-
जरे ॥पडिओमारगवीच्येरे ॥ माथेरेमाथेपगदेईचे
लेरे ॥ लोकजलेउछेनीच्येरे ॥ जं०॥३३॥ महोटेरेम-
होटेउपन्हवेभूओरे ॥सेतंकरपुरिपेजेरे ॥पवनज
रेपवनजपुत्रनामेंभलोरे ॥ देव हुओरेसतेजरे ॥जं०
॥३४॥ अवधिनरेअवधिज्ञानसुदेखिओरे ॥पुरव
भवंतरअनमरे ॥ व्याधिनरेव्याधिविकुर्विदेशमेंरे ॥
पुरपुरगाममहिगामरे ॥ जं०॥३५॥न्होणनरेन्होण
मेघनादेशमेंरे ॥ नहींव्याधिपेसाररे ॥ मामोरेमामो
जमेंपुछिओरे ॥ अेछे कुणविच्याररे ॥ जं०॥३६॥
पृथवीरेपृथवीसघलीमाहरीरे ॥ अंतरअेछे जोईरे
॥ तिमछेरेतिमछेतिमसाच्युं कहोरे ॥ सूठ कह्यां दुःख
थायरे ॥ जं०॥३७॥ बोलेरेबोलेसोप्रभुसांभ-
लोरे ॥ प्रीयंकरामुजनारेरे ॥ रोगेरेरोगेपीडीयीयन-

णीरे ॥ गर्भतणेआधारेरे ॥ ज० ॥ ३८ ॥ हुईरेहुई
सहीनिरोगणीरे ॥ पुत्रीपणपरधानरे ॥ प्रसवीरेप्रस-
वीसुखसमाधिमेंरे ॥ विशल्याअभिधानरे ॥ ज० ॥
३९ ॥ थारोरेथारोनिमतिममाहरोरे ॥ देशहुतोसम
लायरे ॥ पुत्रीरेपुत्रीसनानजलेकरीरे ॥ सींच्याथीसु-
खथायरे ॥ ज० ॥ ४० ॥ पूछ्योरेपूछ्योमुनिवरअेम
कुघारे ॥ सत्यभूतीसुखदायरे ॥ अेछेरेअेछेकुणविशे-
षथीरे ॥ ज्ञानेभेदलहायरे ॥ ज० ॥ ४१ ॥ दाखेरेदा-
खथकीघणीरे ॥ मीठीवाणीविशेषरे ॥ पूरवरेपूरव
भवनातपतणोरे ॥ अेइफलछेसुविशेषरे ॥ ज० ॥ ४२
॥ घावजरेघावजनेसशाहणुंरे ॥ शालतणोअपहार
रे ॥ व्याधिजरेव्याधिसहुनेक्षयकरेरे ॥ लक्ष्मणज
भरतारेरे ॥ ज० ॥ ४३ ॥ अेगुणरेअेगुणनोकर-
तारछेरे ॥ स्नानतणोजलसाररे ॥ अमृतरेअमृत-
हीथीगुणघणारे ॥ सुरगुरुनलहेपाररे ॥ ज० ॥ ४४
॥ मुनिवररेमुनिवरनीवाणीयकीरे ॥ प्रत्ययलहीप्र-
त्यसरे ॥ जलनोरेजलनोप्रगटप्रभावजरे ॥ प्रगट्यो
लोकसमक्षरे ॥ ज० ॥ ४५ ॥ अेमनरेअेमनकहीने
मुनभणीरे ॥ स्नानतणुंजललीधरे ॥ छांटोरेछांटो
नाख्योदेशमेंरे ॥ देशनिरोगीकीधरे ॥ ज० ॥ ४६ ॥
ओहिजरेओहिजजलसुंसिंचियोरे ॥ मेंतुजछणहि-
जवाररे ॥ शक्तिजरेशक्तिशालगयोघावाहिरे ॥ इ-
ज्योजिणहिमजाररे ॥ ज० ॥ ४७ ॥ भरतनरेभर-

तननेमेंहजियेरे ॥ननलनोप्रगटप्रभावरे ॥ आणोरे आणोआतिउत्तावलोरे ॥ छांडोअवरउपायरे ॥जि० ॥४॥ ढालनरेढालनेंपुंआलीशमीरे ॥राममहासुजसपायरे ॥ जेहवीरेजेहवीतोभवितव्यतारे ॥तेहवी भलेहिसहायरे ॥जि०॥४९॥

॥ बिलाउलरागे दोहा ॥

भामंडलहनुमंतजी ॥ अंगदसुभटसलील ॥श्रीमदहेमोलायके ॥ अमतणीनहींढील ॥१॥ पहेलाअमोलरतपें ॥भरतहिलेईसार ॥ताणोढलावोसही ॥ करेइमलाघोवार ॥२॥ आनलगेसेवकहुता ॥आगेतुमसुनभ्रात ॥ लाईलिक्षाअपवे ॥शोजो नगमंज्यात ॥३॥ निहालगेनगजुविश्लु ॥ तिहालगेउपजाश ॥विसरशुंनहींतुमअछो ॥प्राणदानदातार ॥४॥

॥ ढाल पिसतालीशमी ॥

(मेरोमेरो लालकहेसहुकोई, एदेशी.)

सोईसयाणोअवसरसाधे ॥अवसरसाधेस्वामीआराधे ॥सो० ॥ जेसीविमानेतेतब्येलिया ॥ विद्याधर विद्याजलेजलिया ॥ पुरीअयोध्यायालीआया ॥भरतनरेसरसोजतपाया ॥सो० ॥१॥ जिपरभूमिये सयनसुहाली ॥गलतीरातेनिंदरसाली ॥ अंजरेरह्यारागआलापी ॥नादजलेलिओरायनगावि॥सो०

॥२॥ अंगीअं पहु ओहु सीयारी ॥ दहदिशि मेले नर
पसारी ॥ आगे उलाहोसोठी ॥ पूछे प्रभु कहो कारण
कोई ॥ सो॰ ॥ ३ ॥ भामंडल लापेसम जातो ॥ भरत हि
यामें दुःखन समातो ॥ उछात बाहिहु ओ आगे ॥ जयसी
विमानें मारग लागे ॥ सो॰ ॥ ४ ॥ कौतुक मंगल आया येभ-
ली ॥ सो वंती रेनगा ईजासी ॥ द्रोणमेघ नृप पासे आयी ॥
सज गुणलक्षणवंती साथी ॥ सो॰ ॥ ५ ॥ कन्यास हस्र
तणो परिवारो ॥ ते सघली आगी तस लारो ॥ प्रतिज्ञा छे
सहुनी सरखी ॥ अेक जपती करवा ने हरखी ॥ सो॰ ॥ ६ ॥
भरत जयो ध्याये पहोंच्यायो ॥ भामंडल ओ आयो ला-
यो ॥ विशल्या सघली सुं लीधी ॥ च्याल्या तब ही दीसन
कीधी ॥ सो॰ ॥ ७ ॥ जलद्वीपे उजलो हेजी ॥ रवी उग्या
नो मर्म विशेषी ॥ अति हि वेगे विमान चलावे ॥ वात कह-
तां प्रभु पें आवे ॥ सो॰ ॥ ८ ॥ सहु कोई आरतिया होता ॥
कदी हि आवे उवाट जोता ॥ सूर उदय पंकज विकसावे
॥ देखि विशल्या सहु सुख पावे ॥ सो॰ ॥ ९ ॥ विशल्या प्र-
भु नो तन फरसे ॥ अणे हुये जलधर वरसे ॥ शक्ति सहु
देखंता नाठी ॥ निमना गणी मारग्या थी साठी ॥ सो॰ ॥
१० ॥ साजंती हनुमंते झाली ॥ तव सा नशकेहिं ठाली
॥ ले मयली सिंधाणे साहि ॥ पूछंता जो संत उछाही ॥
सो॰ ॥ ११ ॥ प्रज्ञासीनी हुं लघु भगिनी ॥ देवीरूपे छुं शुभ-
लग्नी ॥ केडे पडी ईइं तस ठाम ॥ महाशक्ति छे महा-
रूं नाम ॥ सो॰ ॥ १२ ॥ धरणेन्द्रें रावणने आपी ॥ रावणे

पणहुंथीरडरीयापी ॥ जमसरखोयोरावणडेरो ॥ पण
लक्ष्मणनोभागभलेरो ॥सो० ॥ १३ ॥ पूरवलभवनात-
पनुंजेरो ॥ विशल्यादेज्यांमनमोरो ॥ थरहरू थरहरड-
रीधुजणी ॥ तेहजणीप्रभुभेंनरहाणी ॥सो० ॥ १४ ॥
ररीनहींआवुंसाथतुमारे ॥ अजअेनिश्चेउचितहमा-
रे ॥ अजडेजेजुवेवालहिसुं ॥ छानीमानी होयरही-
सुं ॥ सो० ॥ १५ ॥ सघलेतवदीधोकिटकारो ॥ लज्ज
पामिहारीजमारो ॥ हंतासाथेलीधीजुती ॥ दृष्टीख-
गोयसहुछजुती ॥सो० ॥ १६ ॥ विशल्यातनुफरसेकि-
री ॥ तिमतिमशातायायवणेरी ॥ भावनायंदनलेप
कराय ॥ वर्मईजणुंजातिसुजथाय ॥सो० ॥ १७ ॥ आ-
लसमोडीउठ्योस्वामि ॥ सर्वप्रडेरसातापामि ॥ देजे
आंसुनाजेशभो ॥ लक्ष्मण पूछेप्रभुनेतामो ॥सो० ॥
१८ ॥ अेस्याकेटडिस्यारेभवाला ॥ अेसीजालाकूपरसा-
ला ॥ अेस्याआवेछेरवघावा ॥ अेस्यालोकांनारेमेला-
वा ॥सो० ॥ १९ ॥ रामसहुविरतंतसुणावे ॥ विशल्या-
नीवातजणावे ॥ कन्यासहस्त्रहिसाथेसुहावे ॥ विश-
ल्याप्रभुविवाहकरावे ॥ सो० ॥ २० ॥ शोलहजारनारी
मांहे ॥ विशल्यापटराणीप्राहे ॥ जिमराघवनेसीता
राणी ॥ तिमलक्ष्मणनेअेहवजाणी ॥सो० ॥ २१ ॥
विद्याधरनेवानरमलिया ॥ आपणमांहेकीनेरलिया ॥
जन्मोच्छवजिमओच्छवहोवे ॥ देवीदेवतमासोजोवे
॥सो० ॥ २२ ॥ नीसानेतबपडिओघावो ॥ आनंदी-

ારેઅયોધ્યાઆવો ॥ સાજનજનનેઅધિકઉલ્હાસો
॥ દુર્જનજનઘરેપડિઓત્રાસો ॥ સો॰ ॥ ૨૩ ॥ સાં
॥ જીવંતોસુણિઓ ॥ રાવણઆરતિવંતોથુણિઓ ॥
सामंतमंत्रीनेबोलावी ॥ करेमतोतिणसारेआवी ॥
सो॰ ॥ २४ ॥ सौमित्रीमेंशक्तियेताड्यो ॥ जाणेथोथो
अेमारीपाड्यो ॥ राममरशेहुआभ्रांतो ॥ नहींजीवेवि-
णलक्ष्मणभ्राता ॥ सो॰ ॥ २५ ॥ वानरडासविजासे
भाजी ॥ धणीयांविणनहींलडसेसाजी ॥ वाधेवादल
जासेफाटी ॥ विणओषधअेव्याधिनफाटी ॥ सो॰ ॥ २६
॥ भाईसुतशुंसहुछूटसे ॥ नागपाशबंधनत्रूटसे ॥
सहुनेहींसहुआविमलशे ॥ दुधमांहेअेसाकरभलसे
॥ सो॰ ॥ २७ ॥ अेतीमांहेकोईनहूई ॥ देवतणीकरणी
छेजूई ॥ स्वप्नानोहुओविवाहो ॥ भाईसुतनीअस-
तिअगाहो ॥ सो॰ ॥ २८ ॥ मंत्रीभाषेसीताछूटे ॥ भा-
ईसुतनांबंधनत्रूटे ॥ अेतोप्रभुजीतुमनहींकरसो
॥ मूआकेडेतुमहीमरसो ॥ सो॰ ॥ २९ ॥ अेहअनुन-
यआगोशाजो ॥ भूंडूंकीधानांफलथ्याजो ॥ आपदुः-
जेपरनेदुःजजाणो ॥ तुमआगेहिंआगेताणो ॥ सो॰
॥ ३० ॥ रावणेमंत्रीसरअवगणिया ॥ दूतबोलावी-
नेईमभणिया ॥ जाअराघवपासेजाई ॥ वातकहो
नेमंकहिवाई ॥ सो॰ ॥ ३१ ॥ आव्योतेराघवदरबा-
रे ॥ पोहोतोरोक्योतेप्रतिहारे ॥ प्रभुआदेशेआघोआयो
॥ सलाहीजतांअर्थपरिजपायो ॥ सो॰ ॥ ३२ ॥ ईन्दस-

ભોહવીએદાસો॥ ... બિસ્વાવીરો ॥સ૦ ...
નિકસુરજેનૃપપાસે॥ ગેલાગીનેવચનએકાસે॥સો૦
॥૩૩॥રાવણ... ષેતુનરું ॥લિંધુ ॥નેલોનહારા ...
તજં ॥સીતાદા...લિયોમુજરાજે ॥અર્થલઇનેસ:
शेजने ॥सो०॥३४॥कन्यातीनहमरनआपुं ॥ आ-
गेसारीप्रीतिनथापुं ॥ ईमहिंकरतानावेहाई॥ तोतुम
साथुंनहींछेकांई ॥सो०॥३५॥रामकहेतुंकहेनेतेहने॥
शनअर्थदिवायेतेहने॥ प्रेमदाल्याहुंनहियअनेरी ॥वा-
तमकेजेएहवीकेरी॥सो०॥३६॥ पूजअस्यीनेओ
सीता॥ जेतुमथोविश्वविदिता ॥ तोहुंमेलुंएहनाजे
हो॥ भाईसुतनेआणीसनेहो॥सो०॥३७॥ दूतकहे
तुमस्वामीसयाणा॥ वचनकहोछोअधिकअयाणा॥
त्रीयाहेतेहारोछोप्राणो ॥रावणकृष्योनहींजेत्राणो॥सो०
॥३८॥सौमित्रीतुमजुव्योजाणो॥तेहथीतोतुमसुदिन
पिछाणो॥ अमकेसौमित्रीकपीआपो॥तुममरशोएने
निश्चेथापो॥सो०॥३९॥ एकहिरावणविश्वहिनेता॥
रावणनाबलभाषुंकेता॥ सूरउदयथीजयेनासी॥
अंधकारजहदजिविमासी॥सो०॥४०॥ सौमित्रीकहे
छेतूंदूतो॥ प्रभुअनुसारेतुंहिआकुतो॥ईहमविनातुं
बोलेबोलो॥देंजायछेकूरयोदोलो॥सो०॥४१॥कूट
रावणनुंजव्युंआजे॥ बोलतोनवीपामेलाजे॥जेह-
नावालानंदनभाई॥ जंघीथकीनशकेछोडाई॥सो०॥
४२॥ जरेकहे तुजस्वामीसाथे॥एहकहीछेरघु

नरनाथे ॥ जोंइशजिनतक आवीअजंबेते ॥ साच
करेसेलाषीनेते ॥ शो० ॥४३॥ लक्ष्मणजीअेतातती
वाणी ॥ सांभलतांवानरकेन्नणी ॥ कंठेसाहिबाहिर
कीधो ॥ दूतगयोप्रभुपासेसीधो ॥ शो० ॥४४॥ पांच
अनेअेतोंतालीसे ॥ ढालसइलीसयलजगीसे ॥ केश-
रानइषीरायविचारे ॥ साच्योक्तेमूलोहारे ॥ शो० ॥४५

॥ केदारारागे दोहा ॥

दूतकहीश्रवणेसुणी ॥ इरीतेडयामंत्रीश ॥ कहोभ-
तोकीनेकिस्यो ॥ आरतिवंतोईश ॥१॥ मंत्रीभाषेद-
वको ॥ सोचाताकीअेक ॥ कहीसुणावास्वामिने ॥ स्वा-
मीतनेभेटेउ ॥२॥ सीतादीधांरामने ॥ सरेससहुतुम
काम ॥ लाईसुतआवेघरे ॥ रहेससहुनीमाम ॥३॥ जे
कसुणीनेलीतरे ॥ आणेअधिकीरीस ॥ कोईनसुधो
सरदहे ॥ किस्युंकरेमंत्रीश ॥४॥

॥ ढाल छेंतालीशमी ॥

(श्रेणिकरायहुंरेअनाथीनिग्रंथ, अे देशी.)

रावणरायआशाअधिकीथाय ॥ तेतोछोडीरेक्युंहि
नजाय ॥ रा० ॥ दशकंधरएमचिंतवे ॥ हिवेकीनेकोई
उपाय ॥ जिणजीपायेजतवुं ॥ अेतोरामनेलक्ष्मण
राय ॥ रा० ॥१॥ आरतिअधिकीउपनी ॥ भाईसुत-
नीअगाध ॥ वशपड्याछेपारके ॥ तेछूटवानंदीसेआ-

न॥रा०॥२॥अमोघविजयशक्तिथीरे॥ कोईनसकि-
योजीत॥लक्ष्मणजीवतोउगस्यो॥ किमरहेरोमहारी
लाल॥रा०॥३॥अस्त्रशस्त्र बहुकरी॥ जीतिनशकुंरा-
म॥ कोईउपायथीवशकरी॥ साहुंवंछितकाम॥रा०॥
४॥विद्यासहस्रसाधीनिकेरे॥ तेसहुनेअवलोय॥ने-
हथकीकरजस्सेरे॥ ततोआनन्दीसेकोय॥ रा०॥५॥अ-
नंतीइविद्यारणा॥ कीधीनृपतेसोई॥ विद्यानेबहुरूप-
णी॥ तेसाधेकारजहोय॥रा०॥६॥ अविद्यानेसाधवारे
॥उद्यमथयोईस॥ अहथीमुनयायसोरे॥ करनविश्वा-
वीस॥रा०॥७॥ अेमविभासीआविजोरे॥ पौषधशा-
लामांहे॥ मणीपीढिकाउपरे॥ बईजेठोरेन्याहिं॥रा०
॥८॥मनथिरसाजीआपणुंरे॥ विद्यानेसमरंत॥ अगर
हुआपरेयोरे॥ अेमलंकपतिधरंत॥रा०॥९॥ मिरतो-
अणमेसतोरे॥ आशनपद्मठवंत॥ जपमालानेकरग्र-
हीरे॥ विधिशुंजपजपंत॥रा०॥१०॥ कहेदेवीमंदोद-
रीरे॥ नवपोलियानमहंड॥ दियशतोआठलगे॥ कु-
रोरेयमभियंड॥ रा०॥११॥ आंबिलनेनीविकरो॥ कु-
रोतपउपवास॥ दानधोशुध्यलावसुं॥ करियेशीलअ-
भ्यास॥रा०॥१२॥ पडहोदीधोपुरविषे॥ सौकोईकर-
जोधर्म॥ नहींकरेतोमारवो॥ लोपीरेखाणीगर्म॥रा०
॥१३॥ चरेआवीसुग्रीवसुं॥ अेहजणावीवात॥ वि-
घातोजहुरूपणी॥ साधेविश्वविख्यात॥रा०॥१४॥कु-
पीपतिलोपेरामसुं॥ कीजेकोईउपाय॥ सिंहजनेचली

पांम्यो ॥ लीधोरे कर्युं हिनन्नाथ ॥ ढा० ॥ १५ ॥ एह
विद्यासाधवा ॥ नहीं नवे मेज्ञान ॥ एक हिंसीधो न-
वी पडे ॥ जहुलारे विणशे काज ॥ ढा० ॥ १६ ॥ राम कहे
थिरतापणे ॥ पूरिओ छे ध्यान ॥ अंतराय कोई भतिक-
रे ॥ होइ गैरे आतुर अज्ञान ॥ ढा० ॥ १७ ॥ यापजेहसु-
ग्रीवनी ॥ करीयोरे उपकर्म ॥ मूल हीथी छेद्यो ॥ आतुर
होइगमी ॥ ढा० ॥ १८ ॥ अंगदादिक आविआ ॥ पामवा
प्रेशांस ॥ गुह्रसरावणपाजती ॥ करवारे विद्यांभ्रंश ॥
ढा० ॥ १९ ॥ उपसर्ग अति आकरा ॥ कीधा विविध प्रकार
॥ ध्यानथी दशकंधरु ॥ नहीं चल्यो लिगार ॥ ढा० ॥ २० ॥
केहअंगदरायसुं ॥ राम तेजअखंड ॥ जणीओ तेतेह-
थी ॥ मांड्योरे अहपाखंड ॥ ढा० ॥ २१ ॥ तेहरीसीतासत-
ती ॥ परोक्षे परपंच ॥ देखतां मंदोदरी ॥ हुं लेई जउंरे
जंच ॥ ढा० ॥ २२ ॥ साहि लीधी सुंदरी ॥ जेहवी होय अ-
नाथ ॥ नलरआगेरे रोवती ॥ लेई चाल्यो कपि साथ ॥
ढा० ॥ २३ ॥ निलंछे वच्चने करी ॥ अकटविकट अपार ॥
विलविल शब्द करे घणुं ॥ मंदोदरी तेणीवार ॥ ढा० ॥
२४ ॥ एउपसर्ग आकरा ॥ कीधा रावणपास ॥ मंदोद-
रीराणी तणा ॥ रावण न देखे तास ॥ ढा० ॥ २५ ॥
ध्यान सुं लयलीनता ॥ निहाले नहीं निज नारी ॥ जणी
निश्चय आकरो ॥ विद्यासिद्धी तेणीवार ॥ ढा० ॥ २६ ॥
गगनने उद्योतती ॥ घेरे रूपरसाल ॥ शिघ्रसु रावण आ-
गे ॥ आवि विद्यातत्काल ॥ ढा० ॥ २७ ॥ अंतरिक्ष रही

मुजे॥ करे॥ घातान॥ ताहरांननांवं ॥
लइखधलांका ॥श०॥२८॥ विश्वनेवसभा॥वा॥
अछुंहुंसमर्थ॥ कुणलक्ष्मणशामजी ॥ अवरसहुछेव्यन
र्थ ॥श०॥२९॥ विद्यावायकसांभली॥ पाम्योहर्ष
अपार॥ डानसरस्यांजनमाहरां॥ गर्हिचिंतारेअपार
॥श०॥३०॥ केशवणशयजी॥ तुंकहेतेसहुसाच॥
समयसंभालेसही॥ अचिंत्यनरहेतुमवाच्य॥श०॥
३१॥ विसर्जीविद्यातदा॥ भर्इपहोंतीनिजठाम॥वा-
नरापणरामने॥ करेआवीपरणाम॥श०॥३२॥ देवी
मंदोदरीअंगद॥ सणोनिसुणोविहंत॥ करतोहुहुकार
अधिको॥ आवेरेघरहितुरंत॥श०॥३३॥स्नानलो-
जनकरीरावण॥ गर्वेपूरितगात्र॥ विद्यानीतोसाह्य
पामी॥करशुंसहुनोघात॥श०॥३४॥ आपलणावा
कारणे॥आवेतेउद्यान॥ सतीसाथेजोलिओतव॥
मनसालेअनुमान॥श०॥३५॥ नीमलंगतणोरेलथ
अति॥ लांछहणवोहेज॥ माशीदिवसस्वामीथासे॥
सेवुंतुनसुविशेष॥श०॥३६॥ जेअवसरेरायजीनो॥
व्रतलंन्योरेलाव॥ तेअवसरेअधोगतिनो॥नृप
जांग्योत्योथीनोभाव॥श०॥३७॥ एहसुणंतांकु-
टुकवाणी॥रायनीदुःजदाय॥ तासअसातायीधर-
ती॥ पडीरेमूर्छाजाय॥श०॥३८॥ करीसीतलता
उपचारी॥ आलिंगदृढधीसार॥ रामलक्ष्मणसुवापछे

ने ॥ त्यजुंजीवित व्यभ्यास ॥ शीलसमउंतसजेन-
वाने ॥ बैयठीरेआगलेतास ॥ रा० ॥ ४० ॥ धीरज
अविलंबीउरी ॥ जणीकर्मनोदोष ॥ सतीलंउप-
तिणपरे ॥ नहिंआण्योरंपउशेष ॥ रा० ॥ ४१ ॥ ए-
हसांभलीशयचिंतवे ॥ रामरुं छेअतिप्यारा ॥ हुं वि-
णासउंइसुवणे ॥ नमिलेएहनोतार ॥ रा० ॥ ४२ ॥ श-
उतीनेहीनाहोवेरे ॥ थलेपंकजनेम ॥ भाछलोतलइभ-
रे ॥ जलनेजलउपने प्रेम ॥ रा० ॥ ४३ ॥ जिनधर्मनोमर्म
जाणी ॥ उभर्मधोहोंउं ॥ एहअन्यायअधिकमहोटो
॥ मेंडीधोछेरसोठं ॥ रा० ॥ ४४ ॥ अणयुक्तोमेंउीओ
॥ जिलिपणनोबोल ॥ मान्यानहींमाननेवस ॥ सा-
लेरेसरसमतोल ॥ रा० ॥ ४५ ॥ परयालेपरगटपणे ॥
हुवास्योजहुवार ॥ सोनमान्योआलजाण्यो ॥ मुजेप-
उमुनछार ॥ रा० ॥ ४६ ॥ कुलकलंक्योआपणो ॥ मेंउ-
जनसाक्ष्योउोय ॥ हायघसेनसोन्यउरेवे ॥ नलहेरवेला
सोय ॥ रा० ॥ मनअपुठोवालिओ ॥ माठीजाणीपरनार
॥ भोगथकीविरक्तथयो ॥ पाछीदेवाकिओविचार ॥ रा०
॥ ४८ ॥ आलेदेवीनवीजनेरे ॥ लोकोमांअपवाद ॥ हारी
दीधीजेमसहुकेसे ॥ माटिओनृपउनमाद ॥ रा० ॥ ४९ ॥
सीतानेतोकारणे ॥ मेंकीधोसंग्राम ॥ उलनसीधोअपज-
सलीधो ॥ लोकुमांउीधोकुनाम ॥ रा० ॥ ५० ॥ रामलक्ष्म-
णछहिंआणी ॥ मालसघलोमारि ॥ धर्मनोनराजोल
रावण ॥ देखूंअपूठीनारी ॥ रा० ॥ ५१ ॥ अनराअधोग-

तिभ्रंघथीमाति ॥ मलीनउपलेझोई ॥ विवेकसघलोवी-
सरी ॥ गतीतेवीमतीहोई ॥ रा० ॥ ५२ ॥ रातविषेनृपचिं-
तवे ॥ कभहोवेपरभात ॥ रांमलक्ष्मणजीतीने ॥ पाछी
आपुंहाथ ॥ रा० ॥ ५३ ॥ ईमचिंतवतांचित्तसुं ॥ गई
रातविहाय ॥ प्रातःप्रभुजसुणीवारिता ॥ जेतनरेमांड्यो
आय ॥ रा० ॥ ५४ ॥ युध्धसजीनेजपवा ॥ चालणला-
गोराय ॥ दरपणमुजनवीदेजीओ ॥ राणीवारेमतजा-
य ॥ रा० ॥ ५५ ॥ हाथथीजडुंगपड्यो ॥ मानरह्योक-
रसोय ॥ चालतांसिरमुकुटपड्यो ॥ सुकुनअशुध्धनहो-
य ॥ रा० ॥ ५६ ॥ विनाशकालेआसनुंरे ॥ आविआयी
कुचयन ॥ देजीमंत्रीजहुवारे ॥ रायनमानेकयण ॥ रा०
॥ ५७ ॥ चालिओआडंजरघणो ॥ मत्सरघरंतोआ-
प ॥ थरहरावेमेदिनी ॥ करतोअतिसंताप ॥ रा० ॥ ५८ ॥
राक्षसअतिआनंदीया ॥ सूचेदेजीईश ॥ आडंजरअ-
तिआकरो ॥ जतशेविश्वावीस ॥ रा० ॥ ५८ ॥ चालीर-
णमुजआविओ ॥ जीतिकरवाहेत ॥ केसरीनीपेरेगाज-
तो ॥ पुण्यवीत्योचित्तनचेत ॥ रा० ॥ ६० ॥ तामनरपति
आपसाथे ॥ जिहांनृपतिचोर ॥ रामलक्ष्मणरक्षाकरंत
॥ आविदेजुजलजोर ॥ रा० ॥ ६१ ॥ तामसनुंजहोई
साथे ॥ सुमित्रानोनंद ॥ आवलंकपतिगर्वतजीमुजा ॥
आपलडसुंआनंद ॥ रा० ॥ ६२ ॥ युध्धमंड्योरामरावण
॥ लडेशुलटअपार ॥ जाणलक्ष्मणतणांवरसे ॥ जा-
णेवरसेनलधार ॥ रा० ॥ ६३ ॥ अस्त्रशास्त्रलडवेकरी

॥ हुंसनराजीकेरडी ॥ लंकपतिसोरामानुज ॥ विवि-
धपरेंमुंजआणादेइ ॥ रा० ॥ ६४ ॥ देजीजललक्ष्मण
तणोरे ॥ रांकिओभूपाल ॥ विद्यातवजहुरूपणी ॥ स-
मरेनृपतत्काळ ॥ रा० ॥ ६५ ॥ विद्याआवीआतिउमाही
॥ मागेओआदेश ॥ हुकमरयाहुंस्वामीथारो ॥ कहेकारज
अशेस ॥ रा० ॥ ६६ ॥ तामनृपतिदेइआदर ॥ विद्या-
नेलाजंत ॥ एअवसरविद्याथारो ॥ कारजकरीहजं-
त ॥ रा० ॥ ६७ ॥ तामरावणकेरेआपण ॥ रूपतोविस्ता-
र ॥ भूमिगगनेपूंठीपासे ॥ दीसेरैनदआकार ॥ रा० ॥ ६८ ॥
देजीरावणरूपअधिका ॥ सुग्रीवादिकभूर ॥ रोपउप-
न्योअधिकमनमें ॥ रायहिसेपाणीनुंपूर ॥ रा० ॥ ६९ ॥
तामलक्ष्मणअधिकजालिओ ॥ गरुडनोअसवार ॥
तेमनदुओफिरेनाचित ॥ रावणकेरीरेलार ॥ रा० ॥ ७० ॥
अरुणावर्त्तनधनुष्यलीधो ॥ वजमुंजोतोजाण ॥ राव-
णनेसन्मुंजआवे ॥ लक्ष्मणरेसूरोसुलतान ॥ रा० ॥ ७१
॥ एकजाणेरेसोगुणुधावे ॥ सोमांहेथीसहस्र ॥ सह-
स्त्रथीलखक्रोडप्रगटे ॥ पुण्यप्रभावेअस्त्र ॥ रा० ॥ ७२ ॥
निहांदेजेतिहांमारे ॥ जाणसुंतेरूप ॥ ओहिजघकुजेव
हुओ ॥ चिक्रनसमरेभूप ॥ रा० ॥ ७३ ॥ नामसुदर्शन
तेहनुं ॥ आयुधनुंशिरदार ॥ आयुधशालाथीनिक-
ली ॥ रायपासेआवेतिणवार ॥ रा० ॥ ७४ ॥ धसीआम
ચોમનસુહાયો ॥ ફરવેતેચક્ર ॥ ફરીબીઓઆતિ ેડ
મારે ॥ નાલિજેરેવલાવક્ર ॥ રા० ॥ ૭૫ ॥ ચક્રલેઈક-

शिओने ॥ मेलिओतिवार ॥ आउशमाणियालियो ॥
आव्योलक्ष्मणनीलाश ॥ रा० ॥ ७६ ॥ रामसुभटउपिआ
आति ॥ चक्रआयंतोदेज ॥ शोरमाणिओउटकआधिउ ॥
शुंडीनेउपडमंविशेष ॥ रा० ॥ ७७ ॥ आविओप्रदक्षिणा
देई ॥ वासुदेवविनाण ॥ तेनेकरीशविसारजो ॥ जेथडोर
दक्षिणपाण ॥ रा० ॥ ७८ ॥ रायचिंतवेवयनमुनिनां ॥ सा-
चाहिदेजाय ॥ भाईमंत्रीकथनजेतां ॥ तेसहुरेआलमिला-
थ ॥ रा० ॥ ७९ ॥ लक्ष्मणभाषेचक्रजांयेव ॥ अवसर
तुमपरिवार ॥ वशाययासहुमहारे ॥ रायज्युंरेअवरउ-
पचार ॥ रा० ॥ ८० ॥ रामभाषेलंकपतिशुं ॥ नहींचक्रशुं
डर ॥ आपेसीताजयपाछो ॥ करीतुमेसुजेशर ॥ रा०
॥ ८१ ॥ देजीआशतिमांहेजांयेव ॥ जिलिषणजोलंत ॥
आपसीताराजीज्युवुं ॥ मेलिओतेतोतंत ॥ रा० ॥ ८२
॥ कोपीनेलवकहेरावण ॥ कहोकिस्योकहाव ॥ चक्रल-
क्ष्मणनेमाउ ॥ मेलीमुष्टीनोघाव ॥ रा० ॥ ८३ ॥ एम
कहेतांरायलक्ष्मण ॥ उपन्योअतिरोस ॥ चक्ररावण
लारेमेल्युं ॥ चाल्युंचक्रसजोस ॥ रा० ॥ ८४ ॥ आवं-
तोचक्रदेखियोतव ॥ वीरसभूपाल ॥ चक्रमुष्टी-
प्रहारदीधो ॥ एहथीरजहुविसाल ॥ रा० ॥ ८५ ॥
जेहुनेजेहाथेहणतां ॥ हुआजेनाचार ॥ पुण्यवि-
नाशयलजए ॥ नहींकस्योकंईविचार ॥ रा० ॥ ८६ ॥

सहसथ्यतुहिशआयुलोगवी ॥ असुभकर्मणिपाव ॥
ठामेंयोयैनछिणिपन्यो ॥ ऊंधानांफलपाव ॥ २० ॥ ८८
॥ कुसुमकेरीवृष्टीहुई ॥ देवदीयेआसीस ॥ जगतमें
जयकारअधिको ॥ छुवेकोडीवरीस ॥ २० ॥ ८९ ॥ दा-
लषट्यालीसमीरे ॥ जतिआस्रीराम ॥ केसराजमुणिं-
दलाषे ॥ सख्यांवंछितकाम ॥ २० ॥ ९० ॥

॥ मारुरागेदोहा ॥

राक्षसनाशेदहदिशे ॥ जयआणीमनमांहे ॥ दि-
येरैयैर्यवदसा ॥ जिलिदाणनृपमाहे ॥ १ ॥ जति
पतिनेजतिने ॥ जातितणोविस्वास ॥ आवीमलिया
ओकठा ॥ रायजिलिक्षणपास ॥ २ ॥ आन्याप्रभुजी
पोजती ॥ प्रभुनाप्रणमेपाय ॥ दिलासोदीधीवणो
॥ श्रीमुनिराघवराय ॥ ३ ॥ जिलिक्षणभाईतणो ॥
सोकरेअतिस्याम ॥ पैरेछुरीमारतो ॥ हाथग्रह्याश्री
राम ॥ ४ ॥ महोदरीआदेसहु ॥ सोककरंतीनारि ॥ रा-
वणप्रीयलेरोवती ॥ जूरेमनहमजार ॥ ५ ॥ रामकरे
समजावणी ॥ कांसेवोसहुकोई ॥ रावणरायारावयो
॥ अमरांअधिकोओई ॥ ६ ॥ वीरवृत्तिमांहेमूओ ॥
नमूओकायरहोई ॥ शोकनकरवोतेहथी ॥ देजोत्थि-
त्तअवलोई ॥ ७ ॥ संस्कारकायातणो ॥ करोमलावोवा
र ॥ होतीआवीयाहरे ॥ सोईकरोप्रकार ॥ ८ ॥ कुं-
भकर्णनिरान्नुजित ॥ घनवाहननेआन ॥ जयनको-

ડીમોકલા ॥ કિયાસહુરાજન ॥ ૯ ॥ સહુકુટુંબહુઓ
ખેડહો ॥ આવીમલિઓતામ ॥ શોયાંરિબિયાંજીજિ
યો ॥ કરેમૃત્યુકોકામ ॥ ૧૦ ॥ પંજાલીપાવનકરી ॥ પૂ-
[illegible] કાય । કરીરત્નમયપિંજરો ॥ લેઈયા [illegible] જાત
શય ॥ ૧૧ ॥ ભાવનાર્યેંદનનીપિતા ॥ અગર ઘણોઘ-
નસાર ॥ દહનકર્મવિધિસાચવી ॥ પદ્મઅનેપરિવાર ॥
૧૨ ॥ પદ્મસરોવરનાહિયા ॥ પછેતલાંનલીદીધ ॥ પ્રે-
તકામસવણતણો ॥ એતલોસઘલોકીધ ॥ ૧૩ ॥ દિન
કેતાનેઅંતરે ॥ મેટ્યોશોકસુજાણ ॥ કથારહીરાવણતન-
ણી ॥ આગેસુણોવિજાણ ॥ ૧૪ ॥

॥ ઢાલ સડતાલીશમી ॥

(રઘુપતિજીત્યોરે, એદેશી.)

રઘુપતિજીત્યોરે ॥ દશરથનંદનધીર ॥ રઘુ૦ ॥ સુલ-
ક્ષ્મણનોવીર ॥ રઘુ૦ ॥ સત્યવતીનોકંથ ॥ રઘુ૦ ॥ ગિ
રૂઓનેગુણવંત ॥ રઘુ૦ ॥ ૧ ॥ નોબતકેરાદંશું ॥
અંબરરહિઓગાજી ॥ ઈન્દ્રનઆવેઆશનોહો ॥ સોરે
રહિઓઅતિલાજી ॥ રઘુ૦ ॥ ૨ ॥ ઘરઘરરંગવધામણાં
॥ ઘરઘરમંગલચ્યાર ॥ ઘરઘરગુડિઉચ્છલીહો ॥ મુ-
ભમુજયજયકાર ॥ રઘુ૦ ॥ ૩ ॥ જીતતણાડંકાઘ-
ણા ॥ ગાવેગુણિઅપાર ॥ ધનસીતાધનરામજીહો
ધનલક્ષ્મણઅવતાર ॥ રઘુ૦ ॥ ૪ ॥ હાથપડીરાવણત-
ણે ॥ તોએનખંડ્યોશીલ ॥ સીતાધનનેકારણેહો ॥

निर्मलगंगसलील ॥ रघु० ॥ ५ ॥ हठीसुंहठलेछेर-
ह्यो ॥ मेलिओकटकअपार ॥ रामघनतेकारणेहो ॥
नत्यजी त्रियानीलार ॥ रघु० ॥ ६ ॥ कंटोगयोत्रिहुंलो-
कनो ॥ नतलेथोअभिमान ॥ लक्ष्मणघनतेकारणे
हो ॥ मार्योरावणमान ॥ रघु० ॥ ७ ॥ रामअनेल-
क्ष्मणवदे ॥ वाणीअमियसमान ॥ कुंभकर्णआदि
करीहो ॥ निसुणोसहुराजन ॥ रघु० ॥ ८ ॥ राजकरो
आपआपणा ॥ पहेलानिमथातेम ॥ आणवहो
लक्ष्मणतणीहो ॥ होसेतुमनेजेम ॥ रघु० ॥ ९ ॥ ए-
मसुणीतेराजिया ॥ आंसुनाजेताम ॥ गदगदवा-
णीबोलियाहो ॥ निसुणोश्रीरघुराम ॥ रघु० ॥ १० ॥
कनकहींराजहितणुं ॥ अमारेअकलगार ॥ संयमले-
इसांधसुंहो ॥ अम्हमोक्षदुवार ॥ रघु० ॥ ११ ॥
कुसुमायुधउद्यानमें ॥ अमेमेयजलनाम ॥ चार
ज्ञानसुंशोभताहो ॥ आयामुनिअभिराम ॥ रघु०
॥ १२ ॥ साधुहुआतेकेवली ॥ तिणहीरात्रिमझार ॥
केवलओच्छवकारणेहो ॥ आवेदेवउदार ॥ रघु० ॥
१३ ॥ प्रातःहुआश्रीरामजी ॥ सौमित्रीशुंसाथ ॥ कुं-
भकर्णआदेकरीहो ॥ चाल्यातेनरनाथ ॥ रघु० ॥ १४
॥ देईप्रदक्षणवांदिया ॥ साधुमहासुजकार ॥ आणे
जेसीसालतेहो ॥ धर्मतणोविस्तार ॥ रघु० ॥ १५ ॥
ईन्द्रजीतघनवाहनू ॥ पूर्वलवांतरवात ॥ पूछेलाजे
केवलीहो ॥ निसुणोअेअवदात ॥ रघु० ॥ १६ ॥ जो-

शांजीनयरीविषे ॥ निर्धनलाछीदीथ ॥ प्रथमपश्चिम
नामथीहो ॥ साधुसमीपेसोगो ॥ रघु० ॥१७॥ धरमसु-
णीव्रतआदरी ॥ महियलकरीविहार ॥ ओशांजीनग-
रीहिरी ॥ आयातेअणगार ॥ रघु० ॥१८॥ नंदिघोस
राजभलो ॥ इंन्द्रमुंजीतसनार ॥ क्रीडाकरंतवसंतनी
हो ॥ दीठोनयनपसार ॥ रघु० ॥१९॥ पश्चिमनीयाणुं
करे ॥ एतपतणेप्रकार ॥ एहविक्रीडाकारीहो ॥ इं-
णहिंघरेअवतार ॥ रघु० ॥२०॥ वन्ध्योपिणमानेन-
हीं ॥ निंदेनहींनिदान ॥ कालकरीनेउपन्योहो ॥ राय
घरेसंतान ॥ रघु० ॥२१॥ रतिवर्धननामेभलो ॥ यौ-
वननीवयपाय ॥ राजलहीशमतकरेहो ॥ तपकरणी
कुलदाय ॥ रघु० ॥२२॥ प्रथमसाधुमरीउपन्यो ॥ पं-
चमकल्पेदेव ॥ लाछीराजदेजिओहो ॥ आव्योसुरत-
तखेव ॥ रघु० ॥२३॥ लेजधरीमुनिवरतणो ॥ रति-
वर्धननृपपास ॥ पूर्वपरिभ्रसुणावतोहो ॥ जातीसमर-
णतास ॥ रघु० ॥२४॥ संयमलीधोसादरो ॥ पंचम
स्वर्गेजाय ॥ दोईदेवचवीकरीहो ॥ जेनाविदेहेआय ॥
रघु० ॥२५॥ विबुधनगरेउपन्या ॥ दोई लाछीभूप ॥
संयमपामीजारमोहो ॥ पाम्यासर्गअनूप ॥ रघु० ॥२६
॥ तिहांथकीचवीआविआ ॥ राजगृहवणगेह ॥ इंन्द्रजि-
तघनवाहनूहो ॥ लाछीयथासनेह ॥ रघु० ॥२७॥ इं-
न्द्रमुजीपटरागिनी ॥ रतिवर्धननीमाय ॥ एसाणीमं-
दोदरीहो ॥ थारीमायकहाय ॥ रघु० ॥२८॥ इंन्द्रजित

धनवाहनू ॥ कुंभकर्णभूपाल ॥ अवसहिजहुव्रतआ
दरेहो ॥ षट्कायकप्रतिपाल ॥ रघु० ॥ २७ ॥ राणीजि
मंदोदरी ॥ आदेनारीअनेक ॥ संयमसुधोआदरेहो
॥ वाङ्ग्येह्यविवेक ॥ रघु० ॥ ३० ॥ साधुनमिश्रीरामज
जि ॥ सोमित्रीकपीनाथ ॥ भिभिक्षणआदेकरीहो ॥
लारहिलीयाजहुसाथ ॥ रघु० ॥ ३१ ॥ सिणगारीलंका
पुरी ॥ ओच्छवनोआधिकार ॥ विद्याधरियेकीनियोहो
॥ मंगलनोविस्तार ॥ रघु० ॥ ३२ ॥ जेत्रणवाटवताव
तां ॥ लंकमांहेमेचेरा ॥ शुभवेलाशुभमुहूर्त्तेहो ॥ कीन
घोरामनरेश ॥ रघु० ॥ ३३ ॥ पुष्पगिरिनेमस्तके ॥ ज
यतीयीउद्यान ॥ अर्धअर्धमनकीहो ॥ नेहवीकर्हह
नुमान ॥ रघु० ॥ ३४ ॥ जांहेसाहीसुंदरी ॥ राघवसीयी
गोद ॥ कवितव्यअनवुंधर्युहो ॥ प्रगटपणेप्रमोद ॥
रघु० ॥ ३५ ॥ पिभरनेअप्राणिओ ॥ हूओअकडोआ
ल ॥ राघवजीराजअणिअहो ॥ हुंरेअछुमहाराज ॥
रघु० ॥ ३६ ॥ महासतीमहोटीसती ॥ देवकहेआकाश
॥ स्वर्गमृत्युपातालमेंहो ॥ पामिअतिशाबाश ॥ रघु०
॥ ३७ ॥ आंसुशुंपगधोवतो ॥ आवीकरेप्रणाम ॥ सौ
मित्रीसोल्हासशुं ॥ आनसखांसजकाम ॥ रघु० ॥ ३८ ॥
मस्तकचूंबीसादरी ॥ सीतादियेआशीश ॥ चिरनंद
चिरंजयवेहो ॥ सहसीसयलजगीस ॥ रघु० ॥ ३९ ॥
भामंडलप्रणमेघणुं ॥ अहेनीकहेचिरंजय ॥ महारी
अआशीशथीहो ॥ वाधोआयोअतीव ॥ रघु० ॥ ४० ॥

बिभ॰॰सुग्रीवजी ॥हनुमंत ॥ ॥ ॥४॥ २९॥
नेसीतातणा॰ ॥ भूपतीजी नलभाय ॥रघु॰॥ ४॥
॰ु दनीवृकसेघणुं ॥ दनीपुन॰ ॥ ॥सीता
॰नुर् विन्हो ॥५॥ ॥परमानंद ॥रघु॰ ॥४२॥ भुवना-
लंकृतणायेधे ॥ चढ्यासजोडराम ॥ लक्ष्मणह ॥ आ-
गलेंहो ॥ जोडजनीआभरान ॥ रघु॰॥४३ ॥ आव्यारा
णमंदिरे ॥ पेख्योप्रवरप्रासाद ॥ सहसथंभनोशो ॥
तोहो ॥ करेहगगनशुंवाद ॥ रघु॰॥४४॥ लहुकहेघर
माहरे ॥ पूज्यपधारोआप ॥ सहुओर्घम्मणेसहीहो
॥ प्रीततणीअथाप ॥ रघु॰ ॥ ४५ ॥ रायतणुंमनरा-
खवा ॥ आवेघरप्रभुतास ॥ भोजनभक्ति भलीकरी
हो ॥ उपज्योउल्हास ॥ रघु॰॥४६॥ पहेरावीपरि-
वारशुं ॥ पोजीपरीघलप्रेम ॥ करजोडीनेवीनवेहो ॥श
यबिभिक्षणएम ॥ रघु॰॥४७॥ एघोडाएहाथि-
या ॥ रथगरथलंडार ॥ हेमरत्नपटकूलशुंहो ॥ व-
स्तुअमुलकसार ॥ रघु॰॥४८॥ अलंकालीलावती ॥
कोरआपणीइशि ॥ करुशयनशयणतणीहो ॥ छेलो
विश्वावीश ॥ रघु॰ ॥४९ ॥ लंकाशनतणुंकरुं ॥ प्र-
भुजीनेआलिषेक ॥ तामरामबोल्याहसीहो ॥ बोल
हमारोएक ॥ रघु॰ ॥ ५० ॥ लंकादीधीतुमभणी ॥
पहिलीहितुमदेख ॥ आनतिलकसवीनाहरोहो ॥
॰णोकिओसुवरो ॥ रघु॰ ॥ ॰ ॥५१॥ भुवननें
॰दिन ॥ रायभुवननेंस्वामि ॥ परिव॰ वेपार-

वारशुंहो ॥ आव्योआनंदपामि ॥ रघु० ॥ ५२ ॥ सिं-
होदरआदेकरी ॥ तामसहुनरनाह ॥ दीधीथीलेकन्य
काहो ॥ आणेघरियउच्छाह ॥ रघु० ॥ ५३ ॥ कोल-
दमणकेरामने ॥ परणावीतेबाल ॥ सर्वसुलक्षण
गुणवतीहो ॥ रमणीरूपरसाल ॥ रघु० ॥ ५४ ॥ इंन्द
तणांसुखभोगवे ॥ क्षणमांहेदिनजात ॥ छचरसतो
वोलिगया ॥ अजामिलवामात ॥ रघु० ॥ ५५ ॥ ढाल
नसडतीलीशमी ॥ रंगविनोदविलास ॥ केसराजश्री
रामनेहो ॥ पूर्वपुन्यप्रकाश ॥ रघु० ॥ ५६ ॥ .

॥ नटरागेदोहा ॥

इंन्द्रजीतघनवाहनू ॥ मरूस्थलीमेंजय ॥ महामुनीमु-
गतेंगयाहो ॥ तीरथमेघरथयाय ॥ १ ॥ कुंभकर्णशि-
वगतीलही ॥ नादिनिरजदामांहे ॥ पृष्टरक्षितनामें
लखुं ॥ तीर्थप्रवर्त्तुंप्रांहे ॥ २ ॥ अजमाताअपराजि-
ता ॥ सुमित्राशुंदोई ॥ पुत्रोनीआरतीकरे ॥ जजर
नपावेकोई ॥ ३ ॥ जंघालकीथीचली ॥ आईगयो
रिषीदेव ॥ पगेलागतांपूछहिं ॥ मातासुतततजेव
॥ ४ ॥ कंतुमआतिआरतीकरो ॥ कंतुमदुजलेदेह ॥
आंसुनाजीभायछ ॥ उत्तरआपेतेह ॥ ५ ॥ तातत-
णाआदेशथी ॥ वसगयावनवास ॥ सीतापणसाथ
येहुई ॥ पतिव्रताव्रततास ॥ ६ ॥ सीतारावणजेप
हरी ॥ करीघणोपरपंच ॥ नंदनहुआवाहरू ॥ मेली

उछरंगनोसंच ॥ ७ ॥ रामअनेरावण तणा ॥ सुभटो-
मेंसंग्राम ॥ होतांरावणजीतियो ॥ शक्तियलावीता-
म ॥ ८ ॥ लागीलक्ष्मणनेहीये ॥ पडियोमूर्छाजागी ॥
विशल्याआईआवीने ॥ लेईगयाजगराय ॥ ९ ॥ जल-
स्नपाम्याआगले ॥ अेअमआरतीहोय ॥ उजवंतो
उगरयो ॥ केवलसमूओसोय ॥ १० ॥ नारदभाषेमतिक-
रो ॥ आरतीअेहलगार ॥ लक्ष्मणमारयोनवीमरे ॥ ने
कूडेकिरतार ॥ ११ ॥ जणींछुलंकापुरी ॥ लाणीलक्ष्मण
राम ॥ आरतीलांजनुत्ताहरी ॥ तोमुननारदनाम ॥ १२ ॥
अेमकहीनेआविओ ॥ राघवजीनेपास ॥ मायमनोरथ
पूरवा ॥ अेमकरेअरदास ॥ १३ ॥

॥ ढाल अडतालीशमी ॥

(रसियानी देशी.)

सुमित्राअपरानितारे ॥ जोवेप्रभुजीनीवाट ॥ लक्ष्मण
जनाघायनोरे ॥ आणेअतिघणोघाट ॥ होसुणस्वामी ॥
१ ॥ जनजननीकोईपायहोसुणस्वामी ॥ भूरीपिंजरथाय
॥ होसु० ॥ २ ॥ रयणिछमासीजाय ॥ होसु० ॥ रहीघ-
णुंलीयोलायहो ॥ सु० ॥ २ ॥ पुत्रोपिपरमायनोरे ॥
होवेनेहअपार ॥ सूरलिनीपेरेदजियोरे ॥ चित्तरहे
वत्सलार ॥ होसु० ॥ ३ ॥ इरेकूदंतीचानरीरे ॥ सुत-
नेकहलगाय ॥ होसु० ॥ भालेसेवेपंजणीरे ॥ लिअे
सुतनेरवधाय ॥ होसु० ॥ ४ ॥ गर्भघरेवेपोषवेरे ॥

पालेवेअभिराम ॥ होसु० ॥ प्राणजापणाआपवेरे
॥ सारेसुतनांठाम ॥ होसु० ॥ ५ ॥ मातागंगासारेजी
रे ॥ मातातीरथरूप ॥ मातामहीयलमोटजीरे ॥ माने
महोटाभूप ॥ होसु० ॥ ६ ॥ पणमुंडीगणपतिचाह-
मेरे ॥ आधिजाणीकरतिमाय ॥ सार्योउद्योगणपतीरे
॥ शंकरेडीधोन्याय ॥ होसु० ॥ ७ ॥ वीरस्वामीमाने
घणुंरे ॥ रह्यातागर्भमांहे ॥ मातानेदुःखदेछेनेरे ॥
संयमनहींलीयोमांहे ॥ होसु० ॥ ८ ॥ घणुंजिसुंकहि
दाखियेरे ॥ मातानेसुखदेत ॥ सुखदीधोसंसारमेरे ॥
एहधरमनोहेत ॥ होसु० ॥ ९ ॥ इडाभापेरामजीरे ॥
नारद्युंसुखपाय ॥ लंकपतीजोलाछेउरे ॥ त्यांबेप्रभु
अकुलाय ॥ होसु० ॥ १० ॥ रूपतुमारीलाज्जिथीरे ॥
वीसारियाहमभाय ॥ आगेहिजेस्यावडीरे ॥ माता-
जमरीजाय ॥ होसु० ॥ ११ ॥ अजाहिलछेजीताथवारे
॥ मिलियेमातनेआन ॥ तोतोअेसार्योपडेरे ॥ डीधो
सघलोआन ॥ होसु० ॥ १२ ॥ कहेविभिषणरायजीरे
॥ माग्यादोदिनसोल ॥ ज्युंअेतीसुअेटलीरे ॥ मा-
नोहमारोजोल ॥ होसु० ॥ १३ ॥ इन्द्रपुरीनीउपमारे
॥ आछिभातिअनूप ॥ अयोध्यासमरावसुंरे ॥ कहे
लंकनोभूप ॥ होसु० ॥ १४ ॥ विसर्ज्योनिरषीरायजी
रे ॥ मातापासेआय ॥ वातकहीसंतोषनीरे ॥ हर्ष
हीयेनसमाय ॥ होसु० ॥ १५ ॥ नारीगरलंकातणारे
॥ सुघडनाशिरदार ॥ अयोध्याथेआवियारे ॥ जंर्षे

नखाणीयार ॥ होसु० ॥ १६ ॥ नेमकह्युंतिमहिकह्युंरे ॥
चतुरपणेचित्तलावी ॥ जोहेजोहरीनीपूरीरे ॥ जोहेजो
अभावी ॥ होसु० ॥ १७ ॥ दहाडेअजनसत्तरमेरे ॥ पु-
ष्पकनामेंविमान ॥ जेसीलक्ष्मणरामजीरे ॥ सोहमने
ईशान ॥ होसु० ॥ १८ ॥ सीताविशल्यावलीरे ॥ शलसु-
तासुकुमाल ॥ सघलीजेठीसनमुजेरे ॥ विद्याधरीसुवि-
शाल ॥ होसु० ॥ १९ ॥ बिभिक्षणसुग्रीवजीरे ॥ भामं-
डलहनुमान ॥ अंगदशुंदक्षिणदिशेरे ॥ जयठपुरुष
प्रधान ॥ होसु० ॥ २० ॥ वामदिशेविशेषथीरे ॥ जेठ
राक्षसरायापुठेसेवकसामटारे ॥ लीयोविमानचलाय
॥ होसु० ॥ २१ ॥ अयोध्यानेआशनारे ॥ आव्याभ-
ण्याभम ॥ भरतभूपलघुभाईशुंरे ॥ सामाआवे
ताम ॥ होसु० ॥ २२ ॥ उतरियाहाथीथकीरे ॥ नजरे
आव्याईश ॥ ईशाविमानेउतर्यारे ॥ आणीअधिक
जगीस ॥ होसु० ॥ २३ ॥ भरतभूपभलेभावशुंरे ॥
रघोचरणशीरलाय ॥ उठाईउच्योकरीरे ॥ लीयोकंठ
लगाय ॥ होसु० ॥ २४ ॥ मस्तकचूंबेरामजीरे ॥ वारंवा
रविशेष ॥ शत्रुघनपगेलागतांरे ॥ दीयेसनमाननरे-
श ॥ होसु० ॥ २५ ॥ शत्रुघननेभरतजीरे ॥ लक्ष्मणने
परणाम ॥ करतांलक्ष्मणजकयुंरी ॥ निमलीघुंश्रीराम
॥ होसु० ॥ २६ ॥ तामविमानेथीऊतरे ॥ जेठाजंघचया-
र ॥ दानशीलतपभावशुंरे ॥ पामेशोभअपार ॥ होसु०
॥ २७ ॥ पहेलाहीमगटपणेरे ॥ अयोध्यासमराणी ॥

नी भी प्रभुआव्यातेरे ॥ पु रपीइंरीजडावी ॥ होसु
॥२८॥ छांटीथोडेपाणीयेरे ॥ रजसघलीवयसावी
॥ऊरीसुगंधाधूपणेरे ॥ फूलहीफूलबिछावी ॥ होसु०
॥२९॥ तोरणनीरचनाकरीरे ॥ गलीयेगलीयेदेजी ॥
घरघरगुडीउछलेरे ॥ घरघरहर्षविशेषी ॥ होसु०॥
३०॥ वाजांविविधप्रकारनांरे ॥ भूमिअनेआकाश ॥
वानेनिकानादशुंरे ॥ होइरह्योउल्लास ॥ होसु०॥३१
॥ नगरीमांहेआवियारे ॥ माधवदेजीमोर ॥ उंच्यी
नजरविलोकवेरे ॥ लोककरेजकोर ॥ होसु०॥३२॥ कन
कतणेकुसुमेकरीरे ॥ भरिभरिमोतीथाल ॥ वधावेवि-
नीतावलीरे ॥ गावेगीतरसाल ॥ होसु०॥३३॥ वधावे
वाइवलीरे ॥ कामनीकलसकीहार ॥ दानेजलधरवरसतां
रे॥ आव्यानृपदरबार ॥ होसु०॥३४॥ कितरीतामकि
मानथीरे ॥ रामसुमित्रानंद ॥ महेलमांहेमनरंगशुंरे ॥
आवेघरीआनंद ॥ होसु०॥३५॥ पहेलांकोसल्यातणा
रे॥ चरणेनामेशीश ॥ पछेअवरमातातणीरे ॥ माता
दियेआशीश ॥ होसु०॥३६॥ सीताविशल्यासतीरे ॥
कोशल्यापगेलागी ॥ पछेसासुअवरनीरे ॥ जहेआ-
शीशसुहागी ॥ होसु०॥३७॥ निशासुलहमननिमथा
रे॥ तैसाहीसमतोल ॥ तुमपणनंदननम्मनेरे ॥ मान
नीहमारोजोल ॥ होसु०॥३८॥ फिरीफिरीमाअपरा-
जितारे ॥ लक्ष्मणकेशेअंग ॥ करशुंफरसेशिरघणुंरे
॥ चूंजीकहेमनरंग ॥ होसु०॥३९॥ वत्सतुमारोआ-

नमेरे ॥ हूंओमणयोनम ॥ नयणेनिरख्योआपणेरे
॥ थनउरतानीकम ॥ होसु० ॥ ४० ॥ उष्टघणुंवनवास
मुरे ॥ सीतानेरघुदेव ॥ तेतोआघुंडाढीयुंरे ॥ नेतेंकीन
धीसेव ॥ होसु० ॥ ४१ ॥ ताततणीपेरेशमजेरे ॥ सीता
यतेनेभ ॥ उहेलक्ष्मणवनवासमेंरे ॥ हूंतोराख्योएम ॥
होसु० ॥ ४२ ॥ मातालजीघ्यतपणेरे ॥ मेंडीघोआविवे-
ड ॥ सीतारामवियोगनोरे ॥ हेतुहुओहुंएक ॥ होसु० ॥
४३ ॥ पणथारीआशीशथीरे ॥ वाधेवाधनझाटी ॥ गयुंस-
हीआजीअणीरे ॥ आव्याअरिनीरघाटी ॥ होसु० ॥ ४४
॥ ढाललअडतालीशमीरे ॥ गर्भजहोडीनाश ॥ केशरा-
नअसषीरायजेरे ॥ पुण्यवडोसंसार ॥ होसु० ॥ ४५ ॥

ईति ढाल ह्राष्टयायांरामरसा
रसायने तृतीयोऽधिकारःसमाप्तः

व ॥४॥ समयनहीनेस्वामीशुं ॥ भरतभणेसुविचा-
र ॥ राजग्रहोप्रभुआपणु ॥ हुंलउंसंयमभार ॥५॥
संयमतोहुंसाहरो ॥ लेतोशभसाथ ॥ शईतशाक्ति
सुंपीगया ॥ नृपपदठेरीआथ ॥६॥ आनलगेमेंरा-
जियो ॥ जेहतुमारोराज ॥ हाहाजेरहयाकरो ॥ साई
आतमकाज ॥७॥

॥ ढाल ओगणपचासमी ॥

(नथनी देशी)

क्षणगईरेमेरीक्षणगई ॥ लाजीणीमेरीक्षणगई
॥ झेडीणीमेरीक्षणगई ॥ क्षणगईफिरीनावेसोई
॥ मेंनलीनुंरेनलभतु भोई ॥ क्षण० ॥१॥ समय
समयमरतोजीव ॥ वीतरागनांवयनसदीव ॥ क्ष० ॥
तनुसाथेकोलतीछांह ॥ कालरहेजेपूरीजांह ॥ क्ष०
॥२॥ कालशुंऔषधनहींथविनाण ॥ नमझूष्या न
राजेप्राण ॥ क्ष० ॥ अतकनेनभजाईभय ॥ अण
अतकसाभुंनदिजाय ॥ क्ष० ॥ कालेजाघोसहुसंसार
॥ कालनजाघोभ्यालिगार ॥ क्ष० ॥३॥ नशनपीडे
नउपनेरोग ॥ नघटेईन्द्रीनाजलयोग ॥ क्ष० ॥ ज-
लगआवीनपूगेआव ॥ तजलगकरीचित्तधर्मींहिं
चाव ॥ क्ष० ॥४॥ लेनरनरानभयीनकराय ॥ तेतो
दीलोकरेन्याय ॥ क्ष० ॥ मंदिरद्वारेलागीलाय ॥ तज
तोकांईहीनकढाय ॥ क्ष० ॥५॥ सागरपल्लनुंआयु

छेह ॥ कोण विचारे गिणतीएह ॥ क्ष० ॥ जे दव जा-
ले पर्वत प्राहे ॥ कोन जले जड ते दव मांहे ॥ क्ष० ॥ ६ ॥
जग में लाग्यो सयल उपाय ॥ घडी घटे क्षण हीन र-
हाय ॥ क्ष० ॥ च्यावण च्यावी पंथी पुलाय ॥ पंथी पंथे
न रहे वा पाय ॥ क्ष० ॥ ७ ॥ जेह सयाण पणु मुज आ-
ज ॥ निमत्ति म साइं ज्ञातम काज ॥ क्ष० ॥ थर जाली-
ने कीर्त्ति करंत ॥ मूर्ख शिरोमणी नाम धरंत ॥ क्ष० ॥ ८
॥ आली आंजे कहे श्रीराम ॥ वत्स रहे वा टसंयम का-
म ॥ क्ष० ॥ राज करो तुम पहेला नेम ॥ जे मुज साथे रा-
जो प्रेम ॥ क्ष० ॥ ९ ॥ आज्ञा करी तुम आभियान ॥
ते तो जाणे सकल निदान ॥ क्ष० ॥ पहेली निम तुम भा-
नी जाण ॥ अणाहि करी मुज बोल प्रमाण ॥ क्ष० ॥
१० ॥ भरत भूप करीने जुहार ॥ ऊठी चाल्यो लोपी
कार ॥ क्ष० ॥ लक्ष्मण दोडी साह्यो हाथ ॥ आणी बे-
साड्यो नरनाथ ॥ क्ष० ॥ ११ ॥ सीताने विशल्या आ-
द ॥ राणी सहु आवी अल्हाद ॥ क्ष० ॥ देयरने सम जा-
वे तेह ॥ सुंदरी वयन वदे ससनेह ॥ क्ष० ॥ १२ ॥ महोटो
भाई तात समान ॥ क्युं न विचारे तुं राजान ॥ क्ष० ॥
सायर के मत ने मर्याद ॥ एतो निश्चे छे विधिवाद ॥ क्ष०
॥ १३ ॥ विसारण संयम नी वात ॥ जल क्रीडा करवाने
जात ॥ देवर साथे घाले लाज ॥ क्ष० ॥ तुम शुं जे लगन
नी अभिलाज ॥ क्ष० ॥ १४ ॥ लालीयो नां मन राज-
ण हेत ॥ चाल्यो भूपति महेल समेत ॥ क्ष० ॥ वहीक

दोर्ईडरीनजेच्याल ॥ नलकंठेणीलोभूपाल ॥ क्षं०॥
१५॥ एटलेगज भूवनालंकार ॥ थंभोणीजेडेशेस
अपार ॥ क्षं० ॥ आव्योदेजीत्रीयंपरी वार ॥ शोरमन-
च्योपडिओगजलाश ॥ क्षं०॥१६॥ यरहरध्रुनणलान
गीजाल॥ देजीहाथीअतिविकराल ॥ क्षं०॥ पुठेरा-
जीसघलीदेवी ॥ आव्योनृपआगेततजेवी ॥ क्षं०॥
१७॥ मदकरीआंथोतेरंगयंद ॥ नयणेदीठोभरत
नरिंद ॥ क्षं० ॥ मदउतरीयोतोणिवार ॥ शांतहुओगर
ज छांडिविकार ॥ क्षं०॥ १८ ॥ गजदर्शनिदेजीअभिराम
॥ भूपतीपणसुजपायोताम ॥ क्षं०॥ कनेसाहीछाली
जेम ॥ भूपतीआगेहाथीतेम ॥ क्षं०॥१९॥ वातसुणी
नेआवेधाय ॥ रामसुलक्ष्मणसुभटसहाय ॥ क्षं०॥क-
रीउपायअनेकेजण ॥ महावतेगज आण्योठाण ॥ क्षं०
॥२०॥ कुलभूषणनेभूषणदेश ॥ समोसर्याऋषी-
शजविशेष ॥ क्षं०॥ पद्मसौमित्रीभरतनरेश ॥ वंदन
आवेलोकअशेस ॥ क्षं०॥२१॥ पूछेपद्मकहोऋषी-
राय ॥ भरतदेजीगजनिर्मदथाय ॥ क्षं०॥ देशभू
षणकेवलधार ॥ भाषेभूपसुणोसुविचार ॥ क्षं०॥
२२॥ ऋषभमेलीघोसंयमभार ॥ साथेहूआनृपच्यार
हजार ॥ क्षं०॥ अजाणासुध्धिनलह्योआहार ॥ ता-
पसहूआतेतेहवार ॥ क्षं०॥२३॥ प्रल्हादनसुप्रभ
नृपनंद ॥ तापसनांव्रतपालीअमंद ॥ क्षं०॥ चंद्रोदय
सूर्योदयदेज ॥ भवमांहेभमियासुविशेष ॥ क्षं०॥

॥२४॥ चंद्रोदयगजपुरमेंआ . ॥ हरिमातभूपति
नरकहाय ॥ सं० ॥ चंद्रलेखासुविरुद्ध . न ॥ कुलंकरना
मे . ॥ पन्न ॥ सं० ॥ २५ ॥ सूर्योदयपणतेपुरमांहे ॥ वि.
भूतीनोनंदनमांहे ॥ सं० ॥ अग्नीकुंडविदरअवता
र ॥ सुतरतीनामेकुलआधार ॥ सं० ॥ २६ ॥ कुलंकरनृ-
पपदपावंत ॥ तापसवनमेंपगठावंत ॥ सं० ॥ विये म-
ल्योज्ञानीअणगार ॥ अभिनंदनभाषेसुभकार ॥ सं०
॥ २७ ॥ तापसपंच्याग्नीसाधंत ॥ जीवघणानेआणेअं-
त ॥ सं० ॥ लाकडआगलगाड्योआप ॥ तेमांहेरेजले
छेसाप ॥ सं० ॥ २८ ॥ सोजहीपरभवनोतुमबाप ॥
क्षेमंकरनामेंलहेताप ॥ सं० ॥ फाडीलाकडकाढ्योनाग
॥ जीवउगार्योत्तेसोभाग ॥ सं० ॥ २९ ॥ लाकडफाड्यो
मांहेभुयंग ॥ दीठोसान्हुओविरंग ॥ सं० ॥ दीक्षाउ-
परआणेभाव ॥ सुतरतीतामकहेंनकहाव ॥ सं० ॥ ३० ॥
चयपाकेधीक्षाशुंहेन ॥ करवोकायाआलरातेन ॥ सं० ॥
अेमसुणीलाग्योउच्छाह ॥ लीधिपाचिमांहेरह्योनर-
नाह ॥ सं० ॥ ३१ ॥ श्रीदामाराणीछेतास ॥ सुतरती
साथेसुविलास ॥ सं० ॥ राज्याआयापामीभेद ॥ रा-
जाजकरशेशिरच्छेद ॥ सं० ॥ ३२ ॥ विषदेईमार्योभर-
तार ॥ वेगोहीभूओत्तेथार ॥ सं० ॥ पापतणुंफलअेहि-
नभूरि ॥ अेहदीर्घभवभमियाभूरि ॥ सं० ॥ ३३ ॥ रा-
नश्रहीनगरीमेंविस ॥ डपीजघरेंआव्यातेसिम ॥ सा-
वित्रीउदरनामेविनोद ॥ जीनेरमणकरंतप्रमोद ॥ सं०

॥३४॥ रमणगयोभणवानेवेद ॥ देशांतरभणि-
ओकरीजेद ॥ क्ष० ॥ घरेआवेनिसीहुईजाम ॥ यक्ष
मंदिरेलीधोविश्राम ॥ क्ष० ॥ ३५ ॥ वडबंधवनीशा-
भनारि ॥ दत्तविप्रशुंप्रेमप्रकारि ॥ क्ष० ॥ यक्षमंदि
रमेंकरीसंकेत ॥ साआवीप्रीयमिलणनेट ॥ क्ष० ॥
३६ ॥ पूठेआव्योछेतससंकेत ॥ दत्तनआव्योतामतुरंत
॥ क्ष० ॥ रमणउठावीमानेभोग ॥ नारीनवांछेधन
तेलोक ॥ क्ष० ॥ ३७ ॥ करीजडगकरंतप्रहार ॥ भेद
नभणेकोईगिमार ॥ क्ष० ॥ रमणहेजीसुपडीओतं-
त ॥ शाजायेपणहणीओनिबकंत ॥ क्ष० ॥ ३८ ॥ भ-
वमेंभमिधननामप्रसिध्ध ॥ इभ्यपुत्रहुओरेसमृध्ध
॥ क्ष० ॥ रमणहुओसुततेहनोजाण ॥ लक्ष्मीउदरे
भूषणसुवजाण ॥ क्ष० ॥ ३९ ॥ परणावीकन्याजत्रीस
स ॥ सुजमानेतेविश्वावीस ॥ क्ष० ॥ उपरभूमिजेम
स्याम ॥ रत्नीकेरेपश्चिमयाम ॥ क्ष० ॥ ४० ॥ श्रीधरम्म-
षीनेकेवलज्ञान ॥ उपनुउंछेअधिकप्रधान ॥ क्ष० ॥
केवलओच्छवकरवादेव ॥ देजीधर्मतणोलहेभेव ॥
क्ष० ॥ ४१ ॥ उपरथकीउतरिओनंद ॥ ऋषीवंदननेधरे
आनंद ॥ क्ष० ॥ वाटेजातांसापेजाध ॥ शुभपरिणामे
शुभगतिलाध ॥ क्ष० ॥ ४२ ॥ भलाभलातोभवनेचेत
॥ भलाभलातोवितरणदेत ॥ क्ष० ॥ भलाभलाहि
पावेमम ॥ भलाभलागावतगुणग्राम ॥ क्ष० ॥ ४३
॥ जंबूद्वीपअपरविदेह ॥ रत्नपुरीनगरीगुणगेह ॥

स०॥ अचलनामाछेचक्रीश ॥ पूरणहरणीमायनगी-
श॥ स०॥४४॥ प्रीयदर्शननामावरपुत ॥ अणथुंराजन
सेघरनुंसुत ॥ स०॥ जालपणेशनेवैराग ॥ घारेन-
हींपरणेतेलाग ॥ स०॥४५॥ मातापितानुंराजणहेत
॥ कुंअरनवमान्योपरणेत ॥ स०॥ कन्यामेलीहअरन
तीन ॥ परणाव्योकुंअरप्रवीण ॥ स०॥४६॥ साठस-
हस्रवर्षग्रहीगृहवास ॥ अहुलांडीघांतपउपवास ॥ स०
॥ अंतसमेजाणीशुलध्यान ॥ पाम्योपंचमअमर
विमान ॥ स०॥४७॥ घननोजीवडरीनेडाल ॥ भव-
मांहेभमिओअशराल ॥ स०॥ पोतनपुरमेंब्राह्मणनो
वंश ॥ शकुनाह्मीमुजवंशवतंस ॥ स०॥४८॥ मृदुम-
तिनामेअन्मअलीध ॥ भूंडोअणीडाढीदीध ॥ स०॥
धूर्त्तशीउयोमायाभल ॥ आपानेउपायोसाल ॥ स०
॥४९॥ घरआएयोनत्यनेपरपंच ॥ वेस्यासरिसो
मांड्योसंच ॥ स०॥ पीछेसंयमव्रतप्रतिपाल ॥ पंच-
मडल्पगयोतेचाल ॥ स०॥५०॥ गजस्मवडीयोमाया
भेली ॥ गतितिर्यंचलहीजेमेली ॥ स०॥ गिरिचैता-
ढ्यमहामदवंत ॥ हाथीहुओजेजलवंत ॥ स०॥५१॥
प्रीयदर्शननोजीवनिउच ॥ भूपतीभरतहुओरेतिउच
॥ स०॥ भरतलणुंगजेदीठुंदर्श ॥ जतीस्मरणपाम्यो
सरस ॥ स०॥५२॥ भाईपुत्रपणानीप्रीति ॥ कुंअ-
जमेंयाजेविपरीति ॥ स०॥ मतिकुंजपामेमहारेत्रा-
स ॥ गजमहरंडयोजेमविमास ॥ स०॥५३॥ जेहसु-

एणीभरतेश्वरभूप ॥ संयमआदर्युंरे अनूप ॥ स०
साथें हूआ एक सहस नरिंद ॥ महियलविचरयाभ-
रतमुणिंद ॥ स० ॥ ५४ ॥ आतमगुणआराधन की-
ध ॥ समरसमेरे सुधारसपीध ॥ स० ॥ शत्रुंजयसा-
धी संथार ॥ पाम्यो भवसायरनोपार ॥ स० ॥ ५५ ॥
हाथीनानाविधतपकार ॥ अणसणआराधिअति
सार ॥ स० ॥ पाम्योप्रत्यक्षपंचमकल्प ॥ सुंजसाता
तिहांछेरे अनल्प ॥ स० ॥ ५६ ॥ केकेयीलियोसंयम
शुध्ध ॥ पाल्योटालीकर्मअशुध्ध ॥ स० ॥ माताजग
ईमोक्षमझार ॥ नेहनेनामेसदाजयकार ॥ स० ॥ ५७
॥ एतोलापीकूडीटाल ॥ एगुणपद्मयासमीयविशा-
ल ॥ स० ॥ केशरोलकरशिरहियोडी ॥ दोर्गभरतन-
मेंकरजोडी ॥ स० ॥ ५८ ॥

॥ मल्हाररागेदोहा ॥

भरतनृपदीक्षाग्रही ॥ राज्यतणोरेविवेक ॥ वासु-
देवबलदेवनी ॥ पदवीनोअभिषेक ॥ १ ॥ कीनेचिं-
त्तसुंचिंतवी ॥ नृपवरजेचरनरेश ॥ आवीपूछेरामने
॥ रामदिओआदेश ॥ २ ॥ मांडवछायोमोकलो ॥ मां-
ड्याकुंभउदार ॥ विधिसघलीहीसाचवी ॥ सालन्न
मल्यासुजाण ॥ ३ ॥ प्रथमकलशलक्ष्मणभणी ॥ ढा-
लेतेभूपाल ॥ पछीकलशश्रीरामने ॥ ढालेतेसुविशा-
ला ॥ ४ ॥ वासुदेवएआठमो ॥ एअष्टमबलदेव ॥

रावणकरोसुविशेषथी ॥ सुरनरसारेसेव ॥ ५ ॥ वासु-
देवनेदेवता ॥ सेवेआठहजार ॥ चारहजारेसेविये ॥
श्रीबलदेवउदार ॥ ६ ॥ सोलहजारादेरामें ॥ ने हनी
वरतेआण ॥ राजासोलहजारही ॥ आणकरेसुप्रमा-
ण ॥ ७ ॥ हयवरगयवररहवरू ॥ लाखबेंताली-
श ॥ पायाप्रौढप्रतापसुं ॥ कोडिअडतालीश ॥ ८ ॥
जेंयरजरीजीनमतकरे ॥ तूंयरआणअखंड ॥ माने
सुरसेवाकरे ॥ पालेराजप्रचंड ॥ ९ ॥

॥ ढालपच्यासमी ॥

(हींडोलणानी देशी.)

हेउसरघुपतिकेधर्मथुंराजे ॥ सुणियासघलालोक ॥
अधिकनेहा अधिकमेहा ॥ अधिकनिपजेहौंद ॥ अ-
धिकसुरभिदूधआपे ॥ अधिकईलतइजोई ॥ अधि-
कलाभलहेतवणजे ॥ अधिकव्यापारथ्यास ॥ अधिक
पुत्रकलत्रकभला ॥ अधिकपूरेआश ॥ हेउस० ॥ १ ॥
अधिकदानसुशीलअधिक ॥ अधिकतपहिप्रकार ॥
अधिकभावनपूज्यपावन ॥ अधिककरणीसार ॥ अ-
धिकपोसहनेसामायिक ॥ अधिकहिआचार ॥ अधि-
कअधिकुंसर्वतो ॥ अधिकार्थनोअधिकार ॥ हे० ॥ २ ॥ न-
हींहिंसानहींजूठन ॥ नहींकोइचोर ॥ नहींलंपटनहीं
लोभी ॥ नहींभूंडाजोर ॥ नहींक्रोधीनहींमानी ॥ नहीं
दूपलगार ॥ नहींवादविवादविकथा ॥ नहींकोकलिकाथ

॥ हे० ॥ ३ ॥ नहीं आल ऊशल ऊाल ॥ पिशुन ओलं-
भल ॥ नहीं ओपर पंथ रंथ्या हि ॥ ओन ऊेहनो साल ॥
नहीं भरन्नू गार घूरत ॥ नहीं दुःखी ओ ओई ॥ ते हनी
उपमान लगमें ॥ आप हि प्रभु हो सो छी ॥ हे० ॥ ४ ॥
राम आपे भिभिषणने ॥ राक्षसनो द्वीप ॥ ऊपिप-
तिने द्वीप ऊपिनो ॥ अछे तेही सदीप ॥ हनुमंतने प्रव-
रश्रीपुर ॥ श्रीपति आपेत्त ॥ कुलक्रमे ते पल्या आ-
व्या ॥ ते तिहां थापेत ॥ हे० ॥ ५ ॥ लंऊतो पाय्याला प्र-
गटी ॥ सहे वीर विराध ॥ नील ने देऊ्स दे पुर प्रति सूर्य ह-
नु पुर साध ॥ रत्नजटी देवोपगीत ॥ चन्द्रगती सुत दे-
भि ॥ रथनुपुर नगर ऊपान्यले अलहे न विशेषि ॥ हे०
॥ ६ ॥ यथा योग्य तेहि न एया ॥ तिसो तेहने देश ॥ देई-
ने संतोषीया ॥ श्रीरामस ऊलनरेश ॥ गाम वाले गाम
पायो ॥ जेतवाले जेत ॥ विभु जेतो नर ओनर हीयो ॥ प-
अपृथवी देत ॥ हे० ॥ ७ ॥ शत्रुघ्न शुं राम त्यापे ॥ देश ते-
ही सुहाय ॥ सो छे मांगो ताम मथुरा ॥ आप हीत सदाय
॥ राम त्यापे वत्स मथुरा ॥ पूरी आधि ऊदुसाधि ॥ भणी भु-
ज आपणे गले ॥ कुण पाऊे व्याधि ॥ हे० ॥ ८ ॥ मधुनृप-
ने यमरें आप्यो ॥ अछे पहेलां शूल ॥ अरि हणी तस हा-
थ आवे ॥ प्रगट छे प्रति ऊूल ॥ शत्रुघ्न ऊेहतु म हणिये ॥
राक्षसनाथ निशंऊ ॥ हुं ही यारो त्याग छुंतो ॥ कुण ओम-
धुरंऊ ॥ हे० ॥ ९ ॥ देहो मथुरा जेत मासो ॥ दे भ शुं हुं
भय ॥ राम आपी ताम मथुरा ॥ ओहरी जसु णाय ॥

सूलवर्गे अछेगाईल ॥ छले कस्ने काम ॥ जलह
जेरनके ईयलशे ॥ शीजवे श्रीराम ॥ हे० ॥ १० ॥ शत्रु
मेलार्यां अदेयर ॥ थिउ ॥ आपीयातसदोई ॥ सा-
रथी जमवदननामा ॥ सायेदीधो सोई ॥ धनुष्यदीधो
अर्णवावर्त्त ॥ अग्नीमुखशरसार ॥ लक्ष्मणे आप्याल
यीहर्षे ॥ लोकोनेजयकार ॥ हे० ॥ ११ ॥ शत्रुघ्नतवयां-
लियोरे ॥ उत्तरशीघ्रप्रयाण ॥ साथे हलजलसामटोरे ॥
वालहिं निसाण ॥ नदीतटे विश्रामलीधो ॥ जजरकी-
धीशथ ॥ वनकुंजेरे नारीसहित ॥ मधु केलिकराय ॥ हे
॥ १२ ॥ अस्त्रनाआगारमांहे ॥ शूलनुंरे निवेश ॥ शत्रु
घ्नछलदेईराते ॥ करे पूरियप्रवेश ॥ वातसांभलीदो-
डियोमधु ॥ आवहिं पुरमांहि ॥ शत्रुघ्ननेसुभटआलि
ने ॥ रोकियोतेप्रांहि ॥ हे० ॥ १३ ॥ मधुनंदनलवणकुं-
अरे ॥ मांडिओसंग्राम ॥ लडतअधिकोयुध्यनेमुज
॥ मारीलीधोताम ॥ रामनायुध्यआदिमांजिम ॥ ना-
रायणेजरमारि ॥ जितनाधुरहिंवजय ॥ तेमअेहने
संहारि ॥ हे० ॥ १४ ॥ पुत्रनोवधसूणिनेमधु ॥ कोपि-
ओरेकाल ॥ शत्रुघ्नशुंआवीअडियो ॥ लडेतामभू-
पाल ॥ अस्त्रशस्त्रचोटकरे ॥ अधिकशूरातेह ॥ देव
असुरोजेममारे ॥ तेममार्योअेह ॥ हे० ॥ १५ ॥ धनु
ष्यतोतबअर्णवावर्त्त ॥ अग्नीमुखतेजाण ॥ सुमरि-
यासानिधकारी ॥ हरणअरिकप्राण ॥ मारियोमधु
नेसुव्धक ॥ मारहीमृगराज ॥ घावसाल्यामधुयें

ते॥ हुओएहअकाल ॥ हे० ॥ ७६ ॥ रूलनायोनाह-
णायो ॥ सुप्रभानोनंद ॥ जन्महास्योजनसास्यो ॥ अन-
नुमतिमंद ॥ सेवियानहींदेवाजिनवर ॥ नकियातप
प्रकाश ॥ पात्रजणीदाननदिओ ॥ आणीचित्तउ-
ल्हास ॥ हे० ॥ ७७ ॥ एहभावनाभावतांरे ॥ राजीशु-
ध्धपरिणाम ॥ लहीदीक्षाप्राणछोड्या ॥ हुओसुरअ-
भिराम ॥ स्वर्गत्रीजेदेवदेवी ॥ सारहित्तसरसेव ॥ देहउ-
परकुसुमवरस्यां ॥ जयोजयोमधुदेव ॥ हे० ॥ ७८ ॥ दे-
वरूपेरूपलईकरी ॥ चमरसुंएवात ॥ शत्रुघ्नछलज-
लेईघो ॥ मधुनृपनोघात ॥ मित्रमार्योसुणीजिल्यो
॥ तामश्रीचमरेन्द्र ॥ शत्रुघ्नेआलमाहे ॥ जेमकहेअ-
सुरिंद ॥ हे० ॥ ७९ ॥ चालियोतववेणुदाली ॥ देवपूछे
तास ॥ किहांचाल्यामित्रहुंता ॥ तणेकथातास ॥ वे-
णुदालीइरीभाषे ॥ तेहनोअधिकार ॥ अवध्यपकी
पुण्यपूरो ॥ आधिकवर्तिवार ॥ हे० ॥ धरणपासेलेही
रावण ॥ शक्तिजीतीनेए ॥ तीनलोकतणोकंटो ॥
हण्योरावणतेण ॥ कुणमधुतसपतिसरिखो ॥ प्रभु
तणोबलपामी ॥ शत्रुघ्नेमधुमारियोछे ॥ शांतिहो-
वास्वामी ॥ हे० ८१ ॥ चमरभाषेशक्तिजीती ॥ वि-
शल्यासुपसाई ॥ नारायणनोनावजाणी ॥ एहमेंभ
लकांई ॥ तासअभ्रहर्यचारणीनुं ॥ सर्वयोगप्रभाव
॥ तेहथीनईशत्रुघ्नने ॥ कईमोछोआव ॥ हे० ॥ ८२ ॥
एमकहीनेचमरमथुरा ॥ आवियोतत्काल ॥ लोकसु-

બિયાદેરાનીઝો ॥ દેખિયોસુવિશાલ ॥ પ્રેચનતોરે [illegible]
પોંડુ ॥ પછેપોંડુઈરા ॥ એમાત્યતોરે [illegible] કરે [illegible]
ચીરા ॥ હે૦ ॥ ૨૩ ॥ [illegible]નાઉપચારકીધા ॥ તામાવિવિધ
[illegible]ઝાર । સાન્નિપાતિનેજન [illegible] પ [illegible] ૭ [illegible]
[illegible]નૂં કુલદેવીસનરી [illegible] સા[illegible] [illegible]વિચાર [illegible] મથુના [illegible]ય
मरकोप्यो ॥ तेहनाकेसुविकार ॥ हे० ॥ २४ ॥ लोकहु जि-
आदेजीराज्ञ ॥ करेअरतिअपार ॥ धींकनोमूर्च्छयोभा-
एस ॥ ज्ञेवेही दिनकार ॥ शत्रुघ्नतब्यालिखायो ॥ राम
लक्ष्मणपास ॥ यमरकोप्योकेमकीने ॥ करेअअरदास ॥
हे० ॥ २५ ॥ देशभूषणकुलभूषण ॥ आवियामुनिदेन
ई ॥ रामलक्ष्मणशत्रुघ्नसुं ॥ वैदेहिसहु कोई ॥ शत्रुघ्ने
नेग्रहीमथुरा ॥ कहोप्रभु कुणहेत ॥ देशभूषणरामसुंक-
हे ॥ पूर्वभवसंकेत ॥ हे० ॥ २६ ॥ शत्रुघ्ननोजीवमथुरा ॥
उपन्योबहुवार ॥ नामेंश्रीधरविप्रहुतो ॥ कामनो
अवतार ॥ राजपत्नीलियोतेडी ॥ करणभोगविला-
स ॥ जाणहुआंयोरज्ञाब्यो ॥ पामियोतेत्रास ॥ हे०
॥ २७ ॥ हुकमनृपनेवध्यलूमिये ॥ आणिओतेक्षिप्र
॥ करीकृपाकल्याणमुनि ॥ छोडाविओतेविप्र ॥ लेई
संयमस्वर्गहोई ॥ पूरीमथुराजाण ॥ नंदयंत्रलन्द
नृपनो ॥ हुओपुण्यप्रमाण ॥ हे० ॥ २८ ॥ हरीप्रभा
उदरउपन्योरे ॥ अचलतेहनुंनाम ॥ रविप्रभादिक
आठभाई ॥ ओरमाईबम ॥ संकनजाणीमारवालो
॥ करेतेहउपाय ॥ लेहमंत्रीशिरेहीघो ॥ अचलनासी

भय ॥ हे० ॥ २८ ॥ भमतअटवीमांहे कंटो ॥ विंधीया
तसपाय ॥ सावत्थिनोवसणहारो ॥ अंकनामधराय
॥ आपेकढ्योघरहिजाहिर ॥ वेहछेघणभार ॥ नगर
आव्योअचलतेहने ॥ उपन्योअतिप्यार ॥ हे० ॥ ३० ॥
कष्टभारउतारीकंटो ॥ कढीदीयोहाथ ॥ सोईकंटोतान
सआप्यो ॥ भणेआपीआथ ॥ अचलनामाअछुंम-
थुरा ॥ पुरीकरेशान ॥ हुओभुननेसुणीआवे ॥ सार-
थतुनकन ॥ हे० ॥ ३१ ॥ अचलकोसंबियेपहुतो ॥ सिं
हगुरुनेसंग ॥ इन्द्रदत्तनरिंन्दशीजे ॥ कलाधनुष्यसुरं
ग ॥ रायगुरुशीआविया ते ॥ धनुष्यनेअभ्यास ॥ राय
पुत्रीसाथेपृथ्वी ॥ तामदीधीतास ॥ हे० ॥ ३२ ॥ अनं-
गाहिकदेशसाथी ॥ मेल्योसजलोसान ॥ पुरीमथुराथ्यास
लिआव्यो ॥ विस्तरीसेजवान ॥ युध्यकरवेआईआठे
॥ जांधियातेऐंयी पयंन्दभन्दमेधानमोकली ॥ वात
आणेसंयी ॥ हे० ॥ ३३ ॥ तामनामप्रकाशकीधो ॥ सथि
वनृपरुआय ॥ लाषहिंतवअचलनगरी ॥ मांहेलीधो
राय ॥ अनुक्रमेनृपशनदीधो ॥ वर्त्तिओनयकार ॥
लाईतेअष्टसेवक ॥ कियाआज्ञाकार ॥ हे० ॥ ३४ ॥ ऐ
कदिवसेलट नाचे ॥ देजहिंसोभूप ॥ रायेपुरुषपीछानी
यो ॥ सोईअंकअनूप ॥ पासेतेककरीदीलासा ॥ नन्म
लूमिदीधी ॥ अचलेअंकसुमित्रथाप्यो ॥ जिंद्रसिंधू
कीधी ॥ हे० ॥ ३५ ॥ समुन्दथ्यार्थनीपासे ॥ लेईसंयम
भार ॥ स्वर्गपांम्येमेहोईआया ॥ मनुष्यलोकमन्नर

शत्रुघ्नऐअचलहूओ ॥ हेतमथुराराय ॥ अंकजव
कृतांतआनन ॥ सारथीतुमसार ॥ हे० ॥ ३६ ॥ श्रीप्र-
भापुरनगरनीजे ॥ श्रीचनंदनराय ॥ धारणीउदरउ-
पन्योसुत ॥ सातहिसुभदाय ॥ सूरनंदश्रीनंदश्री ॥ ति-
लकनामजयंत ॥ सर्वसुंदरजयमसवरनय ॥ मित्रजशुण-
वंत ॥ हे० ॥ ३७ ॥ श्रीचनंदनरायसाथे ॥ पुत्ररंवेराग ॥
मासजन्तकपारप्यापे ॥ साधवाशिवमार्ग ॥ प्रीतिकर
गुरुपासेसंयम ॥ आदरयोततखेव ॥ लहीकेवलमोक्ष
पहुतो ॥ श्रीचनंदनरुषीदेव ॥ हे० ॥ ३८ ॥ भाईसातेशुध्ध
संयम ॥ पालताविहरंत ॥ लब्धिजंघाचारणीरे ॥ त-
पजतेअपनंत ॥ पुरीमथुराआवीरहिया ॥ तामतेचौ-
मास ॥ छठअठमदसद्वादश ॥ करेतपउपवास ॥ हे० ॥
३९ ॥ पारणोनईअवरनगरे ॥ करीआवेसाध ॥ तासत-
पआचीरकरणी ॥ तणोअतिशयलाध ॥ चमरेकीधारो-
गमरिया ॥ हूओनगरनिरोग ॥ अधिकओछवरंगघर
घर ॥ नहींसुपनेसोग ॥ हे० ॥ ४० ॥ नीतिसहुप्रस्वेदने
मल ॥ थूकनेजकेरा ॥ अहताऔषधीप्राहे ॥ साधुना
सुविशेष ॥ वायरेतनुफरसीआवे ॥ नलेपगधोवाथ
॥ वायपाणीफरसियांथी ॥ रोगसघलाजाय ॥ हे० ॥
४१ ॥ अयोध्यायेआवियाते ॥ पारणानेकाम ॥ अरद-
त्तशेठगृहआंगणेरे ॥ आवीऊभास्वाम ॥ भावविन-
णवंदनाकीधी ॥ शेठेसंयमवंत ॥ साधुस्यायोमास
मांहे ॥ विहरंताविचरंत ॥ हे० ॥ ४२ ॥ शेठजाणेपूछि-

थेरे ॥ किस्योतुमआण्यार ॥ भेजहीसेसाधुनोरे ॥ किरो
छांड्याआर ॥ एमचिंतवतोहीरहियो ॥ दियोवहुए
आहार ॥ लेईगुरुपासेआव्या ॥ तिहांछेअणगार ॥
हे० ॥ ४३ ॥ आचार्यश्रीनमीचूत्तिवर ॥ कियोजिठीमणा
म ॥ अवरसाधुनकरेवंदन ॥ जाणीशिकठाम ॥ अरान
कीयापछेपूछ्या ॥ आचार्यऋषीराज ॥ पूज्यकिहांथी
पधारिया ॥ किहांजशोआज ॥ हे० ॥ ४४ ॥ पूरीमथुरा
थकीआव्या ॥ जायशुंपणतत्र ॥ एमकहीऋषीपांगु
रयारे ॥ आविथाथायत्र ॥ इणऋषीसंयमीशुध्या ॥
किरियाएपालंत ॥ गगनेजावेगगनेजवे ॥ दीपसहु
दालंत ॥ हे० ॥ ४५ ॥ शिष्यपूछेसुगुरुपासे ॥ कुणए-
निग्रंथ ॥ सुगुरुभाषेसाधुसाच्या ॥ साधेहिशिवपंथ ॥
लब्धिवंतमहंतमुनिवर ॥ माहेंकोनहींदोप ॥ एहसु
णतांशिष्यमनमें ॥ करेअतिअइसोस ॥ हे० ॥ ४६ ॥
एहसांभलीसोईश्रावक ॥ करेपश्चात्ताप ॥ मासक-
र्त्तिकेशुध्यसातमी ॥ थालिआयाआप ॥ करीवंदना
वीनवेतुम ॥ गुणाभरीतअगाध ॥ पायलागीनेजमा-
वुं ॥ जमोमुनअपराध ॥ हे० ॥ ४७ ॥ सहेऋषीसुप्र-
सादथीरे ॥ शांतिसघलेदेश ॥ सुणीकार्त्तिकपूर्णिमे ॥
आवियोरेनरेश ॥ पायनमीकहेसाधुजीने ॥ आहार
लीयोमुजगेह ॥ राजपिंडनऋषीहिकल्पे ॥ कहेमुनिवर
तेह ॥ हे० ॥ ४८ ॥ राजुप्रतवरीलाषे ॥ धनधनतहा
शेधर्म ॥ दयकृतजेरोगभिटिया ॥ करयाविणविपकर्म

॥ ...सुमरणोईहां ॥ अपरनाम ... ॥ मातङ
राभवत...तडारो ॥ करणजगजथ्थार ...हो॥जपा.सत
ऋषीकेहशायनकरे ॥साधु ममतात्नाव ॥ पालशुंनविरह्या
जिणहिं ॥ चरणगुणशुंचाव ॥ देवअरिहंतनेतधारो ॥
साधुसेवासाधि ॥ शीलसमकितशुध्धपालो ॥ निमनथप-
जेव्याधि ॥ हे० ॥ प० ॥ दालजेपथ्यासमीरि ॥ साधुनोउप-
कार ॥ अछेमहोटानहींछोय ॥ गगननेविस्तार ॥ केश-
शनकेहसाधुगुणल्युं ॥ गरुडआयासाप ॥ नासहिंतिम
साधुआया ॥ पापनेसंताप ॥ हे० ॥ ५२ ॥

॥ सारंगरागेदोहा ॥

गिरिवैताढ्यविरोषथी ॥ दक्षिणश्रेणीदेखि ॥ रत्नरथ
राजनलो ॥ रत्नपुरेसुविशेषी ॥ १ ॥ चन्दमुजीउदर
उपनी ॥ मनोरमासुकुमारि ॥ अेकेहने परणाविशुं ॥
रायपड्योसुविचारि ॥ २ ॥ नारदेलक्ष्मणकह्यो ॥ सज
गुणलक्षणवंत ॥ भाग्यवतिअेभामिनी ॥ जेथायेअे
कंत ॥ ३ ॥ रत्नरथराजनतणो ॥ कोप्योतामकुमार ॥ गोत्र-
नवैरविचारथे ॥ अमर्षवहेअपार ॥ ४ ॥ कुंमतोअेकूटि-
ये ॥ नारदनासीजाय ॥ पुरीअयोध्याआविओ ॥ लक्ष्म-
णलाग्योपाय ॥ ५ ॥ मनोरमानुरूपपट ॥ लियोलजी
हेजाय ॥ लक्ष्मणथयोअनुरागियो ॥ रूपेरंग्योराय ॥
६ ॥ लक्ष्मणतवहियालिओ ॥ साथेहुवाश्रीराम ॥ रा-
क्षसजेचरसैन्यशुं ॥ आईगयाजलिराम ॥ ७ ॥ रत्न

रथनिजपुत्रशुं ॥ आवीकरेसंग्राम ॥ लक्ष्मणेतेजीति
लिया ॥ वाल्यासुजसदुधाम ॥ ८ ॥ मनोरमालक्ष्मण
भणी ॥ पुत्रीदेईप्रधान ॥ श्रीदामाश्रीरामने ॥ दी-
न्यारामन ॥ ९ ॥ साधीदक्षिणश्रेणीसहु ॥ साध्या
भगभूपाल ॥ पुरिअयोध्याआविया ॥ राजकरेसुवि
शाल ॥ १० ॥ लक्ष्मणनेअंतेउरी ॥ सोहेसोलहजार ॥
आठअछेपटराणिणी ॥ ईन्द्राणीअवतार ॥ ११ ॥ वि
शल्याआदेकरी ॥ रूपवतीवनमाल ॥ कल्याणमाला
चतुर्थी ॥ रत्नमालासुकुमाल ॥ १२ ॥ जीतपद्माप्रग
टीमहा ॥ अभयवति अवधार ॥ मनोरमामनमोह-
नी ॥ एआठेपटनार ॥ १३ ॥ अढीसेंनंदनहूवा ॥ सू
रमहाजुंजार ॥ तयाअग्रमहेषीया ॥ एआठेसुत
सार ॥ १४ ॥ विशल्यानोश्रीधरू ॥ रूपवतीएएह ॥
पृथवीतिलकसुहामणो ॥ गुणमणिकेरोगेह ॥ १५ ॥
वनमालानोअरजुन ॥ उपमाअधिकीजस ॥ जीतपद्
मानोभणीये ॥ श्रीकेशीसोउल्हास ॥ १६ ॥ कल्या-
णमालानोकह्यो ॥ मंगलनामअमंद ॥ सुपार्श्वकीर्त्ति
कल्पतरू ॥ मनोरमानोनंद ॥ १७ ॥ रत्नमालानोविम
लजु ॥ विमलसोनामपरिमाण ॥ अभयवतीनोए
सही ॥ सत्यकीर्त्तिसुनाम ॥ १८ ॥ च्यारकहीश्रीरामने ॥
सीतासतीसिरेज ॥ प्रभावतीनेरतीनिभा ॥ श्रीदामा
सुविशेष ॥ १९ ॥ गर्भधरेसीतासती ॥ भलोसुपनजे
विलोई ॥ आवेच्यवीविमानथी ॥ गरभसज्जेकेदोई ॥

॥२०॥ करेप्रवेशनिज आनने ॥ वीनविओ नरतार ॥
पुत्रयुगलतुम प्रसवशो ॥ नहींसंदेहलगार ॥ २१ ॥ स्व-
र्गविमानथकी च्यव्या ॥ सुतमुज असुजदाय ॥ होशे
ओम निणो सही ॥ कहे अयोध्याराय ॥ २२ ॥ सीता कहे स्वा-
मी सुणो ॥ अेरी आरती छेरी ॥ जामशक्लहि पायशे ॥
करशे श्रीजगदीश ॥ २३ ॥ प्रीतघणी पहेली जछे ॥ प्रभु-
नी सीता साथ ॥ अनओधानघरथापछी ॥ जतीसन-
मानीनाथ ॥ २४ ॥ शोक्यजलेमनमें घणुं ॥ अमरेज
सहोनजय ॥ जलपूणकोन्यालेनहीं ॥ तामकरेउपायप

२५

॥ ढाल अेकावनमी ॥

(हेकुंकमणीतुंतोसाथीश्रावीआ, अेदेशी॰)

शूलीथी अति आकरी ॥ शूलीशोकनजेय ॥ होरघुप-
ति ॥ शोक्यसरजी शूलिका ॥ अवरनदीसेजेयहो ॥ रघु॰
॥१॥ शोककहो क्युंनाकरे ॥ मुछहोई दुःखदाईहो ॥ रघु॰
॥ पुढनछंडेपापणी ॥ छिटछिट अेहसगाईहो ॥ रघु॰॥
शो॰॥२॥ शस्त्रथकी तीजोजशे ॥ तीजोतासप्रतापहो
॥ रघु॰॥ शस्त्रछिप्योरहे म्यानमें ॥ लियांउठे आपहो
॥ रघु॰॥ शो॰॥३॥ सापणीथी सापणी ॥ सापणी
शोककहायहो ॥ रघु॰॥ सापणीमंत्रेजी लिये ॥ शोक
नक्युंहिं जिलायहो ॥ रघु॰॥ शो॰॥४॥ आगथकी उ-
नीजशी ॥ उनीशोकनहोयहो ॥ रघु॰॥ कोउजसेनेम
लीतरी ॥ तिमअेजलतीजेयहो ॥ रघु॰॥ शो॰॥५॥ त-

जलगहूंयलसाजतो ॥ नजलगकंज्जु दूरहो ॥रघु०॥
कंदेकंज्जुमेलवे ॥ अेहष्टांतहनूरहो ॥रघु०॥शो०॥६॥
अंजरेउमकछियाघणा ॥ देजायथामेहहो ॥रघु०॥प्रज-
लवायनेवालवे ॥ कंटगयाघनतेहहो ॥रघु०॥शो०॥
७॥आटोआछोतोघणो ॥ कोलहेतूटवाकहो ॥रघु०॥
माणसकेरवियाकिरे ॥ निमकिरंतोयाऊहो ॥रघु०॥शो०
॥८॥ जाहिरमिलणेमिलीरही ॥ मांहेकटकातीनहो ॥र-
घु०॥कऊडीयामेंतेवसी ॥ लेन्नेदेजीप्रवीणहो ॥रघु०॥
शो०॥९॥पारोवानीथुंमिल्यो ॥ हींगलुकहवायहो ॥रघु०
॥सोहगीनासंयोगथी ॥ छटकीअलगोथायहो ॥रघु०॥
शो०॥१०॥ आंजाभंजु आंजली ॥ येथांभूजोजोरहो
॥रघु०॥ उपरकोमलताघणी ॥ मांहेअघिककठोरहो ॥
रघु०॥ शो०॥ ११ ॥सत्यवतीसाच्चीसती ॥ वसुधामांहे
विख्यातहो ॥रघु०॥ शोक्यांसाहकूडकरी ॥अवराकेछे
वातहो ॥रघु०॥ शो०॥१२॥ शोक्यांकहेसीतातणी ॥
महारेतुंसिरदारहो ॥रघु०॥ कल्नेअमृतकलवे ॥ कातो
हृदयमम्भरहो ॥रघु०॥शो०॥१३॥ अेकदिवसरसरं-
गमे ॥ पूछेचित्तमेंच्यावहो ॥रघु०॥ रावणरूपसोहाम-
णुं ॥ हमनेसंजीदेजावहो ॥रघु०॥शो०॥१४॥सीता
कहेसुणाणिये ॥ केहवोयोतसरूपहो ॥रघु०॥ मेंतोक-
दहिनदेजियो ॥ देजियापावअनूपहो ॥रघु०॥शो०॥१५
॥सालापेसुणसुंदरी ॥ सोर्धनिजेतुंपावहो ॥रघु०॥
घूर्तीघूर्तपणुंकरे ॥सीनासरलस्वभावहो ॥ रघु०॥शो०

॥१६॥सीतालोभीहेजाडिया ॥ रावणपावडिहारहो ॥र-
घु०॥शोक्यांदंडीराजिया ॥ पावतणाआडारहो ॥र-
घु०॥शो०॥१७॥ गोष्टीविसनिविगशुं ॥ निननिनथा-
नकन्नतहो ॥रघु०॥ सीताओछीपाडवा ॥ केहेयोघासे
घातहो ॥ रघु०॥ शो०॥१८॥ पगआडारहेजाविया॥
नजआव्याश्रीरामहो ॥ रघु०॥ पूछ्याओउत्तरदीओ
॥वालीत्रीयानांडामहो ॥रघु०॥शो०॥१९॥ ओतोपा-
वनपूनिये ॥ न्नेतससाथेनेहहो ॥रघु०॥ वातनमानी
रामजी ॥ शोकपलेजाओहहो ॥रघु०॥शो०॥२०॥आ-
पणापणीदासीने ॥ तेडीनेतनारहो ॥रघु०॥ गलीगली
जानरमें ॥ सारीपूरिमन्नरहो ॥रघु०॥शो०॥२१॥
सीताचित्तरावणवसे ॥ सघलेपाडेसादहो ॥ रघु०॥
सालसरीजोसालरो ॥ लोकमुजेअपवादहो ॥रघु०॥
शो०॥२२॥ मासवसंतविरानियो ॥ प्रभुत्रीयसाथेक-
हंतहो ॥ रघु०॥ गर्भहिंदोषवियारवे ॥ आयोओहव-
संतहो ॥रघु०॥शो०॥२३॥ महेन्द्रोदयनामयी॥आछो
छेउद्यानहो ॥रघु०॥ विविधप्रकारेविनोदनां ॥भांहेभ-
होदयानहो ॥ रघु०॥शो०॥२४॥ क्रीडाकरवाकारणे॥
यालोभवाआनहो ॥रघु०॥ सीताकहेमुजदोहलो ॥
उपन्योश्रीमहारानहो ॥ रघु०॥ शो०॥२५॥ तनहि
राममंगावियां ॥ जागतणांवरफूलहो ॥रघु०॥सीता
दोहलोपूरवा ॥रचियामंडपरूअमूलहो ॥रघु०॥शो०॥
२६॥ पछेपद्मनीशुंप्रभु ॥ वनमेंजाव्याव्यासहो ॥रघु०

॥ विविधवसंतविनोदमें ॥ रथीरह्याछे ज्यालहो ॥ रघु०
॥ शो० ॥ २७ ॥ एटलेसीताछंनणुं ॥ ईरज्युंदसिणन-
यनहो ॥ रघु० ॥ शंकीमननांकेघणुं ॥ नाहियेंछोछकुंये-
नहो ॥ रघु० ॥ शो० ॥ २८ ॥ सीताप्रभुछशुकहो ॥ करे
विचारनरेशाहो ॥ रघु० ॥ एतोएहवुंदजियं ॥ उपने
होछेकलेशाहो ॥ रघु० ॥ शो० ॥ २९ ॥ शदासनेहथयेस्यडा
॥ दीठोशदासदेशहो ॥ रघु० ॥ दैवनतोराछथयो ॥ सं-
तापतांविशेषहो ॥ रघु० ॥ शो० ॥ ३० ॥ दिनगयोवरस
जरोजरे ॥ आरतिमांहेदिसहो ॥ रघु० ॥ पारनपा-
मेकेवली ॥ वरणवतांदुःखतासहो ॥ रघु० ॥ शो० ॥ ३१
॥ प्रभुछदेआसासना ॥ एमकहंतमहंतहो ॥ रघु० ॥
सुखदुःखआपदसंपदा ॥ लागीलारहंतहो ॥ रघु०
॥ शो० ॥ ३२ ॥ रामकहेघरेस्नछेने ॥ करएहछेउपकर्महो
॥ रघु० ॥ दानशीयलतपभावना ॥ साचवेश्रीजिनध-
र्महो ॥ रघु० ॥ शो० ॥ ३३ ॥ जिनधर्मनीसेवाकरे ॥ भा-
वविशुध्यत्रिकालहो ॥ रघु० ॥ आंबिलएकलवानलो
॥ करतामिटेजंजालहो ॥ रघु० ॥ शो० ॥ ३४ ॥ सीताआवी
मंदिरे ॥ रहेतीसंवरमांहिहो ॥ रघु० ॥ दानादिकविवि-
धसांचवे ॥ आदरशुंउच्छाहिहो ॥ रघु० ॥ शो० ॥ ३५ ॥
यतुकरथानगमेंलिके ॥ छोयनराजीपंतहो ॥ रघु० ॥
एजिनचन्यनेअणके ॥ भावीहोवेतेअंतहो ॥ रघु० ॥
शो० ॥ ३६ ॥ विनयसूरसुदेवके ॥ पिंगलनेमधुमान
हो ॥ रघु० ॥ ठालसेपडाल्यपड्यो ॥ राजसुधरअ-

त्मिधानहो ॥ रघु०॥ शो०॥३७॥ जेसातेअधिकारिया
॥ महोदामेइसमानहो ॥ रघु०॥ ढाजरदारकरीथापिया
॥ पुरुषमहापरधानहो ॥ रघु०॥ शो०॥३८॥ राघवआ
विया ॥ ढीलाकरीयपरणामहो ॥ रघु०॥ थरहरला-
ग्याबूलवा ॥ नसहायप्रभुयामहो ॥ रघु०॥ शो०॥३९
॥ रामकहेलोत्माठथो ॥ कांतुमआरतिवंतहो ॥ रघु०
॥ कांइपोतइपातम्युं ॥ लाघेविनयमहंतहो ॥ रघु०
॥ शो०॥४०॥ प्रभुजशुंजेकवीनती ॥ पणसोतेनक-
हेवायहो ॥ रघु०॥ सांभलनाअसुहामणी ॥ छेप्रभु-
नेदुःखदायहो ॥ रघु०॥ शो०॥४१॥ अणकहियांला-
गेसही ॥ स्वामीद्रोहनुंपापहो ॥ रघु०॥ कूतटीमेंपडि-
याअछुं ॥ ग्रहीछछुंदरीसापहो ॥ रघु०॥ शो०॥४२॥
रामकहेअलयमानजे ॥ जुवतणुंतोघनहो ॥ रघु०॥ तु-
मनेमेंदीधुंसही ॥ लापेलहीप्रभुमानहो ॥ रघु०॥ शो०
॥४३॥ देवसुणोदेवीतणा ॥ अतिअपवादप्रसिध्यहो
॥ रघु०॥ नणनणनेमुखआकरो ॥ काननआयेदीधहो
॥ रघु०॥ शो०॥४४॥ सुसवादोइलदेजीने ॥ कहोकुण
नजायहो ॥ रघु०॥ फूलसुगंधेपेजके ॥ सुध्याविणन
रहायहो ॥ रघु०॥ शो०॥४५॥ लोकभणेनलजीदजिये
॥ घरिकनेमघसायहो ॥ रघु०॥ नरहेत्रीयाविणभोग-
व्या ॥ नरस्नेनिरतोन्यायहो ॥ रघु०॥ शो०॥४६॥ मां-
साहारीमानवी ॥ नत्यलेपायोमांसहो ॥ रघु०॥ लंप-
टनारीपामिके ॥ नत्यजेशोजंतनासहो ॥ रघु०॥ शो०

॥४७॥ सूर्ज्योसोननपामके ॥ नरहेतेहलगारहो॥
रघु०॥ नरहेतिमंत्रीयपामके ॥ नरनेविषयविकार
हो ॥ रघु०॥ शो०॥४८॥ अंजरथीतूटेघणुं ॥ पंजी
पंजरणीपेखिहो ॥ रघु०॥ ज्युंजयेओपंखियो ॥ जागे
ऊभीदेखिहो ॥ रघु०॥ शो०॥४९॥ सांभलीनेछे एह-
वी ॥ लोकोकेरीचायहो ॥ रघु०॥ शाणपणेसुविचार-
तां ॥ देखायेपणसायहो०॥ रघु०॥ शो०॥५०॥ लेईग-
येपणएकली ॥ एकाकीहीआयहो ॥ रघु०॥ कालघ-
णोघरतेहने ॥ रहीपणदेखायहो ॥ रघु०॥ शो०॥५१॥
रावणतोविणलोगव्या ॥ रहियोहोशेकेमहो ॥ रघु०॥
जणयोकश्योआपणो ॥ छेतोसुधुंएमहो ॥ रघु०॥ शो०
॥५२॥ छोतीनलागेछेसही ॥ मलोशलांकानेमहो ॥
रघु०॥ जगमेंनशअपलशपणुं ॥ नविन्यारेछेप्रेमहो
॥ रघु०॥ शो०॥५३॥ अपलशअतोएवडो ॥ भमअ
सेनजमायहो ॥ रघु०॥ प्रभुनेआवीनणाविये ॥ कीने
ज्युंहिसुहायहो ॥ रघु०॥ शो०॥५४॥ नानामुजथी
महोटीका ॥ जोलाछांहेजोलहो ॥ रघु०॥ सोवातां-
कीएकए ॥ जगमांनशाहिंअमोलहो ॥ रघु०॥ शो०॥
५५॥ आदिनाथआदेकरी ॥ आजलगेएवशहो ॥ रघु
॥ कोईनलागीकालिमा ॥ पुहवीमांहेप्रशंसहो ॥ रघु०
॥ शो०॥५६॥ कीर्त्तितोआजन्मनी ॥ मतिहारोरघु-
नाथहो ॥ रघु०॥ सीताहुईनाहूजे ॥ जहुलोछेत्री-
यसाथहो ॥ रघु०॥ शो०॥५७॥ वचनहतहोईरह्या॥

॥ ोवातसु ंतणो ॥ રઘુ૦॥ સીતાસા કાજબે ॥
વોએકતણો ॥ રઘુ૦॥ ૦॥ ૫૮ ॥ યા ॥ દરી
ોલિયા ॥ તરાસુતાનણો રઘુ૦॥ ભલાન ॥ વી
वातजे ॥ कुरयुंनरानांउमहो ॥ रघु०॥ शो०॥ ५९ ॥
नहींदिउंनरानयवा ॥ त्रीयातोकुणमातहो ॥ रघु०॥
विसल्यतिवेगशुं ॥ दुःखहियेनसमातहो ॥ रघु०॥
शो०॥ ६०॥ कोइवनमीदालमें ॥ सकलमल्याशुल
सानहो ॥ रघु०॥ केशरानसीतातणी ॥ शोकेकीधां
अनहो ॥ रघु०॥ शो०॥ ६१ ॥

॥ धन्यासिरिरागे दोहा ॥

रात्रिपधास्यारामजी ॥ सुणवाउनेसाद ॥ लिहांजये
तिहांसांभले ॥ नणनणमुखअपवाद ॥ १ ॥ रावण
जी लेईगयो ॥ तिहांरहीथिरजल ॥ जाणीसतीजा-
णीसही ॥ रामजपूठीजाल ॥ २ ॥ वानीदेजीवस्तुनी
॥ सौजनकेरआहार ॥ नारीरूपविलोकवे ॥ जेनगनो
व्यवहार ॥ ३ ॥ लेईगयोनजमारवा ॥ नजमारणोगस
भार ॥ तिहांतोनंजभारीहशे ॥ ईहांकिस्योविचारा
४ ॥ एमसुणीघरआविया ॥ रामनलाईचार ॥ चर-
चेयोजांप्योकसी ॥ लेजयानगरीमजार ॥ ५ ॥ ओही
कयालोकहयचो ॥ ओहीजनसमुदाय ॥ आवीसु-
णावेरामने ॥ तुरतईरियोनहींवाय ॥ ६ ॥ नेहतणे
तोकरणे ॥ रावणनोदरयकीध ॥ किरविधितेंसीताल-

ણી ॥ ગુણઅવસ્થાદીધ ॥૭॥ લક્ષ્મણજીપણસાંભ-
ળી ॥ લોકમુખેએવાત ॥ મણેપડ્યોઆકાશથી ॥ વ-
જ્રતણોનિર્ઘાત ॥૮॥

॥ ઢાલ બાવનમી ॥

(વિમલાચલ મેરે મનવસી એ દેશી, ફાગનીઢાલ.)

લક્ષ્મણજીતોએમવિનવેહો ॥ રાઘવશું કરજોડી ॥ કાં
કીનેતોડતોડી ॥ નહીંસીતામાંહેખોડિ ॥ લ્યોસાચકડા
ઈચહોડિ ॥ લ૦ ॥૧॥ પાણીમાંપથ્થરતરે ॥ પશ્ચિમદિ-
શિદિનકાર ॥ ઉગતોસહીજાણિયે ॥ સીતાનલોપેકાર
॥ લ૦ ॥૨॥ વૈશ્વાનરશીલોપડે ॥ અમૃતમારણહાર ॥
તોએસહીકરીમાનજો ॥ સીતાનલોપેકાર ॥ લ૦ ॥૩॥
અંધકારસૂર્યકરે ॥ ચંદ્રકરેઅંગાર ॥ તોએસહીકરી
માનજો ॥ સીતાનલોપેકાર ॥ લ૦ ॥૪॥ સાયરનાંલઘ
ભીતરે ॥ ઊડેરેણુઆપાર ॥ તોએ૦ ॥૫॥ પંકજપથ્થ-
રઉપરે ॥ પામેઅતિવિસ્તાર ॥ તોએ૦ ॥૬॥ સૂર્યઆ-
થમિયાથકી ॥ વર્તેવાસરવાર ॥ તોએ૦ ॥૭॥ સાપ-
તણેમુખઉપને ॥ અમીયતણોરસસાર ॥ તોએ૦ ॥૮॥
પુનામસસારને ॥ જેપામેકલિકાર ॥ તોએ૦ ॥૯॥
કાલકૂટવિષજાણિયાં ॥ આયુતણોઅધિકાર ॥ તોએ૦
॥૧૦॥ નિર્દયધર્મલહેધર ॥ અન્યાયીજ [illegible]ચાર ॥ તોએ
૦ ॥૧૧॥ કાવ્યકલાવાંછેઘણી ॥ મૂર્ખાનોપરિહાર ॥
તોએ૦ ॥૧૨॥ દામાદવાવિણવાંછહીં ॥ તપહીંતણા

प्रडार ॥ तोऐ० ॥ १३ ॥ अल्पमतिश्रुतसायरू ॥ अव-
गाहियेविच्यार ॥ तोऐ० ॥ १४ ॥ राजविहुणुंवांछ-
हि ॥ देखुंसहुसंसार ॥ तोऐ० ॥ १५ ॥ चंचलचित्तनुं
मानवी ॥ ध्यानधरेसुजडार ॥ तोऐ० ॥ १६ ॥ मेलुतुम-
नेनवीजुजुध्ये ॥ अजलांशुंअतिरोष ॥ सदोषहीनवी
छंडिये ॥ एतोछेनिर्दोष ॥ ल० ॥ १७ ॥ रामकहेम-
हत्तरनरा ॥ जाघीमुजहिसुणाय ॥ मेंपणकानेसांभ-
ली ॥ हेरापणकहिआय ॥ ल० ॥ १८ ॥ वत्तकऐअप-
नशालणी ॥ मेंतोसहीनभय ॥ सीताकाढुघरथकी ॥ वि-
मऐकहणमिटाय ॥ ल० ॥ १९ ॥ दांतांदेईआंगुली ॥ त-
वनाघैलघुभ्रात ॥ संसयछेतुममाहरा ॥ इरीमक-
रोवात ॥ ल० ॥ २० ॥ पडहदिशायेराहेरमें ॥ मुहनेकरो
नेकेई ॥ सुंसकरुंश्रीरामनुं ॥ मेंमारेवातेई ॥ ल० ॥ २१ ॥
लोकवचनसीतासती ॥ क्युंछोडेनरेश ॥ चिंतावलअज
छेघणी ॥ पाछेहाथघसेश ॥ ल० ॥ २२ ॥ मूलेमुहंगीछे
घणी ॥ सुहंगीनहींसिंगार ॥ सीतानोसंसारमां ॥ ला-
ध्योघनअवतार ॥ ल० ॥ २३ ॥ ओदिनक्युंनविचारियोहि
॥ जेदिनपड्योवियोग ॥ माणसमूआथीघणो ॥ करता
थाअतिसोग ॥ ल० ॥ २४ ॥ छातीफाटीयीघणी ॥ आसु
तोलडलाय ॥ वरसतोज्युंलाग्वो ॥ सीतावांछेराय ॥
ल० ॥ २५ ॥ आनहुईअलेजामणी ॥ सुणीलोकनाजोल
॥ मतिरेचिरांसोल्पाईजी ॥ सीताछेनिरमोल ॥ ल० ॥ २६ ॥
सणकूसेतूसेसणे ॥ लेदनकोईसहाय ॥ जाहिनहष्टी

भाषिया ॥ लोकनहींसमजाय ॥ ल० ॥२७॥ रामकहेअसा-
यछे ॥ परघरभंजनलोक ॥ आवीमल्योअेअेहवो ॥ दैव
तणेसंयोग ॥ ल० ॥२८॥ नजलगनयणेनानिरजही ॥
कहीनकहुणीकोई ॥ कहीकहिणीघाजलिपडे ॥ अधिक
असाताहोइ ॥ ल० ॥२९॥ सजननतोकेपेनहीं ॥ केपीन
भलेविकार ॥ सजननतोगुणअेवडो ॥ वाल्योवलेतिवा-
रा ल० ॥३०॥ सायरसायरताभजे ॥ नहुअेगामतलाव
॥ सायरशरजोआंतरो ॥ धमभाषेजिनराव ॥ ल० ॥३१॥
अेकनराअेकनघरा ॥ अेकनपुरीप्रसिध्ध ॥ दूरकियास-
कुलगतमें ॥ अपनशपकहोदीध ॥ ल० ॥३२॥ नारीसीता
तुलखांहडी ॥ सुंजदुःखलागीसार ॥ छोडावीछूटेनहीं ॥
कीधांकोडिप्रकार ॥ ल० ॥३३॥ कहेबिभिषणरायजी ॥
सीतानीयुंसांभ ॥ शत्रुरावणआगलरही ॥ आपण
आपोशजे ॥ ल० ॥३४॥ उपद्रवअतिआकरा ॥ करी
करावीअेह ॥ दिलासादेईनेकरी ॥ तेहीमेलुदीयोछे-
ह ॥ ल० ॥३५॥ जवआवीमंदोदरी ॥ तवकीधीअति
भांड ॥ भोलावीदूतिकही ॥ महोडेपाडीभांड ॥ ल० ॥
३६॥ रावणसायलडीघणुं ॥ काणीसकलहियोर ॥ द्रि-
ढ़ढ़िढकहीभोलावियो ॥ अेकहिरीसिजेर ॥ ल० ॥३७॥
पून्यप्रसादतुमारडे ॥ करीनकोईपरवाह ॥ कुणावडि
नेकोहुवे ॥ तोभयघरेअगाह ॥ ल० ॥३८॥ सुंसकइअे
हनीवती ॥ न्हेभापोतुमदईश ॥ सतियांमांहेशिरोम-
णी ॥ सीताविश्वावीश ॥ ल० ॥३९॥ लक्ष्मणजभापी

रह्यो ॥ लाषीरह्योलंकेश ॥ रामनमानीएकहि ॥ दीन
नुननेआदेश ॥ ल० ॥ ७० ॥ सीतायीविरमेनहीं ॥ कोडि
प्रकरेराम ॥ वातकहेतांविरच्यियो ॥ नजसांभल्योकु-
नाम ॥ ल० ॥ ७१ ॥ सासुसुसरासहु हिरख्या ॥ मातपिता
नेभ्रात ॥ एहकुनामथकीहिरी ॥ हनुमंतकेरीमात ॥ ल०
॥ ७२ ॥ एहजायनमीहालमें ॥ नहीलिमकीधांकर्म ॥
केशातिमलोगवे ॥ एजिननमतनोमर्म ॥ ल० ॥ ७३ ॥

॥ वयराडीरणेदोहा ॥

कृतांतमुखसेनापति ॥ साथेकहेश्रीराम ॥ सीताकाढो
घरथकी ॥ वेगेकरोएकाम ॥ १ ॥ अटवीमांहेमेलजो ॥
तिहांनकेहनीआश ॥ आपणाहिमरिलथशे ॥ पामी-
नेअतित्रास ॥ २ ॥ पगेलागीनेशेवती ॥ करतीअधिक
विषास ॥ लक्ष्मणभाषेरामशुं ॥ स्वामीसुणोअरदासं
॥ ३ ॥ घरथाहिरकिमकाढिये ॥ सीतासरखीनार ॥ गर्भ
वतीसुविशेषथी ॥ हेमोवातविच्यार ॥ त्रामतिजोसोमुज
आगले ॥ जोल्यामांनहीसार ॥ कालकूपप्रभुहोईरह्यो
॥ आहिअहिकर्मविकार ॥ ४ ॥ रोवंतोघरआवियो ॥ को-
ईनचालेसान ॥ वातविच्यारपडीघणी ॥ माईजापस-
मान ॥ ६ ॥ णिरसमेतनीमतनो ॥ दोहलोकरोप्रमाण
॥ आज्ञाप्रभुनीछेकहे ॥ सेनापतिरेसुजाण ॥ ७ ॥ ल-
न्दपणेसोलामिनी ॥ ऊहीयासीपम ॥ शुकनवर्जना
[illegible] पवनगतियेरथ

दियो ॥ सारथिये रथसार ॥ ॥ गंगासागरउ-
तरी ॥ पहुतो पेले पार ॥ ९ ॥ सिंहनिनाद अरण्यथी ॥ आ-
गेनचलेसोई ॥ आंजे आंसु नाखतो ॥ सीता सामो जोई ॥
१० ॥ कहोने जयें कांई हि ॥ आवे हीयो भराय ॥ फिटजन्म
सेवकतणो ॥ कामदीया नटलाय ॥ ११ ॥ लेई गयो लंकाध-
णी ॥ चित्तमें आणी चाव ॥ लोकाने मुज आकरो ॥ नि-
सुणी एह कहाव ॥ १२ ॥ राखत जो छे रामजी ॥ मेलाया
हिरान ॥ लक्ष्मण केरी वीनति ॥ राम सुणी नहीं कान ॥
१३ ॥ एवचन आपदशुं भर्युं ॥ नेहवुं नमनुं गेह ॥ सुन
मुकी किम जवसे ॥ प्रथम परिपण एह ॥ १४ ॥ एम सु-
णी मूर्छा लही ॥ रथथी ताम पडंत ॥ जाणे मुई सेना-
पति ॥ आपण आधि करंत ॥ १५ ॥ चेतलहे वनवाय-
रे ॥ फरि फरि मूर्छंत ॥ सुसती होई ने सती ॥ तससा-
थे पूछंत ॥ १६ ॥ दूरे केटले सा पुरी ॥ किहां अछे प्रभु
आप ॥ नगडुं लेखे कोय हीं ॥ करे देई मुज संताप ॥ १७ ॥
ताम कहे सेनापती ॥ रहे वाघो जे काम ॥ वतलाया जाये
नहीं ॥ एही अवसर श्रीराम ॥ १८ ॥ सा सेनापतिशुं
कहे ॥ मुजलाभ्यो एम ॥ तुं कहेने श्रीरामने ॥ नक-
हेतो मुजनेम ॥ १९ ॥

ढाल त्रेपनमी ॥

(विलवे राणी रुकमणी, एदेशी)

सीताजी चेउ संभलडो ॥ सुण सुसनेही राम ॥ तुम थी ग-

भक्तिमजुक्तयुं ॥ तुमेआश ॥ विश्राम ॥ सी० ॥ १ ॥ क्षेत्र
बांधीलडतीनहीं ॥ नाकरतीतुमत्रास ॥ शुध्यकरीमुन
कदतां ॥ कीधोकरेविसास ॥ सी० ॥ २ ॥ घरणेपणनवी
जेसती ॥ नाकरतीउपवास ॥ लोकांनेनवीमेलती ॥ कीन
घोकरेविसास ॥ ३ ॥ कुवेपणपडतीनहीं ॥ नालेतीगले
पाश ॥ पेटेछूरीनवीमारती ॥ की० सी० ॥ ४ ॥ कंतलणी
नवीक्रोधथी ॥ नवीखातीविषग्रास ॥ आपेनहेतीस्वा-
मीने ॥ की० सी० ॥ ५ ॥ होईनेअतिआकती ॥ मेलीला-
कडपास ॥ जुहरपणकरतीनहीं ॥ की० सी० ॥ ६ ॥ पर्वत-
थीपडतीनहीं ॥ भरतीरोकीनसास ॥ छेहडोपकडीनवी
लगडती ॥ की० सी० ॥ ७ ॥ जणातियीसुतजन्मशे ॥
पहेल्यशेसजआश ॥ सालनभलशेआंगणे ॥ की०
सी० ॥ ८ ॥ सहीसुयाशिणीआवशे ॥ पहेरावशुंवस्त्रना-
स ॥ देशेअमृतआसीसका ॥ की० सी० ॥ ९ ॥ गुरुगोत्र-
जमनावशुं ॥ आणीनेउल्लास ॥ विधिसघली करशुंस-
ही ॥ की० सी० ॥ १० ॥ नानाशुंनेकीपेरे ॥ करशुंरंगवि-
लास ॥ जेकनआवीपाघरी ॥ की० सी० ॥ ११ ॥ हुंजण-
तिथीभाहरो ॥ पूरोपुण्यप्रकाश ॥ धणीजसोदेवरज-
लो ॥ की० सी० ॥ १२ ॥ अवरांनेअंधारडो ॥ माहरेछे
रेउजास ॥ देवनशकथेओसांजही ॥ की० सी० ॥ १३ ॥
ऊंथीनीथीहोवतां ॥ लांजालेईनीसास ॥ दुःखआणी
अतीरोवती ॥ की० सी० ॥ १४ ॥ किहांसीताकुसुमा-
लिका ॥ किहांवनलोवास ॥ अेतीकरीनविचारणा ॥

डी०॥सी०॥१५॥ गुप्तपणे घरली तरे ॥ कंनकस्यो
शिरनाश ॥ त्यांडकरीसहुलोकमें ॥ डी०॥सी०॥१६॥
देव्यायेअतिव्यगव्यगो ॥ रंगकुसुंजपतंग ॥ घीतरियोही
देव्यियो ॥ रामतणोतिमरंग ॥सी०॥१७॥ नगरकंडे-
रायाहला ॥ उघांडेरोनेह ॥ प्रहरघडीदिनव्यांतरे ॥रीन
तोदेखोतेह ॥सी०॥१८॥ पेलाप्रहरनीछांहडी ॥ घरत्ति
व्ययेनेम ॥ रामचंन्दनीप्रीतडी ॥ मुनसुंहोयछेम ॥सी०
॥१९॥ जिंदुतणोकरे साथरु ॥ उत्तममाणसनेह ॥सा-
यरनोतोजिंदुव्यो ॥ रामेकियोरेव्येह ॥सी०॥२०॥ को-
ईकगुणतोचित्तधरी ॥ लेतोमुननेराज ॥ राक्षसराक्ष-
सणीकन्हे ॥ पूछीसेतोसाज ॥सी०॥२१॥ लंपटनेलर
लालची ॥ तेहतणीसुणीवात ॥ मनचोरव्योतुमसुनभ-
णी ॥ होलक्ष्मणलघुभ्रात ॥सी०॥२२॥ व्यापणपेअं-
गीकरु ॥ केमकरीनेदूर ॥ शंकरज्युंविषआदर्यो ॥रा-
ज्यारहेहजूर ॥सी०॥२३॥ वडवानलसायरतणुं ॥जा-
लेनलनीतणीठी ॥ सायरणोल्हावेनही ॥ राजीरह्योतन
सपूठी ॥सी०॥२४॥ व्येप्रभुनेसंदेहथो ॥ कंरेनलीधो
साथ ॥ साथेवडोससारमें ॥ साथतणीवडवाथ ॥सी०
॥२५॥ भोगवीसुकृतआपणुं ॥ वनहिंमांहेवसंत ॥
प्रभुव्येकारनकिमकरे ॥ नेहथीलोकहसंत ॥सी०॥२६
॥ रावनरच्याहितलखा ॥ विशव्यानहीजात ॥ रामन
हुव्योमाहरो ॥ व्यवरानेशीलाज ॥सी०॥२७॥ हुंसन
राजीमाननी ॥ व्यपमानेनहीपार ॥ दोईपक्षपूरोयसो

॥होमहुताशनरताः॥सी०॥२८॥ जीरनीरनोंनेहलो
॥यंन्दसमुन्दप्यार॥आपानेजेउपमा॥कीजोकिसो
किरतार॥सी०॥२९॥पंचेहिंआश्रवसेवियां॥सेव्यां
पापअढार॥शरणांच्यारेनवीकरयां॥धर्महियारअकुल
रा॥सी०॥३०॥त्रिकरणशुध्धनराजिव्यां॥मदआठमें
कीधा॥ईन्द्रीयपांचेपोषिया॥वसवर्त्तावीनलीधा॥सी०
॥३१॥विकथाच्यारेसमाचरी॥सेव्यांकुव्यसनसात॥
कीधाच्यारकषायजी॥पांचपदेमिथ्यात॥सी०॥३२॥ते
फलएहुंभोगवुं॥दोषनप्रभुलवलेश॥कर्मसव्योफल
पामिये॥एजिननोउपदेश॥सी०॥३३॥रवीउग्यो
देजेसहु॥धुवडनेअंधार॥घनवरसेतवासीओ॥सू-
क्योजवासभार॥सी०॥३४॥मासवसंतेकैरवे॥पान
तणुंनहींपोष॥सूरनमेहवसंतनो॥कोईनदीसेदोष॥
सी०॥३५॥रामचंन्द्रनाराजमां॥सुखियासघलालोग
॥हुंवनमांहेरडवडुं॥एकृतकर्मायोग॥सी०॥३६॥जन
लजंयनेहुंपरहरी॥कोनवियारीमर्म॥मिथ्यातिउपदे
शथी॥मतीरेतजेजिनधर्म॥सी०॥३७॥एमकही
मूरछापडी॥करीसीतलउपचार॥करीसचेतनसुंदरी
॥वच्चनवदेसुविच्यार॥सी०॥३८॥रामविनाहुंदुःखलन
हुं॥तिमहींमुनविणस्वाम॥लेशोआसतिआकरी॥लि
विधपरेदुःखपाम॥सी०॥३९॥हुंतोहुईनाहुई॥भु-
नतसीजहुलीहास॥यतनकरीनेआपणुं॥प्रभुए
मुनअरदास॥सी०॥४०॥नेहनाघरमेंनेवडो॥सीते

तेमतिपाल ॥ नालिविनाआशकरी ॥ वाहननशकेचाल
ला॥सी०॥८१॥ सूर्यवंसेदीवडो ॥ तुंराशिहरतुताणा॥
तूंसुरतरु तूंजलहरु ॥ महिमामेरुसमान ॥ सी०॥ ८२॥
तुंप्रभुसायरसारिखो ॥ गुणेभरीओभरपूर॥ घणी
पणेमेंपामियो ॥ पूरवपुण्यअंकुर ॥ सी०॥ ८३॥ कायम
रहेतुनसाहेबजी ॥ कायमतुंराजन ॥ सयलकुटुंबासुं
होजो ॥ प्रभुतुमनेकल्याण ॥ सी०॥ ८४॥ सतलाव
भुवनभुवनतणा ॥ स्वामी नेजेबोल ॥ बोलसहुरेसो-
हामणा ॥ वाछाअनेरेअमोल ॥ सी०॥ ८५॥ लक्ष्म
णशुंएमाहरी ॥ केनेतुंआशीश ॥ सेवाकरजेप्रभुत-
णी॥ प्रभुथारेजगदीश ॥ सी०॥ ८६॥ पंथेशिवहो-
जोतुने ॥ रेवतसविन्यावीश ॥ विदायकियोसेनापती॥
अर्घभस्योनिजईश ॥ सी०॥ ८७॥ त्रेपनमीजेढालमां
॥ सीताशुंप्रभुजेप ॥ केशराजसोनेवधे ॥ ताज्याथी
अतिओप ॥ सी०॥ ८८॥

॥ जयंतश्रीरागेदोहा ॥

सत्यवतीसाचीसती ॥ फिरेघणुंवनमांहे ॥ युथभृष्ट
जेमहरणली ॥ आपेनिंदेमांहे ॥ १ ॥ अहोअहोकर्मगति
वांकडी ॥ नहींछेकेहनेमान ॥ तीर्थंकरचक्रीसहु ॥ नडी
यांजेहीभणा ॥ २ ॥ रंककरीशभकरे ॥ राजछेपणरंक
. કરેસ, નવીનેદીયા ॥ જયેવિધિનાઅંક ॥ ૩ અ
ચડ્યા દયડ ઘણો ॥ ચડિયાનેભાલંત ॥ માયેએ.

पूछुंहुंतुमपास ॥ अधिकहुंअर्थिहोई ॥ तुमपीडायेपी-
ड्यो ॥ दयावसीदिलमांहे ॥ वीतकवितुं ने अछेहो ॥तेति-
मभाषेआंहे ॥ सु० ॥३॥ सुमतिनामप्रधान ॥ तामत-
सपासेआवी ॥ कोमलवाणीभिकारी ॥ वातसकहेसुण-
वी ॥ पुंडरीकपुरनोधणी ॥गजवाहननोपुत ॥ जेथुदेवी
अर्पीयोहो ॥राजणपरघरसुत ॥सु०॥४॥ वनुजंघळ
राय ॥ पशमजेन्भावकअहियो ॥देवगुरुधर्मतत्त्वतणोय
लिणेनिश्चयलाहियो ॥सहोदरपरनारीनो ॥ निरुदयहंत
अपार ॥ परदु:खजाणछेघणोहो ॥ जगमांहेजरसा-
र ॥ सु० ॥५॥ हाथीलेवाकाज ॥ आनेहीअटवीआयो ॥
हाथीयदियाहाथ ॥ तामगनघरहियलायो ॥शेतसुणीने
ताहरुं ॥ आव्योईहांनरेश ॥ लाईभणीजजतांपिओ
हो ॥वातविशेषअशेष ॥सु० ॥६॥ एमसुणतांस्त्रीय
॥रायपरतीतसुंराजि ॥पुरथीछेहलगेमांडी ॥ वातते
सघलीभाषि ॥ रोवंतीराजीवही ॥मंत्रीनेनृपाल ॥
पीसीमाटीपाणियेहो ॥ गिवालिहुवेततकाल ॥सु०॥७
निष्कपटीअतीप्रगटपणे ॥ भाषेतवतेनूप ॥ आलथ-
कीतुंमेहनी ॥ जंथुअछुंअनूप ॥ जेकधर्मनेहीकरे ॥तेन-
हीसगोसंसार ॥ सगपणतोछेकारमोहो ॥स्वामीतळ
क्युंनार ॥ सु० ॥८॥ भामंडलनेवोभणी ॥ राजसुतध-
रेपधारो ॥ होईजिनमतधार ॥ कडूंहुंसरुजनभारो ॥
अवधारोअरदास ॥ एशोध्यतणुंनहींकाम ॥ वारंवार
विशेषथीहो ॥ रायतणेअभिराम ॥ सु० ॥९॥ पीछ-

रियेघसीन्मयछे॥सासरेन्नेदुःखपावे॥अेहवातसम-
रथ॥त्रीयानेकांईनआवे॥सूधीवाटेयालतां॥न्नेकांथ
त्यानंत॥तोहीदुरामललोगमेंहो॥नारीनवीलानंत॥
सु०॥१०॥लोकवयनथीराम॥कामअेकियोहेन्नोहो॥उ-
तरियायीरोस॥तुमेसरिजोपेजो॥गवेषणकरसेघणी
॥सुजनहींलहेलिगार॥यक्रवाकतिमअेकलोहो॥आ-
णेआरतीअपार॥सु०॥११॥राणिकथेजेसाडी॥ताम
सीताघरआणी॥आवीरयवियोगेहो॥तिहांरहेराघव
राणी॥धर्मध्यानेयित्तवासियो॥आरतिपरहिरली॥
सुजरातामानेघणीहो॥पाछोहीमनवाली॥सु०॥१२॥
अजसेनापतीआवी॥रामनेयरणेलागी॥वातविशे-
षवियार॥कहेछेतेअनुरागी॥सिंहनिनादअरणयमें॥
प्रभुमेंमूकीदेवी॥वातसुणीरयीपडी॥मुर्छाणीतत-
खेवी॥सु०॥१३॥वनवायेलेहीयेतनअने॥फिरफिरमू-
र्छाआवे॥शुद्धनरहीलिगारताम॥गाढोदुःखपावे
॥धीरजअतिआलंबीने॥माताजीकहीअेह॥संभलस
वीपणस्वामीनेहो॥वातभलीछेतेह॥सु०॥१४॥उि-
संलोतोलेणीअे॥सुणावीलीधोपहेलां॥विगतविग-
तशुंवात॥जनावीभाषीवेहेलां॥तिमतिमतिसुणेरा-
म॥सीतामुजनांवयण॥उपजतोत्नथेघणोहो॥तिन-
मतिमयित्तमेंव्ययन॥सु०॥१५॥सहारामनुंतुमकाम
॥कीयोसघलोहिविमासी॥कदाहिनकीधोकाम॥तेह-
यीहोवेहांसी॥त्नाण्यलेण्यतोभाहरे॥अेअतीउि-

पल्योरोप ॥ सोनेनलागेश्यामताहो ॥ स्वामीसद्दानि-
र्दोष ॥ सु० ॥ १६ ॥ लोगांनीसुणीवात ॥ नाथजीतुमहुं
छोडी ॥ बालपणाकीप्रीति ॥ तृणसमताणीत्रोडी ॥
मिथ्यादृष्टीनीसुणी ॥ वातघणीविपरीत ॥ छोडेमति
जिनधर्मनेहो ॥ राजोओकुलरीत ॥ सु० ॥ १७ ॥ अेमसु-
णीमूर्छापड्यो ॥ रघुनाथतेवार ॥ लक्ष्मणकरीउपचा-
रघणा ॥ मूर्छाहिनिवार ॥ जिमगईजिलोडियो ॥ वेहन
तोअसमान ॥ किहांगईसीतासतीहो ॥ प्यारीप्राणस-
मान ॥ सु० ॥ १८ ॥ लोकवचनविषआप ॥ हुवोथोनृपने
भारी ॥ सीतावचनगारुडमंत्रे ॥ लीधोजितारी ॥ घर
आव्योनृपआपणे ॥ तामकरेसंभाल ॥ माहियलमेंम-
होटीसतीहो ॥ वाहिहिदियेननआल ॥ सु० ॥ १९ ॥ लो-
कओकनगमांहे ॥ अेतोन्यायकहाणा ॥ परघरभंजन
लोक ॥ अेआननणाणा ॥ कुडीदेभीताशके ॥ भुंडेरा-
येलोर ॥ भोरालोयाहोअहुहो ॥ कीधोजमकठोर ॥ सु-
॥ २० ॥ अेहरीविकथावात ॥ पुरुषपुरदेजणजांधी ॥
मुगीकहेणकुजोल ॥ कहेपणनलियेसांधी ॥ परघरकि-
रवापंगुली ॥ लुलीपरचनलेश ॥ अेहगुणानीधारणी
हो ॥ कहेणिकहीकहोकेम ॥ सु० ॥ २१ ॥ भतोहेणमंत्री-
शकुं ॥ कामसमारणहसी ॥ प्रीतिचंतिप्रीयसाथ ॥ म-
हासुखभोगविलासी ॥ पुण्यवंतिप्रगटीजेरी ॥ दक्षभावं-
तिसंसार ॥ होईनहींहोशेनहींहो ॥ सीतासरखीनार ॥
सु० ॥ २२ ॥ चन्द्रकमलशुकभृंग ॥ नागणीअजगरसी-

शीहर ॥ विद्रुमपंकजनालीकलस ॥ नजकेसरीकर ॥
कुरमंत्रजकनेडले ॥ कोयलखनेमशाल ॥ उरसर्वअने-
तिउपमाहो ॥ सीतानेसुविशाल ॥ सु० ॥ २३ ॥ देवी
कहीते दूरि ॥ इंद्रनीतारिअलगी ॥ अमरीनईंआ-
सनी ॥ आपणेकामेवलगी ॥ देवीशचीअमरीथकी
॥ सीताकूपरसाल ॥ देवे दीर्घथींजरीहो ॥ मेंनरजाणी
जाल ॥ सु० ॥ २४ ॥ लक्ष्मणभाषेताम ॥ रामजुअब
अवधारो ॥ माणसनोअछेसहज ॥ वात्ताजिगकयाहि
विचारो ॥ सरेनहजुहिवाहरो ॥ तेकूसविथेकथ ॥ ने-
हलमानीवीनतीहो ॥ कांठहोवेपरसाय ॥ सु० ॥ २५ ॥
गर्ठतिकाचोजय ॥ सामीअजहिसांभलो ॥ पछेवर-
स्यामेह ॥ कहियेसुधरेवरसालो ॥ स्वभलविस्वामीनी
॥ जुवंतीअणतांहि ॥ होशेसहीछभजाणजेहो ॥ पाछे
कीआशे ॥ सु० ॥ २६ ॥ जवोस्वामीतुमआप ॥ करीने
घणाविलास ॥ सीताआणोगेह ॥ हमारीसुणीअरदा
स ॥ अवसरगयाआवेनहीं ॥ अवसरनोनहींकाल ॥ त्रि-
याहितेलोदोडियेहो ॥ नहींअवातांजाल ॥ सु० ॥ २७ ॥
जयशीनेविमलेस्वामी ॥ यमुपत्तीसाथेलीधो ॥ जेयन
रनेपरिवारस्याल्यो ॥ आलसनवीकीधो ॥ सिंहनिना-
दअरण्यमें ॥ आयगयातत्काल ॥ आतुरतामलयात-
णीहो ॥ जेजेलगनीढाल ॥ सु० ॥ २८ ॥ ऊलाआवी
तिहांरे ॥ तिहांमुकीथीसीता ॥ नयणेनावीनारी ॥ हन-
मंतेदीठरीता ॥ थलजलतरुगिरिशोधिआ ॥ शुध्य

नलागीकोई ॥ करपटकीनेजोलियोहो ॥ पांच्यासुंप्र-
भुसोई ॥ सु० ॥ २९ ॥ कयरेविकूरीवाघ ॥ वेगकरीसिंहे
खाधी ॥ कयरेगलीअजगरे ॥ मूर्छामारेलाधी ॥ केई
गयोपरद्वीपमे ॥ आपाछलगीवात ॥ आंसुदालीजा
हुओहो ॥ राघवजीविललात ॥ सु० ॥ ३० ॥ फरीआव्यो
पुरमांहि ॥ स्वामीअतीकरतोसोगो ॥ नाहाईघरघाल्युं
हो ॥ अहोपुरवासीलोगो ॥ किस्युंकईतुमसाथजी ॥ रीन
सघणीआवंत ॥ अजहोईकांईनगमुहो ॥ गईतोनवी
पावंत ॥ सु० ॥ ३१ ॥ प्रेतकामश्रीरामताम ॥ सीतानांक-
रावे ॥ शून्यरूपसहुदेखिहो ॥ हीयोफाटिआयभरावे
॥ हीयेतोदृष्टेहिंतो ॥ आगेऊभीआय ॥ वयनेप-
णश्रीरामनेहो ॥ सीतारहीरेसुहाथ ॥ सु० ॥ ३२ ॥ ए
योपनमीढाल ॥ रामजीरहेउदासी ॥ शोक्योनुंनस-
खुकाम ॥ फेरकरवेमांडीफांसी ॥ केशरानसीतातणुं ॥
नराक्रउसौभाग ॥ सीताहितलीयापमरोइ ॥ नहीं
अवरांसुंलाग ॥ सु० ॥ ३३ ॥

॥ आसावरीरागे दोहा ॥

हाथीतोजगमेंघणा ॥ पणऐरावतएक ॥ ऊच्यैश्र-
वपणएकछे ॥ अश्वअछेरेअनेक ॥ १ ॥ गंगोदकप-
णएकछे ॥ पाणीनोनहीपार ॥ क्षीरोदधीपणएकछे
अंबुधीअवरअपार ॥ २ ॥ परमेष्टीपणएकछे ॥ मंत्र
घणागुणवंत ॥ सुदर्शनपणएकछे ॥ अवरगिरिन-

हींअंत ॥३॥ दातासुरतरुअेकछे ॥ अवरघणादेदान
॥ दशांगणभद्रपणअेकछे ॥ घणाकरेअभिमान ॥४॥
शालीभद्रपणअेकछे ॥ घणाभोगवेभोग ॥ थूलीभ-
द्रपणअेकछे ॥ घणाग्रहेजगयोग ॥५॥ तिमसीतापण
अेकछे ॥ नारीनामधेलाज ॥ आंबलिये पहुंचेनहीं ॥ आं-
बलीअलिसाथ ॥६॥ मासदीवसपुराहूआ ॥ शुभवेल-
लाशुभवार ॥ सीतायेसुतजन्मिया ॥ युगलपणेसुखकार
॥७॥

॥ ढाल पंचावनमी ॥

(जाजुगोरडीयागुणगारी, अेदेशी छे.)

सीतास्वामीनीसुतजन्या ॥ तेतोयुगलपणेसुखदाया ॥
तजआनंदअधिकपाया ॥ तवगोरडीयागुणगाया ॥ त-
जशुहिजनीसाणघुडाया ॥ सी० ॥१॥ ओछवअधिक
मंडाया ॥ जंघीवानछुडाया ॥ सुतजन्यानिमडीलिया ॥
सूहिंरायकराया ॥ सी० ॥२॥ बारसमोदिनआया ॥ नं-
दननामधराया ॥ अनंगलवणसुहामणो ॥ मदनांकुश
कहवाया ॥ सी० ॥३॥ पंचधावकरीपालिया ॥ भाम-
नियांमनलाया ॥ हाथोहाथसंचारवे ॥ अमरग्यरीने
आया ॥ सी० ॥४॥ चंदकलानिमवाधेहि ॥ बालपणे
बालाया ॥ सूरशिरत्नतणीपरे ॥ शब्दकरीअया ॥ सी०
॥५॥ सासुजपगेलागतां ॥ दीधीथीआशीसो ॥ हम
सरखासुतजनमजे ॥ कीधीसकलजगीसो ॥ सी०॥

॥केसल्याअेकभर्ईयो ॥सीताहोर्ईविहिता॥केश-
ल्यायींतो वणी ॥ अधिकाणीअेसीता ॥ ७॥ सिध्यपु-
त्रछेअणुव्रती ॥ सिध्यारथअभिधानो ॥ विद्याजल
लब्धि करी ॥ सजविधिअणसुआणो॥ सी० ॥ ८ ॥
विहरआदिजेत्रविषे ॥स्वेच्छाविहारे॥ गगनगती
सीताघरे ॥ भिक्षानेपधारे ॥सी० ॥ ९॥ वाउलोअन
पानशुं ॥ दीधोतसुआहारो ॥ सुजपूछेसीताघणुंप
उत्तरदियेतेसारो ॥सी०॥ १०॥ देवसुगुरुप्रसादथी ॥
महुरेवीतेहिजेमो ॥दर्शनकंइजिनसाधुना ॥शुध्यच-
इंव्रतनेमो ॥सी० ॥ ११ ॥ सोपूछेसीतातणी ॥कुणअ-
वस्याथारी ॥ चरित्रसुणावीआपणां ॥ धुरथीछेह ल-
गेभारी ॥ सी० ॥ १२ ॥ छातीभरीआवीघणी ॥ भाई
भाणीतासो ॥ सोवानांशालकरे ॥ अतितोपरघरवासो
॥सी०॥१३॥ कहेअष्टांगनिमित्तियो ॥ करुणानीमति
आणी ॥ सुतलवणांकुशसारिखा ॥ शीतुअआरतीरा-
णी ॥सी०॥१४॥ शुभलक्षणकरीशोभता ॥ नेमल-
क्ष्मणरामो ॥ लवणांकुशछेतेहवा ॥ शाआरतीनांठा-
मो ॥सी०॥१५॥ देईजातिआसासना ॥ सीतासुस-
तीकीय ॥ आशवडीसंसारमां ॥ आशायेलंकालीध ॥
सी०॥१६॥ प्रार्थनाकीधी घणी ॥ पुत्रपढावोभाई ॥
लीधीमानीसिध्यारथे ॥ हर्षिसीतामाई ॥सी०॥१७॥
भव्यलवलणथीजेरा ॥ पात्रशिरोमणीपात्रो ॥ जती
तोकोईनाशीके ॥ होईमाणसमात्रो ॥सी०॥१८॥ विद्या

विविधप्रकारनी ॥ बहुतेरे विज्ञानो ॥ सिध्धकीयासि-
ध्धारथे ॥ महोदय पुरुषे प्रधानो ॥ सी० ॥ १९ ॥ वज्रजंघ-
नी पुत्रिका ॥ शशीचूला तस नामो ॥ ईदर लक्ष्मी रेवती
तणे ॥ उपल छे अतिशिरामो ॥ सी० ॥ २० ॥ कन्या वर अत्री
शसुं ॥ वज्रजंघ जु तामो ॥ अनंग लवण परणावियो ॥
कीधो उत्तम कामो ॥ सी० ॥ २१ ॥ पृथवीपुर पती परगडो
॥ पृथु नामा भूपालो ॥ पटराणी अमृतवती ॥ कन्या कंच-
नमालो ॥ सी० ॥ २२ ॥ मदनांकुशने मांगता ॥ ना पे तेश-
मनो ॥ वंश अमणे अंशुं हुवे ॥ कन्या केरो दानो ॥ सी० ॥ २३
॥ क्षेम सुणी चढि आवियो ॥ वज्रजंघ शर साधी ॥ व्याघ्र
रथ पृथु सहाय ज्जाउती आण्यो बांधी ॥ सी० ॥ २४ ॥ पृ-
थु भूपती अति तेडिओ ॥ पोतनपुर पति धाई ॥ चारन लागी
आवियो ॥ इष्ट मित्र सहाई ॥ सी० ॥ २५ ॥ वज्रजंघ सुत
तेडिया ॥ चाले अति मंडाणे ॥ लवणांकुश तो चालिया
॥ वर्ज्या पिण न वी माने ॥ सी० ॥ २६ ॥ दोई पखे भट सा-
मटा ॥ मांड्यो अती संग्रामो ॥ पृथु बल आगे भाज-
या ॥ वज्रजंघ भट अमो ॥ सी० ॥ २७ ॥ मातुल शेना
भाजती ॥ लवणांकुश देखंता ॥ करी उठावणी आ-
करी ॥ चाल्या पृथु पेखंता ॥ सी० ॥ २८ ॥ लवणांकुश
हसी बोलिया ॥ अजाणनो एथो वंशो ॥ तसु आगे क्युं
भाजता ॥ पामे वंश प्रशंसो ॥ सी० ॥ २९ ॥ पृथु भाखे
कुमर सुणो ॥ वंश न जाणो आज्नो ॥ विक्रम वंश न सक्री
राके ॥ अष्टापद घनगाज्ने ॥ सी० ॥ ३० ॥ वज्रजंघ शुं

पृथुकहे ॥ अंकुशनेमेंदीधी ॥ कनकमालिकबालिका
॥ परणावोपरसिध्धि ॥ सी० ॥३१॥ रंगहूओदोर्ईनृ-
पमें ॥ कीधोकरकुपकावो ॥ अरलेप्यालीआवियो ॥ ना-
रदऋषपीरायो ॥ सी० ॥३२॥ रंगरलीदोर्ईदला ॥ दे-
खीपूछेसाधो ॥ दीसोछोरससंगमें ॥ कहोकिस्योतुम
लाधो ॥ सी० ॥३३॥ कन्यापृथुराजातणी ॥ अंकुशरुं
परणेतो ॥ कीनेछेतेजाणवो ॥ हर्षतणोशंकेतो ॥ सी०
॥३४॥ सजलानोतेजेहशे ॥ तेरेगुदीनोपावो ॥ वंशक-
होअंकुअश ॥ निभवधेचित्तत्यावो ॥ सी० ॥३५॥ नारद
दलाषेनयणछे ॥ तेतोदेजेनानो ॥ अेअंधानेपूछ-
वो ॥ किस्योअछेरविछानो ॥ सी० ॥३६॥ आदिहूआ
आदिसरू ॥ आदिनाथजगदीशो ॥ भरतहूओसुतते-
हनो ॥ तेपणधुरेचक्रीशो ॥ सी० ॥३७॥ पुरुषपनोता
होवता ॥ ईणहिवंशविख्यातो ॥ पुरीअयोध्याप्रग-
टिया ॥ रामसुलक्ष्मणभ्रातो ॥ सी० ॥३८॥ गर्भवि-
षेजअे हुतणासोकुवचनतेत्रासो ॥ पामीरामदिवाजि-
यो ॥ सीतानेवनवासो ॥ सी० ॥३९॥ रामचंद्रनानंद-
दछे ॥ सीताउदरउपना ॥ वंशईख्वागकेवंशना ॥ म-
होटापुरुपरतन्ना ॥ सी० ॥४०॥ अंकुशकहेऋषपीश-
यजी ॥ भलोनकीधोअहो ॥ कारणअतीअजलालभ-
णी ॥ क्युंदेवाअेछेको ॥ सी० ॥४१॥ लवणकहेऋषपी
सापुरी ॥ कहोछेकेतिकदूर ॥ साठअनेसतजोजन ॥
दीसेअहहजूर ॥ सी० ॥४२॥ वजुजंघकहेकुंअरा ॥

अजेयालोनिनयानो ॥ लक्ष्मणरामदेवराडेशुं ॥ सू
रपणेमनमानो ॥ सी० ॥ ४३ ॥ मानीवातविशेषथी ॥
वजुजंघनीलाधी ॥ कनकमालापरणाविया ॥ अंकुश
रवीशशीसाधी ॥ सी० ॥ ४४ ॥ पंच्यावनमीढालमें ॥
सूरतणोतोसूरो ॥ केशराजजीतोहूवे ॥ जेपूरवपुन्
ण्यअंकुरो ॥ सी० ॥ ४५ ॥

॥ सोरठीरागे दोहा ॥

वजुजंघपृथुरायजी ॥ लवणांकुशनीलार ॥ च्याल्या
दलबलसामटे ॥ साधनदेशअपार ॥ १ ॥ पहेलीतो
लोकाक्षपुरी ॥ लवणांकुशआवंत ॥ कुबेरकंतनरायन
जी ॥ जीतीवशपावंत ॥ अेककर्णलंपाकपती ॥ जीती
लीधोतेह ॥ भ्रातृशतविजयस्थली ॥ आणमनाव्या
अेह ॥ ३ ॥ उतरियागंगानदी ॥ जिहांछेगिरिकैलास
॥ तिहांथीउत्तरनेदिशे ॥ आव्याधरीउल्हास ॥ नं
दनंग्याकूदेशजहु ॥ जीतीलीधास्वामी ॥ सिंहलनजकुं
तलशुं ॥ अेजत्यावशपामी ॥ ५ ॥ भूतरवादिकाला
भुका ॥ नंदीसुनंदनदेश ॥ भीमसूलशलमानस ॥
साधीलियासुविशेश ॥ ६ ॥ साधीलियासुजमेंसहु ॥
सींधूनापरकूल ॥ अनारजनेआरज ॥ जीपोसघलो
सूल ॥ ७ ॥ देशजहुसाधीचल्या ॥ साथेघणाभूपाल
॥ पुंडरिकपुरीआविया ॥ लवणांकुशसुविशाल ॥ ८ ॥
वजुजंघधन्यरायजी ॥ नेहनाअेहभाणेज ॥ ईमसुणन

ताघरआविया ॥ मायमिलणनुंहेज ॥ ८ ॥ लवणांकुश
जहुरायशुं ॥ प्रणमेमातापाय ॥ मातादेआशीसडी ॥
वधजेअधिकेआया ॥ ९ ॥ नंदननेनीकीपरे ॥ करजेतुं
किरतार ॥ रामसुलक्ष्मणसारिखा ॥ भूमितणाभरतार
॥ १० ॥ वनजंघकहेकुंअरो ॥ अेकेअवसरसार ॥ पूरी
अयोध्याजयको ॥ कीलेतातजुहार ॥ ११ ॥ लंपाकअलो-
भुलंक ॥ ओरसुकुंतलच्यूल ॥ सरलानलआदेघणा
॥ साथेहुआअनुकूल ॥ १२ ॥ प्रयाणनीलंलालली ॥
देवाडेअलिराम ॥ साहणवाहणसामटे ॥ कुंअरचा-
ल्याताम ॥ १३ ॥

॥ ढाल छपन्नमी ॥

(कडखानी देशी)

आवेरेभाईलवणांकुशसज ॥ साजेतातमते ॥ आ-
पदेआवणकरीविधिसाज ॥ चाल्याकरीकरीअधिक
दिवाज ॥ आ० ॥ १ ॥ रोवंतीमाताजओले ॥ किस्युं
करोतुमअेहो ॥ युध्धतणीविधसज्जचाल्या ॥ मुजमन
नअेहसंदेहो ॥ आ० ॥ २ ॥ पितृपितृव्यछेतुमदुर्ज-
य ॥ पहुचीशकेनहींदेवा ॥ तीनलोकनोकंटकरावण
॥ मारीलियोततखेवा ॥ आ० ॥ ३ ॥ हुंठतिकेनहीं
चायेहाले ॥ मेरुनवायेकंपे ॥ महोटाशुंलडवुंनविगो-
चा ॥ पुत्रोशुंमालंपे ॥ आ० ॥ ४ ॥ नलघरकेरीगाल
सुणीने ॥ अष्टापदअतिकंपे ॥ कूडीकूडीनिलगूडा

तोडे ॥ पणघननेनवीलोपे ॥ आ० ॥ ५ ॥ विनयकरवा
अनेतुमजओ ॥ तोतुमेवेगाहोवो ॥ पूज्यपूज्यांपीडाप्रा
ने ॥ एहविमासीजोवो ॥ आ० ॥ ६ ॥ पतिविणमेंतुम-
शुंमनबांध्युं ॥ तुमविणशीगतिमाहरी ॥ राकतणाछो-
रुवाछोतेथी ॥ मतहिंयलोमेंवारी ॥ आ० ॥ ७ ॥ पुत्रकहे
माजीतुमसाथ्या ॥ नेहकीधाएकठाजे ॥ तोहिसाथेनमिले
भनमोती ॥ तुटोमेयवअजासो ॥ आ० ॥ ८ ॥ माताजीकहे
पुत्रनिसुणो ॥ अरहिवाधोजमो ॥ कातणहारीतारत-
णीपरे ॥ जोडेहीआलिसामो ॥ आ० ॥ ९ ॥ पुत्रतुमारा
हमछांएहवी ॥ किमकहियायेवातो ॥ छोहराएछंडे-
लीकेरा ॥ ईमहिंकहेशेतातो ॥ आ० ॥ १० ॥ आनंदक-
रीताताहिने ॥ युध्यतणुंतोनामो ॥ कुलदीर्धनाउज्वा-
लण ॥ सुंदरछेसंग्रामो ॥ आ० ॥ ११ ॥ एमकहीनेत्या-
ल्याकुंअर ॥ रोतीमेलीमाथी ॥ उत्साहवंतमहंत कटकशुं
॥ रेणुरईनलछायी ॥ आ० ॥ १२ ॥ कुठारकुडालतणासं-
जाहण ॥ हाराहराहिहजसे ॥ पंथतणांतरु छेदीसुध्धां
॥ कीधोपंथअपारो ॥ आ० ॥ १३ ॥ सेनानीशुंआवीअडि-
या ॥ अतीबलवंताहोई ॥ नहींसेनानीकहुंरेसारे ॥ एह
सुणेप्रभुसोई ॥ आ० ॥ १४ ॥ सौमित्रीकहेएरेपतंग ॥
आतुरअतीहेभ्राता ॥ आरतीविक्रमपावकमांहि ॥ करि-
सेलंपापाता ॥ आ० ॥ १५ ॥ एमकहीनेरामसुलक्ष्मण ॥
सुग्रीवादिकलारो ॥ युध्यभणीचलिसाहमाआया ॥ कोन
ईनलाई चारो ॥ आ० ॥ १६ ॥ एटलेनारदनेमुंजसांभ

सी ॥ भामंडलकुं भाई ॥ पुंडरीकपुरीथी लेई आयो ॥ देखी
सीताबाई ॥ आ० ॥ १७ ॥ रोवंती कहे भाई सुणशुं ॥ प्रभु-
जी तो आदीधी ॥ गुणसकरीने तुम आणेज्यो ॥ लडवानी
मतिसीधी ॥ आ० ॥ १८ ॥ भामंडल कहे रामे करियो ॥ अ-
जतुं कांई बिगाडे ॥ अणजाण्यां जे दोई हणवा ॥ हारसे
दोई पवाडे ॥ आ० ॥ १९ ॥ जबलगे ए विणसे नहीं जरज
॥ तबलग दोडी जावा ॥ कहीं निवाडो वात न थावी ॥ रामहिं-
रो समिटावा ॥ आ० ॥ २० ॥ ईम सुणी सीता भामंडल ॥ बे-
सी विमाने आवे ॥ लवणांकुश ए घसी माताजीने ॥ चरणे शी-
श नमावे ॥ आ० ॥ २१ ॥ सीता कहे भामंडल भाई ॥ यारो
मामो साच्यो ॥ मामाने आणेज मांहे ॥ नेह न शाणो जायो
॥ आ० ॥ २२ ॥ पगे लागी ऊठाई ऊभ्या ॥ लीधा कंठ लगाई
॥ शिरस्युं जीजो लेबे साडी ॥ मामो कहे सुण भाई ॥ आ० ॥
२३ ॥ वीर तणी पतनी नी कीरति ॥ पहेलीथी जगमांहि ॥ वीन
रसमूनी कीर्त्ति जीजो ॥ ए पामी ते प्रांहि ॥ आ० ॥ २४ ॥ वी-
र तणा सुत वीर अछो तुम ॥ काम करोरे विमासी ॥ पितृ वं-
शासा येलडतां ॥ होशे जगमां हांसी ॥ आ० ॥ २५ ॥ जेहना
रण मांहा जन रावण ॥ आपणपैं रे मराणो ॥ प्रगटपणे ए
तो रे पवाडो ॥ सघले ही रे गवाणो ॥ आ० ॥ २६ ॥ लवणां-
कुश कहे मामाजी तुम ॥ वात कहो ए ठीक ॥ आविमल्या
केसरियां अलगां ॥ वात न लागे नीकी ॥ आ० ॥ २७ ॥ ए-
म कहेतां दोई प्रसन्ना ॥ सूरा अति संनाह्या ॥ स्वामी तणो
जे उम समारण ॥ अधिक एपे ऊमाह्या ॥ आ० ॥ २८ ॥

सुग्रीवादिकखेचरेनराहि ॥ भूचरभटनेडरावे ॥ भामं-
डलखेचरसाथे ॥ मंडेसरिखेदावे ॥ आ० ॥ २९ ॥ लवणां-
कुशअंकुशसरिखातीखा ॥ सूरशिरोमणीसूरा ॥ रामत-
णाभटऊपरआवे ॥ जिमआवेजलपूरा ॥ आ० ॥ ३० ॥ सु-
ग्रीवादिकभामंडलशुं ॥ पूछेएकुणहोई ॥ भामंडलकहे
सीताजन्म्या ॥ रामतणासुतदोई ॥ आ० ॥ ३१ ॥ आवीसी-
तारणेलागा ॥ खेचरबेठाआगे ॥ लवणांकुशऊठाव-
णीआगे ॥ रामतणाभटभागे ॥ आ० ॥ ३२ ॥ जिहांति-
हांरणरंगहिखेले ॥ हरीजिममृगवनमांहिं ॥ रथसारथीने
रिनिजेहि ॥ टेकनकोईसाहि ॥ आ० ॥ ३३ ॥ रामसुलक्ष्मण
सामाआव्या ॥ देखीसुंदरताई ॥ कोईसूरउपन्याआगी ॥
खेईरह्यासोलाडी ॥ आ० ॥ ३४ ॥ नयणेनेहनणाधेनिन-
शुं ॥ परशुंपोखेरूपो ॥ नयणानानीत्यातीलाख्या ॥ लि-
खेलेईरायलविशेषे ॥ आ० ॥ ३५ ॥ मनतोमलवानेऊमा-
हे ॥ वसतीतामसभागे ॥ एहिअवसरछेकोईज्ञानी ॥ न
रहेसंशयतसआगे ॥ आ० ॥ ३६ ॥ लवणकहेरघुपतीशुं
रूडी ॥ अंकुशलक्ष्मणसाथे ॥ चारेसहसअक्षोहणीनो
पति ॥ तुमहण्योनिजहाथे ॥ आ० ॥ ३७ ॥ सोरेहमतुम
साथेआडिया ॥ सुनशरादियोजगनाथे ॥ अस्त्रशस्त्रशुं
अतिसडिशुं ॥ नहींतवपडशुंबाथे ॥ आ० ॥ ३८ ॥ राव-
णशुंलडतांनथाऊभ्या ॥ सोअजलडोहमसेंति ॥ हमतो
आदिथईअलबलडशुं ॥ क्षत्रीनीएजेति ॥ आ० ॥ ३९
॥ एमसुणीनेरामसुलक्ष्मण ॥ लवणांकुशदोवीर ॥

धनुष्यत्यडावीसन्मुखआवे॥ मेरुतणीपरेधीर॥
आ०॥४०॥ रामतणारथनोसारथियो॥सेनापतिने
सुहावे॥वज्रजंघलवणतणोरथ॥ जेडंवेलशपावे॥
आ०॥४१॥वीरविराधलक्ष्मणरथआवे॥पृथुअंकुश
रथजेडे॥ रथसारथीयायारहिसांजरा॥अेडअेडनेछे
डे॥ आ०॥४२॥ पितृपितृव्यन्नणीअंपी॥ कुंअर-
जतोशंक॥प्रभुजपुत्रोलेदनअणे॥योद्धकरंतनिशंक
॥आ०॥४३॥ विविधायुधेविविधपरेरे॥ लडवेंहुस
मनावी॥रामकहेजेडुरथजेडी॥ लियेअरिनेरेदभा-
वी॥आ०॥४४॥ कहेसारथीहयनवीहाले॥पीडाणा
शरघावे॥कस्यांघावश्रुंलाडताहिं॥पाछाहिपगडावे॥
आ०॥४५॥रथप्रभुजनोसिथिलहुओअति॥वय-
रियेअतिताड्यो॥करीसिथिलताप्रेंत्यतरसमी॥अ-
रितोहीननभाड्यो॥ आ०॥४६॥ रामकहेनपड्याक-
रदीला॥कोईकामर्दणसारे॥ सोकरदीलाआलपड्या
छे॥सांसोकुणनिवारे॥ आ०॥४७॥ वज्रावर्तधनुष्य
धणीनुं॥सघलुंकामसमारे॥सोहीमुंहडोकेरीरहियो
॥वातपडीकउविचारे॥ आ०॥४८॥ मुसलरलहलण
जलअरिनुं॥सोपणढीलोपडियो॥ अरिगंजणअं-
कुशासहलखे॥ ओहिअरिशुंनवीअडियो॥आ०॥४९
॥लक्ष्हलनेसेवीतकेरे॥हलमुसलअेसकामा॥ कोई
अवस्थाऊरेकेडे॥हूआरकालनिकामा॥ आ०॥५०॥
राधवनांनिभातिमलक्ष्मणनां॥सघलांहिउपडमेंहि॥

लेकीधांतेसामांनाथा ॥ लगक्षगंतोधमी॥ आ०॥ ५१॥
ओरलेअंकुशजाणेहणियो ॥ हीयेलक्ष्मणकेो ॥ मूर्छा-
येपडियोरथमांहि ॥ अंकुशकीयोशाको ॥ आ०॥५२॥ मू-
र्छायेपड्योप्रभुपेखी ॥ रथतोधरनेचलायो ॥ वीरविराध
वियारीवाइ ॥ स्वामीसंज्ञापायो ॥ आ०॥ ५३ ॥ वीरविरा-
धशुंप्रभुजोलियो ॥ अनुचित्तकार्यतेंकीधो ॥ रामसमेंरस-
रंगेरणमें ॥ मुनरथघरनेलीधो ॥ आ०॥५४॥ लेईरथर-
णमेंअरिनेहणीशुं ॥ चक्रेवेदिशीशो ॥ लक्ष्मणजीइरी
रणमेंआयो ॥ उपन्नोछेअतीरीसो ॥ आ०॥५५॥ रेअंकु-
शकुंचरातृणसिमतोलुं ॥ केईनजावुंचारो ॥ चक्रचलावेअ-
रिनेधवे ॥ अंकुशसुतनीलारो ॥ आ०॥५६॥ देईप्रदक्षि-
णापाछोवलियो ॥ लक्ष्मणनेकरेजेठो ॥ निमतइपंचि
ऊीअपूछे ॥ आवीमालेपेठो ॥ आ०॥ ५७ ॥ इरीमूकि-
ओसोकिशिआयो ॥ पंडित तामविचारे ॥ गोतीनेपहुंचे
ओगुणजिइओ ॥ सोचुहिंस्युंमारे ॥ आ०॥५८॥ रामसु-
लक्ष्मणआरतिआणे ॥ वासुदेवजलदेवा ॥ अदोईलाठे
उपनिया ॥ पदवीअहमसेवा ॥ आ०॥५९॥ अहछप-
न्नमीढाले कुंअरा ॥ कीरतीअधिककेजाया ॥ केशराज
लगलेतालेथी ॥ तेआगेजशपाया ॥ आ०॥६०॥

॥ कडीरागे दोहा ॥

सिध्धारथसाथेकरी ॥ नारदऋषीआवंत ॥ विधिशुंकु-
रतांवंदना ॥ गाढोसुजपावंत ॥१॥ दूर्चिंतादेजीरामने

नारदजपूछत ॥ कुणडारणआरतितणुं ॥ राघवडहे
तुरंत ॥ २ ॥ झोडाहाथाउपरे ॥ डांपीडेत्रसपीदेव ॥ भूमि
पसार्यीथायछे ॥ आवेअेअहमेव ॥ ३ ॥ अेजाण्याजति
यामहा ॥ नहींहमारीताल ॥ डारणअेआरतितणुं ॥ त्रि
पीलाछेसुविशाल ॥ ४ ॥ हर्षथानचिपवादके ॥ ढोईकरो
रघुनाथ ॥ अेहसुबोलसुहामणा ॥ निसुणेसघलोसाथ
॥ ५ ॥ अेअमयसीतातणा ॥ युगलपणेअभिराम ॥ लव-
णांकुशअभिधानथी ॥ पुत्रतुमाराराम ॥ ६ ॥ त्यागतणे
दिनधुरकरी ॥ युध्यतणोदिनअंत ॥ संभलाव्योश्रीराम-
ने ॥ सीतानोविरतंत ॥ ७ ॥ प्रभुजनेमिलवालणी ॥ आ
व्याआणीस्नेह ॥ आपणणाविणडारणे ॥ करीदेजावी
अेह ॥ ८ ॥ अेहनीअेअहिनाणिडा ॥ मनसुंकरोविचार
॥ चक्रअपूठोतोईस्यो ॥ अेसगपणव्यवहार ॥ ९ ॥ आ
दिनाथनापुत्रनी ॥ निसुणीहोशेवात ॥ बाहुबलभाई
तणी ॥ चक्रेनडीधीघात ॥ १० ॥ तुमदालीनेतुमतणी
॥ अवरांशिरडिमहोई ॥ हाथीअयोहाथिया ॥ साथेल-
डंतोअेडी ॥ ११ ॥ विस्मयपामीजेदनो ॥ हर्षहीयेनसमा-
य ॥ मूर्च्छाआईधरणीपड्यो ॥ लीधोतामडिझाय ॥ १२ ॥
आंख्येआंसुनाअता ॥ लक्ष्मणलीयालार ॥ पुत्रोनेमिल-
वाचल्यो ॥ डोईनलाईवार ॥ १३ ॥ स्वरथपीतघडितस्थ
॥ आवंताप्रभुदेख ॥ लवणांकुशसकुमारजु ॥ विनयक-
रिसुविशेष ॥ १४ ॥ हाथींथीहथियारने ॥ अलगांना-
ख्याताम ॥ रामअनेलक्ष्मणतणे ॥ चरणेकरेपरणाम ॥
१५ ॥

॥ढालसत्तावनमी॥

(चूडलाआडाडोकरारेमोहना, एदेशी.)

चंदनशशीतलछांहडीरे॥नंदना॥शीतलहोइअपाररे
॥नंदनतेनवीपूनहीरे॥नंदना॥नंदनवडोसंसाररे॥नं-
दना॥परमपियारे॥१॥नंदनारे॥नंदनथीआनंदरे॥
नंदनहेसुखकंदरे॥नंदनपूनमचंदरे॥उल्हासेवंशसमु-
द्ररे॥नंदनापरमपियारे॥२॥एदेश॥सुतपाछेसुज
सयलज्जोरे॥नंदना॥पहेलुसुजतोपुतरे॥स्थितिनो
चालणपूतज्जेरे॥नं०॥पुत्रथकीघरसूतरे॥नं०॥परम०
॥३॥उछाहउछियाकरीरे॥नं०॥लीधाकंठलगायरे॥हु-
लधरनेहरिज्जलणेरे॥नं०॥हेनहीयेनसमायरे॥नं०॥
परम०॥४॥चोलेलीयाजांतशुरे॥नं०॥चूंजेरिससो
वाररे॥न्हवरावेनयणांनलेरे॥नं०॥पोषेप्रेमअपाररे
नं०॥परम०॥५॥शत्रुघ्नपगेलागतारे॥नं०॥आलिं-
गनआधिकाररे॥लवणांकुशपायनमेरे॥नं०॥ताम
सहुपरिवाररे॥नं०॥परम०॥६॥दीधेपदनाराज्ज-
यारे॥नं०॥मांहोमांहेउच्छाहरे॥होवेरंगविनोदज्ज
रे॥नं०॥आणेमांड्योविवाहरे॥नं०॥परम०॥७॥
पराक्रमदीठोपुत्रनोरे॥पुत्रपिताभेमेलरे॥मलियोवचन-
नअजोयपुरेरे॥नं०॥हुवेसाकरभेलरे॥नं०॥परम०॥
८॥निरखीहरषीजनकीरे॥वातपडीसहुठामरे॥जना-
हुडीगईनिजथानकेरे॥नं०॥जेसीविमासेत्तामरे॥
नं०॥परम०॥९॥सरखापुत्रोशोभियारे॥श्रीलक्ष्म-

एळजरामेरे॥ ईन्द्रतणेघरऊपनारे॥ नं०॥ जयंतउत्त-
लिरामरे ॥ नं०॥ परम०॥१०॥ सरोमासुतछेऊठीने
रे॥नं०॥ असरजारेअनेऊरे॥ गालीदेवाडणहारजीरे
॥नं०॥ नरवालाडोअरेकरे॥ नं०॥ परम०॥११॥ भाम-
डलजीभाजीयुंरे ॥नं०॥ अनृपनेसुपसायरे॥ अतुमर-
सरगहेमीयोरे ॥नं०॥ सुसनभात्योशायरे॥ नं०॥परम
॥१२॥ भामंडलनेभवालहोरे॥नं०॥ महारेतोछेतमेरे॥
फीरनीरजसुंमिलीरह्योरे ॥नं०॥ नृपशुंप्रभुनेप्रेमरे॥
नं०॥परम०॥१३॥ जेसीविमानेविराजतारे॥ नं०॥ ल-
क्ष्मणरामउछाहिरे॥ आगेजयजपुत्रजीरे॥नं०॥आ-
वेनगरीमांहेरे॥ नं०॥परम०॥१४॥ ऊन्दीश्रीवाग्येलो
ऊजीरे॥ नं०॥ मिलियाजन्यालेआयरे॥ मुजमुजजय
जयउच्चरेरे॥नं०॥ धन्यधन्यराघवरायरे॥नं०॥प-
रम०॥१५॥ उतरियाविमानथीरे॥नं०॥ आवीने
दरबारेरे॥ ओछवमांडयोअतिघणोरे॥ नं०॥ घर
घरमंगलाच्यारेरे॥नं०॥परम०॥१६॥ नोजतवाने
नादसुंरे॥ नं०॥ नाचेपात्रअपाररे॥ जडमंडिनेव-
रसियारे॥नं०॥ वरस्याकंचनधाररे॥ नं०॥परम०
॥१७॥ लक्ष्मणजी सुग्रीवजीरे॥ नं०॥ जिणिजिण
हनुमानरे॥ अंगदआदेसहूमिलीरे॥ नं०॥ वीन-
वीयोराजनरे॥ नं०॥परम०॥१८॥ राजवियोगे
पुत्रशुंरे॥ नं०॥ दिनअदयाथामातरे॥ परदेशामां
अेकलीरे ॥नं०॥ रयणीछमासीजातरे॥ नं०॥

[illegible] પત [illegible] બોલોધ [illegible] જેહવી
[illegible] મ[illegible]નરોસાટલવલારે ॥ નં૦ ॥ પાતકમહોટાહો
રે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦ ॥ ૨૦ ॥ ઈહાંલેઈઆવિયેરે ॥ પામીપ્રભુ
આદેશરે ॥ આગેઈચ્છારાવલીરે ॥ નં૦ ॥ પંચવાક્યસુવિ-
શેષરે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦ ॥ ૨૧ ॥ ભાખેરાઘવરાજીઓરે ॥ નં૦
॥ બોલાવીતેકેમરે ॥ જનઅપવાદમટ્યોનથીરે ॥ નં૦ ॥
તુમેપણજાણોએમરે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦ ॥ ૨૨ ॥ હુંજાણુંસીન-
તાસતીરે ॥ નં૦ ॥ સાપણજાણેઆપરે ॥ દિવ્યક્રિયાં
સઘલોમિટેરે ॥ નં૦ ॥ લોકવચનસંતાપરે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦
॥ ૨૩ ॥ સર્વલોકનીસાખેસુંરે ॥ નં૦ ॥ દિવ્યકરાવુંદેવરે
॥ ભુંડોકિસ્સેલોકનોરે ॥ નં૦ ॥ સાચેસહ્યાતતજેવરે ॥
નં૦ ॥ પરમ૦ ॥ ૨૪ ॥ ભલુંભલુંભૂપેભણ્યુંરે ॥ નં૦ ॥ ન-
યરીબાહિરલાયરે ॥ મંડપમાંડ્યોમોટકોરે ॥ નં૦ ॥ મં-
ચકજહુંમંડાયરે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦ ॥ ૨૫ ॥ આવીબેઠાશા-
ક્ષ્યારે ॥ નં૦ ॥ બિભિષણસુગ્રીવરે ॥ ભૂપરનેબેચર
સહુરે ॥ નં૦ ॥ આવ્યાજંગમજીવરે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦ ॥
૨૬ ॥ પુરીઅયોધ્યાયેસહુરે ॥ નં૦ ॥ તેડાવ્યાસહુલોકરે
॥ સાચ્યેદિયાલોગાજેકૂરે ॥ નં૦ ॥ ન્યુંકરીનાવિકરેજોક
રે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦ ॥ ૨૭ ॥ પ્રભુઆદેશેઆલિયોરે ॥ નં૦
કપિંપતિલેવાતાસરે ॥ પુંડરિકપુરીઆવિયોરે ॥ નં૦ ॥ અમ
ણીઅતિઉલ્હાસરે ॥ નં૦ ॥ પરમ૦ ॥ ૨૮ ॥ પગપ્રણમી
સીતાતણારે ॥ નં૦ ॥ તિમકરેઅરદાસરે ॥ પુરીઅયો-
ધ્યાઆવિકેરે ॥ નં૦ ॥ સઈલકરોહમઆશરે ॥ નં૦ ॥ પ

॥२९॥ पुष्पकनामेविमानजोरे ॥ मोकल्योरघुनाथ
रे॥ मतुकरीनेमोकल्युंरे॥ नं०॥ अेहुंसघलेसाथेरे॥नं०
॥परम०॥३०॥ आलजगेसमियुंनथीरे॥नं०॥अशणेतन
न्यानुंदुःखरे॥ चलीकिस्युंकरशेप्रभुरे॥ नं०॥ सखुंस्वा
मीनुंसुखरे ॥नं०॥परम०॥३१॥ पुनरपीकपिपतीवीनवेरे
॥नं०॥शुद्धिकरेवाकाजरे॥ जोवाआव्याछेतुमप्रभुरे॥नं०॥
वेगेपधारोराजरे ॥नं०॥परम०॥३२॥ अेमसुणीहरखेभीज
शीरे॥नं०॥ चांछीथीअेवातरे॥ जेथकीकेविमानमेरे॥नं०
॥आगेगईतवमातरे॥नं०॥परम०॥३३॥ महिंद्रोदयआन
गमेरे॥नं०॥उतारियुंविमानरे॥ लक्ष्मणजइपगेलागि-
ओरे॥नं०॥पगेलाग्यानृपआनरे॥नं०॥परम०॥३४॥आ
गेजेसीवीनवेरे॥नं०॥ घेरपधारोआजरे॥ अेघरअेपुरथान
करोरे॥नं०॥ थाशेअेसहुराजरे॥नं०॥परम०॥३५॥सती
कहेवस्त्रसारिअेरे॥नं०॥ पहेलीकरीशुंशुद्धिरे॥पाछेन-
णेकेवलीरे॥नं०॥तेउपजशेबुद्धिरे॥नं०॥परम०॥३६॥
अेसघलुंसंजलाव्युंरे॥नं०॥राघवजीनेआयरे॥सतीकहे
प्रभुआयकेरे॥नं०॥ जोदेसोंधात्यायरे॥नं०॥परम०॥३७
॥रावणसाथेरागनोरे॥नं०॥ नहुओछेलवलेशरे॥ थीजक
रोधृतीआदरीरे॥नं०॥ देजेलोकअशेषरे॥नं०॥परम०॥३८
॥कसीजोलीतवजनकीरे॥ नं०॥ प्राणनाथअवधारेरे॥तु
मथीशीलणोकुणछेरे॥नं०॥ नकरशोअभवियारेरे॥नं०॥ परम
॥३९॥ वातकहेतांविरथियारे॥नं०॥लवणांकुशनातातरे॥
जोछेतोअोछीकरेरे॥नं०॥पूरापूरीवातरे॥नं०॥परम०॥

॥८०॥ मूठीजणोछोभलेरे ॥ नं०॥ तोपहेलांद्योछंडरे ॥ पेत
छेकरसुंकुंसहीरे ॥ नं०॥ धीजतणीपणमंडरे ॥ नं०॥ परम०
॥८१॥ रामकहेजनदेसुणोरे ॥ नं० ॥ मेंनवीजणीमोडरे ॥
अमाहिंजणुंछुंनहींरे ॥ लोककरेमुजमोडरे ॥ नं०॥ परम०
॥८२॥ तेहथीअमुनउपनीरे ॥ नं० ॥ उतारेतुजलारेरे ॥ दि
व्यकरोसहुदेखतांरे ॥ नं०॥ साखेसहुनोप्यारेरे ॥ नं०॥ परऽ
॥८३॥ युक्तिवातकहेजनकीरे ॥ नं० ॥ दिव्यकरुंहुंपंचरे ॥
अगनीमेंडकीपडुंरे ॥ नं० ॥ नकरुंकोप्रेमलपंचरे ॥ नं०॥ परम०
॥८४॥ त्यावलनेयावुंसहीरे ॥ नं०॥ पीउंतातोकोशरे ॥ ज
नेसाहुंशूलियारे ॥ नं०॥ चढुंतुलाहिसरोसरे ॥ नं०॥ परम०
॥८५॥ इणमेंजेतुमनेगमेरे ॥ नं० ॥ सोईकरोपरसादरे ॥ शं
काजोईमआणजोरे ॥ नं० ॥ मुजनेअहअल्हादरे ॥ नं०॥ प
रम०॥८६॥ सिध्धारथनभरायजोरे ॥ नं० ॥ अंतरिक्षला
येंतरे ॥ मतिरेवरसोसमजोरे ॥ नं० ॥ दूजावीद्यजंतरे ॥ नं०
॥ परम०॥८७॥ लोकसहुमलुआगलेरे ॥ नं० ॥ करेवीनती
आयरे ॥ सीताजमहोटीसतीरे ॥ नं०॥ शीलतणेसुप्रला
विरे ॥ नं०॥ परम०॥८८॥ ज्योतेहिकीधोसहीरे ॥ नं०॥ व
गमेंअहिकायरे ॥ रह्या घोखेजमनेरे ॥ समजो राघवरा
यरे ॥ नं०॥ परम०॥८९॥ हुंतोसमजुंछुंसहीरे ॥ नं० ॥
सीताछेनिरदोषरे ॥ दोषचढाव्योछेतुमेरे ॥ नं०॥ मुजने
खेमइसोसरे ॥ नं०॥ परम०॥९०॥ मीठामुंजडाआगलेरे
॥ नं०॥ कुडवातमपरपंडरे ॥ पेशामेंपण्मेयवे ॥ नं०॥ना-

॥नं०॥ओहतुमारीजीहुरे॥ जिणमांहेजिणजाहिरे॥
नं०॥आतुरथहेअबिहरे॥ नं०॥परम०॥पर॥ कालईरी
तुमलोजेशोरे॥नं०॥सीताछेसउलउरे॥अममनराज्युसा-
मीनुंरे॥नं०॥किहांगयुंछेरेंउरे॥नं०॥ परम०॥ प३॥थी
लउरावीआउरोरे॥नं०॥आलइइंसहुसाथेरे॥ साथवडो
संसारमेंरे॥ मणीनहींयायेउत्येरे॥ नं०॥ पेरम०॥ प४॥
हाथतीनसेंनीजणीरे॥नं०॥ लांबीचहुडीजाडेरे॥पुरष
होघंधींडीउरीरे॥ नं०॥ छंथणथेंहनझाडेरे॥ नं०॥ परम०
॥पप॥सत्तावनमीढालमेंरे॥ राघवथाप्योधीलरे॥उशन
रालसतरीलथीरे॥साथसाथनुंजीलरे॥ नं०॥परम०॥प

॥ढुहारागदोहा॥

गिरियैताढ्येजणिये॥उत्तरश्रेणीभत्नर॥ हरीविकुम
वउरालवी॥ नयलूंअणसुतसार॥१॥ अठोत्तरशतकुं-
वरी॥परणावीरलन॥सुजलोगवतांआवियो॥मो-
हतणुंअवसान॥२॥ मातुलनंदनहेमरीजर॥ किरण
मंडलानार॥ जेमरत्नदिविलोउतां॥ वातपडीसुवियार
॥३॥उदीहीघीडामिनी॥आपणसंयमधार॥ विद्यु-
लदष्टानामथी॥ राक्षसणीथईनार॥४॥ अयोध्याउ-
द्यानमें॥ ऋषीप्रतिमाप्रतिपन्न॥ राक्षसणीउपसर्गथी
॥ निश्चलराख्योमन॥५॥ साधुहुओतेकेवली॥ओ-
च्छवकरवाआन॥ इन्द्रादिकजहुदेवता॥ आवीअधिक
जिरान॥६॥ जयसरहेजीघीलनो॥देवदयापरप्राहि

॥हरिजीसाथेवीनवे॥जेसरवहेजगमांहि॥७॥ज्ञान-
नीजिनिश्चललहे॥सीतासतीअपार॥दम्येछेअजला
लणी॥मूर्जलोकगिमार॥८॥सीतासानिधकारणे॥
अनीकपतिअलिराम॥मूकीहरिआपणकरे॥केवल
ओच्छवकाम॥९॥रामतणाआदेशथी॥दीधांकाष्टघन
गाय॥मिलिरहीज्वालावली॥देख्योहींनविजाय॥
१०॥सीतापावकपाजती॥आवीहैभलाषंत॥वीतराग
गजनसाधुसुर॥आपसाजीराजंत॥११॥लोकपाल
सहुसांभलो॥सूरयंन्दवडदेव॥दिवसनिशानासाजि
जा॥तुमजाणोसहुभेव॥१२॥मनेकरीवचने करी॥
कयायेकरीजेय॥जगतनेसोवतविषे॥रामटालीनर
कोय॥१३॥जेकोमेंवांछ्योहुवे॥जालीकरेमुजछार॥
वैश्वानरजगसाजिया॥जेहअछोतुमयार॥१४॥नहीं
तरतुंपाणीहुजे॥एमकहीततकाल॥श्रीनवकारहिं
सुमरती॥ढकेपडीसाजाल॥१५॥पडतांहिंपहेलीथई
रे॥अग्नीकीटीवाव॥निर्मलपाणीशुंभरी॥शील
तणेसुप्रभाव॥१६॥

॥ढालअठावनमी॥

(नायकानीदेशीछे.)

सिंहासननवणीपरे॥तेऊपरसाजयारे॥सीता॥
हंसीज्युंपंकजऊपरेरे॥जेठीशोलापायरे॥सीता॥
१॥सत्यवतीसाच्चीसतीरेलाल॥साच्योतेहनोशील

रे॥सी०॥सुरवरसानिध्यकरियारे॥शीलथकीअति
लीलरे॥सी०॥२॥अग्नीसुंज्वालाजाउरीरे॥घणघ
णताअंगारेरे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥सलीलहुआ
तेसारेरे॥सी०॥३॥अर्णवावर्त्तनामथीरे॥न्योजुंछेते
यापरे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥रामथहोडियुंआ
पेरे॥सी०॥४॥हनुमंतजीदधिउलंघीयोरे॥लंकाओ
वरउद्यानरे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥जीत्योरा
वनरे॥सी०॥५॥पथ्थरपाणीउपरेरे॥तारवियाश्री
रामरे॥सी०॥सीतानेशीलेकरीरे॥सरियांतंछितका
मरे॥सी०॥६॥शक्तिप्रहारेनामूओरे॥सौमित्रीक्ष
सोडरे॥सीता०॥सीतानेशीलेकरीरे॥युध्धजीत्योअे
हरे॥सी०॥७॥देवनेवलीदानवेरे॥रावणतोनमराय
रे॥सी०॥सीतानेशीलेकरी:

कीर्त्तिमलयोईरे॥सी०॥१३॥गुलंगुलशब्दसुहामणारे
॥कोईकरेहुंकारे॥सी०॥ कोईलंबायेललकारे॥ कोईन
चलचकारे॥सी०॥१४॥कोईजलजलजांतसुंरे॥कोई
दिलदिलदेवरे॥सी०॥ विविधप्रकारेयेसारे॥देवकरेतत
जेवरे॥सी०॥१५॥ थोंथोंथोंथोंनादसुंरे॥वाजेमधु
रमृदंगरे॥सी०॥ तालरदणीपंगसुंरे॥ होईरह्योरसरंग
रे॥सी०॥१६॥ कोईवन्नवेवांसलीरे॥ कोईवन्नवेवीण
रे॥सी०॥ तानरूमानअनुमानसुंरे॥होईरह्यालयलीन
रे॥ सी०॥१७॥ कोईअलापेरागनेरे॥कोईसुरतिधरंत
रे॥सी०॥ नाचेताभवारंगनारे॥ थईथईशब्दकरंतरे
॥सी०॥१८॥ वापीनुंजलवाधियुंरे॥ नेमसायरकल्लोल
रे॥सी०॥ परस्युंदिरियारभारे॥ करतुंअधिककल्लोल
रे॥ सी०॥१९॥ मांच्याताभताणायचारे॥ लागानाठालो
गरे॥सी०॥ असंजाह्याआंकतारे॥ काणीलसनुंलेगरे
॥सी०॥२०॥ विद्याधरतेवेगसुंरे॥ तामगयातेनासरे॥
सी०॥ पाणीनोलयपामकेरे॥ केंयाअतिजाकरीरे॥
सी०॥२१॥ सूर्यरलरभाणाधणारे॥ दीनपणुंजाति
दाजेरे॥सी०॥ महासतीमहोटीसतीरे॥राजराजजाल
राजेरे॥सी०॥२२॥ लोकविस्युंआव्याघणुंरे॥साच्या
केरीलाजरे॥सी०॥देवदानवेमहोरे॥ लजीललीभुज
लाजरे॥सी०॥२३॥ चालीनेदोईकाथसुंरे॥ उतरिये
तेपूररे॥सी०॥ प्रथमप्रमाणेआणिआरे॥पाणीपू
रपंकूररे॥सी०॥२४॥ उत्पलकुमुदकह्यांघणांरे॥पुंड

रीउनेपद्मरे ॥ सी० ॥ पंकजविविधप्रकारनांरे ॥ हंसाके
रासन्मरे ॥ सी० ॥ २५ ॥ नलविचेतशीआकुलेरे ॥ मन
णीकेरासोपानरे ॥ सी० ॥ रत्नपेलीतटबांधियारे ॥ वाव
पीछेसुजथानरे ॥ सी० ॥ २६ ॥ नारदऋषीनायेघणुंरे
॥ करतोसीलप्रसंसरे ॥ सी० ॥ गगनचढ्योरसरंगमेंरे ॥
वर्णवतोकुलवंसरे ॥ सी० ॥ २७ ॥ शीलवडुंसुवजाणियुं
रे ॥ सीतानुंजगमांहेरे ॥ सी० ॥ लोकसराहेसादसेरे ॥ जेन
कससाकियेछाहेरे ॥ सी० ॥ २८ ॥ सुप्रलावसीतातणोरे ॥
लवणांकुशाकुदेवनरे ॥ सी० ॥ तरताहंसतणीपरेरे ॥ पासे
गयासुविशेषरे ॥ सी० ॥ २९ ॥ शिरयुंजीजेसाडियारे ॥ दोन
इसुतदोईपासरे ॥ सी० ॥ करिणीबिमकलसाकरीरे ॥ पाप
मीसासाजासरे ॥ सी० ॥ ३० ॥ सौमित्रीशत्रुघ्नरे ॥ भामंडल
लसलूपरे ॥ सी० ॥ बिलिषणसुग्रीवकरे ॥ आदेलूपकन
नूपरे ॥ सी० ॥ ३१ ॥ नयनयकरतापाजतीरे ॥ आयाआणी
उल्हासरे ॥ सी० ॥ पायनमीसुजानाजहीरे ॥ हमन्यरणान
दासरे ॥ सी० ॥ ३२ ॥ आवीपयास्यारामजीरे ॥ सी० ॥ करता
पश्चात्तापरे ॥ अंजलीजोडीवीनवेरे ॥ अेमकहंताआपे
रे ॥ सी० ॥ ३३ ॥ सोकवयनेमेंतुंत्यजीरे ॥ नकर्योको
आलोचरे ॥ सी० ॥ अटवीमांहेमेलतांरे ॥ संभविचोप
नहींसोयरे ॥ सी० ॥ ३४ ॥ सुप्रलावथीसुधरयांरे ॥

थसीआपणीरे ॥ धनमानवल्लवलाधरे ॥ सी० ॥ ३६ ॥ सी-
तालाषेस्वामीळरे ॥ अंछेकरोविषादरे ॥ सी० ॥ नेहील-
लोलगल्लणथोरे ॥ तेसहुतुभमेसाहरे ॥ सी० ॥ ३७ ॥ लल
अपवादनिवारवारे ॥ नाजीआगमल्लसरे ॥ सी० ॥ हुंल-
वंतीउगरीरे ॥ नाभतणेआधारसरे ॥ सी० ॥ ३८ ॥ भूमंड-
लनीरेणुथीरे ॥ सूर्यबंजोथायरे ॥ सी० ॥ अेगुणवाथत-
णोघणोरे ॥ रेणुनोनकहायरे ॥ सी० ॥ ३९ ॥ सापहिंमाथे
भींडकेरे ॥ नास्यंतोहेजायरे ॥ सी० ॥ अेगुणमंत्रतणोघ-
णोरे ॥ मींडकनोनकहायरे ॥ सी० ॥ ४० ॥ पैत्रहिमासेके-
डीलारे ॥ कूकूराजकशायरे ॥ सी० ॥ अेगुणरजांजालोघणो
रे ॥ केर्थलनोनकहायरे ॥ सी० ॥ ४१ ॥ नगरतणांतोजाल-
नांरे ॥ पाणीलेपूल्लथरे ॥ सी० ॥ अेगुणगंगाजलतणोरे
॥ पाणीनोनकहायरे ॥ सी० ॥ ४२ ॥ पारसकेरस्यालोहनु
रे ॥ कंचननामधरायरे ॥ सी० ॥ अेगुणपारसनोघणोरे ॥
लोहतणोनकहायरे ॥ सी० ॥ ४३ ॥ विवाहतणादिनआ-
दियोरे ॥ आनतणोदिनछेहरे ॥ नेकीतेसजस्वामीनीरे ॥
जडीसगीछेदेहरे ॥ सी० ॥ ४४ ॥ दुःजाहिमेंराजियोरे ॥ भ-
लुजथारोनामरे ॥ सी० ॥ तेसुजमेंनवीराजियोरे ॥ अेह
पसेजाठामरे ॥ सी० ॥ ४५ ॥ महाशेताहरोलोकनोरे ॥
केर्धनदीसेदोषरे ॥ सी० ॥ दोषलअेकृतकर्मनोरे ॥ करवो
रागनरोषरे ॥ सी० ॥ ४६ ॥ घरेपधारोआपणेरे ॥ पूरवला
सुजलोगरे ॥ सी० ॥ लोगवियेमनलावसुंरे ॥ पुण्यत-
णेसंयोगरे ॥ सी० ॥ ४७ ॥ सीतालाषेस्वामीनेरे ॥ सरियुं

तुमसन्मानरे ॥सी० ॥ संयमलेशुंसाहरोरे ॥ नरजन्म
सुजम्मानरे ॥ सी० ॥४८॥ अेमकहीगिपाडियारे ॥स्वहा-
थेसिरकेसरे ॥ सी० ॥ प्रभुजनेपकडावियारे ॥ जिननातें-
मसुरेसरे ॥सी० ॥४९॥ प्रभुजतजमूर्छितपश्यारे ॥न
रहीशुध्यलगारे ॥ सी० ॥ नयभूषणश्रीगुरुमुजेरे ॥सी-
धोसंयमभाररे ॥ सी० ॥५०॥ सुव्रतागुरुणीकन्हेरे ॥शी-
जेविविधविशालरे ॥सी० ॥ परममहासुजपामीयुंरे ॥मन
ल्योसहुजन्मलरे ॥सी० ॥५१ ॥अकृावनमीढालमेरे ॥षट-
डायकप्रतिपालरे ॥ सी० ॥केशरानथनअेसतीरे ॥नमिये
यरणत्रिकालरे ॥ सी० ॥५२ ॥

॥ घत्यासिरीरागेदोहा ॥

चंदनसुंसींच्योप्रभु ॥ थयोसत्येतनजनम ॥ किंहांगई
सीतासती ॥रामकहेजलिराम ॥१ ॥ लोलोभूयरजेयन
रे॥ भक्तमहाछोभूर ॥ लुंयितकेशाकमिनी ॥ मेलोआ-
णीहजूर ॥२॥ रेलक्ष्मणतेनासुणी ॥ अेसघलोहिलो-
ड॥ हांसीकेरछेहर्षसुं ॥ देजीमहारेशोक ॥ ३ ॥घनुष्यग्र-
हेरोसेभरयो ॥ लक्ष्मणलापेताम ॥ अेसहुसेवकस्वामी-
ना ॥ कुणहांसीनोठाम ॥४॥ प्रभुजनिमसीतातजो ॥
दोपतणोडरआण ॥ तिमसीतासंसारने ॥ तज्योलय
लयआण ॥५॥ प्रभुआगलशिरलोयियो ॥ नयभू-
षणगुरुपास ॥ संयमलीधोसाहरो ॥ समतासुंवनवा-
स ॥६॥ नयभूषणप्रभुकेवली ॥ आनहुआछेहव ॥

आपनई ओरछव करो ॥ चरणकमलनी सेव ॥७॥ तिहां
अछे सीतासती ॥ जेहीं सतियां माहे ॥ दर्शन कीने देवीनुं ॥
आपण पुंच्य लाहे ॥८॥ सहुनप णा मैं आविया ॥ राम करे
सुविचार ॥ शुलगुरु पें संयम लियो ॥ धनधन सीतानार ॥
९॥ एम कही परिवार सुं ॥ जयभूषण गुरु संग ॥ आवी पा-
य प्रणमी करी ॥ देशन सुणी सुरंग ॥१०॥ देशन अंते पूछी-
युं ॥ हुं छुं भव्य अभव्य ॥ तुमने नहीं अभव्यता ॥ भव्य अ-
छो तुम भव्य ॥११॥ इहभव शिव पामसो ॥ पामी केवल-
ज्ञान ॥ बलभद्र शालनयर लसो ॥ तुम छो पुरुष प्रधान ॥१२॥
संयम विण शिवगति नहीं ॥ ते तो मेंन लेवाय ॥ लक्ष्मण साथे
मोहनी ॥ में कर्युं हीन स्यन्नथा ॥१३॥ १३ ॥ ऋषी भाखे चिंता न-
हीं ॥ भोगवी पद बलदेव ॥ आपे ही प्रतिबूलसो ॥ जिनम-
तनुं एलेव ॥१४॥ विभीषण भाखे भणुं ॥ सीता रावण
लीध ॥ किण कर्मे लक्ष्मणे हण्यो ॥ रावण पण प्रसिध्य ॥१५
॥ भामंडल सुग्रीव हुं ॥ लवणांकुश अे दोय ॥ किसे कर्मे क-
रीओ पना ॥ प्रभु भरूा सहु कोय ॥१६॥

॥ ढाल ओगणसाठमी ॥
(मेघडा भनी ओ, ओ देशी)

स्वामी भाखे सयल विचार ॥ दक्षिण भरत अछे भलो ॥ भा-
खे स्वामीजे ॥ जेम पूरे मथदत्त ॥ वणिक वसे गुणआगलो
॥ भाखे स्वामीजे ॥१॥ सुनंदा उदरे दोय ॥ नंदन धुरधन-
दत्त छे ॥ भा० ॥ वसुदत्त विशेषी ॥ यज्ञवल्क्य सुमित्त छे

॥ला०॥२॥ तिणहिंनगरमझार॥ सागरदत्तवसेसही॥
ला०॥गुणधरनामेनंद॥गुणवंतीकन्याकही॥ ला०॥३॥
सागरदत्तेदीध॥ धनदत्तनेसा कुंअरी ॥ ला०॥ जणीसरन
जीजोड॥ लालचतोकोनाधरी॥ ला०॥४॥ रतनप्रभातस
मात॥ जर्यंतणेलोभेकरी॥ ला०॥ शेठअछेश्रीकंत॥ते
हनेदीधीदीकरी॥ ला०॥५॥ याज्ञवलक्यजणी॥ जणा
णावीमित्राभणी॥ ला०॥ वसुदत्तेनिसिजई॥ हर्षेश्री
कंतनेहणी॥ ला०॥६॥ श्रीकंतेपणतेह॥ मारीसियोतव
नासतो॥ ला०॥ ऐशुथ्योव्यवहार॥ विणसेपरहिंविणा
सतो॥ ला०॥७॥ विन्ध्यांवनमेंजाय॥ मृगहुआतेदो
ईजे॥ ला०॥ गुणवंतीनोजीव॥ हुईहरणलीसोई
जे॥ ला०॥८॥ हरणीकेरेहेत॥ मूवादोईकुरंगजे॥
ला०॥ भूलियाकालअपार॥ जगमें करताजंगजे॥ ला०
॥९॥ सोधनदत्ततिवार॥ लाईभूओसांमली॥ ला०
॥ हुओअधिक उदास॥ घरथीन्याल्योनिकली॥ ला०
॥१०॥ रातेलागीभूख॥ तामभुनी सरदेजिया॥ ला०
॥ भोजनकेरेकाज॥ वाकुवचनविशेषियां॥ ला०॥
११॥ संग्रहनकरेसाधु॥ दिनहिंतोरात्रेकिस्युं॥ ला०
॥ तुमसरिखानेरात्र॥ भोजनक्युंमनमेंवस्युं॥ ला०
॥१२॥ प्रतिबोधाणोसोई॥ श्रावकहूओसांचलो॥
ला०॥ स्वर्गसुधर्मेदेव॥ आगेकीअजसांभलो॥ ला०
॥१३॥ महापुरनगरमझार॥ मेरुशेठमोटोधारणी॥
ला०॥ पद्मरुचिसुतसार॥ श्रावकमतिसुजकारणी

॥ ला० ॥ १२ ॥ अेक दिन गोकुल जात ॥ पडियो वृषभ विलो-
कियो ॥ ला० ॥ दयातणी मति आणी ॥ मंत्र श्रवण तेहने
दियो ॥ ला० ॥ १३ ॥ छत्र छाय नरिंद ॥ श्री दत्त ऊपन-
न्यो ॥ ला० ॥ वृषभ ध्वज अभिधान ॥ नंदनि रूपमनो-
पनो ॥ ला० ॥ १४ ॥ कुंअर करतो केली ॥ आयो हिवा ने
थली ॥ ला० ॥ १५ ॥ आं मूओ छे जेह ॥ देखी ऊपन्युं मन-
रली ॥ ला० ॥ १६ ॥ जाती सुमरण पामी ॥ ताम करावे देहरो
॥ ला० ॥ ऊपकारीने हेत ॥ कुंअर कुंअर सेहरो ॥ ला० ॥ १७
॥ भींति लखायो रूप ॥ नरत वृषभनुं नाम जे ॥ शेठ हि रूप
अनूप ॥ नेम हुओ यो कामजे ॥ ला० ॥ १८ ॥ पलाणीयो
हय अेक ॥ तेहने पासे राखियो ॥ ला० ॥ आरक्षनरने अेह
॥ भूपतीने सुत भाषीयो ॥ ला० ॥ २० ॥ अेहना रूपनो जन-
ण ॥ महारी पासे आणवो ॥ करसुं तस ऊपकार ॥ कीयो
गुणतो मानवो ॥ ला० ॥ २१ ॥ अेम करी घरे जाय ॥ अेट-
ले शेठ पधारियो ॥ ला० ॥ गोकुल मांहे जात ॥ पद्म रुची
ऊपकारियो ॥ ला० ॥ २२ ॥ भींते लखीयुं नेयीत्र ॥ देजी
विस्मय पामियो ॥ ला० ॥ आरक्ष थी लही शुध्य ॥ कापुं-
ण आवियो धामियो ॥ ला० ॥ २३ ॥ पूछे भाषे शेठ ॥ महा-
रं कीधां कामजे ॥ ला० ॥ कुमरकरे परणाम ॥ आप प्रका-
शो नाम जे ॥ ला० ॥ २४ ॥ प्रभुजी तुम सुपसाय ॥ पायो
पद आलिशा मजे ॥ ला० ॥ तुं मेरा गुरुदेव ॥ तुज करुं रूस-
लाम जे ॥ ला० ॥ २५ ॥ लोण विये अेशान ॥ राज तुमारो
आपियो ॥ ला० ॥ पुरमां फिकड वीर ॥ आप समो करी

थापियो॥ भा०॥२६॥ शेठअनेसुकुमार॥श्रावकनांव्र
तपालेजे॥ भा०॥स्वर्गदूसरेदेव॥ विलसेसुजयिरंडल
जे॥ भा०॥२७॥ गिरिवैताढ्यविख्यात॥ नयरीनंदावर्त
जे॥ भा०॥ नंदिश्वरअभिधान॥राजराजकरंतजे॥ भा
॥२८॥ पद्मइग्रीसोदेव॥ करतोअतिआनंदजे॥ भा०॥३
नउभभानीदूज॥ नंदनवनयशानंदजे॥ भा०॥२९॥सल
ऊरीव्रतलीध॥स्वर्गपंचमेअनथजे॥ भा०॥ भागविदेहम
भर॥ क्षेमानगरीआयजे॥ भा०॥३०॥ विपुलवाहन
राय॥ नारीपद्मावेऊदरे॥ भा०॥ श्रीश्रीचंदनरेन्द्र॥
शलतणीपदवीवरे॥ भा०॥३१॥ गुप्तिसमाधिसमीपम
संजमलीयोसादरो॥ भा०॥ ब्रह्मलोकनोदेव॥ होईआ
व्योपावरो॥ भा०॥३२॥ अष्टमजलदेव॥ देवेसेव्या
सौदेवजे॥ भा०॥ वृंपलध्वजनोजीव॥राजाअेसुग्रीव
जे॥ भा०॥३३॥ नेहुतोश्रीअंत॥ भवमेंभमियोभूरि
जे॥ भा०॥ पाटणकुंदमृणाल॥जोईपुण्यजंदूरजे॥ भा
॥३४॥ वसुसुकठनरेस॥ हेमवतीनोअंगईयो॥ भा०॥सं-
भूनामलहंता॥सालनलनमनलाईयो॥ भा०॥३५॥
नेहुतोवसुदत्त॥ दूजोसंभूभूपजे॥ भा०॥ विजयपुरो
हितरत्न॥ चूडाऊपीअनूपजे॥ भा०॥३६॥ नामेतो
श्रीभूति॥ नंदनानिझअगणियो॥ भा०॥ गुणवंतीभव
मांहे॥ भूपतीठामेजाणीयो॥ भा०॥३७॥ श्रीभूतिने
घरनार॥ नामप्रगणामेसरस्वती॥ भा०॥ वेगवतीसुकु-
मारी॥ ओपजअधिककलावती॥ भा०॥३८॥ सायीवन

वयपाय॥ ओकदिनगर्छ ठीयाल्नजे॥ भा०॥ओ कथाने
प्रतिपन्न॥साधुरहियोशुभर्ध्यानजे॥ भा०॥३९॥लो
कऊरंतासेव॥ओहवोदेषीसाधुजे॥ भा०॥आणीद्वेष
रुतीव॥सा भोषेअपराधजे॥ भा०॥४०॥नारीसाथे
ओह॥ भोगवतोवरलोगजे॥ भा०॥ मेंदीठोओआल॥
तामद्रियासहु लोगजे॥ भा०॥४१॥ऋषीकरे काउसग्ग
॥प्रगटपणेतोर्छमकही॥ भा०॥ ठीतरशेओदोष॥ तोमें
पारेवोसही॥ भा०॥४२॥ सूरंकरीसानिध्य॥वेगवती
मुखसीवजे॥ भा०॥ रुया कुलथ्या कुलथाथ॥ पावे दुःखअ
तीवजे॥ भा०॥४३॥ ओहसुणीनेवात॥ माविन्नांत्रास्यां
घणुं॥ भा०॥ भयमानीमनमांहे॥ भाखेअवगुणआ
पणुं॥ भा०॥४४॥ सुदर्शनमुनिपास॥ आवीलोकगणा
मल्या॥ भा०॥ जमजेमुनअपराध॥ तुमतपस्यांनिम
सांभल्या॥ भा०॥४५॥ सामीनाप्यांजेह॥ सूर्यनंजो
नापडो॥ भा०॥तुमनेदंजीनिर्दोष॥ किस्युंजकेनरआप
डो॥ भा०॥४६॥ तुमकूंठांनगमांहे॥कोर्छनहींजेशाजिले
॥ भा०॥क्षमाकरोऋषीराय॥ याठींसुजीर्छमलाधिसे॥
भा०॥४७॥ ओमसुणंनांलोक॥ पुनरपिसेवासाचवे॥ भा०
॥श्रावकधर्मेसाथ॥वेगवतिमनराचवे॥ भा०॥४८॥शन
भदंजीभूप॥वेगवतीसुंराचिओ॥ भा०॥ कन्याकेरेकान॥
पुरोहिततवमाचिओ॥ भा०॥४९॥ मिथ्यादृष्टीभणी॥
कन्यानापेलालजे॥ भा०॥ जेरेसीधीजास॥ ननकुतणी
करीघातजे॥ भा०॥५०॥ विप्रक्रियोरेनियाण॥राजनेकुः

जघायजे ॥ ला० ॥ होजेवयनप्रमाण ॥ मंज्युंएहवीपाय
जे ॥ ला० ॥ ५१ ॥ दिनथोडाघरराज ॥ छोडीदीधीजा-
लणी ॥ ला० ॥ आरनिजआलिराम ॥ हरिकेंतापासे
लणी ॥ ला० ॥ ५२ ॥ मरणतणेंहुंहेतु ॥ होजेसंलुने
हणी ॥ ला० ॥ ग्रहीसंयमसुरलोक ॥ पामिगतिपंचमल
णी ॥ ला० ॥ ५३ ॥ ननकतणेघरआय ॥ सीताजएकीप
नी ॥ वचरविलयनवीजय ॥ निमलापीतेमनीपनी ॥ ला०
॥ ५४ ॥ मुनीवरजेनेह ॥ जूठोआलदयडावियो ॥ ला० ॥
जूठोआलनएह ॥ लोगांमांहिपावियो ॥ ला० ॥ ५५ ॥ ल-
वमेंलमतअपार ॥ संभुजवसुहामणो ॥ ला० ॥ कुशध्व-
ज ठेविप्र ॥ कूडोनेरलियामणो ॥ ला० ॥ ५६ ॥ सावित्रीत-
सनारि ॥ उदरेलियोअवतारजे ॥ ला० ॥ नंदननामेप्रलास
स ॥ सुंदरनेसुप्रकारजे ॥ ला० ॥ ५७ ॥ विनयसेनहिंपा-
स ॥ संयमलियांसादरा ॥ ला० ॥ दुःकरतपनपकार ॥ स-
हेपरिसहआकरा ॥ ला० ॥ ५८ ॥ गिरिसमेतेजात ॥ कंचन
नमेलविद्याधरुं ॥ ला० ॥ ऋद्धितणोविस्तार ॥ देखी
भोगपुरंदरुं ॥ ला० ॥ ५९ ॥ एलपतणोहिप्रकार ॥ मन-
हारेऋद्धिनएहवी ॥ ला० ॥ होजेकरेहिनियाण ॥ ने-
हवीगतिमतितेहवी ॥ ला० ॥ ६० ॥ नवत्रीजेसुरलोक ॥
देवतणांसुखलोगवी ॥ ला० ॥ आयुकर्मनेअंत ॥ आ-
व्योतेसुरवरच्यवी ॥ ला० ॥ ६१ ॥ कूओशवणराय ॥ ला-
घतुमारोएवडो ॥ ला० ॥ सहुरायांसिरताज ॥ वसुधा
मांहेवांकडो ॥ ला० ॥ ६२ ॥ याज्ञवल्क्यनोजीव ॥ लम-

तोअेभवसिंधुजे ॥ भा० ॥ अेतुंऊपन्योभाय ॥
रावणनोलघुबंधुजे ॥ भा० ॥ ६३ ॥ श्रीभूतिहणयो
तेशाथ ॥ पृथवियेपहेलीगयो ॥ भा० ॥ पूरभलेसुप्र
तिष्ट ॥ पुनर्वसुजेस्यरथयो ॥ भा० ॥ ६४ ॥ जेत्रविदेह
भन्नर ॥ पुंडरिकिणिछेविनयं ॥ भा० ॥ नाभेत्रिभु-
वनिनंद ॥ चक्रिभगवंताहिभनय ॥ भा० ॥ ६५ ॥ अ-
नंगसुंदरीतास ॥ पुत्रीअमरीअवतरी ॥ भा० ॥ पुनर्व-
सुतसदेजि ॥ लेईयाव्योअपहरी ॥ भा० ॥ ६६ ॥ चक्रि
सुभटेआथ ॥ पंथेरोक्योपापियो ॥ भा० ॥ अकुला-
णोकुंभत ॥ शुभटअतिसंतापीयो ॥ भा० ॥ ६७ ॥ अ-
नंगसुंदरीजाल ॥ यानथकीडांडीजरी ॥ भा० ॥ ऊर्ध
भिकुंभभन्नर ॥ आवीपडीसासुंदरी ॥ भा० ॥ ६८ ॥
पुनर्वसुलेईदिक्ष ॥ आगेसुजियोथायजे ॥ भा० ॥ ऊन
घोअेहनिदान ॥ अेसुंदरिहुंपायजे ॥ भा० ॥ ६९ ॥ लै
गवीसुरपदसार ॥ विविधप्रकारेभुंजियो ॥ भा० ॥ द-
शरथघरअवतार ॥ अेप्रभुलक्ष्मणजहुओ ॥ भा०
॥ ७० ॥ वसतीवनहभन्नर ॥ रानसुताआविदूधजे ॥
भा० ॥ तपतोउग्रअपार ॥ करतीभावविशुध्धजे ॥ भा०
॥ ७१ ॥ अंतसमेआरांधी ॥ संथारेसूतीसती ॥ भा० ॥
अनंगसुआवीगजंत ॥ आरतीमेंनपडीरती ॥ भा० ॥
७२ ॥ जीवेउल्पेवसाय ॥ हुईविशल्याअेहजे ॥ भा०
॥ लक्ष्मणनेसुपसाय ॥ दिनदिनवधतोनेहजे ॥ भा०
॥ ७३ ॥ गुणवंतीनो [illegible] ॥ गुणधरनामधरायजे ॥

ला० ॥ संसारतोसर्वअसार ॥ कुंडलमंडितथायजे ॥
ला० ॥७४॥ श्रावकव्रतप्रतिपाल ॥ कीधोधर्मत्रिकालजे ॥ ला० ॥ सीतासहोदरएह ॥ भामंडलभूपालजे
॥ ला० ॥७५॥ काकंडीपुरमांहि ॥ वामदेवनापुतजे ॥
ला० ॥ स्यामाउदरअवतार ॥ राजेणघरनासुतजे ॥
ला० ॥७६॥ सुनंदयसुनंदअन्य ॥ हुओस्वकारणे ॥
ला० ॥ प्रतिलाभ्योमुनीएक ॥ मासजमणनेपारणे
॥ ला० ॥७७॥ उत्तरकुरुभवलेई ॥ सुधर्मेसुरलोकजे
॥ ला० ॥ काकंडीराजन ॥ रतिवर्धनआलोकजे ॥ ला०
॥७८॥ सुदर्शनाजीमाय ॥ दोईसुतउदरधारिया ॥ ला०
॥ प्रीयंकरप्रसिध्य ॥ शुभंकरशुभकारिया ॥ ला० ॥७९
॥ राजकरीव्रतपालि ॥ देवहुआग्रैवेयकजे ॥ ला० ॥ लवणांकुशएदोई ॥ सीतासुतसुविवेकजे ॥ ला० ॥८० ॥
सुदर्शनाजीमाय ॥ भवांतरनीनेहजे ॥ ला० ॥ सिध्या-
र्थसाध्याय ॥ नेहिपढायाएहजे ॥ ला० ॥८१॥ एमुनि-
निवचनसुणंत ॥ जहुननवैरागजे ॥ ला० ॥ ग्रहि
संयमपावंत ॥ सेनानीसौभागजे ॥ ला० ॥८२॥ राम
नमीऋषीपाय ॥ पायाअतिसंतोषजे ॥ ला० ॥ आर-
तिगईसुजथाय ॥ प्रीतितणाअतीपोषजे ॥ ला० ॥८३
॥ एगुणसाठमीढाल ॥ भवांतरअवदातजे ॥ ला० ॥
केशराजऋषीशल ॥ वाकहीएवातजे ॥ ला० ॥८४

॥ सारंगसोरठीरागे दोहा ॥

सीतापासेंयालीडे ॥ तवआयाश्रीराम ॥ सु कुमालांगी
स्वामीनी ॥ उठणायणुंअेडाम ॥१॥ सीतातपनाक्लेश
अति ॥ क्षुधातृषानीव्यापि ॥ रहेवोमेलेलुगडे ॥ निम
मतनीअेछापि ॥२॥ नारयडीअेभारआति ॥ महोटो
संयमभार ॥ ज्युंनिवर्त्तिसेअेभणी ॥ सांसोअेहूअपार
॥३॥ शन्नशावणआगले ॥ राजीरहीनिर्नटेड ॥ राजेसे
संयमविषय ॥ साथीटेडअनेड ॥४॥ ईमविमासीचंन-
दना ॥ डीधीराघवराय ॥ लक्ष्मणआदेप्रणमिया ॥ सी-
ताजनापाय ॥५॥ संपरिवारोरामजी ॥ अयोध्याआन-
त ॥ गुणगातांसीतातणा ॥ गाढोसुजपावंत ॥६॥

॥ ढालसाठमी ॥

(उं मूनी देशीमांछे.)

सतियांसीतासारीजी ॥ सुरवरदीधीसाजी ॥ स० ॥ स-
लीलमलीमुजेभाषी ॥ स० ॥ श्रीमुजेभाषीरामजीजी ॥
शीलसंहायराजिओजी ॥१॥ तीरथमेंसार्योसहीजी ॥
तीरथमाडूहीहेजी ॥ मंत्रामेंसार्योसुणीजी ॥ श्रीनवका-
रविशेषीय स० ॥२॥ दानामेंसार्योजहोजी ॥ जुचतशुंब-
गदान ॥ व्रतामेंसार्योलह्योजी ॥ सार्योशीलप्रधान ॥ स०
॥३॥ नियममेंसार्योनएयोजी ॥ नियमवडोसंतोष ॥
सार्योतपतपियातणोजी ॥ समतारसनोपोष ॥ स० ॥४॥
॥ दृढरत्तपतपवेडरीजी ॥ सेनापतीजीसोढी ॥ स्वर्गेप-

होतेपांचमेजी॥परमभहुसुजहोई॥सं०॥५॥साठ
वर्षलगेस्वामीनीजी॥विविधपरेतपकीध॥कायाकीधी
दुबलीजी॥नरभवनुंफललीध॥सं०॥६॥अहोनिशा
तेत्रीसनोजी॥अनशनअतीआराधि॥दशविधआरा-
धनकरीजी॥समरसनोरससाधि॥सं०॥७॥सागरतो
जावीसनोजी॥पायोपूरोआव॥अच्युतईन्द्रपदभोग-
वेजी॥सीतापुण्यप्रभाव॥सं०॥८॥गिरिवैताढ्येनअणि-
येजी॥कांचनपुरप्रसिद्ध॥कनकरथराजभलोजी॥राज
करेसमृद्ध॥सं०॥९॥मंदाकिनीसुमानुनीजी॥चन्द्रमु-
खीतिजनास॥पुत्रीहोईपरणावयाजी॥स्वयंवरमंडप
तास॥सं०॥१०॥रामसुलक्ष्मणतेडियाजी॥पुत्रानेप-
रिवार॥आव्याआडंबरघणे जी॥वरस्येनिजकार॥सं०
॥११॥लवणलवेरमंदाकिनीजी॥चन्द्रमुखीयकसाल॥अं-
कुशनेआगेधरीजी॥पहेरावेवरमाल॥सं०॥१२॥लक्ष्म-
णकुंअरकोपियाजी॥अढाईसेंवरसार॥लवणांकुशने
आगलेजी॥मांडेयुद्धअपार॥सं०॥१३॥लवणांकुश
भाषेभलीजी॥काकोजीतेबाप॥प्रीतीपनोतोछेघणो
जी॥सुंकरवोसंताप॥सं०॥१४॥अवश्यछेभाईभणी
जी॥तेहथीवधनचीथाय॥गजकेसरिनेआगलेजी॥
जोलेंतोनलज्जाय॥सं०॥१५॥सरमाणासुसताथया
जी॥वैरागेवनवास॥अनुमतमागीबापनीजी॥आव्या
मुनिवरपास॥सं०॥१६॥अढाईसेंएकठाजी॥कुंअर
एकहिवार॥महाबलमुनिश्रीमुखेजी॥लीधोसंयम

भार॥सं०॥१७॥लवणांकुशकुंअरतणोजी॥डी-
धोतवविवाह॥स्वामीअयोध्याआवियाजी॥हूओ
घणोउच्छाह॥सं०॥१८॥भामंडलभूपालनेजी॥ऊ-
परभूमिआय॥जहुविधभावेभावनाजी॥चित्तने
लियेसमभाय॥सं०॥१९॥वशकरीनेश्रेणीदोयजी॥
वर्तावीनिजआण॥अनन्नोदीक्षालिनियेजी॥तोस-
घलोप्रमाण॥सं०॥२०॥अेमचिंतवतांतेहनेजी॥माथे
विद्युतपात॥देवकुरेनरऊपन्याजी॥सुखमांहेदिनज-
त॥सं०॥२१॥अेकदिवसहनुमंतजी॥मेरुगिरिंदेजाय
॥चैत्रमासेक्रीडाकरीजी॥मनरलियायतथाय॥सं०॥
२२॥वाटेआवंतांथकांजी॥रवीआथमतोदेख॥अेहसरु-
पसंसारनुंजी॥चिंतचिंतेसुविशेष॥सं०॥२३॥दिनने
आदेऊगियोजी॥वध्योमध्यदिनताय॥घट्योदिनघ-
टवेकरीजी॥माणसअेमगणाय॥सं०॥२४॥पुत्रपनो-
तोपाटवीजी॥राजभारथापंत॥दीक्षामहोच्छवमांडि-
योजी॥दानघणुंआपंत॥सं०॥२५॥धर्मरत्नगुरुपा-
सतीजी॥लीधोसंयमभार॥सुंदरीसाढीसातशेंजी॥ला-
गीप्रभुनेलार॥सं०॥२६॥जावेपीवेपहरवेजी॥करवे
भोगविलास॥प्रेमकरावेपद्मिनीजी॥मांडीअेप्रीयसुं
आश॥सं०॥२७॥अलुणीसिल्लाथ्यारचेजी॥प्रीयसा-
थेवैराग॥करेतिकायनकामिनीजी॥साथेशिवनुंमाग
॥सं०॥२८॥आर्निकालक्ष्मीवतीजी॥पवरतणीकहेवा-
य॥साथेरहेअेमसाधवीजी॥[illegible]जपाय॥सं०॥

२८॥ सांयोसंयमपालवेजी ॥ कर्मतणोक्षयकार॥ हनु-
मंतहूवाकेवलीजी॥पाम्यालवनोपार॥स०॥३०॥हनुमं-
तदीक्षासांभलीजी॥चित्तचिंतेश्रीराम॥कष्टग्रह्युंदीक्षा
तणुंजी॥ छांडिविषयसुखठाम॥स०॥३१॥सौधर्महरि
अविधिकरीजी॥जाणीएहपरणाम॥ विषममहागती
कर्मकीजी॥केहसलाथेताम॥स०॥३२॥चर्मशरीरीराम-
जीजी॥करेधर्मनीहांसि॥ वोजाणेविषयाघणीजी॥नव-
देवचनविमासी॥स०॥३३॥हाहामेंजाण्योसहीजी॥ल-
क्ष्मणरामस्नेह॥वचनअगोचरछैघणोजी॥ कोईनपावे
छेह॥स०॥३४॥तामचल्यादोदेवताजी॥पुरीअयोध्यामा-
य॥नेहपरीक्षाकारणेजी॥मांडेएहउपाय॥स०॥३५॥
लक्ष्मणनेमायाकरीजी॥देखावेतेदेव॥अंतेउरसहुरो-
वतोजी॥कहणास्वरेततखेव॥स०॥३६॥पद्मपद्महाप-
द्मजीजी॥पद्मिनीअधिकपुडारि॥रोवेमरणअकालनुं
जी॥कलुंकिस्युंकिरतार॥स०॥३७॥वक्षस्थलकूटेघणुं
जी॥माथेकूटाकेश॥भेलीनेतमानुनीजी॥करतिअधि-
ककलेश॥स०॥३८॥विलोकीविखवादसुंजी॥लाधेल-
क्ष्मणभूप॥जीवत्वनुंजीवितपणुंजी॥लाधेभूपअ-
नूप॥स०॥३९॥वातकहंतांमरिगयोजी॥फिटरेपापीका-
ला॥छेतरियोछलवटकरीजी॥रघुपतिसोभूपाल॥
स०॥४०॥एमकहंतस्वामिनोजी॥वचनासाथेजीव॥
निकलिगयोततक्षणतदाजी॥आतुरपणेअतीव॥स-
०॥४१॥सिंहासनजेठायजजी॥हेमयंलजचयंलि॥

आंजेपसार्याहिरह्योजी ॥ लेपाणिंमनिरदंसि ॥ सं०॥
४२॥ लक्ष्मणमूर्छानाणिकेजी ॥ देवकरेविषवाद ॥ हास्यथ-
कीअनरथहूओजी ॥ दहीगयोपरसाद ॥ सं०॥ ४३॥ विचा
धरविशेषथीजी ॥ आपोहणियोअनेह ॥ पश्चात्तापकरीघ-
णोजी ॥ स्वर्गगयासुरतेह ॥ सं०॥ ४४॥ अंत पुरीनीपत्नि
नीजी ॥ मूर्छाणीकंत ॥ कूटेपीटेआवटेजी ॥ रोवेअतीवि
लपत ॥ सं०॥ ४५ ॥ शोकवचनश्रवणेसुणीजी ॥ राघवध-
सीजावंत ॥ अमंगलअनाणियाजी ॥ मंडकिस्योतुरंत ॥
सं०॥ ४६॥ जीवेछेमुनलाछजी ॥ अमशुंकेममरंत ॥
मूर्छियोकोणप्रकारथीजी ॥ तवणिपयारकरंत ॥ सं०॥ ४७
॥ वैद्यलगाव्यावेगशुंजी ॥ पूछ्याज्योतिषजाण ॥ मंत्रतं-
त्रणिपकर्मक्रतीजी ॥ दीयाआपप्रमाण ॥ सं०॥ ४८ ॥ जो-
र्धनआव्योपाधरोजी ॥ तामप्रभुमूर्छाय ॥ संज्ञापामी
नेजरोजी ॥ करुणास्वरेंविललाय ॥ सं०॥ ४९ ॥ शत्रुघ्रसु-
ग्रीवजी ॥ बिभिषणलंकेश ॥ हुं जअधिकेआरडेजी
॥ रोवेसायअशेष ॥ सं०॥ ५०॥ कौशल्यादिकमायजी
॥ नयणेनाजेनीर ॥ छोडिअवडवीरनेजी ॥ गयोविलाछी
वीर ॥ सं०॥ ५१ ॥ मार्गमार्गपंथमेंजी ॥ घरघरहाटेहा-
टे ॥ शोकमेंसहुकोहुवाजी ॥ पडीअचितीवाट ॥ सं०॥ ५२
॥ लवणांकुशप्रभुनेनमीजी ॥ अनुमतिमागेआप ॥
ऐससाअसारछेजी ॥ यमनोप्रबलप्रताप ॥ सं०॥ ५३ ॥ अमृ-
तघोषमुनिसपेंजी ॥ पामीवित्तमहिज ॥ मोक्षगयामुनि-
वरसहीजी ॥ आराधिगतशिवजि ॥ सं०॥ ५४॥ लाछि

તું [illegible] નણોજી ॥ [illegible] નિચણોવચોના ॥ ફરીફરીનૂરછા-
યપ્રભુજી ॥ ચ [illegible] જાયેરજ ॥ [illegible] ॥ ૫૫ ॥ [illegible] ઇજી
[illegible] નાજી [illegible] પુંસાદાર્યો [illegible] ॥ [illegible] પ્રભુકિ [illegible] આગેહુરેજી
[illegible] તિર [illegible] વેગોઠિ [illegible] ૫૬ ॥ મ [illegible] નૂરછાણ
[illegible] જ [illegible] યોરા [illegible] ર ॥ [illegible] નવણ [illegible] કરાયજીજી ॥
[illegible] વિ [illegible] સં૦ ૫૭ ॥ ચીરા [illegible] રતુંજી ॥
[illegible] ॥ [illegible] કમેજી ॥ [illegible]
તજીઆજ ॥ સં૦ ૮ ॥ પ્રભુજીનીકા [illegible]
[illegible] કાજ [illegible] કી [illegible] પ્રભુઆદરાયજી ॥ મેલીનેસાહુ
॥ સં૦ ॥ ૫૯ ॥ એહજુ [illegible] અતિકો [illegible] ॥ ૬
[illegible] જોલંત [illegible] પ્ર [illegible] લ ચનવાનવેજી [illegible]
ત [illegible] સં૦ ૬૦ જીવેછેનુ [illegible] ॥ [illegible] આતુમારા
ત ॥ ૬ [illegible] તુનેદાન [illegible] વળોજી ॥ [illegible] સરવાહ-
યોઅત સં૦ ॥ ૬૧ [illegible] તું [illegible] જીજી [illegible]
[illegible] ॥ છિન્દલેઈકરસો [illegible] જી ॥ દુર્જનજનપેસારા ॥

सं० ॥ ६२ ॥ अथवा दुर्जन देखता जी ॥ कोपे नहीं सज्जन
॥ एम कही जांघे धरी जी ॥ पद्म्यो अनेरे थान ॥ सं० ॥
६३ ॥ स्नान करावे हाथशुं जी ॥ अंगु छीने अंग ॥ विले-
पन विधि साचवी जी ॥ शाम करे अतीरंग ॥ सं० ॥ ६४ ॥
थाल लसी भोजन तणा जी ॥ मूके आगे आण ॥ लाई-
जी आरोगिये जी ॥ जोले मीठी वाण ॥ सं० ॥ ६५ ॥ कह-
हिं अकारो पिके जी ॥ चूंजे वार अनेक ॥ मस्तक जालिक
नी परे जी ॥ एप ग वड विवेक ॥ सं० ॥ ६६ ॥ पोढावीने

मानवी ॥ मूढपणानां काम ॥ ३ ॥ पंकजऊगेपाणीयें ॥
पाणीविणनऊगंत ॥ जलशुंसिंच्येमुशलुं ॥ क्युंहिन-
वीफूलंत ॥ ४ ॥ जीवनऊगेजलविना ॥ ऊंभरजेतविशे-
ष ॥ वालुपिल्याघाणियें ॥ मूरखतेलमदेख ॥ ५ ॥ तवजो-
ल्याहसीदेवता ॥ अन्नेअेमनहोय ॥ मूरखोफिरिजुवे
नहीं ॥ स्वामीविमासीजोय ॥ ६ ॥ अेमकह्योप्योघणुं ॥ अस-
लंगीनेदेह ॥ कहेदूरखदृष्टीथी ॥ आणुंछुंतुजछेह ॥
७ ॥ सेनापतीसुरलोकथी ॥ जटायुनोऊपाय ॥ देखे
जबलागेनहीं ॥ मोहमेंरहेरघुराय ॥ ८ ॥ आपऊपाय-
जकेलवे ॥ मूर्छनारीअेक ॥ जांघेघरीनेआवियो ॥ राम
चेतसुविवेक ॥ ९ ॥ अेकेमूर्छ्योठनर ॥ मूर्छनारीजांघ ॥
लेईफिरिलेशेसही ॥ मूओआऊजोसांधि ॥ १० ॥ स्वा-
मीअमंगलकांकह्यो ॥ अेमजवालीनारि ॥ हीयाथकी
नवीऊतरे ॥ रामकहेसुविचार ॥ ११ ॥ वालाथीवालो
हूओ ॥ मूओफिरीनावंत ॥ मूआगयातेसोचतां ॥ शो-
भनकोपावंत ॥ १२ ॥ परऊपदेशीलगघणो ॥ आपन
समजेकोई ॥ राममनेमोहिरह्या ॥ तामकहेसुरसोई ॥
१३ ॥ डुंगरजलतोदेखिये ॥ पगतलेनवीदेखंत ॥ छि-
द्रपरायापेखिये ॥ पोतानानवीपेखंत ॥ १४ ॥ अेहवचनने
प्रतिबूझियो ॥ प्रभुआयोठाम ॥ लक्ष्मणनाईछ्जि
सही ॥ मूओजाणेअेराम ॥ १५ ॥ तवतेहोईदेवता ॥
आपणपोदेखाय ॥ पगेलागीप्रभुतणे ॥ स्वर्गेपिहोत-
जाय ॥ १६ ॥ संस्कारकयालक्षणी ॥ रामकियोतिवार ॥

आपहुआवीतावला ॥ लेवासंयमभार ॥ १७ ॥ शत्रुघ्न नेराननी ॥ पदवीआपेईश ॥ शत्रुघ्न ईच्छे नहीं ॥ संयम साथे नगीश ॥ १८ ॥ लवणांतपोअंगनअछे ॥ अनंग देवउदार ॥ रानलार तसआपियो ॥ ओछवकरेअपार ॥ १९ ॥

॥ ढालएकसठमी ॥

(हांमेरे पुन्यजी हांमेरे गुरुजी-ए देशी)

धनप्रभुरामजी धनपरिणामजी ॥ पृथवीमेंपरशंसजे ॥ धनतुजतातजी, धनतुजमातजी ॥ धनतेरा कुलवंश जे ॥ ध० ॥ १ ॥ मुनिसुव्रतनेतीर्थेवर्त्ते ॥ सुव्रतजीगण-धारजे ॥ अरहासिजताव्योसदगुरु ॥ भवजलतार-णहार जे ॥ ध० ॥ २ ॥ शत्रुघ्नसुग्रीवविभिषण ॥ वीर विराधउदारजे ॥ सोलेहजारनरेसरसाथे ॥ राम हूआ व्रतधारजे ॥ ध० ॥ ३ ॥ वरनारीसंयमव्रतलीयो ॥ सहस सताजत्रीशजे ॥ श्रीमतीआरजिकाकेरी ॥ सेवकरेनिश दिशजे ॥ ध० ॥ ४ ॥ पंचास्याशीशुध्याहारी ॥ सुमतिगुप्ति प्रतिपालजे ॥ शीलसुधारीपरउपगारी ॥ षट् कायर-छयालजे ॥ ध० ॥ ५ ॥ छठ्ठअठुमआदेतपकीधे ॥ विवि-धअभिग्रहवंतजे ॥ कंचननीपरेकायकसीने ॥ गुरुवि-नयोगुणवंतजे ॥ ध० ॥ ६ ॥ चउदेपूरवअंगईग्यार ॥ प-ढ्योबुध्धिप्रमाणजे ॥ पंडितराजशिरोमणिसाध्यो ॥ सजविधिजाणसुजाणजे ॥ ध० ॥ ७ ॥ आसेवननेग्रहणशि-क्षा ॥ दोशिक्ष्यागुरुनेसंगजे ॥ गुरुकुलवासेसाठवर्ष

लगे परहिया मननेरंगजे ॥ध० ८॥ गुरुआदेशेविच-
रविहारी ॥ जेकडीविचरंतजे ॥ त्रणहिशत्रेध्यानत-
णेजल ॥ अवधिज्ञानीउपनंतजे ॥ध०॥९॥ चउदर-
ज्जमकलोकविलोके ॥ जिमतोफलकरमांहेजे ॥ अनुज
अधिकवेदन अनुभवतो ॥ दीठोनरकेप्राहिंजे ॥ध०॥
१०॥ प्रभुजचिंतेजहुंहुतो ॥ नामेश्रीधनदत्तने लक्ष्म
णजहुतोलघुभाई ॥ वसुदत्तसुदत्तजे ॥ध०॥११॥ उज्ज
हांपणमुजकने मूओ ॥ भवमेंभमतोसूरिजे ॥ एहांप-
णलक्ष्मणमुजसाथे ॥ रह्योनित्यहजूरजे ॥ध०॥१२॥
वरससोकुंअरपणेरे ॥ मंडलिकराजतीनजे ॥ दिग्वि-
जयचालीशवर्षलगे ॥ पदवीधरप्रवीणजे ॥ध०॥१३॥
एग्यारहजारपांचसेंउपर ॥ वरसवहितासारजे ॥ स-
र्वायुतसबारसहस्रनुं ॥ दीसेग्रंथहिपाठजे ॥ध०॥१४॥
अविरतिनेबलेनरकेपहूतो ॥ कृतकर्मनोजोरजे ॥ जैसो
कीजेतैसोलहिये ॥ कांईकरोनरसोरजे ॥ध०॥१५॥ एम
चिंतवतारामसुनिश्वर ॥ कर्महणेवाहेतजे ॥ तपजपअ-
धिकअधिकाकीने ॥ समतासावसमेतजे ॥ध०॥१६॥
दोउपवासकियादिनतीने ॥ करवाकजआहारजे ॥
स्यंदनथलनगरेपाउधारे ॥ नयणानीगतीसारजे ॥
ध०॥१७॥ चंद्रहिनेमचकेशादेजे ॥ तिमपुरनासहु लोग
कजे ॥ सन्मुखआयाप्रणमेपाया ॥ जेशुभनोसंयोग
जे ॥ध०॥१८॥ आपआपणाघरनेजारे ॥ लोकनकेरा
चालजे ॥ आगेमूकेभक्तिन्चूके ॥ आणीभावरसा-

लजे॥ लोकशाख्थीसोरमच्योअती॥ हाथीलंनेथंलजे
॥ ढींग्याजनकरेअतिघोड॥ हूओआघिकअर्थलजे॥ धं०
॥२०॥ ओआहारनलीधोरामे॥ चलिआयानृपगेहजे॥
प्रतिनंदिभूपेप्रतिलाभ्या॥ आणीधर्मसनेहजे॥ धं०॥
२१॥ प्रभुजनोपारणोपहूतो॥ ढीपन्योअतीउल्हास
जे॥ पंचसुदिव्यप्रसिद्ध्याहूआ॥ ढीहुघोषणआकाशजे
॥ धं०॥२२॥ प्रभुजीवनमेंजठचित्तध्यैते॥ पुरमांहिनवी
जणींजे॥ कोलाहलघणोलोगानेढीपन्यो॥ दुःखधाईनवी
थाशींजे॥ धं०॥२३॥ अन्नसूनतोवननेविषेरे॥ मिल्या
आहारहिआशजे॥ नहींतरओहआभिग्रहढीधो॥ कर-
वातपढीपवासजे॥ धं०॥२४॥ ममताभावनहींकायानो
॥ आणीसमाधीअशेषजे॥ प्रतिमाधरपरमार्थसाधे
॥ समरसशुंसुविशेषजे॥ धं०॥२५॥ वासीचंदनजीवन
मरणे॥ मित्रअरिसमतोलजे॥ साकरथंडरसुखदुःख
सरसा॥ सरसाजोलकुबोलजे॥ धं०॥२६॥ हर्षनहींविष
वादननाहीं॥ नाहींरागनरोषजे॥ आतमरामरमावेपा-
वे॥ सुभउत्तमसंतोषजे॥ धं०॥२७॥ प्रतिनंदिघोडानो
जेंस्यो॥ लेवनआयोत्यालिजे॥ नंदनपुन्यसरोवर
घोडो॥ मूंक्योनशकेहालिजे॥ धं०॥२८॥ ओटलेसुन
भटघरशीजहुआया॥ नृपहयझडीलीधजे॥ कटक
पडावकीयोसरतीरे॥ तामरससोडकीधजे॥ धं०॥२९॥
आरोग्योनृपसुभटसहुशुं॥ पुण्यतणुंपरिणामजे॥
रामसरणीन्धिरवहोरणठले॥ आयासाधुसुजाणजे॥

धन०॥३०॥सन्मुखआईदेईप्रदक्षणा॥रायकरेपरणा
मजे॥धनअेदहाडोधनअेवेला॥जेट्याश्रीऋषीरा-
मजे॥धन०॥३१॥अन्नसुजतोप्रभुप्रतिलाभ्यो॥रत्न
तणीतववृष्टिजे॥सुखकीधीपुहवीप्रसिद्धि॥भूपेन-
भाक्तिणीदृष्टिजे॥धन०॥३२॥रामऋषीउपदेशदीयोत-
ज॥श्रावकनांव्रतबारजे॥आदरियांप्रतिनंदीराये॥
अवसरपेणनृपनारजे॥धन०॥३३॥रामघरहिंपधार्यो
प्रभुजी॥वनहिंमांहेवसंतजे॥सेवकरेसुरवरसुरदेवी॥
भणीसाधुमहंतजे॥धन०॥३४॥अेकमासीदोमासीकी-
ने॥त्रिमासीचउमासजे॥तपउपवासकरंताकपे॥क-
मेकिरापापशजे॥धन०॥३५॥पर्यंकआसनकदहींकीजे॥उ-
त्कटीकासनसारजे॥प्रलंबितभूजकदिहिकदिहिं॥उ-
र्ध्वजाहुउदारजे॥धन०॥३६॥अंगुष्ठाधारेकदिरहिवो
॥कदिअेकीआधारजे॥इत्यादिकचौरासीआसन॥
रामकरेतसपारजे॥धन०॥३७॥विचरतविचरतकोटि
शीलाये॥रामपधार्याताभजे॥कोटिमुनिवरमोक्षसि-
धाया॥तेहथीकोटिनामजे॥धन०॥३८॥रातिरह्याप्रति-
माधरहोई॥शुक्लसुध्यानधरंतजे॥क्षपकश्रेणीचढ्या
तवकीने॥घातिकर्मनोअंतजे॥धन०॥३९॥अेटलेअव-
धियेप्रभुजदेखे॥श्रीसीतेंन्द्रतेवारजे॥ध्यानचलावी
अवानचीदेउं॥प्रभुनेमोक्षमझारजे॥धन०॥४०॥उप-
सर्गअनुकूलकरीने॥श्रेणीच्यवंतोस्वामीजे॥उनाइंमुल
भिन्नहूवेनिम॥सुरगतिपदवीपामीजे॥धन०॥४१॥इम

चिंतवी सीतेंद्र पधारयो ॥ राम ऋषीश्वर पास जे ॥ मास
वसंत विकुर्व्युं वाड ॥ रम्यो मन सुविलास जे ॥ धे० ॥ ४२ ॥
ढाल भली एतो एकसठमी ॥ सीता मांड्यो रंग जे ॥ केश-
राज अनुराग करीने ॥ नय चंद्र ये शुभ संग जे ॥ धे० ॥ ४३ ॥

॥ धन्याश्री रागे दोहा ॥

केतकी पाडल जकुल ॥ चंपक ने सहकार ॥ विविध प्रकारे फू-
लिया ॥ जेह मदन शिरसार ॥ १ ॥ मलयाचलना वायरा
॥ वाने अती सुखदाय ॥ भमरा गुंजरव करे ॥ कोयल श-
ब्द सुहाय ॥ २ ॥ श्री सीतेंद्र विकूर्वे ॥ सीता केरो रूप ॥
नारीजन परिवारशुं ॥ आछि भात अनूप ॥ ३ ॥ राम क-
ने आवी कहे ॥ प्रीतम सुण अरदास ॥ आगे न छे पछता-
छैकुं ॥ फिरी आवी पीयु पास ॥ ४ ॥

॥ ढाल बासठमी ॥

(पदनी देशी०)

सीता आवे रे घरी राग ॥ बालपणा को राम सनेही ॥ लो-
गकरण को लाग ॥ सी० ॥ १ ॥ वरसां सोलां केरी सुंदरी ॥
सुंदर सलजन भाष ॥ रूप अनोपम अधिक बनाव्युं ॥ छं-
दर करे अभिलाष ॥ सी० ॥ २ ॥ रमझम रमझम घुघर
वाजे ॥ नेपूर केरो नाद ॥ झलझल करी चूडो झलकावे ॥ उ-
पजावे आल्हाद ॥ सी० ॥ ३ ॥ चित्त को चटको मन को म-
टको ॥ तन को पटको फार ॥ अमृत कुटको फेरड कनटको

॥घुंघटडोसुविचार॥सी०॥४॥पहेरणपीतपटोली
चोली॥सोहेभातसुरंग॥सहीयरटोलीभालरलोल
॥जनतीआछेअंग॥सी०॥५॥डानलटेजासोहसरे-
जा॥आरोग्यांमुजपान॥भूहकुमानचढावेचतुरा॥
भूडेलोचनजाण॥सी०॥६॥अंगटेजावेहाथनचावे॥
डमरगावणहारी॥वेषजनावेउपरचावे॥निरजण
सरजीनारी॥सी०॥७॥धौंधौंधपमपमांडलवाजे
॥चटपटचटपटताल॥कुणकुणशाजरभाजडंतो॥
वीणाजंसिरसाल॥सी०॥८॥नाटकडरतीचित्तअप-
हरती॥ठुमकठुमकडीचाल॥रागआलावेमीठीगावे॥
शचीसहीअतिछ्याल॥सी०॥९॥तजतोतुमप्रभुराजे-
चामुल॥मेहिअहुंआभिमान॥सोचविचारीनेताज-
एयुं॥प्रीयसुजअभीयसमान॥सी०॥१०॥लेतजमे-
लतजेडहिनजने॥लचपचमेंमनजेह॥जेटलेजेकुंजे-
चरणीआवी॥वाणीवदेससनेह॥सी०॥११॥रेजो-
लीभरमाणीलीरे॥राघवस्योभर्तार॥प्रजलपुण्यप्र
तामेपामी॥तुझ्योतुजडिरतार॥सी०॥१२॥त्यजसंय-
मलनशमनरेसर॥लोगवीलोगअपार॥हमपणराम
तणीत्रीयथाशुं॥रहीशुंचारेलार॥सी०॥१३॥जेहवि-
द्याधरपुत्रीवरने॥डरनेलोगविलास॥हुंछुंजंदीनाथ
तुमारी॥आदिसगेजेभास॥सी०॥१४॥हुंभणुंतु-
मभुजवियोगे॥आदरिजोअेभोग॥सोहुंआगेउली
आवी॥ज्युंनवीमानोलोग॥सी०॥१५॥पहेदोजो-

लनमान्योप्रभुनो ॥ तेहनोअेतुमशेस ॥ अभलाअ-
र्थिहुर्ढनिवारे ॥ तजदेवोसंतोष ॥ सी० ॥ १६ ॥ अेम
करीनेनाटकउरवे ॥ मासवसंतविनोद ॥ रामतणुंम-
नरंग्यनरच्युं ॥ रह्योज्ञानप्रमोद ॥ सी० ॥ १७ ॥ मा-
घशुक्लबारससनिसीअंते ॥ उपन्योकेवलनाण ॥
अेसीतेंद्रअवरहरिमांड्यो ॥ ओच्छवनोमंडाण ॥ सी०
॥ १८ ॥ सोवनपंकजजेठास्वामी ॥ च्यामरढालेदेव ॥ म-
स्तकछत्रजिशलेवाइं ॥ देवकरेअतीसेव ॥ सी० ॥ १९ ॥
देशनादीधीदेवोनिशुणी ॥ देशनाअंतेजभावी ॥ सीतें-
द्रेसोमित्रीरावण ॥ गतिपूछीकहेस्वामी ॥ सी० ॥ २० ॥
नरकचेतुर्थेअेबेहु होई ॥ शंबुकनेलंकेश ॥ लक्ष्मण
कृतकर्मनियोगे ॥ सहेवेदनसुविशेष ॥ सी० ॥ २१ ॥ न-
रकथकी निकलीनेरावण ॥ लक्ष्मणपूर्वविदेह ॥ विजय
पुरीरेसुनंदरोहिणी ॥ होशेसुतससनेह ॥ सी० ॥ २२
॥ सुदर्शनिजिनदासजहेशे ॥ श्रावकधर्मअगाध ॥
स्वर्गसुधर्मेहोईविजया ॥ नगरियेहोशेश्राध ॥ सी० ॥
२३ ॥ तिहांमरीहरिवर्षेहोशे ॥ होईपुरुषप्रधान ॥ सु-
रहोईविजयानगरिये ॥ श्रीआरतशज्जन ॥ सी० ॥ २४
॥ लक्ष्मीराणीउदिरउपनशे ॥ नयप्रभवजयकांत ॥
संयमपालीस्वर्गछठेरे ॥ लहेशेसुखअेकांत ॥ सी० ॥
२५ ॥ तवतुंइंद्रपणुंच्यवीआवी ॥ पामीभरतजेजे-
त ॥ सरवरत्नमातिनामेचक्री ॥ होशेशुभसंकेत ॥
सी० ॥ २६ ॥ तेहोईदेवच्यवीधरच्यारे ॥ याशोवरसंतान

॥ ઈન્દ્રાયુધ્ધનેમેગરથાલિધ્ધા ॥ વસુધાવધતોવાન ॥
સી૦ ॥ ૨૭ ॥ તુંયકીસંયમવ્રતપાલી ॥ વિજયંતવિમા-
ન ॥ પામશેપરિગલપુણ્યેકરી ॥ દેવસઘાકલ્યાણ ॥ સી૦
॥ ૨૮ ॥ ઈન્દ્રાયુધ્ધસોતોરાવણજી ॥ તીર્થંકરનુંગોત ॥ ઉ-
પાર્ઈસત્રીનેકરશે ॥ જિનપદનોઉદ્યોત ॥ સી૦ ॥ ૨૯
॥ રાવણજિનતીર્થંતુંલેશે ॥ ગણધરપદવીગાજ ॥ રાવણ
તોશિવગતિસાધશે ॥ ભાખેરઘુઋષીરાજ ॥ સી૦ ॥ ૩૦
॥ લક્ષ્મણજીવતુમારોનંદન ॥ મેઘરથલેસેદિખ્ખ ॥ શુ-
ભગતિલેશેઅતિગહગહશે ॥ પાલીસદ્ગુરુશિખ્ખ ॥
સી૦ ॥ ૩૧ ॥ પુષ્કરદ્વીપેપ્રાગવિદેહે ॥ રત્નસુચિત્રાનામ
॥ નગરિયેનરદેવતણોપદ ॥ પહેલીપાડીઠામ ॥ સી૦
॥ ૩૨ ॥ પાછેતીર્થંકરપદભોગવી ॥ પહુંચશેનિર્વાણ ॥
લક્ષ્મણલેશેઅનંતચતુષ્ટય ॥ અષ્ટમહાગુણઠાણ ॥
સી૦ ॥ ૩૩ ॥ એમસુણીસીતેંદ્રપ્રભુને ॥ ચરણેકરીપ્રણા-
મ ॥ પૂર્વનેહતણેવશઆવ્યો ॥ લક્ષ્મણપાસેતામ ॥ સી૦
॥ ૩૪ ॥ સિંહાદિકનાંરૂપવિકુર્વી ॥ શંબુકરાવણદોઈ
॥ લક્ષ્મણશુંસંગ્રામકરંતા ॥ દેખેસુરપતિસોઈ ॥ સી૦
॥ ૩૫ ॥ એહકર્મથીએગતિલાધી ॥ ભાખ્યાએહસંતા-
પ ॥ અબહુંકર્મનઓઈછૂટે ॥ અઈઅઈકર્મકલાપ ॥
સી૦ ॥ ૩૬ ॥ તેદોઈસમઝવીસ્વામી ॥ લક્ષ્મણરાવણ
સાથ ॥ વાતસુણાવેઅતિવિલાવે ॥ તેભાખીરઘુના-
થ ॥ સી૦ ॥ ૩૭ ॥ લક્ષ્મણરાવણકહેકૃપાનિધિ ॥ કી-
ધુંરૂડુંકાજ ॥ એઉપદેશસુણ્યાંવિસરિયાં ॥ એગતિ-

नांदुःखअपार ॥ सी०॥३८॥ निजकृतकर्मतणेअ-
नलअेहवी ॥ आपदपाम्याआप ॥ आपहिलोगवी-
नेछूटशुं ॥ आपकमायापाप ॥ सी०॥३९॥ कुणआ-
णीसुरपतिभाषे ॥ नरकथकीतुमतीन ॥ काढीनेसुर-
लोकपेंहोंचाडिं ॥ तोहुंजाणप्रवीण ॥ सी०॥४०॥ अे-
मकहीकरग्रहीनेतीनें ॥ लेईयाल्यासुरराय ॥ पाशनी
पेरेकरथीजरेजरी ॥ पडयाअपुठाआय ॥ सी०॥४१॥
पुनरपिउद्यमकीधोअधिको ॥ पहेलतणीपरेथाय ॥
सामीवेदनावधतीअथे ॥ पीडायेअतिकाय ॥ सी०॥
४२॥ आपकमाणीभोगवणीछे ॥ विणभोगवियां
छूटी ॥ नहींछेप्रभुतुमथालपधारो ॥ मेलीमायाकूटी
॥सी०॥४३॥ तेतीनेतजीसुरपतिआयो ॥ प्रणमीरा-
घवपाय ॥ देवकुरेलाभंडसलेटी ॥ स्वर्गगयोसुजाद-
थ ॥ सी०॥४४॥ पच्चवीशवर्षलगेपालिओ ॥ प्रभु
केवलपर्याय ॥ भविकजनानांकामसमार्यां ॥ मि-
थ्यामतिमेटाय ॥ सी०॥४५॥ पनरहजारवरसनो
आयु ॥ पूरोहिप्रतिपाल ॥ रामऋषीश्वरमोक्षसि-
धाया ॥ वल्लभनरालयटाल ॥ सी०॥४६॥ नमोनमो
श्रीरामऋषीश्वर ॥ अजरअमरकहेवाय ॥ तीनलो-
कनेमाथेबेठा ॥ सास्वयसुखलहाय ॥ सी०॥४७॥ सं-
वतसोलत्रिकासीअेरे ॥ आछोआसुमास ॥ तिथी
तेरसअंतरपुरमांहीं ॥ आणीअतिउल्लास ॥ सी०
॥४८॥ अेगुरुदेवतणेसुपसाये ॥ ग्रंथरच्योसुप्रमा-

ए॥ ग्रंथगुणेगिरिमेरुसरिखो ॥ नवरसमांहेवखाण
॥ सी०॥४९॥ एवंबासठढालसुधारी ॥ वचनरचनसु
शाल ॥ रामयशोरसायननामा ॥ ग्रंथरच्योसुरसाल ॥
सी०॥५०॥ कविजनतोकरजोडीकहेछे ॥ पंडितशुंअरदास
॥ पांचआगेतोवांचवो ॥ जेहुस्येरागअभ्यास ॥ सी०॥
५१ ॥ अक्षरलंगेढालनलंगे ॥ रागनलंगेजेह ॥ वां
चतारेवचननेलंगे ॥ रसनहींउपजेओछे ॥ सी०॥५२॥
अक्षरजाणीढालनजाणी ॥ रागनजाणीजेह ॥ पांचा
आगेवांचवाथी ॥ उपजेशेअतिनेह ॥ सी०॥५३॥ जब
लगसायरनुंजलगाजे ॥ जबलगसरनचंद ॥ केशरजा